समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha

शिक्षक संदर्शिका

भाषा

कक्षा-5

वर्ष-2024-25

भाषा शिक्षण प्रक्रिया

सिद्धांत और पद्धति

सीखना एक चक्रिय प्रक्रिया है!

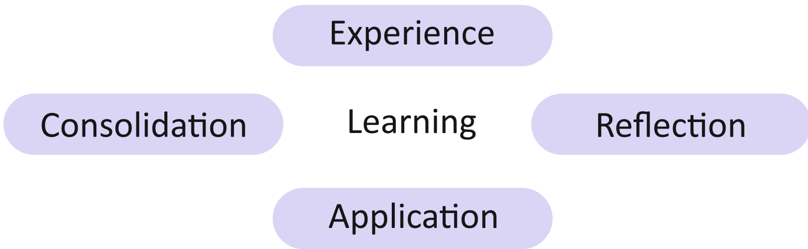

प्रक्रिया और उत्तरदायित्व

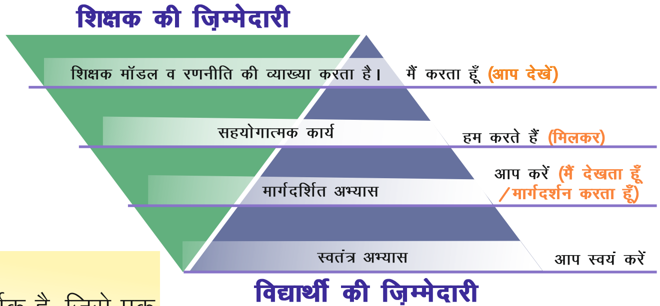

पाँच चरणों वाली सीखने की प्रक्रिया 'पंचादि'
उस क्रम को तैयार करने के लिए एक अच्छा मार्गदर्शक है, जिसे एक शिक्षक शिक्षण के लिए योजना बनाने में अपना सकता है।

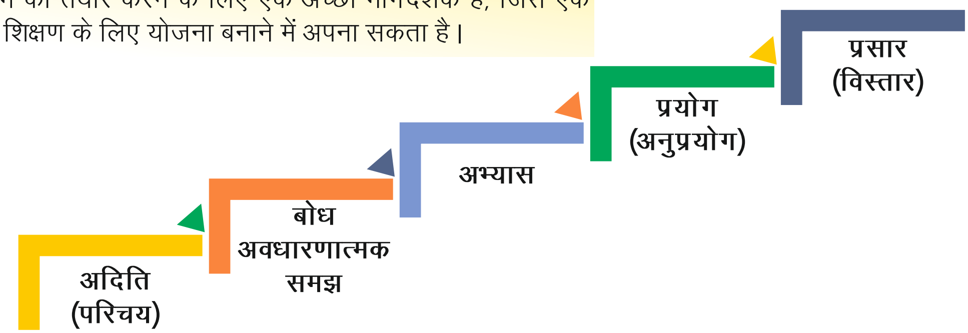

साक्षरता शिक्षण के लिए चार–ब्लॉक पद्धति

मौखिक भाषा विकास
- चित्र पर बातचीत
- अनुभव साझा करना
- नाटक और पात्र–अभिनय करना

शब्द पहचान
- ध्वनि जागरूकता की गतिविधियाँ
- वर्ण पहचान
- ध्वनि–प्रतीक संबंध
- कौशल केन्द्रित लेखन (वर्णों और शब्दों का)
- वर्ण और शब्द पठन

पढ़ना
- पढ़कर सुनाना
- साझा पठन
- निर्देशित/मार्गदर्शित पठन
- स्वतंत्र पठन

लिखना
- Modelled लेखन
- साझा लेखन
- निर्देशित/मार्गदर्शित लेखन
- स्वतंत्र लेखन

स्रोतः राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा, फाउंडेशनल स्टेज 2022

संरक्षण – डॉ0 एम0के0 शन्मुगा सुन्दरम, आई०ए०एस०, प्रमुख सचिव (बेसिक शिक्षा), उत्तर प्रदेश शासन, उत्तर प्रदेश, लखनऊ
संकल्पना – श्रीमती कंचन वर्मा, आई०ए०एस०, महानिदेशक, स्कूल शिक्षा एवं राज्य परियोजना निदेशक, समग्र शिक्षा, उत्तर प्रदेश
निर्देशन – श्री मधूसूदन हुल्गी, आई०ए०एस०, अपर राज्य परियोजना निदेशक, समग्र शिक्षा, उत्तर प्रदेश

मार्गदर्शन –

1. श्री गणेश कुमार, निदेशक, राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, उत्तर प्रदेश, लखनऊ
2. डॉ0 पवन कुमार, संयुक्त निदेशक, (एस०एस०ए०), राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, उत्तर प्रदेश, लखनऊ

सहयोग एवं समन्वयन–

1. श्री आनंद कुमार पाण्डेय, वरिष्ठ विशेषज्ञ एवं प्रभारी गुणवत्ता, समग्र शिक्षा, उत्तर प्रदेश
2. श्री पी0एम0 अंसारी, राज्य सलाहकार, समग्र शिक्षा, उत्तर प्रदेश
3. सुश्री नुज़हत मलिक, राज्य समन्वयक, प्रथम एजुकेशन फाउण्डेशन, उत्तर प्रदेश
4. श्रीमती बबिता आशीष शंकर, कार्यक्रम समन्वयक, प्रथम एजुकेशन फाउण्डेशन, उत्तर प्रदेश

संपादन–

1. श्री मदन मोहन पाण्डेय, सेवानिवृत्त प्रवक्ता एस0सी0ई0आर0टी0, उत्तराखण्ड, देहरादून
2. श्री जयप्रकाश ओझा, सहायक अध्यापक / तकनीकी सहायक, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, गोरखपुर
3. डॉ0 फैयाज़ अहमद, कंटेंट हेड, प्रथम एजुकेशन फाउण्डेशन, नई दिल्ली

विषय विशेषज्ञ एवं संदर्भदाता–

1. श्री मदन मोहन पाण्डेय, सेवानिवृत्त प्रवक्ता एस0सी0ई0आर0टी0, उत्तराखण्ड, देहरादून
2. श्री जयप्रकाश ओझा, सहायक अध्यापक / तकनीकी सहायक, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, गोरखपुर

लेखक मण्डल–

श्रीमती ज्योतिर्मयी पाण्डेय, प्र०अ० कम्पोजिट विद्यालय मुर्शदपुर, दनकौर, गौतमबुद्धनगर
श्रीमती आरती कुलश्रेष्ठ, प्र०अ० कम्पोजिट विद्यालय मोमनाथल, दनकौर, गौतमबुद्धनगर
श्रीमती रश्मि त्रिपाठी, SRG गौतमबुद्धनगर
श्रीमती रति गुप्ता, स०अ० प्राथमिक विद्यालय, मेहंदीपुर बांगर, जेवर, गौतमबुद्धनगर
श्रीमती रागिनी गुप्ता, प्र०अ० प्राथमिक विद्यालय ककोरगहना, करंजाकला, जौनपुर
डॉ0 सदानन्द प्रजापति, स०अ० प्राथमिक विद्यालय सिकरौर, रामपुर, जौनपुर
डॉ0 प्रमिला सिंह, प्र०अ० प्राथमिक विद्यालय मलकिया, सोरांव, प्रयागराज
सुश्री वन्दना गुप्ता, स०अ० पूर्व माध्यमिक विद्यालय मल्हौर, चिनहट, लखनऊ
श्रीमती मधु वाजपेयी, स०अ० कम्पोजिट विद्यालय सदरौना, सरोजनी नगर, लखनऊ
श्रीमती रीना चौरसिया, ARP चिनहट, लखनऊ
श्रीमती अलका श्रीवास्तव, प्र०अ० कम्पोजिट विद्यालय बहलोलपुर, गोण्डा
श्री आशीष शुक्ला, प्र०अ० प्राथमिक विद्यालय पूरा बहादुर, टड़ियावां, हरदोई
श्रीमती सुमन, स०अ० प्राथमिक विद्यालय अजबपुर मँगावली, मुरादनगर, गाजियाबाद
श्रीमती गरिमा त्रिपाठी, स०अ० प्राथमिक विद्यालय, राधयपुर, त्रिवेदीगंज, बाराबंकी
श्री विकास शर्मा, स०अ० कम्पोजिट प्राथमिक विद्यालय, नगला सूरजभान, समसाबाद, आगरा
सुश्री अर्चना सागर, स०अ० प्राथमिक विद्यालय, ख्वाजिगीपुर, कानपुर नगर
श्री अमृतलाल यादव, प्रथम एजुकेशन फाउण्डेशन, नई दिल्ली
श्री अरविन्द कुमार दूबे, प्रथम एजुकेशन फाउण्डेशन, उत्तर प्रदेश
श्री रजनीश यादव, प्रथम एजुकेशन फाउण्डेशन, उत्तर प्रदेश
श्री अनुपम सिंह, प्रथम एजुकेशन फाउण्डेशन, उत्तर प्रदेश
श्रीमती हाजरा बानो, प्रथम एजुकेशन फाउण्डेशन, उत्तर प्रदेश
श्री पवन सिंह रावत, प्रथम एजुकेशन फाउण्डेशन, उत्तर प्रदेश
श्री राजेश कुमार दूबे, प्रथम एजुकेशन फाउण्डेशन, उत्तर प्रदेश

लेआउट / ग्राफिक्स – श्री निज़ाम सिद्दीकी, श्री पंकज गुप्ता (प्रथम एजुकेशन फाउण्डेशन, उत्तर प्रदेश)
सहयोग एवं समन्वयन – राज्य परियोजना कार्यालय समग्र शिक्षा, उत्तर प्रदेश लखनऊ और "प्रथम एजुकेशन फाउण्डेशन" उ0प्र0

विद्यालयीय शिक्षा के संदर्भ में **"राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020"** गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को सार्वभौमिक बनाने की बात करती है। इसके अनुसार गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से अनेक सामाजिक उद्देश्य प्राप्त किये जा सकते हैं। इनमें सामाजिक न्याय और समानता, वैज्ञानिक उन्नति, राष्ट्रीय एकीकरण, आर्थिक विकास और देश के विविधतापूर्ण संस्कृति की सुरक्षा प्रमुख है। यही उद्देश्य एक प्रकार से शिक्षा के अंतरराष्ट्रीय उद्देश्य भी हैं। यह नीति शिक्षा को इस प्रकार परिभाषित करती है कि उससे न सिर्फ हमारी प्रतिभाएँ उत्तरोत्तर ज्ञान समृद्ध हो, बल्कि हमारे संसाधनों का सर्वोत्तम विकास और संवर्धन किया जा सके। इन्हीं मार्गदर्शक बिंदुओं के आलोक में उत्तर प्रदेश सरकार अपनी शिक्षा को आकार देने में जुटी हुई है। इस वृहद प्रयास की कड़ी के रूप में **राज्य परियोजना कार्यालय समग्र शिक्षा द्वारा "प्रथम एजुकेशन फाउण्डेशन"** के सहयोग से कक्षा 4 एवं 5 की भाषा एवं गणित पर आधारित शिक्षक संदर्शिकाओं का विकास किया गया है। इन संदर्शिकाओं का विकास इस उद्देश्य से किया गया है कि शिक्षक, बच्चों को सीखने में विशेष मदद कर सके। जिन शिक्षकों के पास दिन–प्रतिदिन के कक्षा–शिक्षण हेतु शिक्षण योजनाओं का अभाव होता है उनकी भी सहायता इसके माध्यम से की जा सके।

इन संदर्शिकाओं के निर्माण के पीछे हिंदी और गणित विषयों के कक्षा शिक्षण से संबंधित कुछ जरूरी दृष्टिकोण हैं, जो विषयों की प्रकृति और विषय पढ़ाने की पद्धति से संबंधित हैं। प्रत्येक विषय का पहला और दूसरा भाग उसकी अवधारणा पत्र है। यह हमें उस विषय के स्वभाव व उसमें निहित तर्क, उद्देश्य, सिद्धांत एवं सीखने–सिखाने के विज्ञान से परिचित होने और समझने में मदद करने वाला है। विषय के तीसरे भाग में निपुण सूची की दक्षताएँ और चौथे भाग में कक्षा 4 के लिए कक्षा 1 से 3 तक एवं कक्षा 1 से 4 तक की विषयवस्तु से समबन्धित अवधारणाओं पर आधारित दिवसवार पुनरावृत्त्यात्मक (उपचारात्मक) संबोध लर्निंग आउटकम सहित दिए गए हैं। इसके साथ ही पाँचवें भाग में 7 सप्ताह की अर्थात 42 दिवसीय पुनरावृत्त्यात्मक (उपचारात्मक) शिक्षण योजनाएँ कक्षवार दी गई हैं।

इसी प्रकार छठवें भाग में पाठ्यपुस्तक के पाठों का दिवसवार एवं विषयवस्तुवार विभाजन, लर्निंग आउट के सापेक्ष कंटेंट मैपिंग और तदनुसार शिक्षण योजनाएँ दी गई है। इसे शिक्षक सीधे अपने कक्षा–कक्ष में शिक्षण के दौरान प्रयोग में ला सकते हैं इसके साथ ही उन्हें अपनी स्वयं की शिक्षण योजना बनाने में भी मदद मिलेगी।

पाठों का दिवसवार विषयवस्तु के अनुसार विभाजन शिक्षकों को इस तथ्य से परिचित कराने के लिए है कि एक ही पाठ बच्चों के सीखने के लिए अनेक खिड़कियाँ खोलता है। कोई भी पाठ येन–केन प्रकार पाठ्यक्रम पूरा करने की शीघ्रता में न पढ़ाया जाए, बल्कि उसकी विषयवस्तु का गतिविधियों और अभ्यासों की विविधता के साथ मंथन किया जाए। उसमें निहित अवधारणाओं एवं संबंधों के लिए हम बच्चों को कम से कम इतना समय अवश्य दें कि वे बच्चों के जानने के लिए सूचना भर न रह जाए। बच्चे उन पर स्वयं के तर्क और अवधारणाओं का निर्माण कर सकें। पाठों की विषयवस्तु का दिवसवार विभाजन भी पूरे शिक्षा सत्र के कार्य दिवसों को ध्यान में रखकर किया गया है। ऐसा करते हुए पाठों की कठिनाई और आकार को ध्यान में रखा गया है। एक शिक्षक के रूप में हमें किसी भी पाठ से जुड़ी सीखने की संभावनाओं की पर्याप्त जाँच पड़ताल करनी चाहिए। उसमें निहित संबोधों की थाह लेनी चाहिए और क्रमशः इन पर शिक्षण योजनाएँ बनाकर कक्षा में अभ्यास कराना चाहिए ताकि एक विषय का पाठ दूसरे विषय के प्रति जिज्ञासा पैदा करने का माध्यम बन जाए।

यह निर्विवाद सत्य है कि जब हम किसी कार्य को सुनियोजित तरीके से करते हैं तो उस कार्य में सफलता की संभावनाएँ बढ़ जाती हैं। आज समय की माँग है कि शिक्षक गण सुनियोजित शिक्षण योजना बनाकर ही पढ़ाएँ, क्योंकि एक शिक्षक के लिए सीखने की दृष्टि से कक्षा का प्रत्येक विद्यार्थी विशेष और महत्वपूर्ण होता है।

आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि यह शिक्षक संदर्शिका शिक्षकों को सुनियोजित योजना निर्माण, कक्षा के वातावरण को जीवंत बनाने, बच्चों से सार्थक वार्तालाप करने, उन्हें स्वयं करके सीखने, तर्क आधारित निष्कर्ष निकालने और उनके सतत आकलन करने में अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगी।

गुणवत्ता प्रकोष्ठ
समग्र शिक्षा
उत्तर प्रदेश

अनुक्रमणिका
कक्षा–5

क्र.सं.	विवरण	पेज नं0
1	निपुण सूची दक्षताएँ	4
2	अवधारणा पत्र	5–8
2	कक्षा 1 से 4 तक की विषयवस्तु की अवधारणा पर आधारित दिवसवार पुनरावृत्त्यात्मक संबोध लर्निंग आउटकम सहित।	9–14
3	7 सप्ताह की (42 दिवसीय) पुनरावृत्त्यात्मक शिक्षण योजना	15–59
4	पाठ्यपुस्तक के पाठों का लर्निंग आउटकम सहित दिवसवार विभाजन	60–72
5	पाठ्यपुस्तक के पाठों पर आधारित दिवसवार शिक्षण योजना	73–210
6	परिशिष्ट	211–212

निपुण सूची कक्षा–5

कोड	लर्निंग आउटकम
H501	बच्चा सुनी/पढ़ी/देखी रचनाओं, घटनाओं, चित्रों पात्रों आदि के विषय में प्रश्न पूछता है और अपनी तर्क संगत राय देता है।
H502	बच्चा स्थानीय सामाजिक मुद्दों/बिन्दुओं वीडियो आदि पर बातचीत कर लेता है।
H503	बच्चा किसी कहानी घटना के आधार पर किसी पात्र का अभिनय कर लेता है और संवादों को प्रभावी तरीके से बोल लेता है।
H504	बच्चा किसी पाठ, घटना, अनुभव आदि के मुख्य भाग को मानक भाषा में संक्षिप्त रूप में बता लेता है, और उससे सम्बन्धित प्रश्नों के उत्तर दे लेता है।
H505	बच्चा विभिन्न शैली/विधाओं के पाठों को हाव–भाव, शुद्धता एवं प्रवाह के साथ समझते हुए पढ़ लेता है।
H506	बच्चा पढ़े गये पाठ के सारांश/भाव एवं उसके रचनाकार के बारे में बता लेता है।
H507	बच्चा पाठ्य सामग्री का वाचन कर लेता है और मुख्य बिन्दुओं पर आधारित प्रश्नों के उत्तर बता लेता है।
H508	बच्चा प्रिंट रिच सामग्री (पुस्तकालय, बाल पत्रिका, पोस्टर, समाचार पत्र आदि) में अपनी पसंद की सामग्री पढ़ लेता है और उनके विषय में समूह में बातचीत कर लेता है।
H509	बच्चा पाठ का सारांश/भाव/शीर्षक लिख लेता है और पाठ से जुड़े प्रश्नों के उत्तर कम से कम 4–5 वाक्यों में व्यवस्थित क्रम में लिख लेता है।
H510	बच्चा चित्रों पर आधारित विविध कार्य जैसे वाक्य, कहानी आदि की रचना कर लेता है और अधूरी कविता/कहानी पूरी कर लेता है।
H511	बच्चा त्यौहार/यात्रा/मेला/घटना/दृश्य का विवरण/अनुभव पर आधारित कम से 5 से 7 वाक्य लिख लेता है।
H512	बच्चा कम से कम 7 से 8 वाक्य वाले संदेश/पत्र/प्रार्थना पत्र लिख लेता है।
H513	बच्चा समानार्थी, विपरीतार्थक, उपसर्ग– प्रत्यय, तत्सम–तद्भव, एकवचन, बहुवचन, देशज एवं तुकांत शब्दों का उपयोग कर लेता है।
H514	बच्चा पूर्ण विराम, अल्प विराम, प्रश्नवाचक आदि विराम चिह्नों का प्रयोग कर लेता है और विराम चिह्न से सम्बन्धित त्रुटियों को सुधार लेता है।
H515	बच्चा पाठ्यांश में संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया कारक,चिह्नों आदि को रेखांकित कर लेता है। लिखने/बोलने में उपयोग कर लेता है।
H516	बच्चा अशुद्ध वर्तनी वाले शब्दों को शुद्ध कर लेता है और वाक्य में आये शब्दों के अव्यवस्थित क्रम को व्यवस्थित कर लेता है।

केवल एक घंटे के लिए संसार भर के लोग अपनी भाषा भूल जाएँ तो क्या होगा ? इस सवाल के तमाम जवाब हो सकते है, पर सबका सार यही होगा कि सारी बातें, संवाद और उनके जरिए होने वाले कार्य–व्यवहार ठप पड़ जाएँगे। जीवन का प्रवाह ही मानो रुक जाएगा। क्योंकि हमारे आपसी व्यवहार सर्वाधिक भाषा के माध्यम से ही निभाये जाते है। भाषाओं ने ही समाज द्वारा हासिल ज्ञान/समझ को सुरक्षित रखना और एक पीढ़ी से दूसरी तक पहुंचाना संभव बनाया है। भाषा के पुराने अभिलेख हमारे इतिहास और संस्कृति को जानने का जरिया हैं। अतः स्पष्ट ही है कि भाषा का हमारे जीवन में अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है।

प्राथमिक स्तर पर हिन्दी भाषा का महत्व–

- यह हमारे स्कूलों की माध्यम भाषा है। इसकी चार केन्द्रीय दक्षताओं– सुनने, बोलने, पढ़ने एवं लिखने का पर्याप्त कौशल पाए बिना छात्रों के लिए बाकी विषयों को समझना भी असंभव होगा।
- राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एवं राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2023. भारतीय भाषाओं को ही शिक्षा का माध्यम बनाने की संस्तुति करती है। इसलिए हमारा छात्रों के भाषा विकास की क्रमिक यात्रा से संक्षिप्त परिचय होना जरूरी है।
- एक नवजात बच्चा भाषा के लिए तैयार मस्तिष्क लेकर पैदा होता है, जन्मजात भाषा लेकर नहीं। उसके पास भाषा के लिए मुख और मस्तिष्क के जरूरी अवयव होते हैं। भाषा वह अपने बाहरी संसार से संबंध बनाने की प्रक्रिया में सीखता है।
- भाषा अपने अनुभवों, परिवारजनों तथा अन्य व्यक्तियों से व्यवहार और कामों के साथ उपयोग की जाती है। बच्चा इन सबको जोड़ता/मिलाता जाता और सुनी ध्वनियों का अर्थ समझता जाता है। करीब साढ़े चार साल तक बच्चा व्याकरण सहित परिवेशीय भाषा पर पूरी पकड़ बना लेता और उसे परिस्थितियों के अनुसार इस्तेमाल करने लगता है। यही भाषा लेकर वह स्कूल आता है।

प्राथमिक स्कूल में भाषा

यदि घर और स्कूल की भाषा एक हुई तो छात्र को पढ़ना–लिखना सीखना कुछ आसान पड़ता है। यदि स्कूल की भाषा अलग हुई तो छात्रों की चुनौती बढ़ जाती है। इसलिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में छात्रों को पढ़ना–लिखना सिखाने के लिए घर, परिवेश की भाषा का प्रयोग करने पर जोर दिया गया है। 'निपुण भारत मिशन' के अन्तर्गत मूलभूत साक्षरता एवं संख्या–ज्ञान के लिए बुनियादी कक्षाओं में ध्वनि जागरूकता से पठन तक छात्र की परिवेशीय भाषा अपनाने पर जोर दिया गया है, जिससे समझ के साथ पढ़ना–लिखना सीखना हो सके और स्थानीय भाषाओं और स्कूल की माध्यम भाषाओं के बीच पुल बन सकें।

उत्तर प्रदेश की प्रमुख लोकभाषाएँ– ब्रज, अवधी, कौरवी भोजपुरी और बुन्देलखंडी है। स्कूल में छात्र अक्सर इन्हीं भाषाओं को लेकर आते हैं। इन लोकभाषाओं का ध्वनि विन्यास और व्याकरण हिन्दी से ज्यादा भिन्न नहीं है अतः शुरू के दो वर्षों में ही छात्र स्कूल में मौखिक हिन्दी का व्यवहार सीख जाते हैं। सभी भाषाओं में एक वैश्विक व्याकरण (यूनिवर्सल ग्रामर) की उपस्थिति और सभी भाषाओं में ध्वनियों की लगभग समानता के कारण अन्य भाषायी पृष्ठभूमि के छात्र (बंगाली, नेपाली आदि) भी हिन्दी का मौखिक उपयोग सीख जाते हैं। उनके पास जन्मजात रूप से मौजूद 'भाषा ग्रहण क्षमता' इस काम में सहायक होती है।

पढ़ना–लिखना सीखने की दो विधियाँ

पहली– इसके तहत छात्रों को वर्णमाला– बारहखड़ी याद कराकर अक्षरों–मात्राओं को अलग–अलग याद कराते हुए सुनना, बोलना, पढ़ना लिखना सिखाया जाता है। इन सबको जोड़ें तो करीब 400 संकेत छात्रों को याद रखने होते हैं जो छात्र इन्हें याद नहीं रख पाते उनके लिए भाषा सीखना कठिन हो जाता है। इस पद्धति में भाषा के क्राफ्ट वाले पक्ष पर ज्यादा जोर दिया जाता है। यानि सुलेख, पंक्ति, वर्तनी आदि की ज्यादा चिन्ता रखी जाती है। इससे संभव है कि छात्र कुछ सीमा तक सुन्दर और शुद्ध लिखना सीख जाते हों पर उनकी कल्पनाशीलता और प्रवाह के साथ बोलना, पढ़ना–लिखना प्रभावित होता है। ऐसा कोई व्यवस्थित शोध उपलब्ध नहीं है जो कह सके कि इस विधि से छात्र बेहतर भाषा सीखते हैं।

दूसरी– पुरानी पारंपरिक भाषा शिक्षण विधि के साथ एक नया तरीका भी चलन में आया है। इसमें छात्रों को समझ और अर्थ के साथ यानि सार्थक शब्दों, वाक्यों और संदर्भों के द्वारा भाषा सिखाने की शुरुआत की जाती है। स्कूल की माध्यम भाषा के साथ छात्रों की मातृभाषा का उपयोग भी सीखने में किया जाता है। छात्रों के पूर्व ज्ञान व स्थानीय संसाधनों को पढ़ना, लिखना सीखने की स्रोत सामग्री के रूप में उपयोग किया जाता है।

इस पद्धति के अनुसार यदि अर्थ और समझ के साथ रोचक तरीके से भाषा समृद्ध वातावरण में सीखना सिखाना हो तो कोई भी भाषा बेहतर सीखी जा सकती है। छात्र ऐसे वातावरण में अपनी अशुद्धियों को खुद ठीक करते पाए जाते हैं। शिक्षक तीसरी कक्षा से आगे की कक्षाओं में इससे संबंधित विशेष अभ्यास बना कर छात्रों की समझ व भाषा कौशलों को मजबूत आधार दे सकते हैं।

भाषा के चार केन्द्रीय कौशल (सुनना, बोलना, पढ़ना एवं लिखना)

इन चारों कौशलों के बीच एक तार्किक संबंध होता है। सुनना बोलने की इच्छा जगाता है। सुनने व बोलने के रोचक व सघन

अनुभव पढ़ने को प्रेरित करते हैं। सुनने–बोलने–पढ़ने के समृद्ध अनुभव लिखने की मानसिक पृष्ठभूमि तैयार करते हैं।

कक्षा में सुनना, बोलना–

- शुरुआती कक्षाओं में सुनने–बोलने की गतिविधियाँ स्कूल के कई उद्देश्य पूरे करती हैं। शिक्षक–छात्रों के बीच आत्मीयता विकसित होती है और छात्रों में आत्मविश्वास उपजता है। परिवेशीय भाषा में सुनने, बोलने की नियमित गतिविधियों से बच्चा स्कूल के प्रति अपनत्व अनुभव करता है।
- बातचीत द्वारा छात्र की सामाजिक पारिवारिक पृष्ठभूमि और उसके पूर्वज्ञान की जानकारी ली जा सकती है।
- प्राथमिक कक्षाओं में सुनना, बोलना कई तरह से हो सकता है। छात्रों के अनुभवों, चित्रों, कविताओं, कहानियों, पाठों, विभिन्न दृश्यों और चित्रों पर बहुत सी बातचीत की जा सकती है। कक्षा में अच्छे अनुभव सुनाना, कहानी, कविता सुनना–सुनाना, दैनिक जीवन में घट रही तमाम प्रक्रियाओं का वर्णन भी इसी बातचीत का हिस्सा हैं।

कक्षा में पढ़ने–लिखने का आरम्भ–

- इसके लिए बेहतर है कि छात्रों के अनुभवों और पूर्व ज्ञान को सबसे पहले भाषा में बदला जाए। उसे स्कूल की दीवारों / चार्टो / बोर्ड पर शब्दों वाक्यों में लिखा जाए। इनसे पढ़ने लिखने का पर्याप्त व विविधतापूर्ण अभ्यास कराया जाए।
- छात्रों की छोटी–छोटी खेल कविताओं / छोटी कहानियों / सरल लिखित अनुभवों / वर्णनों को पढ़ने–लिखने के टी०एल०एम० के रूप में प्रयोग किया जाए।
- कक्षा 4 व 5 में आकार और अर्थ के स्तर पर कुछ जटिल रचनाओं (कविता, कहानी, निबंध–नाटक) का पढ़ना–लिखना सीखने में उपयोग किया जाए।

भाषा की संरचनाएँ

किसी भी भाषा में ये चार प्रमुख संरचनाएँ पायी जाती हैं।

अक्षर ध्वनि / वर्ण– यह एक सांकेतिक, बहुधा निरर्थक और व्याकरण रहित संरचना है। कभी–कभी ही कोई अक्षर / शब्द की भूमिका निभाता है।

शब्द– यह भाषा की सार्थक संरचना है। सभी अवधारणाएँ (Concepts) शब्दों में ही अभिव्यक्त होती हैं। शब्दों में आंशिक रूप से व्याकरण भी होता है। कभी कभार सार्थक संदर्भों के बीच निरर्थक शब्द भी अर्थ दे जाते हैं।

वाक्य– यह भाषा की पूर्ण, सार्थक, व्याकरणसम्मत संरचना है। लगभग सभी भाषाई संदर्भ वाक्यों की मदद से बनाए जाते हैं। वाक्य किसी विचार की अभिव्यक्ति में अक्षरों व शब्दों से ज्यादा सक्षम होते हैं।

अर्थ– यह शब्द और वाक्य के पीछे छिपी एक अमूर्त संरचना है जो भाषा के श्रोता और पाठक के पास एक संदेश / समझ के रूप में जाती है। सभी भाषाओं में ये चारों संरचनाएँ समन्वित रूप से इस्तेमाल होती हैं। इन भाषा वैज्ञानिक संरचनाओं के अलावा भाषा की विधागत साहित्यक संरचनाएँ– कहानी, कविता, निबंध, नाटक आदि हैं।

भाषा में संदर्भ का उपयोग और व्याकरण

संदर्भ–

- संदर्भ वह परिस्थिति, दृश्य या चित्र है जिसमें से भाषा (कोई शब्द या वाक्य) उपजती है। वाक्य में प्रयोग की गई भाषा हमें किसी परिस्थिति, दृश्य या संदर्भ से परिचित कराती है। संदर्भ की कल्पना में ले जाती है। बहुधा संदर्भ ही हमारे शब्दों–वाक्यों को संचालित करते हैं।
- शब्दों और वाक्यों के अर्थ संदर्भ बदलने के साथ बदल जाते हैं। 'शुरू करो!' वाक्य का अर्थ खाने की थाली सामने होने पर होगा– खाना शुरू करो। फुटबाल के मैदान में इसका अर्थ होगा– खेल शुरू करो। घास कटाई चल रही हो तो यहाँ इसका मायने होगा 'घास काटो!'–
- भाषा में दिए सार्थक संदर्भ जो हमारे मन में एक पूरा दृश्य रचते हैं छात्रों के भाषा सीखने के लिए ज्यादा उपयोगी हैं।

व्याकरण–

- यह भाषा के विभिन्न अवयवों (वाक्य, शब्द, अक्षर) में निहित भावों और उनके लक्षणों की पहचान करने वाला विषय है।
- व्याकरण भाषा में बदलाव के नियमों की भी पहचान कराता है।
- व्याकरण के नियम रटाने से बहुत कम व्याकरण सीखा जाता है। लेकिन भाषा की छोटी–छोटी संरचनाओं– कविताओं, कहानियों आदि में नामों, स्थानों, वस्तुओं, प्रशंसासूचक शब्दों / विशेषता (गुण–दोष) बताने वाले शब्दों की ढूँढ़ खोज के जरिए हम प्राथमिक स्तर पर व्याकरण की अच्छी समझ बना सकते हैं। भाषा की विधागत साहित्यक संरचनाओं कविता, कहानी, नाटक, संस्मरण आदि को एक दूसरे में बदलते हुए छात्र भाषा की विभिन्न संरचनाओं और उनके व्याकरण से जूझते हुए दोनों की समझ बनाते चलते हैं। यह गतिविधि चौथी, पाँचवीं कक्षा से आवश्यकतानुसार कराई जानी चाहिए। व्याकरण के मामले में अंग्रेजी के इस जुमले Language through Literature पर अमल किया जाना ठीक होगा। 'ग्रामर थ्रू लिटरेचर'।

भाषा में कल्पना व सृजनशीलता

कल्पना–

- प्राथमिक स्कूलों में यह भाषा सीखने सिखाने का एक प्रमुख लक्ष्य है आखिर कल्पनाशीलता के मायने क्या हैं ? इसका जवाब हमें भाषा और दिमाग के मिलजुलकर काम करने की प्रक्रिया में मिलता है।
- हमारा दिमाग जब बाहर से भाषा ग्रहण करता है तो उसके अर्थों से संबंधित चित्र दिमाग में आते हैं। जब बाहर से चित्र/दृश्य के रूप में कोई सूचना प्राप्त होती है तो दिमाग उससे संबंधित शब्द/वाक्य स्मृति में खोजता है। इसी प्रक्रिया में व्यक्ति/छात्र की भाषा और कल्पना दोनों विकसित होती जाती हैं।
- दिमाग को बाहर से मिली नई भाषा दिमाग में पहले से बने भाषाई ढांचों (संकेतों) को बदलती या बढ़ाती है। ऐसा ही बाहर से दिमाग को मिले चित्रों के साथ भी होता है। नए–नए जीवन अनुभवों के साथ हमारी कल्पनाएँ और भाषा क्षमता विकसित होती जाती है ।
- भाषा के संदर्भ में सृजनात्मकता का अर्थ है– छात्रों द्वारा अधिकाधिक अपने मन और विचारों के आधार पर लिख पाना, अपनी निज भाषा–शैली गढ़ पाना, खुद को अनेक मौखिक लिखित भाषा रूपों में अभिव्यक्त कर पाना, रोचक, पठनीय और संरचना की दृष्टि से सही भाषारूपों का सृजन कर पाना, अपने लिखे, रचे में गलतियों की पहचान करते हुए उसमें अपेक्षित सुधार, संशोधन कर पाना।

पाठों के विषयवस्तु– विभाजन का दृष्टिकोण

यह हस्तपुस्तिका शिक्षकों के कार्य में सहायता के लिए बनाई गई पिछली पुस्तिकाओं और माड्यूल्स से कुछ अलग है। इसमें शिक्षकों को समूचे पाठ पर एक योजना देने के बजाय पाठ की विषयवस्तु की पड़ताल की गई है, यह देखा गया है कि पाठ में केन्द्रीय और सहायक अवधारणाएँ कौन–कौन सी है। किन–किन चीजों के ब्यौरे हैं, इन ब्यौरों की गहराई और विस्तार कितना है। पुस्तिका, पाठ योजना को एक सैट पैटर्न पर देखने की बजाए यह जाँचने की कोशिश करती है कि एक ही पाठ के साथ कितनी बार और कितने तरीकों से शिक्षण किया जा सकता है। नीचे कविता पर शिक्षण योजनाओं का एक फ्रेम (खाका) दिया गया है, जो पाठों की विषय वस्तु के विभाजन (डे डिवीजन) के उद्देश्य और तरीकों को समझने में हमें मदद करेगा। नीचे एक कविता के उदाहरण से इसे स्पष्ट किया गया है–

इस कविता की मुख्य अवधारणा है– नंदू को लगा तगड़ा जुकाम और उसके दिन भर छींकने से पैदा हुए धड़ाके। जुकाम ऐसी कोई बड़ी बीमारी नहीं हैं। पर कवि ने अतिशयोक्ति अलंकार का प्रयोग कर इसे एक खास चीज बना दिया है। 'जुकाम' के कविता में आने के साथ छींकना, पेड़ के पत्ते और पेड़ मानो जीवंत हो उठते और बोलने लगते हैं। पूरी कविता एक सहज हास परिहास का भाव पैदा करती है। इस कविता पर निम्नलिखित स्तरों/पहलुओं पर शिक्षण योजनाएँ बन सकती हैं–

बहुत जुकाम हुआ नंदू को, एक रोज यह इतना छींका
इतना छींका, इतना छींका, इतना छींका, इतना छींका
सब पत्ते झड़ गये पेड़ के, धोखा हुआ उन्हें आँधी का

पहला स्तर– कविता का लय और हाव भाव से कक्षा में सामूहिक वाचन करना। कक्षा का हर बच्चा व्यक्तिगत रूप से भी दिल खोलकर उस कविता को सुना सके ऐसा अभ्यास कराना। यह कविता के आस्वाद/उससे आनंद लेने का स्तर है।

दूसरा स्तर– इसमें कविता की विषयवस्तु और चित्रों पर बहुआयामी बातचीत/गपशप की जा सकती है। बातचीत में कविता की विषयवस्तु को छात्रों के पूर्व ज्ञान से जोड़ने वाले अभिसारी (पिन टाइप के, निश्चित उत्तर वाले) और अपसारी (धोती या कपड़े की थान की तरह बहुत से जवाबों में खुलने वाले) सवालों पर चर्चा हो सकती है। यह कविता की विषयवस्तु और उसकी अवधारणाओं को बारीकी से जानने–समझने का स्तर है जिसमें छात्रों का पूर्व ज्ञान भी आकर जुड़ता है।

तीसरा स्तर– कविता में वर्णित दृश्यों में कुछ के चित्र/रेखाचित्र बनाकर उनमें रंग भराए जा सकते हैं। यह कविता के सौन्दर्य को एक नए रूप में देखने का स्तर है।

चौथा स्तर– इसमें कविता की छात्रों को कंठस्थ हो गई पंक्ति/शब्दों को श्यामपट्ट/चार्ट/दीवार पर लिखकर या कटकार्ड की मदद से पढ़ना सिखाने की योजनाएँ बनाई जा सकती हैं। पढ़ने के साथ वाक्यों/शब्दों को कॉपी/कार्ड/स्लेट पर लिखने का अभ्यास कराया जा सकता है।

पाँचवाँ स्तर– इसमें कविता की समान विषयवस्तु वाली चार पाँच अन्य कविताओं की ढूँढ़/खोज की जा सकती है। कक्षा में उनके सामूहिक/व्यक्तिगत रूप से, हाव–भाव से, वाचन का आनंद लिया जा सकता है, उन पर बातचीत की जा सकती है– यह कविता के भाव, अर्थ विस्तार का आयाम है।

छठा स्तर– इसमें कविता के साथ भाषा की संरचना व व्याकरण की समझ पर काम किया जा सकता है। इसके तहत कविता की पंक्तियों का अन्वय कराया जा सकता है। कविता को कहानी में बदलवाया जा सकता है। कविता के खास शब्दों, उसकी एक ही बात को कितने तरीकों से कहा जा सकता है इनका अभ्यास कराया जा सकता है, यानि संक्षेप में और बढ़ा–चढ़ाकर। कविता के

तुकों की अंत्याक्षरी खेली जा सकती है। कविता के शब्दों से लिंग, वचन, पुरुष, काल (टेंस) आदि का अभ्यास कराया जा सकता है– यह कविता से भाषा की संरचना और व्याकरण की समझ का स्तर है।

सातवां स्तर– यह अब तक छात्रों के साथ किए गए काम के आधार पर आकलन शीट/योजना बनाकर उनकी सुनने, बोलने, पढ़ने–लिखने और सृजनात्मक क्षमता के आकलन का स्तर है। आकलन मौखिक और लिखित दोनों रूपों में हो सकता है/होना चाहिए।

हिंदीः पुनरावृत्त्यात्मक शिक्षण का औचित्य–

इस संदर्शिका में पुनरावृत्त्यात्मक शिक्षण के लिए कुछ सामग्री है। आमतौर पर देखा गया है कि विभिन्न कारणों से प्राथमिक स्तर की लगभग सभी कक्षाओं में कुछ विद्यार्थी ऐसे रह जाते हैं। जिनकी सीखने–सिखाने में गति कक्षा की मुख्य धारा से कुछ कम होती है। या विभिन्न सामाजिक/पारिवारिक कारणों से उपस्थिति नियमित न रह पाने से उनकी विषय क्षमता कम रह जाती है– यद्यपि ऐसे विद्यार्थी 10 प्रतिशत के आसपास ही होते हैं। शिक्षक प्रयासों के बावजूद यह स्थिति बहुव्यापी है। यह स्वतः ही समझ में आने वाली बात है कि ऐसे विद्यार्थियों के साथ शिक्षक का कुछ अलग तरह से काम करना और उनका बाकी कक्षा के साथ घुल–मिलकर सीखना दोनों काम जरूरी हैं। ऐसे छात्रों को कक्षा की मुख्य धारा से एकदम अलग कर सीखने, सिखाने से वे अलगाव महसूस कर सकते हैं। इसलिए यह कक्षा प्रबंधन के समय ध्यान रखने की जरूरत है कि बाकी कक्षा के साथ उन्हें शामिल रखते हुए ही शिक्षण कार्य कराया जाए। सीखने सिखाने के लिए छोटे समूह बनाते समय ऐसे विद्यार्थियों को कहाँ रखें, यह कक्षा की परिस्थितियों से तय होगा। कभी कभार उनके अलग समूह बनाएँ तो कभी उन्हें विभिन्न समूहों में शामिल कर लें। हर हाल में पुनरावृत्त्यात्मक शिक्षण करते समय निम्नांकित बातों का ध्यान रखना आवश्यक होगा।

1– सीखने–सिखाने के दौरान कम क्षमता वाले छात्रों तक यह संदेश छिपे या प्रकट रूप में कैसे भी न जाए कि वे बाकी कक्षा से अलग हैं।

2– पुनरावृत्त्यात्मक शिक्षण पूरी कक्षा के लिए है। मुख्य धारा वाले छात्रों में भी अनेक छात्र कुछ चीजों में कम क्षमता वाले हो सकते हैं। कुछ छात्र मौखिक अभिव्यक्तियों में ज्यादा दक्ष होते हैं, कुछ लिखित में। इसीलिए चौथी व पाँचवी कक्षा में 42 दिनों का पुनरावृत्त्यात्मक शिक्षण कार्यक्रम रखा गया है। चौथी कक्षा में पुनरावृत्त्यात्मक शिक्षण में पहली से तीसरी कक्षा तक के अनेक संबोधो का दोहराना व पाँचवी कक्षा के पुनरावृत्त्यात्मक शिक्षण में पहले से चौथी तक के अनेक संबोधों का दोहराना होगा।

3– पुनरावृत्ति के कोर्स में हम ढेर सारी वे भाषाई गतिविधियाँ जोड़ सकते हैं जो हिंदी की पाठ्यपुस्तकों में नहीं है। बहुत से खेल गीत/खेल कविताएँ, स्थानीय भाषा/हिंदी की कहावतें, पहेलियाँ, किस्से, लोक कथाएं, लोकगीत आदि। 42 दिवसीय पुनरावृत्ति के कोर्स में कुछ नमूना शिक्षण योजनाएँ भी दी जा रही हैं। लेकिन शिक्षक चूंकि शिक्षण का खजाना है, अतः वे इनके अलावा, इनसे बेहतर सामग्री जुटा सकते हैं। उसे अपने शिक्षण में जोड़ सकते हैं।

4– छात्रों को छोटे–छोटे समूह में सीखने की जिम्मेदारियाँ देना और आवश्यकता अनुसार अनेक प्रकार के समूह बनाकर शिक्षण करना पुनरावृत्ति शिक्षण के लिए महत्वपूर्ण है। उन संबोधों की पहचान करना भी इसका प्रमुख काम है जिनके आधार पर सीखने के समूह बनाए जाने हैं।

इस कार्यक्रम से लाभ यह होगा कि सत्र के आरम्भ में ही ऐसे छात्रों की पहचान हो जाएगी जिनके साथ कुछ अलग तरह से काम किया जाना है।

''टाइम एण्ड मोशन'' शासनादेश के अनुसार 240 दिन विद्यालय खुलने की व्यवस्था है। यदि इसे सूक्ष्म दृष्टि से विभाजित करें तो अर्धवार्षिक, वार्षिक परीक्षाओं, यूनिट टेस्ट एवं उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन, तथा परीक्षाफल बनाने में लगभग 20 से 25 दिन पूरे शैक्षिक सत्र में लग सकते हैं। वास्तविक कक्षा शिक्षण के लिये लगभग 210 से 215 दिन उपलब्ध होने की संभावना है। इसी को ध्यान में रखते हुए पाठों की विषय वस्तु को दिवसवार हिस्सों में विभाजित कर प्रत्येक पाठ के लिये समय का निर्धारण किया गया है। यह समय अनुमानित है, जिसमें आवश्यकतानुसार आप परिवर्तन भी कर सकते हैं। इन सभी उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए हिन्दी की शिक्षण योजनाओं का निर्माण एवं इनमें विविधताओं का समावेश किया गया है। इस संदर्शिका में कुल 150 से 160 शिक्षण योजनाएँ एवं उनसे सम्बन्धित दिशा निर्देश दिये गये हैं। शिक्षण योजनाएँ दो भागों में विभक्त हैं। पहले भाग में 7 सप्ताह की उपचारात्मक/पुनरावृत्त्यात्मक शिक्षण योजनाएँ हैं और दूसरे भाग में 20 सप्ताह अर्थात 120 दिन के लिए सम्बन्धित से कक्षा की पाठ आधारित शिक्षण योजनाएँ दी गई हैं। शेष 40 से 45 शिक्षण दिवस बच्चों के अतिरिक्त व स्वतंत्र अभ्यास कार्य कराने के लिए छोड़े गये हैं।

पुनराभ्यास / उपचारात्मक शिक्षण की 7 सप्ताह की कार्य योजना				
सप्ताह	**कोड**	**लर्निंग आउटकम**	**दिवस**	**निर्धारित पाठ्य बिंदु (शिक्षण उद्देश्य)**
1	H101, H109.1, H302, H303.1	बच्चा अपनी आवश्यकताओं तथा परिवेश के बारे में दोस्तों और कक्षा शिक्षक के साथ अपने घर की भाषा में बातचीत कर लेता है।	1	• बच्चों के परिवेशीय / स्कूली अनुभवों पर आधारित बातचीत करना, बातचीत की भाषा से पढ़ने लिखने का अभ्यास।
		बच्चा चित्र / घटना / वस्तु आधारित 4–5 शब्द लिख लेता है।		
		बच्चा सवाल पूछने, अनुभव बताने, दूसरों को सुनने और जवाब देने के लिए बातचीत में हिस्सा लेता है।		
		बच्चा घर / स्कूल में उपयुक्त शब्दावली का उपयोग करके अपने अनुभव और विचार स्पष्टता के साथ स्थानीय भाषा में 3–4 वाक्यों में रख लेता है।		
	H101, H109.1, H302, H303.1	बच्चा अपनी आवश्यकताओं का परिवेश के बारे में दोस्तों और कक्षा शिक्षक के साथ अपने घर की भाषा में बातचीत कर लेता है।	2	• छात्र के घरेलू अनुभवों पर आधारित बातचीत के द्वारा पढ़ने–लिखने का अभ्यास। • छात्रों द्वारा अपने अनुभव / विचार स्थानीय भाषा में बताना व लिखना।
		बच्चा चित्र / घटना / वस्तु आधारित 4–5 शब्द लिख लेता है।		
		बच्चा सवाल पूछने, अनुभव बताने, दूसरों को सुनने और जवाब देने के लिए बातचीत में हिस्सा लेता है।		
		बच्चा घर / स्कूल में उपयुक्त शब्दावली का उपयोग करके अपने अनुभव और विचार स्पष्टता के साथ स्थानीय भाषा में 3–4 वाक्यों में रख लेता है।		
	H109.2	बच्चा लेखन, ड्राइंग और चीजों को अर्थ देना और अपने कार्यपत्रक, बधाई सन्देश, चित्रों आदि पर अपना नाम लिख लेता है और ऐसे चित्र बना लेता है जो पहचानने योग्य हों या अन्य लोगों से मेल खाते हों।	3	• परिवेशीय पशु–पक्षियों के विषय में चर्चा करना। • कहानी सुनना और सुनाना। • स्मृति और अवलोकन आधारित सरल चित्रकारी कराना।
	H102, H109.2, H201	बच्चा कविताओं / गीतों को हाव–भाव के साथ सुना लेता है।	4	• कविताओं का वाचन, पठन और लेखन अभ्यास (श्यामपट्ट पर कविता लिख कर कराएँ)
		बच्चा लेखन, ड्राइंग और चीजों को अर्थ देना और अपने कार्यपत्रक, बधाई सन्देश, चित्रों आदि पर अपना नाम लिख लेता है और ऐसे चित्र बना लेता है जो पहचानने योग्य हो या अन्य लोगों से मेल खाते हों।		
		बच्चा कविताओं / गीतों को हाव–भाव के साथ सुना लेता है।		
	H109.2	बच्चा लेखन, ड्राइंग और चीजों को अर्थ देना और अपने कार्यपत्रक, बधाई सन्देश, चित्रों आदि पर अपना नाम लिख लेता है और ऐसे चित्र बना लेता है जो पहचानने योग्य हों या अन्य लोगों से मेल खाते हों।	5	• कविता विधा से बच्चों का परिचय कराना। • कविताओं में खास शब्दों को ढूँढ़ना उन पर बातचीत / चर्चा और लेखन।

सप्ताह	कोड	लर्निंग आउटकम	दिवस	निर्धारित पाठ्य बिंदु (शिक्षण उद्देश्य)
1		आकलन अभ्यास प्रपत्र– 1	6	आकलन
2	H104.4, H204.1, H207	बच्चा 8–10 वाक्यों की कहानी को सुनकर अपने घर की भाषा में पुनः सुना लेता है। बच्चा कठपुतलियों और अन्य सामग्रियों के साथ सुनी हुई कहानी का अभिनय कर लेता है। बच्चों के साहित्य/पाठ्यपुस्तकों से सरल कहानियों को पढ़ लेता है और फिर अपने घर की भाषा में उसे सुना लेता है।	7	• सुनकर कहानियाँ सुनाना। • कहानी के पात्रों के नाम लिखना। • कहानियों के चित्र बनाना, पात्रों पर अभिनय।
	H207	छात्रों के साहित्य/पाठ्यपुस्तकों से सरल कहानियों को पढ़ लेता है और फिर अपने घर की भाषा में उसे सुना लेता है।	8	• बिगबुक/अन्य किताबों से कहानी सुनना–सुनाना, पढ़ना। कहानी के पात्रों के नाम लिखना,कहानियों के चित्र बनाना।
	H104.3, H202.2	बच्चा कविता/कहानी से जुड़े 2–3 तथ्यात्मक एवं 1–2 उच्चस्तरीय चिंतन कौशल के प्रश्नों के उत्तर स्थानीय भाषा में दे लेता है । बच्चा कहानियों/कविताओं/चित्र/घटना/वस्तु एवं उपलब्ध प्रिंट सामग्री के बारे में अपने घर की भाषा में 2–3 वाक्यों में बता लेता है।	9	• कहानी पोस्टर पर आधारित बातचीत करना। • कहानी के खास शब्दों को लिखना। • शब्दों पर मौखिक रूप से वाक्य बनाना।
	H204.2, H411	बच्चा चित्रों के माध्यम से किसी कहानी को अपने घर की भाषा में हाव–भाव के साथ 4–6 वाक्यों में सुना लेता है। बच्चा चित्रों को देखकर कहानी लिख लेता है और अधूरी कहानी पूरी कर लेता है।	10	• चित्र श्रृंखला में चित्रों के क्रम पर बातचीत और उसे छोटी कहानी के रूप में लिखना। (स्थानीय भाषा और स्कूल की भाषा में)
	H304.2	बच्चा 10–12 वाक्यों की कहानी को सुनकर समझ लेता है और उसे स्थानीय भाषा में घटनाक्रम के अनुसार पुनः सुना लेता है।	11	• छोटी कहानी को सुनकर स्कूल की भाषा/स्थानीय भाषा में सुनाना। • कहानी पर 2 से 3 वाक्य की स्वतन्त्र मौखिक और लिखित टिप्पणी देना।
		आकलन अभ्यास प्रपत्र– 2	12	• कहानी के पठन और लेखन अभ्यास के साथ पुनरावृत्ति, आकलन– अब तक सुनी/पढ़ी कहानियों/कविताओं में रिक्त स्थानों की पूर्ति कराना उनकी प्रस्तुति करना।
3	H304.1	बच्चा कविता/कहानी से जुड़े 4–5 तथ्यात्मक एवं 2–3 उच्चस्तरीय चिंतन कौशल के प्रश्नों के उत्तर स्थानीय भाषा में दे लेता है।	13	पहेलियाँ बूझना, पढ़ना, लिखना।

सप्ताह	कोड	लर्निंग आउटकम	दिवस	निर्धारित पाठ्य बिंदु (शिक्षण उद्देश्य)
3	H304.1	बच्चा कविता/कहानी से जुड़े 4–5 तथ्यात्मक एवं 2–3 उच्चस्तरीय चिंतन कौशल के प्रश्नों के उत्तर स्थानीय भाषा में दे लेता है।	14	• गद्य पहेलियाँ बनाना। • छोटे समूह में गद्य पहेली बनवाना और पूछना।
	H304.1	बच्चा कविता/कहानी से जुड़े 4–5 तथ्यात्मक एवं 2–3 उच्चस्तरीय चिंतन कौशल के प्रश्नों के उत्तर स्थानीय भाषा में दे लेता है।	15	• बच्चों में बातचीत की क्षमता विकसित करना। • वाक्य पूरे करना और, वाक्य प्रयोग करना।
	H304.1, H408	बच्चा कविता/कहानी से जुड़े 4–5 तथ्यात्मक एवं 2–3 उच्चस्तरीय चिंतन कौशल के प्रश्नों के उत्तर स्थानीय भाषा में दे लेता है। बच्चा नये शब्दों, विभिन्न प्रकार के वाक्यों एवं सामान्य मुहावरों को पढ़कर उनका अर्थ समझकर वाक्यों में प्रयोग कर लेता है।	16	• सरल मुहावरों पर बात कर उनके अर्थ पर समझ बनाना। • मुहावरे खोजकर उनका मौखिक व लिखित वाक्य प्रयोग करना। • तकिया कलाम शब्दों पर समझ बनाना।
	H310	बच्चा अपने लेखन में संज्ञा शब्द,क्रिया शब्द और विराम चिह्नों का प्रयोग कर लेता है।	17	• कविता, कहानी में आए शब्दों में से संज्ञा व क्रिया शब्दों को पहचानना। • संज्ञा व क्रिया शब्दों के प्रयोग पर समझ बनाना।
		आकलन अभ्यास प्रपत्र– 3	18	सप्ताह भर में कराई गई गतिविधियों में कुछ की पुनरावृत्ति, आकलन
4	H108.1	बच्चा अब तक सिखाए गए वर्ण/अक्षर पहचान लेता है और सुनकर लिख लेता है।	19	संदर्भ/वाक्यों/शब्दों के बीच अक्षरों की पहचान, अक्षरों से शब्द बनाना और उन्हें लिखना।
	H105	किसी शब्द से संबंधित तुकांत शब्द बना लेता है और पहली/ध्वनि को पहचान लेता है।	20	• कविता पर बातचीत का अभ्यास कराना। • ध्वनि/मात्राओं की समानता (तुकांत) मौखिक लिखित।
	H107, H402, H407	बच्चा चित्रों या दृश्यों को पहचान लेता है और उसके नाम या संदेश (1–2 शब्दों में) लिख लेता है। बच्चा किसी विषय बिन्दु/वीडियो दृश्य के बारे में बता लेता है। बच्चा प्रिंटरिच सामग्री (बाल साहित्य, विज्ञापन, पोस्टर आदि) को समझ के साथ पढ़ लेता है और उनमें आये शब्दों का प्रयोग कर लेता है।	21	• दृश्य/चित्र/वस्तु का अवलोकन करना। द्रश्य चित्र का मौखिक और लिखित वर्णन करना।
	H305, H403	बच्चा परिचित पुस्तकों/पाठ्यपुस्तकों के पाठों को पढ़कर जानकारी प्राप्त एवं साझा कर लेता है, जैसे– पाठ की मुख्य बातें बताना। चयनित हिस्सों का विवरण दे पाना, चरित्र विश्लेषण कर पाना। बच्चा किसी पाठ/प्रसंग/बात को सुनकर अपनी राय बता लेता है और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दे लेता है।	22	• छोटी–छोटी कहानियाँ/गद्यांश पढ़ने का अभ्यास कराना • शब्दों/पात्रों/वाक्यों को खोजकर उन्हें लिखना। • किसी पाठ, प्रसंग, कहानी पर स्वतन्त्र राय/टिप्पणी देना।

सप्ताह	कोड	लर्निंग आउटकम	दिवस	निर्धारित पाठ्य बिंदु (शिक्षण उद्देश्य)
4	H305	बच्चा परिचित पुस्तकों/पाठ्यपुस्तकों के पाठों को पढ़कर जानकारी प्राप्त एवं साझा कर लेता है, जैसे– पाठ की मुख्य बातें बताना। चयनित हिस्सों का विवरण दे पाना, चरित्र विश्लेषण कर पाना।	23	• छोटी कविता पढ़ने का अभ्यास कराना। • कविताओं में शब्दों/वाक्यों/पात्रों की खोज कर उन्हें लिखना।
		आकलन अभ्यास– 4	24	• वर्ण विशेष की पहचान कराना। • तुकान्त शब्दों की समझ जानना। • शब्द निर्माण कौशल की जाँच करना।
5	H104.1, H104.2, H109.1	बच्चा अपने अनुभवों के बारे में स्थानीय भाषा में 1–2 वाक्यों में बता लेता है । बच्चा चित्र/घटना/वस्तु के बारे में अपने घर की भाषा में 2–3 वाक्यों में बता लेता है। बच्चा/घटना/वस्तु आधारित 4–5 शब्द लिख लेता है।	25	• अनुभवों का मौखिक–लिखित वर्णन करना घर व स्कूल की भाषा में करना। • अनुभवों की भाषा से पढ़ना, लिखना, सीखना।
	H211, H312	बच्चा किसी कहानी, चित्र, घटना आदि पर अपने अनुभव या विचार 1–2 सरल वाक्यों में व्याकरण की दृष्टि से सही लिख लेता है। बच्चा व्याकरण की दृष्टि के सही वाक्यों का प्रयोग करके स्वयं छोटे अनुच्छेद और छोटी कहानियाँ 3–4 वाक्यों में लिख लेता है।	26	• कविता वाचन और पठन। • कविता के विषयवस्तु पर चर्चा करना। • चर्चा के आधार पर अपने शब्दों में नोट्स बनाना।
	H412	बच्चा 4–6 वाक्यों वाले संदेश/प्रार्थना पत्र लिख लेता है।	27	• संदेश के पुराने और नए माध्यमों पर चर्चा करना। • पत्र के विविध प्रकार की जानकारी देना।
	H304.1	बच्चा कविता/कहानी से जुड़े 4–5 तथ्यात्मक एवं 2–3 उच्चस्तरीय चिंतन कौशल के प्रश्नों के उत्तर स्थानीय भाषा में दे लेता है	28	• सुनी हुई कहानी को व्यवस्थित करना। अपूर्ण वाक्यों को मौखिक और लिखित रुप में पूर्ण करने का अभ्यास करना।
	H304.1, H411	बच्चा कविता/कहानी से जुड़े 4–5 तथ्यात्मक एवं 2–3 उच्चस्तरीय चिंतन कौशल के प्रश्नों के उत्तर स्थानीय भाषा में दे लेता है बच्चा चित्रों को देखकर कहानी लिख लेता है और अधूरी कहानी पूरी कर लेता है।	29	• अधूरी कहानी पूर्ण करना। • कहानियों का प्रस्तुतीकरण करना।
		आकलन अभ्यास– 5	30	• सप्ताह भर में कराई गयी गतिविधियों में कुछ की पुनरावृत्ति, पठन/वाचन गति मापन (आकलन)

सप्ताह	कोड	लर्निंग आउटकम	दिवस	निर्धारित पाठ्य बिंदु (शिक्षण उद्देश्य)
6	H414, H210.2	बच्चा विरामचिह्नों (पूर्णविराम, अल्पविराम, प्रश्नवाचक आदि) का अपने वाक्यों में प्रयोग कर लेता है। बच्चा परिवेश से जुड़े शब्दों वाले 1–2 सरल वाक्यों को सुनकर लिख लेता है।	31	• विराम चिह्नों के प्रयोग की जानकारी देना। • लिखने की गति बढ़ाने के लिए श्रुतलेख का अभ्यास कराना।
	H304.1	बच्चा कविता/कहानी से जुड़े 4–5 तथ्यात्मक एवं 2–3 उच्चस्तरीय चिंतन कौशल के प्रश्नों के उत्तर स्थानीय भाषा में दे लेता है	32	• कहावतों, लोकोक्तियों का परिचय कराना। • उसके अर्थ पर चर्चा करना। • लेखन व संकलन।
	H304.1	बच्चा कविता/कहानी से जुड़े 4–5 तथ्यात्मक एवं 2–3 उच्चस्तरीय चिंतन कौशल के प्रश्नों के उत्तर स्थानीय भाषा में दे लेता है	33	• कहावतों/लोकोक्तियों से परिचय कराना। • उनके अर्थ से प्रसंग पर जाना– चर्चा करना। • मुहावरों व लोकोक्तियों का लेखन व संकलन।
	H209, H413	बच्चा सरल अज्ञात पाठ में आये संज्ञा शब्द,क्रिया शब्द और विराम चिह्नों को पहचानकर उन्हें बता लेता है। बच्चा किसी वाक्य में संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया और विशेषण को पहचान लेता है और बोलने व लिखने में प्रयोग करता है।	34	• विभिन्न अभ्यासों में आए (मौखिक, लिखित), संज्ञा, व विशेषण की पहचान करना। • बोलने व लिखने में इन शब्दों के उचित प्रयोग की जानकारी देना।
	H304.1, H404	बच्चा कविता/कहानी से जुड़े 4–5 तथ्यात्मक एवं 2–3 उच्चस्तरीय चिंतन कौशल के प्रश्नों के उत्तर स्थानीय भाषा में दे लेता है बच्चा किसी कहानी/घटना के आधार पर अभिनय कर लेता है और छोटे–छोटे संवाद हाव–भाव के साथ बोल लेता है।	35	परिस्थितियों, पात्रों के अनुसार संवाद निर्माण (मौखिक, लिखित) कराना। संवाद के आधार पर रोल प्ले कराना।
		आकलन अभ्यास– 6	36	सप्ताह भर में कराई गयी गतिविधियों में कुछ की पुनरावृत्ति, आकलन
7	H308	बच्चा आयु उपयुक्त अज्ञात पाठ/ 8–12 वाक्यों के अनुच्छेद को पढ़कर 4 में से कम से कम 3 प्रश्नों (तथ्यात्मक उच्चस्तरीय चिंतन कौशता) का उत्तर स्थानीय भाषा में दे लेता है।	37	• परिस्थितियों पर प्रश्न बनाना। • प्रश्नों के उत्तर बताना व उत्तर के आधार पर प्रश्न बनाना। • सवालों से जवाब और जवाबों पर सवाल– मौखिक और लिखित तैयार करना।

सप्ताह	कोड	लर्निंग आउटकम	दिवस	निर्धारित पाठ्य बिंदु (शिक्षण उद्देश्य)
7	H205, H416	बच्चा 3–5 वर्णों/अक्षरों से बने शब्द पढ़ लेता है और किसी शब्द के अक्षरों से नए शब्द बना लेता है। बच्चा दिये गये शब्दों की सहायता से वाक्यों की रचना कर लेता है और शब्द से वाक्य बना लेता है।	38	• वाक्यांश के लिए शब्द चुनना। एक शब्द पर से वाक्य बनाना। दो से तीन शब्दों से एक वाक्य बनाना। विलोम और समानार्थी शब्दों का वाक्यों में प्रयोग करना।
	H415	बच्चा परिचित शब्दों के समानार्थी व विपरीतार्थक एवं समान ध्वनि वाले शब्दों को लिख लेता है।	39	• भाषा में समानार्थी, शब्दों पर अभ्यास कराना। • समान ध्वनि वाले शब्दों की पहचान कराना।
	H301, H304.1, H410	बच्चा 7–10 पंक्तियों की कविताओं को व्यक्तिगत और समूह में हाव–भाव एवं उतार–चढ़ाव के साथ सुना लेता है। बच्चा कविता/कहानी से जुड़े 4–5 तथ्यात्मक एवं 2–3 उच्चस्तरीय चिंतन कौशल के प्रश्नों के उत्तर स्थानीय भाषा में दे लेता है बच्चा कविता कहानी/पाठ का भाव/ सारांश निष्कर्ष 3–4 वाक्यों में लिख लेता है।	40	• "नंदू का जुकाम" कविता (कक्षा–2 की पाठ्यपुस्तक से) का आदर्श वाचन कराना। • नंदू के जुकाम की विशेषता पर चर्चा करना। • स्वतंत्र नोट्स की लिखने की समझ। • कविता का मूल भाव बताना।
	H305, H405, H406, H409	बच्चा परिचित पुस्तकों/पाठ्यपुस्तकों के पाठों को पढ़कर जानकारी प्राप्त एवं साझा कर लेता है, जैसे– पाठ की मुख्य बातें बताना चयनित हिस्सों का विवरण दे पाना, चरित्र विश्लेषण कर पाना। बच्चा अपने स्तर के पाठों को उतार चढ़ाव, शुद्धता एवं गति के साथ पढ़ लेता है। बच्चा विभिन्न शैली के पाठों को पढ़कर मुख्य जानकारी/निष्कर्ष निकाल लेता है और बता लेता है। बच्चा पाठ पाठ्यांश से संबंधित प्रश्नों के उत्तर 3–4 वाक्यों में लिख लेता है।	41	• "हाँ में हाँ" कहानी (कक्षा 4 की पाठ्यपुस्तक से) वाचन करना। • कहानी के भाव पर चर्चा करना।
		आकलन अभ्यास– 7	42	• सप्ताह में कराई गई गतिविधियों की पुनरावृत्ति, कराना। • छात्रों का आकलन करना।

पुनरावृत्यात्मक शिक्षण योजना
(उपचारात्मक शिक्षण) (1/42)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H101, H303-1, H302, H109-1

शिक्षण उद्देश्य–

- बच्चों के परिवेशीय/स्कूली अनुभवों पर आधारित बातचीत करना, बातचीत की भाषा से पढ़ने लिखने का अभ्यास।

आवश्यक सामग्री– चित्र चार्ट, खेल संबंधी चित्र काड्‌र्स/खेलों के नाम के कार्ड/पोस्टर/परिवेशीय वस्तुओं के चित्र आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक बच्चों से उनके घर अथवा विद्यालय से सम्बन्धित बातचीत करते हुए निम्नांकित प्रकार के प्रश्न पूछेंगे।
  (i) आपको घर और स्कूल में सबसे ज्यादा कहाँ अच्छा लगता है और क्यों ?
  (ii) आप कौन–कौन से खेल खेलते है ?
  (iii) ;अपना प्रिय खेल बताओ ? आदि पर चर्चा करेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- खेल संबंधी एक छोटी सी कविता/गीत गाकर बच्चों का ध्यान आकृष्ट कराएँ।

खेलो चाहे जो भी खेल,
रखो तुम सबसे ही मेल।
खेल अनुशासन है सिखाता,
प्रेम भावना को है बढ़ाता।
खेल सेहत को है बनाता,
तभी तो सबको खेल है भाता।

- बच्चों को भी अपने साथ गाने को कहें। खेल के महत्त्व पर चर्चा करें।
- शिक्षक बच्चों को कुछ प्रचलित खेलों के चित्र कार्ड्स/खेलों के नाम के कार्ड देंगे।
- (बैट–बॉल, कबड्डी, बैडमिन्टन, टेनिस, हॉकी, लूडो, कैरम, दौड़ आदि)
- जिन बच्चों के पास जो कार्ड्स हैं, उस पर वह एक से दो पंक्ति बोले। शिक्षक सभी बच्चों को अवसर दें।
- कुछ मुख्य बातों/पंक्तियों को श्यामपट्ट पर लिखें और अँगुली रखकर पढ़ें। बच्चों को भी पढ़ने के लिए कहें।
- बच्चों से उनके मनपसंद खेल और उनके मनपसंद खिलाड़ी के बारें में भी चर्चा करेंगे और उत्तरपुस्तिका में लिखने के लिए कहें।
- समृद्ध चर्चा के अंतर्गत बच्चों से खेल के लाभ पर बात करेंगे और पूछेंगे कि स्कूल में यदि खेलते हुए किसी बच्चे को चोट लग जाए तो क्या करना चाहिए ?
- क्या आपको कभी खेलते हुए चोट लगी है यदि हाँ तो आपने क्या किया था ?
- खेलते समय कौन सी सावधानियाँ बरतनी चाहिए। एक से दो पंक्ति में लिखने के लिए कहेंगे।

शिक्षण के अंत में

(5–10 मिनट)

- शिक्षक निम्नलिखित प्रकार से खेल सामग्री को श्यामपट्ट पर बनवाएँगे। छात्र इसमें से उचित मिलान करेंगे।

खेल	सामग्री
हॉकी	
फुटबॉल	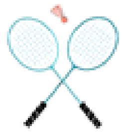
क्रिकेट	
लूडो	
बैडमिंटन	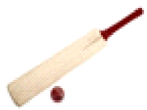

- उपर्युक्त खेलों में से कौन से खेल आउटडोर खेले जाते हैं और कौन से इनडोर ? यह वर्गीकरण कराएँगे।

आउटडोर खेल	इनडोर खेल

प्रोजेक्ट/गृहकार्य– घर के सभी सदस्यों से उनके प्रिय खेल का नाम पूछकर, लिखकर लाने के लिए कहेंगे।

गाओ और घुमाओ

इस खेल के लिए एक रुमाल, दुपट्टा या चॉक कोई भी ऐसी चीज़ लिजिए जो बच्चे एक–दूसरे को दे सकें। बच्चे घेरे में रहें। आप उनकी तरफ पीठ करके ताली बजाना शुरू कीजिए। ताली के साथ ही बच्चे भी रुमाल को एक हाथ से दूसरे बच्चे के हाथ में देते जाएँगे। आप जैसे ही ताली बजाना रोक देंगे, जिस बच्चे के हाथ में रुमाल होगा, उसे कोई गीत, कविता या चुटकुला सुनाना होगा।

सोचिए ओर बोलिए

हर बच्चे को अलग–अलग परिचित विषय दीजिए। बच्चे अपना विषय भी सोच सकते हैं। बच्चों को 2–3 मिनट उस विषय पर सोचने को कहिए। फिर एक मिनट उस विषय पर बोलने के लिए प्रेरित कीजिए।

पुनरावृत्त्यात्मक शिक्षण योजना
(उपचारात्मक शिक्षण) (2/42)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H101, H109.1, H302, H303.1

शिक्षण उद्देश्य–
- छात्र के घरेलू अनुभवों पर आधारित बातचीत के द्वारा पढ़ने–लिखने का अभ्यास।
- छात्रों द्वारा अपने अनुभव/विचार स्थानीय भाषा में बताना व लिखना।

आवश्यक सामग्री– चित्रचार्ट, श्यामपट्ट, चॉक, पोस्टर, आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक मेला आधारित अपने अनुभव छात्रों से साझा करते हुए चर्चा करेंगे अथवा मेला आधारित छोटी सी कविता गाकर कक्षा का वातावरण सीखने–सिखाने के अनुकूल बनाएँगे।

घर के पास लगा था मेला
उसमें आया चाट का ठेला
हमने जाकर खाई चाट
ऐसे थे मेले के ठाठ
झूले, ठेले, सुंदर हाट।

- प्रश्नों के माध्यम से छात्रों से पूछें कि आपको खिलौने, मिठाई, झूले, सरकस, घर का सामान सब एक ही स्थान पर कहाँ मिलता हैं ?

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- 'मेला' शब्द पर माइंडमैपिंग कराएँगे। 'मेला' शब्द सुनकर छात्रों को जिन वस्तुओं और कामों के नाम याद आए, उनको श्यामपट्ट पर लिखेंगे। चर्चा के अंत में कुछ प्रसिद्ध मेलों के नाम भी श्यामपट्ट पर एक ओर लिखेंगे।

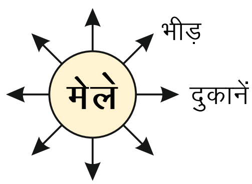

(छात्र स्थानीय भाषा के जो शब्द बोलें उनको भी श्यामपट्ट पर लिखेंगे। श्यामपट्ट पर लिखे गए शब्दों से नए वाक्य बनवाएँगे। छात्रों द्वारा मौखिक रूप से बनाए गए वाक्यों को शिक्षक श्यामपट्ट पर सुंदर लेख में लिखेंगे)।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- बच्चों से कहें कि अपने देखे मेले में तुम्हें सबसे अच्छा क्या लगा है और क्या अच्छा नहीं लगा 1–2 पंक्तियों में लिखें।
- छात्रों द्वारा बनाएँ गये वाक्यों को बारी–बारी से पढ़वाएँगे।

गृहकार्य– (घर में बड़ों की मदद से) शिक्षक छात्रों से मेले के बारे में अपने अनुभव दो से तीन पंक्तियों में लिखने को कहें या मेले में देखी किसी का चित्र बना लाने को कहें।

पुनरावृत्यात्मक शिक्षण योजना
(उपचारात्मक शिक्षण) (3/42)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H109.1

शिक्षण उद्देश्य–

- परिवेशीय पशु–पक्षियों के विषय में चर्चा करना।
- कहानी सुनना और सुनाना।
- स्मृति और अवलोकन आधारित सरल चित्रकारी कराना।
- शिक्षक द्वारा आदर्श पठन।

आवश्यक सामग्री– बिगबुक, शब्द कार्ड, चॉक, डस्टर, श्यामपट्ट आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में

(5–10 मिनट)

- शिक्षक छात्रों से चर्चा करेंगे कि किन–किन छात्रों को कहानी अच्छी लगती है। उन्हें कैसी कहानियाँ पसन्द है ? उन्होंने कहानियाँ किससे सुनी है ? फिर बिग बुक से कहानी पढ़ेंगे।

शिक्षण के दौरान

(20–25 मिनट)

- बिग बुक की 'हाथी और बकरी' कहानी से चित्र दिखाते हुए कहानी पर अनुमान लगवाएँगे। **उदारहण**–

(i) चित्र में क्या–क्या दिख रहा है ?

(ii) कहानी किसके बारे में हो सकती है ?

(iii) कहानी में क्या–क्या हो रहा है ?

- बातचीत के उपरांत कहानी को उचित हाव–भाव के साथ छात्रों को सुनाएँगे फिर छात्रों के साथ साझा पठन करेंगे।
- छात्रों से कहानी में आये पात्रों के नाम पूछें और श्यामपट्ट पर लिखें।
- छात्रों से उन शब्दों को पढ़ने को कहें और उत्तरपुस्तिका पर लिखकर दिखाने को कहें।
- छात्रों को चित्र कार्ड देकर उनके नाम के शब्द कार्ड से मिलाने को कहें।

हाथी

बकरी

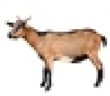

खरगोश

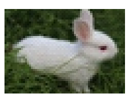

गिलहरी

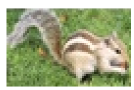

निर्देश– शिक्षक ये कार्ड स्वयं बनाएँगे। शब्द कार्ड (शब्द लिखना) चित्र कार्ड (चित्र चार्ट काट कर बनाना या पुरानी पुस्तक से चित्र काट लेना)

शिक्षण के अंत में

(5–10 मिनट)

- कुछ छात्रों से कहानी उनके शब्दों में सुनेंगे।
- छात्रों से इस कहानी के किसी पात्र का सरल रेखाचित्र बनाने को कहेंगे।

गृहकार्य– (घर में बड़ों की मदद से) छात्र यह जानकारी एकत्र करेंगे कि हाथी और शेर के रहन–सहन व खान–पान में क्या अन्तर होता है।

पुनरावृत्त्यात्मक शिक्षण योजना
(उपचारात्मक शिक्षण) (4 / 42)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H102, H109.1

शिक्षण उद्देश्य–

- कविताओं का वाचन, पठन और लेखन अभ्यास (श्यामपट्ट पर कविता लिखकर कराएँ)

आवश्यक सामग्री– कविता कार्ड, कविता चार्ट / पोस्टर, पाठ्यपुस्तक, तोते का चित्र या तोते का कट आउट।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- छात्रों से निम्नांकित प्रकार के प्रश्नों पर बातचीत करते हुए शुरूआत करेंगे–

(i) कुछ पशु–पक्षियों के नाम बताते हुए पूछें कि कौन जमीन पर चलता है ? और कौन उड़ सकता है ?

(ii) कौन सा पक्षी हरे रंग का होता है ? जिसकी चोंच लाल होती है ?

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- तोते का चित्र अथवा मुखौटा छात्रों में बाँटकर संबंधित कविता का सस्वर वाचन करेंगे–

तोता हूँ मैं तोता हूँ, हरे रंग का होता हूँ।
लाल मेरी चोंच है, बागों में मैं रहता हूँ।।
मीठे फल खाता हूँ,
माली के बेटे को देख।
पत्तों में छिप जाता हूँ।।

- छात्रों द्वारा इसे दोहराते हुए अभिनय के साथ वाचन करने को कहें। (दो बार)
- छात्रों से तोते पर बात करें, उसकी चोंच, पूँछ, पंजे, आवाज की बाकी पक्षियों से तुलना पर चर्चा करें, चर्चा में आई बातों को बोर्ड पर लिखें और उनसे पढ़ने का अभ्यास कराएँ। धीमा या अटक कर पढ़ने वाले बच्चों को अवश्य पढ़ने का अवसर दें।
- छात्र अपने मनपसंद अन्य / पक्षी अथवा तोते से ही संबंधित अन्य कविताएँ सुनाएँ और लिखें।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- शिक्षक छात्रों से कुछ खुले छोर के प्रश्न पूछें आपस में बात करते हुए उन्हें लिखें और उनकी सृजनात्मकता, कल्पनाशीलता और अनुमान लगाने की क्षमता को बढ़ाएँ। जैसे– यदि तुम्हारे पंख होते तो तुम क्या–क्या करते ? कहाँ–कहाँ जाना चाहते आदि।

गृहकार्य– (घर में बड़ों की मदद से) कविता में आए तुकांत शब्दों / मिलती जुलती ध्वनि वाले शब्दों को लिखवाएँ या किसी पक्षी का चित्र बनाकर लाने को कहें।

पुनरावृत्यात्मक शिक्षण योजना
(उपचारात्मक शिक्षण) (5/42)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H102, H201, H109.1

शिक्षण उद्देश्य–

- कविता विधा से बच्चों का परिचय कराना।
- कविताओं में खास शब्दों को ढूँढ़ना उन पर बातचीत/चर्चा और लेखन।

आवश्यक सामग्री– कलर, चॉक, चार्ट पेपर, पेंसिल, रबड़, स्केल, श्यामपट्ट, मार्कर, कविता कार्ड, गीत कार्ड आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक छात्रों से आत्मीयता के साथ बातचीत करते हुए पूछें कि आप लोगों को कविता/गीत कैसे लगते हैं ? हमें गीत, कविताएँ क्यों अच्छे लगते हैं ? बच्चों से उन्हें याद गीत, कविताओं के बारे में पूछें। ये लोकगीत फिल्मीगीत शी हो सकते हैं। इनकी एक–एक लाइन बोर्ड पर लिखें, फिर आगे दी गई कविता का हाव–भाव से वाचन कराएँ।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

कहीं एक बुढ़िया थी उसका नाम नहीं था कुछ भी,
दिन भर वह बैठी रहती थी काम नहीं था कुछ भी।।
काम न होने से उसको आराम नहीं था कुछ भी,
इसीलिए तो सुबह, दोपहरी, शाम नहीं थी कुछ भी।।

- फिर कविता पर प्रश्न के माध्यम से चर्चा करेंगें, और पूछेंगे कि– कविता किसके बारे में है ? इस कविता से तुम क्या समझ रहे हो आदि।
- कविता के भाव/आशय को छात्रों से चर्चा करके स्पष्ट करें। ऐसे कि काम, आराम और समय का संबन्ध स्पष्ट हो।
- कविता में आये मुख्य शब्दों/भावों समय, मेहनत, आलस्य, थकान का वाक्य में प्रयोग कराएँ और छात्रों से पढ़वाएँगे।
- कविता को समझकर इसको कहानी के रूप में छात्रों से सुनेंगे और श्यामपट्ट पर लिखेंगे तथा कुछ छात्रों से पढ़वाएँगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- कविता में आए तुकांत शब्दों को बताने और उनको कॉपी में लिखने को कहेंगे।
- छात्रों को उनके दिन भर के कामों और समय की सूची बनवाएँगे।

गृहकार्य– बच्चों से घर पर किए जाने वाले कामों और उनके समय की एक सूची बना लाने को कहें।

40 मिनट

साप्ताहिक आकलन अभ्यास प्रपत्र

शिक्षण उद्देश्य– आकलन

- **शिक्षक निम्नांकित कार्य बच्चों से कराएँ–**
- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृह कार्य का अवलोकन करेंगे, सुधारात्मक सुझाव देंगे एवं प्रोत्साहित करेंगे। कक्षा– 3 की पंखुड़ी के पाठ–3 की प्रार्थना नीचे लिखी कविता से समान ध्वनि वाले/तुकांत शब्दों को छाँटकर लिखिए।

देश की माटी, देश का जल
हवा देश की, देश के फल
सरस बने प्रभु, सरस बनें।
देश के घर और देश के बाट
देश के वन और देश के घाट
सरस बनें, प्रभु सरस बनें।
देश के तन और देश के मन,
देश के भाई और बहन,
विमल बनें, प्रभु विमल बनें।

• शब्द बनाओ और लिखो।

म
- कान → **मकान**
- छली → ____
- चान → ____
- लाई → ____

• समान ध्वनि वाले शब्दों को मिलाओ।

साबुन	गिन
दिन	जामुन
नगरी	लोटा
मोटा	गगरी

• दिए गए उदाहरण के अनुसार प्रत्येक शब्द के अंतिम अक्षर से नये शब्द बनाओ।

जाल → **लहर** → ____ → ____ → ____ → ____

• शब्दों को ध्यान से पढ़ो और अपने वाक्यों में प्रयोग करो।

शोर–

पैसा–

मजदूरी–

खुशी–

• निम्नलिखित पंक्तियों को पढ़कर विलोम शब्द पहचानो और लिखो।

(i) राम ऊपर से नीचे आओ।

(ii) सबका अच्छा सोचो, बुरा नही।

(iii) दिन में खेलो, रात में नही।

(iv) कम खाओ, ज्यादा नहीं।

नोट– शिक्षक इसी प्रकार के आकलन प्रपत्र स्वंय बनाकर छात्रों का आकलन कर सकते हैं।

पुनरावृत्त्यात्मक शिक्षण योजना
(उपचारात्मक शिक्षण) (7/42)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H204, H104.4, H207
शिक्षण उद्देश्य–
- सुनकर कहानियाँ सुनाना।
- कहानी के पात्रों के नाम लिखना।
- कहानियों के चित्र बनाना, पात्रों पर अभिनय।

आवश्यक सामग्री– चित्र/पोस्टर, कहानी, प्रिंट सामग्री, कठपुतली, मुखौटे, पुस्तकालय।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक निम्नांकित प्रकार के प्रश्नों के माध्यम से छात्रों से बातचीत करेंगे–

(i) आपके आस–पास कौन–कौन से जानवर दिखाई देते हैं ?
(ii) कौन–कौन से जानवर खतरनाक दिखते हैं ?
(iii) क्या आपको कहानी सुनना पसंद है ? कैसी कहानी अच्छी लगती है ?
(शिक्षक अपने अनुसार कोई भी कहानी ले सकते हैं। (सहज/बिगबुक, पुस्तकालय)

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

(छात्रों को गोले में बैठाकर)
- शिक्षक हावभाव के साथ "पूँछ हिलाने वाला भेड़िया" कहानी सुनाएँगे। (किसलय)
- कुछ छात्रों से सुनी गई कहानी को अपनी भाषा में सुनाने को कहेंगे। (कुछ छात्रों से, साथ–साथ अभिनय/कठपुतली प्रदर्शन भी करवा सकते हैं।)
- कहानी से सम्बन्धित निम्नांकित प्रकार के प्रश्नों के माध्यम से चर्चा करेंगे–

(i) भेड़िये ने मेमने से क्या कहा ?
(ii) भेड़िये को गुस्सा क्यों आया ?
(iii) मेमना भेड़िये को बाहर क्यों नहीं निकालना चाहता था ?
(iv) भेड़िए ने बड़े–बड़े दाँत दिखाकर मेमने को क्यों डराया ?

- छात्रों को समूह में बैठाकर कुछ जानवरों के चित्र/मुखौटे बाँट देंगे (जैसे– बकरी, कुत्ता शेर, घोड़ा, भेड़िया, भैंस, बिल्ली)
- जिस छात्र के पास जो चित्र/मुखौटा होगा, वह बच्चा उस पशु के बारे में 1–2 वाक्य बताएगा और पशु की विशेषताओं, भोजन, रहन–सहन आदि के विषय में बताएगा।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- शिक्षक कुछ प्रश्नों के माध्यम से जानकारी हासिल करेंगे कि बच्चों को क्या समझ आया ?

(i) कहानी में आपको क्या अच्छा लगा ? क्या–क्या अच्छा नहीं लगा ? क्यों ?
(ii) यदि मेमने ने भेड़िए को गड्ढे से बाहर निकाल लिया होता तो क्या होता ? (अनुमान, कल्पना, अनुभव के आधार पर)
(iii) यदि मेमने की जगह आप होते तो क्या करते ?
(iv) भेड़िये ने अपने आप को कुत्ता क्यों कहा ?

गृहकार्य– शिक्षक छात्रों से अपनी समझ के आधार पर सुनी भेड़िये की चालाकी पर कम से कम तीन बातें लिख लाने को कहेंगे।

पुनरावृत्त्यात्मक शिक्षण योजना
(उपचारात्मक शिक्षण) (8/42)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H207

शिक्षण उद्देश्य–

- बिगबुक/अन्य किताबों से कहानी सुनना/सुनाना, पढ़ना/पढ़ाना/कहानी के पात्रों के नाम लिखना, कहानियों के चित्र बनाना।

संसाधन– कहानी, पोस्टर, चित्र/बिगबुक/पुस्तकालय की पुस्तकें, प्रिंट सामग्री।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक छात्रों को कक्षा के बाहर ले जाकर आस–पास अवलोकन करने को कहेंगे (आस–पास, पेड़ों पर, आकाश में क्या–क्या दिख रहा है ?)

(I) आकाश में कौन उड़ता दिखाई दे रहा है ?

(ii) पेड़ों पर किसने घोंसला बनाया है ?

(iii) क्या आपके घर में किसी पक्षी का घोंसला है ?

(iv) आप पक्षियों को दाना–पानी देते हैं ?

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- छात्रों को घेरे में बैठाकर शिक्षक बिगबुक से 'चिड़िया' कहानी को हाव–भाव के साथ सुनाएँगे।
- कुछ छात्रों से इसी कहानी को सुनाने को कहेंगे।
- शिक्षक छात्रों से उनकी कोई मनपसंद कहानी शी सुनेंगे।
- कुछ प्रश्नों के माध्यम से छात्रों से बातचीत करें–

(I) कहानी में चिड़िया के कहाँ गिरने की बात कही गई हैं ?

(ii) बिल्ली ने चिड़िया से क्या कहा ?

(iii) जिन्हें तैरना नहीं आता वे लोग डूबने से कैसे बच सकते हैं ?

(iv) यदि चिड़िया ने समझदारी से काम न लिया होता तो बिल्ली क्या करती ? (कल्पना, अनुमान, अनुभव द्वारा)

(v) पानी में कौन–कौन से जीव तैर पाते हैं ?

(vi) आप पक्षियों को दाना–पानी देते हैं ?

- कागज की गेंद बनाकर एक–एक करके कुछ छात्रों के पास फेकेंगे और जिसके पास गेंद गिरेगी उससे किसी पक्षी/पशु की आवाज निकालने को कहेंगे। अन्य छात्र उसे पहचानेंगे। छात्र पशु/पक्षी के भोजन के विषय में जानकारी देंगे।
- कहानी में आने वाले पात्रों के नाम लिखेंगे और पढ़ेंगे।
- आसपास पाई जाने वाली किन्हीं दो वस्तुओं में समानता और अंतर बताएँ। जैसे–

नाम	समानता	अंतर
कुत्ता–बिल्ली		
तितली–चिड़िया		
गाजर–मूली		
पेन–पेंसिल		
सेब–अंगूर		

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- शिक्षक छात्रों से पूछेंगे–

(i) आपको कहानी कैसी लगी ? कहानी में आपको सबसे अच्छा क्या लगा ?

(ii) कहानी में आपको क्या बात बिल्कुल पसन्द नही आई और क्यों ?

प्रोजेक्ट/गृहकार्य– अपने माता–पिता के सहयोग से छात्र अपने घर/परिवेश मे रहने वाले पशु–पक्षियों के नाम लिखकर लाएँगे।

पुनरावृत्त्यात्मक शिक्षण योजना
(उपचारात्मक शिक्षण) (9/42)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H202.2, H104.3

शिक्षण उद्देश्य–

- कहानी पोस्टर पर आधारित बातचीत करना।
- कहानी के खास शब्दों को लिखना।
- शब्दों पर मौखिक रूप से वाक्य बनाना।

आवश्यक सामग्री– चित्र/पोस्टर, कहानी, पुस्तक, प्रिंट सामग्री, चॉक, डस्टर आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक निम्नांकित प्रश्नों के माध्यम से बातचीत करेंगे।

(i) जानवर और पक्षी में क्या अंतर है ?

(ii) परिवेश में रहने वाले कुछ जानवरों के नाम बताइए।

(iii) गाँव, शहर में पाले जाने वाले पक्षी कौन–कौन से हैं ?

- छात्रों द्वारा मुर्गे तथा कुछ अन्य जानवरों की आवाज निकाली जाएगी। शिक्षक उन्हें बोर्ड पर लिख लेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक चित्र/पोस्टर दिखाते हुए हाव–भाव के साथ "मुर्गा और लोमड़ी" की कहानी पाठ्यपुस्तक कक्षा 3 पंखुड़ी से सुनाएँगे।
- कहानी सुनाने के पश्चात् इसी कहानी को छात्रों से उनकी भाषा में सुनाने को कहेंगे।
- "मुर्गा और लोमड़ी" का चित्र दिखाकर शिक्षक निम्नाकित प्रकार के प्रश्न पूछेंगे।

(i) मुर्गा पेड़ पर क्यों चढ़ गया होगा ?

(ii) मुर्गे ने लोमड़ी से क्या कहा, जिससे लोमड़ी डरकर भाग गई ?

(iii) यदि मुर्गा नीचे उतर आता तो लोमड़ी क्या करती ?

(iv) अगर मुर्गे की जगह आप होते तो क्या करते ?

- शिक्षक छात्रों को 3–4 के समूह में बाँटकर कुछ कार्ड (जंगली जानवर ,पालतू जानवर पालतू पक्षी) पर चर्चा करेंगे। जिन छात्रों के पास जो कार्ड आया है, वे उसके बारे में बताएँगे।
- शब्द से वाक्य बनाएँ– शिकारी, जंगल, पेड़, लोमड़ी
- शिक्षक कक्षा के कम से कम 20 छात्रों को जंगली पशु, पालतू पशु तथा पक्षियों के नाम लिखे हुए कार्ड्स बाँट दें। शिक्षक श्यामपट्ट पर निम्नांकित तालिका बनाएँगे।

क्रम संख्या	जंगली पशु	पालतू पशु	पक्षी
1			
2			
3			

- छात्र एक–एक कर अपने कार्ड पर लिखे नाम को पढ़ेंगे।
- शिक्षक छात्रों से चर्चा कर पठित नाम को ऊपर लिखित तालिका को सही वर्ग में लिखेंगे।

शिक्षण के अंत में

(5–10 मिनट)

- शिक्षक छात्रों से निम्नांकित प्रकार के प्रश्न पूछेंगे–

(i) आपको कहानी में क्या–क्या अच्छा लगा और क्यों ?

- शिक्षक छात्रों से निम्नलिखित वाक्यों का एक–एक बार उच्चारण कराएँ–

(i) मुर्गा पेड़ पर बैठ गया।

(ii) लोमड़ी मुर्गे को खाना चाहती थी।

(iii) लोमड़ी शिकारी कुत्तों से डर गई।

(iv) मुर्गे ने समझदारी से काम लिया।

प्रोजेक्ट / गृहकार्य– बच्चों से 'मुर्गे और लोमड़ी' का सरल चित्र बनाकर रंग भरने को कहें।

पुनरावृत्त्यात्मक शिक्षण योजना
(उपचारात्मक शिक्षण) (10/42)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H204.2, H411

शिक्षण उद्देश्य–

- चित्र श्रृंखला में चित्रों के क्रम पर बातचीत और उसे छोटी कहानी के रूप में लिखना। (स्थानीय भाषा और स्कूल की भाषा में)

आवश्यक सामग्री– चित्र/पोस्टर, कहानी श्रृंखला चित्र कार्ड, प्रिंट सामग्री, फोन, पुस्तक, चॉक, डस्टर।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक एक कागज की गेंद बनाकर एक–एक कर कुछ बच्चों की ओर उछालेंगे। जो बच्चा उस गेंद को पकड़ेगा। उससे एक जानवर/पक्षी, फल, सब्जी का नाम पूछेंगे।
- शिक्षक आत्मीयतापूर्वक निम्नांकित प्रकार के प्रश्नों के माध्यम से बच्चों से बातचीत करेंगे।
  (I) बच्चों आप कौन–कौन से खेल खेलते हैं ?
  (ii) कौन सा खेल आपको सबसे अच्छा लगता है ?
  (iii) क्या आपने कभी किसी खेल में जीत हासिल की है ?
  (iv) जब आप जीत जाते हो तो आपको कैसा लगता है ?

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- यहाँ शिक्षक सहज/बिगबुक से अन्य किसी भी पुस्तक से छोटी कहानी अपने अनुसार ले सकते हैं।
- शिक्षक बच्चों को गोलाकार में बैठाकर चित्र चार्ट का अवलोकन करने को कहेंगे। (कछुआ और खरगोश) चित्र श्रृंखला
- चित्र में हो रही घटनाओं के बारे में प्रश्न पूछेंगे।

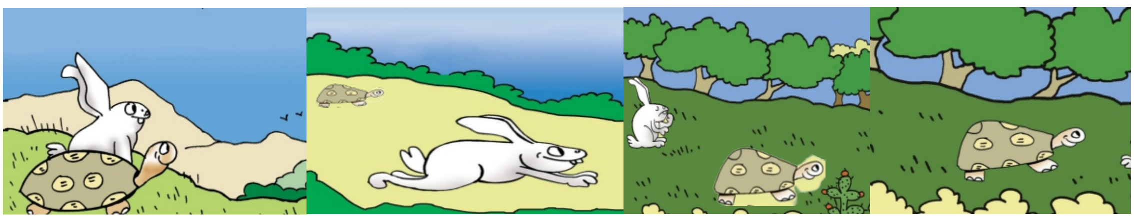

  (i) चित्र में कौन–कौन हैं ?
  (ii) प्रथम चित्र में क्या–क्या हो रहा है ?
  (iii) दूसरे चित्र मे क्या हो रहा है ?
  (iv) तीसरे/चौथे चित्र में खरगोश क्या कर रहा है ?
  (v) खरगोश क्यों सो गया ?
  (vi) आखिरी चित्र में कौन आगे निकल गया ?
  (vii) कछुए की जीत क्यों हुई ? (अनुमान कल्पना अनुभव के आधार पर)
  (viii) (चित्र अवलोकन/चर्चा के पश्चात्)
- शिक्षक सभी प्रश्नों के उत्तर क्रमबद्ध रूप से श्यामपट्ट पर लिखेंगे।
- कुछ बच्चे कहानी को अपनी भाषा में सुनाएँगे।

- बच्चों को चार समूह में बाँटकर छोटी–छोटी कहानी श्रृंखला के कार्ड दिये जाएँगे। बच्चे कार्ड पर चर्चा। बातचीत कर अपने अनुसार छोटी–छोटी कहानी सुनाएँगे/लिखेंगे। (कल्पना, अनुमान, अनुभव के द्वारा)

- **निम्नांकित शब्द चुनकर कहानी पूरी करें**

तितली	पूजा	पकड़ने	तितली	पकड	पीछे–पीछे	तितलियाँ

..................आयी। ....उसे ....दौड़ी। मगर..................वह ....नहीं पायी। वहाँ और भी ....आ गईं। पूजा उनके ....भागने लगी।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- शिक्षक निम्नांकित प्रकार के कुछ प्रश्नों पर बातचीत करेंगे।
  (I) यदि खरगोश को नींद नहीं आती तो क्या होता ?
  (ii) खरगोश ने कछुए को कमजोर क्यों समझा ?
  (iii) यदि आप खरगोश के स्थान पर होते तो क्या करते ?
  (iv) कौन–कौन से जानवर तेज दौड़ते हैं उनके नाम बताएँ।

- **गृहकार्य/प्रोजेक्ट कार्य–**
- बच्चे अपनी पसंद की कोई भी कहानी लिखकर लाएँगे। (परिवार की मदद से)
- बच्चे माता–पिता की मदद से तेज दौड़ने वाले जानवरों के नाम लिखकर लाएँगे।

Writer : Dharam Vir Acknowledgment : Story Weaver Illustrator : Ruchi Shah

पुनरावृत्त्यात्मक शिक्षण योजना
(उपचारात्मक शिक्षण) (11/42)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H304.2

शिक्षण उद्देश्य–

- छोटी कहानी को सुनकर स्कूल की भाषा/स्थानीय भाषा में सुनाना।
- कहानी पर 2 से 3 वाक्य की स्वतन्त्र मौखिक और लिखित टिप्पणी देना।

आवश्यक सामग्री– कहानी, बिगबुक, पोस्टर, पुस्तकालय पुस्तकें, प्रिन्ट सामग्री कार्ड, शब्द वाक्य पट्टियाँ।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक छात्रों को चित्र कार्ड बाटेंगे। जैसे गमले में फूल का/पानी में मछली का/मिठाई की दुकान का/सब्जी वाले ठेले का/प्रत्येक छात्र अपना कार्ड अन्य छात्रों को दिखाएगा। कुछ छात्र उस कार्ड के बारे में अपने विचार अपनी शषा में बताएँगे। शिक्षक छात्रों के वाक्यों को क्रमबद्ध रूप में श्यामपट्ट पर लिखेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक छात्रों को गोल घेरे में बैठाएँगे बीच में कहानी चार्ट रखकर हाव–भाव से कहानी सुनाएँगे। छात्र उस कहानी को अपनी भाषा में सुनाएँगे। कहानी से संबंधित कुछ प्रश्नों पर चर्चा होगी।
- शिक्षक सुनाई गई कहानी के हर वाक्य की पट्टी बनाएँगे। वाक्य पट्टियों को छात्रों के बीच बाँट देंगे।

वाक्य पट्टी जैसे–

एक मुर्गी थी उसके तीन चूज़े थे।	मुर्गी बोली कुकड़ू कू।
तीनों चूज़े बोले कुकड़ू कू।	तीनों चूजे दीवार पर चढ़े।
मुर्गी दीवार पर चढ़ी।	लेकिन धम्म से फिसल गई।

निर्देश– इसी तरह दो छोटी कहानियों की वाक्य पट्टियाँ काटनी हैं। दो समूहों में अलग–अलग कहानियों की पट्टियों को काटेंगे। दोनों समूहों में कहानी को क्रम से लगाने को कहेंगे जो ग्रुप पहले कहानी बना लेगा वह जीत जाएगा। दोनों कहानियों को दो अलग चार्ट पर चिपकाएँगे। तैयार चार्ट को प्रदर्शित करेंगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- शिक्षक छात्रों से कुछ प्रश्न पूछेंगे–

(i) कहानी में आपको क्या–क्या अच्छा लगा और क्या अच्छा नहीं लगा और क्यों ?

(i) मुर्गी के बच्चे किसकी नकल कर रहे थे ?

(ii) मुर्गी के बच्चे सड़क पर क्यों चलने लगे ?

(iii) क्या आप सड़क के बीच में चलते हैं ? या किनारे ?

(iv) हमें सड़क के किस ओर चलना चाहिए ? सड़क पार करते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए ?

प्रोजेक्ट/गृहकार्य– छात्र मुर्गी के चूजों के सरल चित्र बनाएँगे

40 मिनट

साप्ताहिक आकलन अभ्यास प्रपत्र

शिक्षण उद्देश्य–

- कहानी के पठन और लेखन अभ्यास के साथ पुनरावृत्ति, आकलन– अब तक सुनी/पढ़ी कहानियों/कविताओं में रिक्त स्थानों की पूर्ति कराना उनकी प्रस्तुति करना।

1– प्रिन्ट रिच सामग्री/सहज/पाठ्यपुस्तक की किसी कहानी को बच्चों से पढ़वाएँ।

2– पढ़ी हुई कहानी को बच्चों से उनकी भाषा में 4–5 वाक्य में लिखने को कहें।

3– निम्न लिखित प्रकार से अभ्यास कार्य कराएँ।

पढ़ें–

खरगोश	**सरलता**	**दयालु**	**त्यौहार**	**कछुआ**
जीत	**तालाब**	**तोता**	**हाथी**	**शेर**

4– लिखें– कविता पढ़कर रिक्त स्थान भरें (शिक्षक कोई भी कविता लिख सकते हैं।)

आओ सारे खेलें मिलकर	आओ .... खेलें मिलकर।
रूठ न जाएँ झगड़–झगड़ कर	.... न जाएँ .... कर ,
दौड़ें पकड़ें, हँसें, हँसाएँ	दौड़ें, ... हँसें हँसाएँ
रूठों को भी साथ मिलाएँ।	रूठों को भी ....
मुँह से गाली नहीं निकालें,	मुँह से .... नहीं ....
नियम खेल के सारे मानें।	नियम .... के .... मानें।

5– नीचे दी गई कहानी को पूरा करो। (किसलय 2, पाठ 21 से)

एक .... था। एक .... था। एक दिन दोनों जंगल से बाहर निकले। उनको .... मिला। .... ने कहा, "तुम कहाँ जा रहे हो ?" दोनों बोले, "हम शहर .... हैं।" तुम .... हमारे साथ .... । तभी एक .... आ गया। .... गुर्राया। तीनों दुम दबाकर ...., ।

6– निम्नांकित शब्दों को लेकर कोई वाक्य बनाएँ।

बरसात **मेला** **हाथी** **मिठाई**

नोट– शिक्षक स्वयं से इसी प्रकार के अन्य अभ्यास पत्रक बना सकते हैं।

पुनरावृत्यात्मक शिक्षण योजना
(उपचारात्मक शिक्षण) (13/42)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H304.1

शिक्षण उद्देश्य–

- पहेलियाँ बूझना, पढ़ना, लिखना।

आवश्यक सामग्री– कक्षा 2 व 3 की पाठ्यपुस्तक

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक छात्रों से पूछेंगे कि निम्नलिखित पंक्तियाँ किस के बारे में कही गई हैं ?

मैं आसमान में छाए बादलों में रहता हूँ।
वहाँ से बरसकर धरती पर चला आता हूँ।
तुम कागज की नाव बनाकर मुझमें ही तैराते हो।
बताओ मैं कौन हूँ ?

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक श्यामपट्ट पर कुछ पहेलियाँ लिखेंगे।
- लिखी गई पहेलियों को छात्रों से बारी–बारी से पढ़ने को कहेंगे।
- छात्रों द्वारा घर से सुनी कोई पहेली सुनाने को कहेंगे।
- छात्रों को 4 समूह में बाँटा जाएगा। पाठ्यपुस्तक के पाठ 11 से 1–1 पहेली हर समूह में पढ़ने के लिए दी जाएगी।
- पढ़ने के बाद एक समूह दूसरे समूह से पहेली पूछेगा। दूसरे समूह को पहेली का अर्थ बताना है। यदि पहला समूह अर्थ नहीं बता पाएगा तो किसी और समूह को मौका दिया जाएगा इसी प्रकार इस गतिविधि को आगे बढ़ाया जाएगा।
- नीचे दी गई पहेली के वाक्यों में शब्दों का क्रम सही करके लिखें।

(i) लगी है जंजीर पैरों में ....

(ii) लगाए दौड़ भी फिर ....

(iii) के पर झूम पगडण्डी चले ....

(iv) पहुँचाए गाँव–गाँव ....

- छात्रों द्वारा जिन पहेलियों के क्रम को सही करके लिखा गया है उसकी समीक्षा छात्र स्वयं एक दूसरे को उत्तरपुस्तिका देकर करेंगे फिर शिक्षक समीक्षा करेंगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- शिक्षक छात्रों को कोई पहले से याद पहेली अपने शब्दों में सुनाने को कहें।
- सुनी गई पहेली को कॉपी में लिखवाएँगे।

प्रोजेक्ट/गृहकार्य– अपने पास पड़ोस व परिवार के सदस्यों से बात करें। उनसे पहेलियाँ पूछें। उनकी पहेलियों को सुनकर संकलित करें।

पुनरावृत्यात्मक शिक्षण योजना
(उपचारात्मक शिक्षण) (14/42)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H304.1

शिक्षण उद्देश्य–

- गद्य पहेलियाँ बनाना।
- छोटे समूह में गद्य पहेली बनवाना और पूछना।

आवश्यक सामग्री– सहज पुस्तिका 2/पुस्तकालय की पुस्तकें।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- छात्रों से निम्नांकित प्रकार के बिन्दुओं पर बातचीत करते हुए शिक्षण की शुरुआत करें।
- शिक्षक छात्रों से उनकी स्थानीय भाषा में बोली जाने वाली पहेली पूछें।

जैसे–

हरी थी, मन भरी थी, लाल मोती जड़ी थी,
राजा जी के बाग में, दुशाला ओढ़े खड़ी थी,
या
हाथ में हरा, मुँह में लाल, क्या हूँ मैं प्यारेलाल

- उपर्युक्त पहेलियों पर छात्र अनुमान लगाकर उत्तर देंगे। इसी प्रकार शिक्षक और भी पहेलियाँ छात्रों से पूछेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- छात्रों के छोटे–छोटे समूह बनाकर सहज पुस्तिका 2 की पहेली को समूह में पढ़ने को दिया जाएगा। जहाँ पर छात्रों को समस्या होगी शिक्षक सहयोग करेंगे।
- पहेली पठन के बाद छात्र आपस में एक दूसरे को पहेली का उत्तर बताएँगे।
- शिक्षक कुछ पहेलियाँ श्यामपट्ट पर लिखेंगे, छात्र उसका उत्तर अनुमान लगाकर स्वयं बताएँगे और लिखेंगे।
- श्यामपट्ट पर लिखी पहेली को छात्र अपनी उत्तरपुस्तिका में लिखेंगे।
- पहेली में आए शब्दों से तुकांत शब्द नोट किए जाएँगे। जैसे–
- रात, भात, बात, सात या अन्य वे तुकान्त शब्द जो शिक्षक द्वारा पूछी गई पहेलियों में आए हों।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- छात्रों द्वारा पूर्व में सुनी या पढ़ी गई पहेलियों को श्यामपट्ट पर लिखेंगे।
- छात्रों के साथ छोटी–छोटी गद्य पहेलियाँ बनवाएँगे।

प्रोजेक्ट/गृहकार्य– छात्र अपने घर से कुछ पहेली या कहावत सुनकर आएँगे अगले दिन कक्षा में प्रस्तुत करेंगे।

पुनरावृत्यात्मक शिक्षण योजना
(उपचारात्मक शिक्षण) (15/42)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H304.1

शिक्षण उद्‌देश्य–

- बच्चों में बातचीत की क्षमता विकसित करना।
- वाक्य पूरे करना और वाक्य प्रयोग करना।

आवश्यक सामग्री– सहज पुस्तिका कक्षा 3– पाठ 6 गाजर और गाय।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- छात्रों से निम्नांकित प्रकार के बिन्दुओं पर बातचीत करें।

(i) छात्रों से पूछें कि आपको कौन सा मौसम सबसे अच्छा लगता है और क्यों ?

(ii) हम जाड़े में किस तरह के कपड़े पहनते हैं ?

(iii) जाड़े में कौन–कौन से फल और सब्जियाँ ज्यादा मिलते हैं ?

(iv) जाड़े में मिलने वाली लाल रंग की सब्जियाँ कौन–कौन सी होती हैं ?

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक द्वारा कक्षा में गाजर और गाय कहानी को पढ़कर सुनाया जाएगा।

पढ़ी गई कहानी पर छात्रों से बातचीत की जाएगी। निम्नलिखित प्रकार के प्रश्न पूछ कर छात्रों की समझ को जानेंगे और यथास्थान कुछ जानकारी जोड़ेंगे।

(i) बाबा को शहर क्यों जाना था ?

(ii) गाय क्या खाने लगी ?

(iii) बाबा कैसे गिर गए ?

(iv) बाबा ने आशीष के घर जाकर क्या कहा ?

(v) क्या गाजर से गाय का पेट भर जाएगा ?

(vi) गाय गाजर के अलावा और क्या–क्या खाती है ?

(vii) अगर आपके खेत में कोई जानवर आ जाए तो आप उसे कैसे भगाएँगे ?

- पूर्व पठित पाठ के अलग–अलग अनुच्छेदों को छाँटकर या कागज पर लिखकर छात्रों को छोटे–छोटे समूह में पढ़ने को देंगे।
- अलग–अलग अनुच्छेद को मिलाकर कुछ छात्रों से एक पाठ के रूप में कहानी सुनाने को कहें।
- पाठ में आए प्रश्नों को श्यामपट्ट पर लिखेंगे। छात्र शिक्षक से बातचीत या आपसी बातचीत के बाद उनका उत्तर अपनी कॉपी पर लिखेंगे।
- लिखे गए उत्तर की समीक्षा छात्रों द्वारा स्वयं तथा फिर शिक्षक द्वारा की जाएगी।

शिक्षण के अंत में

(5–10 मिनट)

- रिक्त स्थानों की पूर्ति करो।

(i) बाबा के—————————————————— लग गई।

(ii) आशीष बोला————————————————————————— बहुत पसंद है।

(iii) अगर ऐसी बात है————————————————————— रोज दे दिया करूँगा।

(iv) बाबा और मैं—————————————————————————— चल दिए।

- निम्नांकित शब्दों का वाक्य प्रयोग करवाएँ।

  (पड़ोसी, गाजर, मुस्कुराएँ, संभालकर, खेत, पसंद)

प्रोजेक्ट / गृहकार्य–

- बच्चों से कहें कि घर में मम्मी, पापा से पूछकर लिख लाएँ कि खेत में और क्या–क्या बोया जाता है ?
- किसी एक सब्जी का चित्र बनाकर लाने को कहें।

Writer : Dharam Vir, Soumitra Bhattacharya
Illustrator : Soumitra Bhattacharya

पुनरावृत्यात्मक शिक्षण योजना
(उपचारात्मक शिक्षण) (16/42)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H304-3, H408

शिक्षण उद्देश्य–

- सरल मुहावरों पर बात कर उनके अर्थ पर समझ बनाना।
- मुहावरे खोजकर उनका मौखिक व लिखित वाक्य प्रयोग करना।
- तकिया कलाम शब्दों पर समझ बनाना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, मुहावरों की पर्ची, स्वनिर्मित मुहावरा चार्ट।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- बच्चों से कुछ चित्र दिखाकर बात चीत करेंगे–

अंधे की लाठी

आँखों का तारा

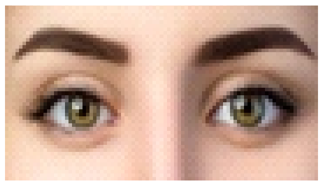

- शिक्षक कक्षा में बच्चों से पूछें क्या आपने अपने बड़ों से या किसी और से कोई मुहावरा सुना है ? उदाहरण के लिए शिक्षक बच्चों को कोई एक मुहावरा सुनाएँगे।
- 3–4 बच्चों से कोई मुहावरा सुनाने को कहें।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- बच्चों द्वारा सुने गए मुहावरों को शिक्षक श्यामपट्ट पर लिखेंगे।
- कुछ बच्चे श्यामपट्ट पर लिखे मुहावरों को पढ़ेंगे। शिक्षक छात्रों का सहयोग करेंगे और मुहावरों के अर्थ बताएँगे।
- बच्चों को छोटे–छोटे समूह में दो प्रकार की पंक्तियाँ देंगे। एक पर्ची में मुहावरा और एक पर्ची में अर्थ लिखा होगा। बच्चे उन मुहावरों को पढ़ेंगे। दूसरे समूह के बच्चे उस मुहावरे के अर्थ वाली पर्ची से अर्थ पढ़ेंगे।
- अब दो बच्चों की जोड़ी में मुहावरे पूछे जाएँगे एक बच्चा मुहावरा बोलेगा दूसरा बच्चा उसका अर्थ बताएगा। इसी प्रकार इस क्रम को आगे बढ़ाते जाएँगे।
- इस प्रकार एक–एक जोड़ी छात्र मुहावरा और उसका अर्थ श्यामपट्ट पर लिखेंगे। कोई त्रुटि होने पर शिक्षक उसे सुधारेंगे और सभी छात्र इन मुहावरों को अपनी उत्तरपुस्तिका में लिखेंगे।

शिक्षण के अंत में

(5–10 मिनट)

- शिक्षक श्यामपट्ट पर लिखे गए मुहावरों व उनके अर्थ का क्रम बदल कर लिखेंगे और छात्रों से उनका मिलान कराएँगे।
- मुहावरों का सही अर्थ से मिलान कर अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए।

मुहावरा	अर्थ
(i) मुहर लग जाना	चुप रह जाना।
(ii) सर माथे चढ़ाना	मन साफ हो जाना।
(iii) सन्नाटे में आ जाना	पक्का हो जाना।
(iv) कलेजा धक–धक करना	खुशी से स्वीकार करना।
(v) दिल का मैल धुल जाना	घबरा जाना।

- कुछ उदहारण तकिया कलाम के शिक्षक बच्चों को सुनाएँगे।
- राजू अपनी कक्षा में हर बात पर ठीक है– ठीक है कहता है मानो कोई तकिया कलाम कह रहा हो।

प्रोजेक्ट / गृहकार्य–

- छात्र अपने अभिभावकों से पूछकर कुछ मुहावरे लिखकर लाएँगे।

Writer : Dharam Vir, Soumitra Bhattacharya

Illustrator : Soumitra Bhattacharya

पुनरावृत्त्यात्मक शिक्षण योजना
(उपचारात्मक शिक्षण) (17/42)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H310

शिक्षण उद्देश्य–

- कविता, कहानी में आए शब्दों में से संज्ञा व क्रिया शब्दों को पहचानना।
- संज्ञा व क्रिया शब्दों के प्रयोग पर समझ बनाना।

आवश्यक सामग्री– 'सहज' पाठ 3 से पाठ 13 'नाव की सवारी'।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक छात्रों से नाव के बारे में निम्नलिखित प्रश्नों पर चर्चा करेंगे।

(i) नाव किसने–किसने देखी है और कहाँ देखी है ?
(ii) नाव कौन चलाता है ?
(iii) क्या आप अपने किसी सम्बन्धी के घर नाव पर बैठकर गए हैं ?
(iv) पानी की सवारी और किस पर की जा सकती है ?

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक छात्रों को सहज पाठ से नाव की सवारी पाठ पढ़कर सुनाएँगें।
- छात्र छोटे–छोटे समूह में पढ़ने का अभ्यास करेंगे।
- शिक्षक छात्रों से कहानी/पाठ पर निम्नांकित प्रकार के प्रश्न पूछेंगे।
  (i) बबलू दादा जी के साथ कहाँ घूमने गया ?
  (ii) नाव वाले ने नाव को कैसे चलाया ?
  (iii) सबने झील में क्या देखा ?
  (iv) चिड़ियों के चहचहाने की आवाज कहाँ से आ रही थी ?
- शिक्षक संज्ञा व क्रिया शब्दों के बारे में चर्चा करेंगे।
- छात्रों को 4 छोटे–छोटे समूह में बाँटा जाएगा। 2 समूह पाठ में आए संज्ञा शब्दों को ढूँढ कर निकालेंगे और 2 समूह क्रिया शब्द ढूँढ निकालेंगे और उनकी सूची बनाएँगे।
- सही संज्ञा शब्द छाँटकर खाली स्थान में भरिए।
  (i) लता मेरी .... है।
  (ii) .... म्यांऊँ–म्यांऊँ करती है।
  (iii) .... खेत में काम करता है।
- यदि छात्रों ने मात्रिक गलती की है या विराम चिह्नों का ध्यान नहीं दिया है तो शिक्षक छात्रों को सुधार करने का अवसर देंगे। उनकी सहायता करेंगे एवं सभी छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- शिक्षक छात्रों को कुछ क्रिया शब्द देंगे व उनसे वाक्य बनाने को कहेंगे।
  पढ़ना, खेलना, दौड़ना, डरना ....
- कुछ बच्चों से बनाए गए वाक्यों की प्रस्तुति कराएँगे।

निर्देश– दिवस 18 और 42 आकलन प्रपत्र शिक्षक स्वयं बनाएँगे व सप्ताह भर में कराई गई गतिविधियों/पाठ्यक्रम के आधार पर प्रश्न बनाकर छात्रों का आकलन करें।

पुनरावृत्त्यात्मक शिक्षण योजना
(उपचारात्मक शिक्षण) (19/42)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H108.1

शिक्षण उद्देश्य–

- संदर्भ/वाक्यों/शब्दों के बीच अक्षरों की पहचान, अक्षरों से शब्द बनाना और उन्हें लिखना।

आवश्यक सामग्री– अक्षर कार्ड/शब्द कार्ड, पुस्तकालय की पुस्तकें, प्रिन्ट रिच सामग्री।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक छात्रों से सामान्य बातचीत करें। कम से कम चार छात्रों से उनके घर की बातें करेंगे। उनके घरेलू अनुभव पूछें– जैसे– स्कूल आने से पहले सुबह घर पर उनके द्वारा किए गए काम के विषय में पूछेंगे। अनुभव पूछे जाने वालों में से दो छात्र ऐसे जरूर हों जो धीमा पढ़ते–लिखते हों। इस बातचीत के साथ शिक्षक श्यामपट्ट पर छात्रों के नामों के आगे उनकी बातों का सार–संक्षेप वाक्य लिखें।

जैसे–

(i) रश्मि– सुबह, चारा लाना, दूध दुहना/लाना, फूल लाना, नाश्ता बनाना (आदि)

(ii) आलोक– सुबह, लकड़ी बीनना, गोबर लाना, दंत मंजन (आदि)

- उपर्युक्त उदाहरण छात्रों से जुड़ा एक शब्द चित्र (स्कैच) बनाते हैं।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- कक्षा में बने ऐसे शब्द स्कैच को दो बार छात्रों से पढ़वाएँ (इसमें एक बच्चा पढ़ने में धीमा हो) अब इसी तरह के शब्द स्कैच में अक्षरों की पहचान कराएँ। क्रमशः पूछें, श्यामपट्ट पर लिखे शब्दों में स, द, ल, न, म आदि कितनी बार आए हैं ? कहाँ आए हैं ?
- अक्षर कार्डों से शब्द बनाना–स्कूल में ऐसे कार्ड होंगे, न हों तो 30, 40 शब्दों के अक्षर कार्ड छात्रों की मदद से बना लें। छात्रों को छोटे समूह में बाँटें, हर समूह को कुछ अक्षरों का सेट दें। हर समूह अक्षर जोड़कर शब्द बनाए, बताए और उन्हें उत्तरपुस्तिका में लिखे। फिर समूह में कार्ड परस्पर बदलकर यही काम करते रहें।
- स्कूल और घर की भाषा में शब्द अंत्याक्षरी– एक सिरे में एक बच्चा घर या स्कूल की भाषा में कोई शब्द बोले। अगला बच्चा उसके अंतिम अक्षर से नया शब्द बनाए। कक्षा कतार में बैठी हो या U शेप में दोनों तरह से इसे कराया जा सकता है।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- अक्षरों से शब्द– शिक्षक अब तक हुई बातचीत के शब्दों से कुछ अक्षर चुने, जैसे– दी, ला, श, ती या कुछ अन्य।

छात्रों से क्रमशः कहें कि अपने घर में बोले जाने वाले वो शब्द बताएँ जो इन अक्षरों से शुरू होते हैं।

पुनरावृत्त्यात्मक शिक्षण योजना
(उपचारात्मक शिक्षण) (20/42)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H105
शिक्षण उद्देश्य–
- कविता पर बातचीत का अभ्यास कराना।
- ध्वनि/मात्राओं की समानता (तुकांत) मौखिक लिखित।

आवश्यक सामग्री– चार्ट, मार्कर, पंखुड़ी पाठ्यपुस्तक (पाठ 6)

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक ''सबसे पहले'' कविता का आदर्श वाचन करंगे। छात्रों से कविता के चित्र पर आधारित बातचीत करेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक पुनः हावभाव से कविता पढ़ेंगे और छात्रों से भी हाव–भाव से सस्वर वाचन कराएँगे।
- शिक्षक कविता की दो पंक्तियों को पढ़ेंगे–

> बादल पीले लाल सुनहले
> आज उठा मैं सबसे पहले

- छात्रों से पूछें इन पंक्तियों में ऐसे कौन से शब्द हैं, जिनकी ध्वनि एक जैसी लग रही है।
- शिक्षक छात्रों से कविता पर बातचीत करें–

(i) कवि आज सबसे पहले क्या सुनना चाहता है ?
(ii) कवि आज सबसे पहले क्या देखना चाहता है ?
(iii) कवि आज सबसे पहले लोगों से क्या कहना चाहता है ?

- शिक्षक छात्रों से नीचे लिखे शब्दों के तुकांत शब्द बताने को कहेंगे–

जाल	दिल	सुन	चहक	नीर	फूल

- बच्चों को इस कविता की खाली जगह में तुकांत शब्द भरने को कहें। बच्चों की मदद करें।

> इब्न बतूता, पहन के जूता
> निकल पड़े–––– में
> थोड़ी हवा नाक में घुस गई
> घुस गई थोड़ी––––में
> कभी नाक को कभी कान को
> मालते –––– ––––
> इतने ही में निकल पड़ा
> उनके पैर का––––

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- शब्दों से वाक्य बनाओ–

चिड़िया	मछली	शेर	मोर

गृहकार्य– बच्चों से यह कविता याद करने को कहें।

पुनरावृत्त्यात्मक शिक्षण योजना
(उपचारात्मक शिक्षण) (21/42)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H107, H402, H407

शिक्षण उद्देश्य–

- दृश्य/चित्र, जैसे–विज्ञापन/फोटो/वस्तु का अवलोकन करना। दृश्य चित्र का मौखिक और लिखित वर्णन करना।

आवश्यक सामग्री– विज्ञापन के पोस्टर, पुस्तकें, प्रिन्ट रिच मटेरियल।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक बच्चों को विज्ञापन में दिखाई गई वस्तुओं के रैपर (जैसे–मैगी, चॉकलेट, कुरकुरे, बिस्किट के पैकेट) दिखाकर चर्चा करें कि ये क्या है ?
- स्कूल के रास्ते में आप कौन–कौन से विज्ञापन के बैनर/पोस्टर देखते हो ?
- ये किसलिए लगाए जाते हैं ?

(शिक्षक जानकारी देंगे कि सभी विज्ञापन प्रचार के लिए ही होते हैं।)

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक सड़क सुरक्षा का पोस्टर दिखाते हुए चर्चा करें कि इस पोस्टर में क्या–क्या दिखाई दे रहा है ? छात्रों द्वारा बताई गई बातों को शिक्षक बिन्दुवार श्यामपट्ट पर लिखेंगे।
- शिक्षक श्यामपट्ट पर लिखित बिंदुओं के अतिरिक्त यातायात के अन्य आवश्यक बिंदुओं पर छात्रों से चर्चा करेंगे। जेब्रा क्रासिंग, स्पीड ब्रेकर विभिन्न दिशा–निर्देश सूचक चिन्हों की उपयोगिता व महत्व पर चर्चा करेंगे। छात्र आवश्यक बिन्दुओं को अपनी उत्तरपुस्तिका में लिखेंगे।
- विज्ञापन/प्रचार किन–किन माध्यमों से किया जाता है ? लिखें।

1– अखबार	2–	3–	4– ....

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- नीचे दिए गए पोस्टर/प्रचार में किस बारें में जागरूक किया जा रहा है ? शिक्षक छात्रों के 2 समूह बनाएँगे। कुछ विज्ञापन की कटिंग छात्रों को बाटेंगे। छात्रों को आपस में विचार–विमर्श के लिए 5 मिनट का समय देंगे। दोनों समूह से बारी–बारी से 2– 2 प्रस्तुतीकारण कराएँगे।

पोस्टर–1

पोस्टर–2

पोस्टर 1– ....

पोस्टर 2– ....

प्रोजेक्ट वर्क– पेड़ों के महत्त्व पर पोस्टर घर अभिभावकों के सहयोग से बच्चे पेड़ों के महत्व पर एक पोस्टर बनाकर लाएँगे।

पुनरावृत्त्यात्मक शिक्षण योजना
(उपचारात्मक शिक्षण) (22/42)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H305, H403

शिक्षण उद्देश्य–

- छोटी–छोटी कहानियाँ/गद्यांश पढ़ने का अभ्यास कराना।
- शब्दों/पात्रों/वाक्यों को खोजकर उन्हें लिखना।
- किसी पाठ, प्रसंग, कहानी पर स्वतन्त्र राय/टिप्पणी देना।

आवश्यक सामग्री– सहज पुस्तिका, पाठ्यपुस्तक, कहानी पोस्टर, चित्र आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक एक छोटी कहानी सहज–2 से पाठ–7 चीकू और मीकू सुनाएँगे। कहानी पर छात्रों से चर्चा करेंगे

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक स्वयं कहानी का सारांश श्यामपट्ट पर लिखें। बच्चों से उसे उत्तरपुस्तिका में लिखने को कहें।
- शिक्षक छात्रों को स्वतंत्र पठन कराएँगे। इस दौरान शिक्षक बच्चों का अवलोकन करेंगे यदि कोई बच्चा पढ़ने में कठिनाई महसूस करता हैं तो उसे शिक्षक आवश्यक सहयोग देंगे।
- शिक्षक कहानी की एक पंक्ति को श्यामपट्ट पर लिखें। बच्चों से उस कहानी को आगे बढ़ाने को कहें।
- एक जंगल था। जंगल में एक शेर रहता था। .... कुल 7–8 पंक्तियों में कहानी पूर्ण करने को कहें।
- पठन अभ्यास के पश्चात् छात्रों से एक कहानी का निर्माण कराएँगे।
- बनाई गई कहानी का कुछ छात्रों से प्रस्तुतीकरण कराएँ।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- नीचे दिए गये वाक्यों के क्रम को सही करके उत्तरपुस्तिका में लिखिए।

(i) रहती थी साथ में गिलहरी मीकू और चीकू।

(ii) खा जाती थी खाना सारा चीकू मीकू का।

(iii) मोटी हो गई बहुत खाना खाकर चीकू।

(iv) गहरी दोस्ती गई हो चीकू और मीकू में।

प्रोजेक्ट/गृहकार्य–

घर में अभिभावकों के सहयोग से गिलहरी का चित्र बनाकर लाएँ।

पुनरावृत्त्यात्मक शिक्षण योजना
(उपचारात्मक शिक्षण) (23/42)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H305

शिक्षण उद्देश्य–

- छोटी कविता पढ़ने का अभ्यास कराना।
- कविताओं में शब्दों/वाक्यों/पात्रों की खोज कर उन्हें लिखना।

आवश्यक सामग्री– कहानी, पोस्टर, चित्र चार्ट, भाषा निर्देशिका पुस्तिका।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक छात्रों के साथ हाव–भाव से कविता सुनाएँ और बच्चों से भी कविता वाचन करवाएँ।
- शिक्षक छात्रों से बातचीत करते हुये पूछें कि आप लोगो में से किस–किस को पूर्व में सुनी हुयी कविता याद है ? वह गाकर सुना सकता है। शिक्षक स्वयं भी एक दो छोटी कविताएँ सुनाएँ और कुछ बच्चों से सुनें। इससे कक्षा में कविता का वातावरण बनेगा।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक छात्रों के साथ हाव–भाव से इस कविता का वाचन करें।

हाथी दादा पहन लबादा
पहुँच गए बाजार
जूते की दुकान देखकर
मांगे जूते चार
भालू जूते वाला बोला
बड़ा तुम्हारा नाप
इतने बड़े न बनते जूते
दादा कर दो माफ

- अगले क्रम में कविता को बोर्ड पर लिख पढ़ाने का अभ्यास कराएँ। स्वयं स्पष्टता से पढ़ें, एक प्रवाही पठन करने वाले दो तथा दो धीमा पढ़ने वाले बच्चों से कविता पढ़वाएँ। कक्षा उनको प्रोत्साहित करें।
- कविता पर बातचीत– नीचे लिखे प्रश्नों के साथ करें।

(i) हाथी दादा जो लबादा पहन बाजार गए उसमें कितना कपड़ा लगा होगा ?
(ii) हाथी दादा जंगल से शहर की तरफ क्यों आ गए होंगे ?
(iii) भालू जूते नहीं बना पाया तो हाथी दादा कहाँ गए होंगे ?
(iv) तुम्हें अगर हाथी दादा के लिए मकान बनाना पड़े तो कैसा बनाओगे ?

- शिक्षक बच्चों के जवाबों को व्यवस्थित और संक्षिप्त वर्णन के रूप में बोर्ड पर लिखेंगे और बच्चों से उन्हें उत्तरपुस्तिका पर उतारने को कहेंगे।

शिक्षण के अंत में (5–7 मिनट)

- शिक्षक कविता में आए तुकान्त शब्दों को ढूँढ़कर लिखने को दें।
- इस कविता में मुख्य पात्र कौन है ? लिखें।

गृहकार्य– यदि आप दर्जी होते तो क्या करते ? अपने शब्दों में लिखिए।

साप्ताहिक आकलन अभ्यास प्रपत्र

शिक्षण उद्देश्य–

- वर्ण विशेष की पहचान कराना।
- तुकान्त शब्दों की समझ जानना।
- शब्द निर्माण कौशल की जाँच करना।

- नीचे दिए शब्दों में 'त अक्षर पर घेरा बनाइये– तबला, पतंग, लता, नीतू, बताओ,
- नीचे लिखे शब्दों के एक–एक तुकांत शब्द लिखो– राजा, मेला, घोड़ा, दिन, अंग
- नीचे एक बक्सा (तंबोला) है, उसमें खाने की 7 चीजों के नाम छिपे हैं। अक्षर ढूँढ़ कर इन चीजों के नाम लिखो–

- दी गई ग्रिड इकाइयों से परिवार के सदस्यों का नाम ढूँढ़कर लिखें।

आ	सा	गा	ली	ला
रो	मू	के	पू	ज
र	ड़ी	टी	ग	म

--------------------- ---------------------

--------------------- ---------------------

--------------------- ---------------------

- नीचे चार चित्र दिए हैं। हर एक के बारे में एक वाक्य लिखिए–

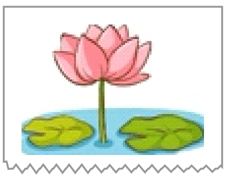
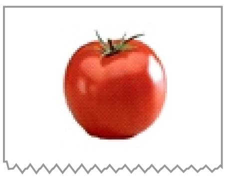
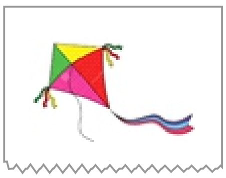
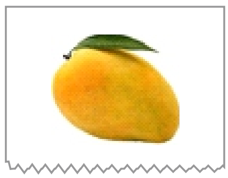

- कविता की इन पंक्ति को सीधे वाक्य में बदल कर लिखो

बरसा पानी छम छम छम
छाता लेकर निकले हम....
छाता नीचे ऊपर हम

- नीचे दिए गई पंक्तियों को पढ़िए परिवार से बाहर का शब्द पहचानिए और लिखिए।
  (i) रेल सीट, यात्री, डिब्बा, भट्टी
  (ii) बर्तन पतीली, पानी, गिलास, थाली
  (iii) भोजन रोटी, तरकारी, मकान, दाल

- अगर यह आपदा आ जाए तो क्या करना चाहिए ?
  (i) यदि भूकंप आ जाए ?
  (ii) कहीं बाढ़ आ जाए ?

पुनरावृत्यात्मक शिक्षण योजना
(उपचारात्मक शिक्षण) (25 / 42)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H104.1, H109.1, H104.2

शिक्षण उद्देश्य–

- अनुभवों का मौखिक–लिखित वर्णन घर व स्कूल की भाषा में करना।
- अनुभवों की भाषा से पढ़ना, लिखना, सीखना।

आवश्यक सामग्री– चित्र पोस्टर, कहानी, चार्ट, प्रिंट रिच सामग्री, खेल एवं खेल सामग्रियों का चित्र।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक कक्षा से उस इलाके में खेले जाने वाले किसी खेल के बारे में बातें करें। उसकी प्रक्रिया पर बात करें। बच्चों द्वारा बताई खेल प्रक्रिया को बोर्ड पर लिखें।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- षिक्षक लिखे गए विवरण को एक या दो बार पढ़ें। फिर एक प्रवाही ढंग से पढ़ने वाले तथा दो या तीन धीमी गति से पढ़ने वाले बच्चों को पढ़ने का अभ्यास कराएँ। (प्रयास करें कि बच्चे अनुमत बताते हुए स्थानीय भाषा में जो शब्द वाक्य बोलते हैं वे भी बोर्ड पर स्थान पाएँ)।
- **आकलन–** अध्यापक निम्नलिखित प्रश्नों को छात्रों से पूछेंगे–

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- बच्चों से पूछे कि खेलने से हमें क्या–क्या लाभ होते हैं ? छात्रों को उत्तर देने में अध्यापक सहायता करें।
- बच्चों से कहें कि कुछ खिलाड़ियों के नाम बताइये जिन्हें खेलते हुए आपने देखा है। (टी0वी0 में, मोबाइल में, गाँव में) उन खिलाड़ियों और उनके खेलों के नाम उत्तरपुस्तिका में लिखें।

गृहकार्य– छात्रों से अपने किसी खेल उपकरण जैसे– बॉल, फुटबॉल, बैट आदि का सरल रेखाचित्र बनाकर लाने को कहें।

शब्द बनाओ

ज़मीन पर एक बड़ा–सा गोला बनाइए। इस गोले के अंदर छोटे–छोटे दो गोले और बनाइए। इन गोलों में अलग–अलग आवाज़ें लिखिए, जैसे – ची, नू, को, पा आदि।

अब बारी–बारी बच्चों को बुलाइए और गोले में कंकड़ डालने के लिए कहिए। जिस गोले में कंकड़ गिरे उसमें जो आवाज़ें लिखी हैं, बच्चों को उन आवाज़ों से 5 शब्द बताने के लिए कहिए। उदाहरण के लिए किसी बच्चे ने कंकड़ फेंका और वह गिरा 'ची' के गोले में, अब बच्चा शब्द बताएगा – चील, चीता, चीनी, चीकू, चींटी आदि।

पुनरावृत्त्यात्मक शिक्षण योजना
(उपचारात्मक शिक्षण) (26 / 42)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H211, H312

शिक्षण उद्देश्य–

- कविता वाचन और पठन।
- कविता के विषयवस्तु पर चर्चा करना।
- चर्चा के आधार पर अपने शब्दों में नोट्स बनाना।

आवश्यक सामग्री– कविता / कहानी चार्ट, प्रिंट रिच सामग्री, पोस्टर आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक छात्रों से निम्नलिखित प्रश्नों के माध्यम से बातचीत करेंगे।

(i) आप लोगों ने कौन–कौन सी कविताएँ सुनी हैं ?

(ii) कुछ छात्रों से कुछ कविताएँ सुनें और उनका उत्साह बढ़ाएँ।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- बच्चों से नीचे लिखी कविता का हाव–भाव से वाचन कराएँ।

हरे आम का पनहा बनता
इससे शेक बनाती नानी
जो अचार का नाम सुनो तो
मुँह में भर भर आता पानी

- कविता को बोर्ड पर लिखकर शिक्षक एक बार स्वयं स्पष्ट उच्चारण के साथ पढ़ेंगे। इसके बाद एक प्रवाही ढंग से पढ़ने वाले तथा दो धीमी गति से पढ़ने वाले बच्चों को पढ़ने का अभ्यास करेंगे। कक्षा और शिक्षक उन्हें उत्साहित करेंगे, उनकी मदद करेंगे।
- कविता पर बात– शिक्षक इन बिंदुओं पर बच्चों से चर्चा करें।

(i) आमों के कितने नाम या किस्में होती हैं ?

(ii) आम किन–किन महीनों और मौसम में आता है ?

(iii) मिल जाएँ तो तुम एक बार में कितने आम खा सकते हो ? पके हुए ? कच्चे ?

(iv) पनहा (कच्चे आम की चटनी) में क्या–क्या पड़ता है ?

- इन शब्दों का क्या अर्थ है– रसील, मुँह में पानी भरना। (शिक्षक बच्चों के उत्तरों से एकल संक्षिप्त, व्यवस्थित नोट बोर्ड पर लिखें)

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- बच्चे इस नोट को उत्तरपुस्तिका पर उतारें।

पुनरावृत्त्यात्मक शिक्षण योजना
(उपचारात्मक शिक्षण) (27 / 42)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम— H412

शिक्षण उद्देश्य—

- संदेश के पुराने और नए माध्यमों पर चर्चा करना।
- पत्र के विविध प्रकार की जानकारी देना।

आवश्यक सामग्री— विभिन्न प्रकार के पत्रों और बधाई संदेशों की प्रतियाँ।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5—10 मिनट)

- शिक्षक निम्नांकित प्रकार के प्रश्नों के माध्यम से बच्चों से बातचीत करेंगे:

(I) जब मोबाईल और फोन नहीं थे तब संदेश एक से दूसरी जगह कैसे पहुँचते थे ?

(ii) आपके गाँव या रिश्तेदारी में शादी या समारोह होता है तो उसकी सूचना कैसे दी जाती है ?

(iii) आप अपने खेल की या अन्य सूचनाएँ अपने मित्रों को कैसे पहुँचाते हैं ?

(iv) अध्यापक बच्चों द्वारा बताए गए सन्देश माध्यमों को श्याम पट्ट पर लिखेंगे।

(v) अध्यापक बच्चों से पूछेंगे कि आप जब विद्यालय नहीं जाते हैं तब उसकी सूचना अपने विद्यालय में कैसे देते हैं ? इस प्रश्न पर बातचीत करेंगे।

शिक्षण के दौरान (20—25 मिनट)

- बच्चों से छुट्टी के लिए प्रार्थना पत्र लिखने के प्रारूप पर बातचीत करेंगे।
- अध्यापक श्यामपट्ट पर प्रार्थना पत्र लिखेंगे। तथा बच्चों द्वारा उसे पढ़कर अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखने को कहेंगे।
- छोटे समूह बनाकर, अलग—अलग अवसरों के लिए (जन्मदिन, विवाह वर्षगांठ, नौकरी प्राप्ति) बधाई संदेश लिखने का अभ्यास कराएँगे। लिखे गए संदेशों का समूह द्वारा प्रस्तुतीकरण करेंगे।

शिक्षण के अंत में (5—10 मिनट)

- छात्रों द्वारा एक दूसरे को बधाई दिलवाना (मौखिक)

प्रोजेक्ट / गृहकार्य—

- निमंत्रण कार्डों या बधाई कार्डों का संग्रह करवाना।
- अपने मित्र को अपनी बहन की शादी में आने के लिए एक निमंत्रण पत्र बनाने के लिए बच्चों को कहेंगे।

पुनरावृत्यात्मक शिक्षण योजना
(उपचारात्मक शिक्षण) (28/42)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम— H304.1

शिक्षण उद्देश्य—

- सुनी हुई कहानी को व्यवस्थित करना। अपूर्ण वाक्यों को मौखिक और लिखित रुप में पूर्ण करने का अभ्यास करना।

आवश्यक सामग्री— कहानी कार्ड, पोस्टर, पुस्तकालय की पुस्तकें, शब्द कार्ड, वाक्य कार्ड, अधूरे वाक्य वाले कार्ड (कहानी/वाक्य)

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक बच्चों से निम्नांकित प्रकार के प्रश्नों के माध्यम से बातचीत करेंगे—
  (i) आपने कौन–कौन सी कहानियाँ सुनी हैं ?
  (ii) कौन–कौन सी कहानी आपको अच्छी लगती हैं ? और क्यों ?
  (iii) 1–2 बच्चों से उनकी कहानियाँ सुनेंगे।
- कहानी में आये शब्दों और कहानी की कुछ पंक्तियों को अध्यापक श्यामपट्ट पर लिखेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक हाव–भाव के साथ एक कहानी बच्चों को सुनाएँगे। तथा बच्चों से वही कहानी उनकी अपनी भाषा में सुनेंगे।

कहानी पट्टी

एक छोटी कहानी अलग–अलग वाक्य पट्टी पर लिखी हो। शिक्षक कई कहानियों की वाक्य पट्टी तैयार करेंगे।

- कहानी के पात्रों पर बच्चों से बातचीत करेंगे। कौन सा पात्र आपको अच्छा लगा और क्यों ?
- छोटे समूह में बच्चों को कहानी कार्ड, कहानी, वाक्य पट्टी देकर कहानी को व्यवस्थित करने की गतिविधि करेंगे। (अध्यापक अपेक्षित सहायता करेंगे)
- कहानी को बच्चे अपनी उत्तरपुस्तिका में लिखेंगे और शिक्षक कक्षा में बच्चों से उसका प्रस्तुतीकरण करवाएँगे।
- कक्षा के बच्चों को 2 समूह में बाटेंगे। दोनों समूह को 8–10 वाक्य की एक कहानी देंगे छात्रों को कागज की कटी हुई पट्टियाँ देंगे। छात्र कहानी को वाक्य पट्टी पर लिखेंगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

(i) आपको कौन सी कहानी अच्छी लगी और क्यों ?
(ii) कहानी का दूसरा नाम और क्या हो सकता है ?
(iii) आप अगर किसी निश्चित पात्र के स्थान पर होते तो क्या करते ?

प्रोजेक्ट/गृहकार्य— बच्चे घर से किसी बड़ी कहानी का सारांश लिखकर लाएँगे।

पुनरावृत्यात्मक शिक्षण योजना
(उपचारात्मक शिक्षण) (29 / 42)

40 मिनट

शिक्षण उद्देश्य–

- अधूरी कहानी पूर्ण करना।
- कहानियों का प्रस्तुतीकरण करना।

आवश्यक सामग्री– चित्र कार्ड, कहानी चार्ट, कहानी पोस्टर, अधूरी कहानियों के पोस्टर इत्यादि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक छात्रों से उनकी कुछ कहानियाँ सुनेंगे और उन पर बातचीत करेंगे।
- कहानी में आये शब्दों को श्यामपट्ट पर लिखेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- श्यामपट्ट पर लिखे गए शब्दों द्वारा कहानी का निर्माण छात्रों के साथ मिलकर करवाएँगे एवं श्यामपट्ट पर लिखेंगे।
- छोटे समूह में अधूरी कहानी की पर्ची देकर उसे पूर्ण करवाएँगे। प्रत्येक समूह को अलग–2 कहानी की पर्ची दी जाएगी। (जिससे कई कहानियाँ बनें) छात्रों द्वारा बनाई गई कहानियों का प्रस्तुतीकरण करवाएँगे। इस गतिविधि के लिए अध्यापक पहले से अधूरी कहानी के कई पोस्टर / कहानी कार्ड अपने पास रखेंगे।)

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- अध्यापक छात्रों से उनके द्वारा बनायी कहानी को उनके शब्दों में सुनेंगे। समूहों से सुनी हुई विभिन्न कहानियों पर राय मांगेंगे और उसे संक्षेप में बोर्ड पर लिखेंगे। कहानी पूरी करने के अनुभवों पर भी बच्चों से थोड़ी बात हो।

गृहकार्य–

- इस कहानी में दिए गए चित्रों की जगह शब्द लिखकर कहानी पूरी कर लाने को कहें।
- एक तालाब था। उसके किनारे एक था। पर एक रहती थी। रोज सुबह अपने घोसले से निकल कर भोजन की तलाश में जाती थी। शाम को घोसले में आ जाती और अपने चोच में खाना लाती थी तालाब में रहने वाली को खिलाती थी। और की आपस में बड़ी दोस्ती थी। एक दिन एक शिकारी ने जाल बिछाया था। को देखकर शोर मचाने लगी यह देखकर समझ गई। जिससे वह जाल के पास नहीं गई। शिकारी अपना हाथ मलता रह गया।

साप्ताहिक आकलन अभ्यास प्रपत्र

शिक्षण उद्देश्य–

- सप्ताह भर में कराई गयी गतिविधियों में कुछ की पुनरावृत्ति, पठन/वाचन गति मापन (आकलन)

- निम्नलिखित शब्दों द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए।
  खिलाड़ी, स्टेडियम, मेडल, शतरंज)
  (i) विराट कोहली एक अच्छे .... हैं।
  (ii) वाराणसी में एक खेल .... है।
  (iii) हमारी टीम ने एक गोल्ड .... जीता है।
  (iv) विश्वनाथन आनंद ....खेलते हैं।
- निम्नलिखित शब्दों को अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए।
  (i) विद्यालय– ....
  (ii) आम– ....
  (iii) किताब– ....
  (iv) कमल– ....
- निम्नलिखित वाक्यों को पूरा कीजिए।
  (i) मैं सड़क पार कर ही रहा था कि .... ।
  (ii) मैं घर से निकली ही थी कि .... ।
  (iii) मोहन मैदान में खेल ही रहा था कि .... ।
  (iv) शाम को भोजन बन ही रहा था कि .... ।
- निम्नलिखित वाक्यों को सही क्रम में लिखिए।
  (i) लड़का/अच्छा/है/राम/एक
  (ii) सरला/रही/है/जा/घर/शाम को
  (iii) पिता/किसान/मेरे/एक/है
- निम्नलिखित पहेली में खेल के नाम छिपें हैं उन्हें ढूँढ़कर लिखिए।

क्रि	फु	गो	ल्फ	बे
फु	के	मि	ड	स
वॉ	ट	ट	ल	बै
न	ली	बा	की	ल
क	ग्बी	हॉ	ल	मु
र	क	स	न	क्के
खो	त	व	रं	बा
टे	खो	ड़ों	ड्डी	जी
नि	तै	रा	की	ह
स	ती	रं	दा	जी

- अपने कक्षाध्यापक को दो दिन की छुट्टी के लिए एक प्रार्थना पत्र लिखिए।

पुनरावृत्यात्मक शिक्षण योजना
(उपचारात्मक शिक्षण) (31 / 42)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H414, H210-2

शिक्षण उद्देश्य–

- विराम चिह्नों के प्रयोग की जानकारी देना।
- लिखने की गति बढ़ाने के लिए श्रुतलेख का अभ्यास कराना।

आवश्यक सामग्री– कक्षा 4 की पाठ्यपुस्तक, श्यामपट्ट, चॉक

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक श्यामपट्ट पर 2 वाक्य लिखेंगे– रुको, मत जाओ। रुको मत, जाओ। इसके पश्चात् शिक्षक उचित आरोह अवरोह के साथ इन वाक्यों को पढ़ेंगे और छात्रों से पूछेंगे कि दोनों बार वाक्य पठन के पश्चात् क्या अर्थ निकल रहा है ? इसे स्पष्ट करेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक छात्रों से चिड़िया के बारे में चर्चा करेंगे जैसे वह कहाँ रहती है ? क्या करती है ?
- शिक्षक छात्रों के समक्ष कक्षा 4 की कविता "कहाँ रहेगी चिड़िया ?" आरोह–अवरोह के साथ आदर्श वाचन करेंगे। इसके पश्चात् शिक्षक छात्रों को उसी कविता का साझा पठन कराएँगे।
- शिक्षक कविता पढ़ते समय विराम चिह्नों पर ध्यान देने को कहेंगे। शिक्षक निम्नलिखित प्रकार के प्रश्नों के माध्यम से छात्रों को कविता से जोड़ेंगे। जोर–जोर से आँधी आने पर क्या–क्या हुआ ? आदि प्रश्नों के माध्यम से कविता पर चर्चा करें। शिक्षक विराम चिह्नों (विराम चिह्न– अल्पविराम(,), पूर्ण विराम (।), प्रश्नवाचक(?), विस्मयबोधक(!), योजक चिह्न (–), इकहरा अवतरण चिह्न (' '), दोहरा अवतरण चिह्न (" "), निर्देश चिह्न (–) पर बातचीत करेंगे प्रयोग के बारे में बताएँगे।

(नोट–कक्षा 4 की पाठ्यपुस्तक से प्यासी मैना के अभ्यास कार्य में 'यह भी जानिए में विरामचिह्न' दिया गया है उसे बोर्ड पर लिखकर छात्रों को समझाएँ। विभिन्न वाक्यों में विराम चिह्नों के प्रयोग से उत्पन्न होने वाले प्रभाव को समझाएँगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- कविता "कहाँ रहेगी चिड़िया ?'' से शिक्षक श्रुतलेख कराएँगे। कविता बोलते समय शिक्षक छात्रों के सीखने की गति को ध्यान में रखेंगे। बच्चे स्वयं अपनी लिखी कविता में विराम चिह्नों और वर्तनी को पहले स्वयं से देखेंगे शिक्षक उनका अवलोकन करेंगे। आवश्यकतानुसार सुधारात्मक सहयोग देंगे।

प्रोजेक्ट / गृहकार्य–

अपने दैनिक कार्यकलापों को 4–5 वाक्यों में लिखकर लाएँ। इन वाक्यों में विरामचिन्हों का उचित प्रयोग करें।

पुनरावृत्त्यात्मक शिक्षण योजना
(उपचारात्मक शिक्षण) (32/42)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H304.1

शिक्षण उद्देश्य–

- कहावतों, लोकोक्तियों का परिचय कराना।
- उसके अर्थ पर चर्चा करना।
- लेखन व संकलन।

आवश्यक सामग्री– सहज 2, श्यामपट्ट, चॉक, कहावतों/लोकोक्तियों की सूची।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- कुछ कहावतों को शिक्षक बोलेंगे और छात्रों से भी कहावतें बताने को कहेंगे।
- (कुछ कहावतें दी गई हैं। अन्य कहावतें भी ली जाएगी। जैसे– अंधे के आगे रोवे,आपन दीदा खोवे। बाप बड़ा न भइया, सब से बड़ा रूपइया। बाप न मारे मेढकी, बेटा तीरंदाज। बाप से बैर, पूत से नाता। बारह बरस पीछे घूरे के भी दिन फिरते हैं। बासी बचे न कुत्ता खाय। बिच्छू का मंतर न जाने, साँप के बिल में हाथ डाले आदि)।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक स्वयं द्वारा बताई गई और छात्रों द्वारा बोली गई कहावतों को श्यामपट्ट पर लिखेंगे।
- यह तरीका भी अपनाया जा सकता है कि उस दिन बातचीत के लिए चार या पाँच कहावतें चुन लें। फिर शिक्षक एक–एक कहावत को क्रमशः बोर्ड पर लिखें। उसके संदर्भों या प्रसंगों पर बच्चों से बात करें। तब बच्चा कहावत को अर्थ सहित उत्तरपुस्तिका पर उतार ले। हर एक कहावत के साथ इसी तरह काम हो।
- छात्रों के छोटे–छोटे समूह बनाएँगे पहला समूह कहावतें/लोकोक्तियाँ बोलेगा, दूसरा समूह उसका अर्थ बताएगा। 2–2 के समूह आपस में इसे खेल के रूप में खेलेंगे। इसे मौखिक और लिखित दोनों रूपों में किया जा सकता है।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- छात्रों को लाइब्रेरी की पुस्तक देकर कहावतें ढूँढ़ने का अभ्यास कराएँगे।

आकलन– दो कहावतें लिखने को दें और उनका अर्थ भी लिखने को कहें।

गृहकार्य–

- गाँव में बड़े/बुजुर्गों से चार–चार कहावतें और उनका अर्थ पूछकर उत्तरपुस्तिका पर लिखेंगे।

पुनरावृत्त्यात्मक शिक्षण योजना
(उपचारात्मक शिक्षण) (33 / 42)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H304.1

शिक्षण उद्देश्य–

- कहावतों / लोकोक्तियों से परिचय कराना।
- उनके अर्थ से प्रसंग पर जाना– चर्चा करना।
- मुहावरों व लोकोक्तियों का लेखन व संकलन।

आवश्यक सामग्री– सहज–2, श्यामपट्ट, चॉक, कहावतों / लोकोक्तियों की सूची।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- कहावतों / लोकोक्तियों को पिछले दिन घर से लिखकर लाये हैं।
- उनमें से कुछ की अभिनय सहित कक्षा में प्रस्तुति कराएँगे। इन्हें कुछ देर के लिए बोर्ड पर लिख लेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- अब आज के लिए चुनी गई और श्यामपट्ट पर लिखी गई कहावतों / लोकोक्तियों को शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाया जाएगा।
- पिछले दिन की तरह आज के लिए चुनी गई चार या पाँच कहावतें (नई) को एक–एक कर बोर्ड पर लिखेंगे। उनके संदर्भ / प्रसंग पर चर्चा करेंगे और हर कहावत को क्रमशः अर्थ सहित उत्तरपुस्तिका पर उतारने को कहेंगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- पुस्तकालय की किताबों से कहावतें ढूँढ़ने और लिखने का अभ्यास करें। ढुँढ़ने के आधार पर बच्चों का आकलन करें।

गृहकार्य–

- कहावतों / लोकोक्तियों के संकलन को अपने घर में दादा / दादी / नाना / नानी आदि को सुनाएँ और उसके प्रयोग के बारे में पता करके आएँगे।

बारिश और मस्ती

आज आकाश में बादलों का डेरा है। बादलों को देखकर सभी बच्चे झुंड बनाकर आम के बगीचे में पहुँचे। बच्चे बस इसी ताक में हैं कि कब जोरों की हवा चले? कब पके हुए आम नीचे टपकें ? कब उनको खाया जाए ? तभी बारिश शुरू हो गई। पहली बूँद गिरते ही अतुल नाचा। दूसरी बूँद गिरी रीता के सिर पर। वह भी नाचने लगी और गाने लगी– बारिश आई। बारिश आई। धीरे–धीरे बारिश तेज़ हो गई। सारे बच्चे झूम–झूमकर नाच गा रहे थे। सभी बारिश में भीग रहे थे और उछल–कूद रहे थे।

आम के पेड़ से आम भी टपक रहे थे, लेकिन किसी का ध्यान आम पर नहीं था।

Writer : Ranjana

Illustrator : Habib Ali

पुनरावृत्त्यात्मक शिक्षण योजना
(उपचारात्मक शिक्षण) (34/42)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H209, H413

शिक्षण उद्देश्य–

- विभिन्न अभ्यासों में आए (मौखिक, लिखित), संज्ञा, व विशेषण की पहचान करना।
- बोलने व लिखने में इन शब्दों के उचित प्रयोग की जानकारी देना।

आवश्यक सामग्री– कक्षा 4 की पाठ्यपुस्तक, श्यामपट्ट, चॉक, संज्ञा/सर्वनाम, क्रिया, विशेषण के फ्लैश कार्ड।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृह कार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- छात्र या शिक्षक द्वारा सुनाई गयी किसी एक कहानी/कविता में आए संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया और विशेषण शब्दों पर चर्चा करेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- छात्रों को U आकार/अर्ध गोलाकार में बैठाकर कक्षा 4 की पाठ्यपुस्तक से "टोकरी में क्या है ?" का आदर्श वाचन करेंगे। बच्चे ध्यान से सुनेंगे उसके बाद साझा पठन करेंगे।
- बच्चे अपने समूह में कहानी से संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया, विशेषण को ढूँढ़कर सूची तैयार करेंगे। शिक्षक आवश्यकता अनुसार मदद करेंगे।
- अपने समूह में ढूँढ़े गए संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया, विशेषण शब्दों की सूची को पढ़ेंगे। शिक्षक बोर्ड पर बनी तालिका में छात्रों द्वारा पढ़े गए शब्दों को उचित स्थान पर लिखेंगे।

क्रम संख्या	संज्ञा	सर्वनाम	क्रिया	विशेषण
1				
2				
3				
4				
5				

- छात्रों को कुछ संज्ञा शब्द देंगे उसमें उचित विशेषण शब्दों का प्रयोग करके नए वाक्य बनवाएँगे।

उदाहरण–

पेन्सिल– मेरी पेंसिल छोटी है।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- संज्ञा और विशेषण शब्दों की पर्ची बनाएँ। उसे छात्रों को उठाने को दें। छात्र पर्ची में मिले शब्द से वाक्य निर्माण करेंगे। शिक्षक छात्रों के वाक्य को सुनेंगे। प्रयोग किए गए शब्दों की संज्ञा या विशेषण के रूप में पहचान कराएँगे। बच्चों द्वारा बनाए गए वाक्यों को शिक्षक श्यामपट्ट पर लिखेंगे।

प्रोजेक्ट कार्य– अपने घर/गाँव में बड़े लोगों से गाँव/लोगों की विशेषता के बारे में जानें और उस जानकारी को लिखकर लाएँ

पुनरावृत्यात्मक शिक्षण योजना
(उपचारात्मक शिक्षण) (35 / 42)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H304.1, H404

शिक्षण उद्देश्य–

- परिस्थितियों, पात्रों के अनुसार संवाद निर्माण (मौखिक, लिखित) कराना। संवाद के आधार पर रोल प्ले कराना।

आवश्यक सामग्री– कक्षा–2 की पाठ्यपुस्तक से 'परी और मधुमक्खी' कहानी, श्यामपट्ट, चॉक, अन्य उपलब्ध संसाधन,

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक 'परी' के बारे में चर्चा करेंगे। बच्चे परी के बारे में क्या जानते हैं ? उनका अनुभव सुनेंगे।
- मधुमक्खी के बारे में चर्चा करेंगे।
- पूर्व में पढ़ी गई कहानी 'परी' के विषय में छात्रों से जानकारी प्राप्त करेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- छात्रों को U आकार या अर्ध गोलाकार में बैठाकर कक्षा 2 की पुस्तक से "परी और मधुमक्खी" कहानी कक्षा में हाव–भाव से सुनाएँगे।
- कहानी पर प्रश्नों के माध्यम से चर्चा करेंगे। छात्रों को छोटे–छोटे समूह बनाएँगे।
- ''परी और मधुमक्खी'' का संवाद छात्रों को छोटे–छोटे समूह में लिखने को देंगे।
- संवाद निर्माण में शिक्षक आवश्यकतानुसार छात्रों की सहायता करेंगे।
- सभी समूह अपने लिखे संवाद को पढ़कर सुनाएँगे।
- संवाद के आधार पर सभी समूह अपने समूह का रोल प्ले करके दिखाएँगे। रोल प्ले पर अन्य छात्रों और शिक्षक की टिप्पणी ली जाएगी।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- शिक्षक कक्षा में निम्नलिखित प्रश्नों के माध्यम से छात्रों की समझ को जानेंगे और यथास्थान छात्रों की सहायता करेंगे।

(i) आपको परी और मधुमक्खी में कौन अच्छा लगा और क्यों ?

(ii) आप मधुमक्खी के स्थान पर होते तो क्या करते ?

प्रोजेक्ट कार्य– छात्र दादा–दादी से कोई कहानी सुनकर उसके संवाद लिखकर लाएँगे।

निर्देश– दिवस 36 / 42 आकलन पत्रक (शिक्षक स्वयं बनाएँ) सप्ताह भर में कराई गई गतिविधियों / पाठ्यक्रम के आधार पर प्रपत्र बनाकर बच्चों का आकलन करेंगे।

पुनरावृत्यात्मक शिक्षण योजना
(उपचारात्मक शिक्षण) (37/42)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H308
शिक्षण उद्देश्य–
- परिस्थितियों पर प्रश्न बनाना।
- प्रश्नों के उत्तर बताना व उत्तर के आधार पर प्रश्न बनाना।
- सवालों से जवाब और जवाबों पर सवाल– मौखिक और लिखित तैयार करना।

आवश्यक सामग्री– सहज 2 से पाठ "कौए की भूख"।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- छात्रों से पूछें, "भूख शब्द सुनकर आपको कौन–कौन से शब्द याद आते हैं ?"
- छात्र बोलें और शिक्षक उन्हें श्यामपट्ट पर लिखें।

जैसे–

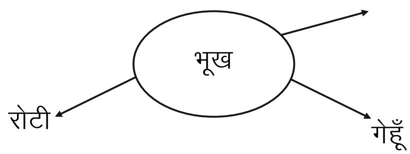

- छात्र शब्द बोलते रहेंगे और शिक्षक उन शब्दों को उक्त अनुसार श्यामपट्ट पर लिखेंगे।
- श्यामपट्ट पर लिखे शब्दों पर छात्रों से एक–एक वाक्य बनाने के लिए कहेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक कौए की भूख कहानी को हाव–भाव से पढ़कर सुनाएँगे।
- इस दौरान बच्चे पढ़ी जा रही पंक्तियों पर ध्यान रखते अंगुलियाँ फिराएँगे।
- एक प्रवाही ढंग से पढ़ने वाले बच्चों से पूरी कहानी पढ़वाएँगे।
- इसके बाद कहानी में चार अनुच्छेद हैं। बच्चों को हर अनुच्छेद से उदाहरण लेकर प्रश्न का एक पैटर्न देंगे/समझाएँगे।
- बच्चों को समझाएँगे कि वे कौए की भूख, आम के पेड़, गुब्बारे, कौए की चोच, गुब्बारे आदि पर ढेर सारे प्रश्न बना सकते हैं। बस कोशिश करें।
- शिक्षक कहानी आधारित प्रश्न छात्रों से पूछें। **जैसे**– (i) आम के पेड़ पर कौए को आम जैसा क्या दिखाई दिया ? (ii) कौए ने अपनी भूख कैसे मिटाई होगी ? (iii) आप कौए की जगह होते तो क्या करते ?
- कक्षा को दो समूहों में बाटेंगे, हर समूह से उसके लिए निर्धारित एक अनुच्छेद पर तीन–तीन लिखित प्रश्न बनाने को कहेंगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- दोनों समूहों से उनके बनाए प्रश्न प्रस्तुत कराएँगे। बच्चों की सराहना करते हुए उन्हें फीडबैक देंगे।

पुनरावृत्त्यात्मक शिक्षण योजना
(उपचारात्मक शिक्षण) (38 / 42)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H205, H416

शिक्षण उद्देश्य–

- वाक्यांश के लिए शब्द चुनना। एक शब्द से वाक्य बनाना। दो से तीन शब्दों से एक वाक्य बनाना। विलोम और समानार्थी शब्दों का वाक्यों में प्रयोग करना।

आवश्यक सामग्री– चॉक, डस्टर, श्यामपट्ट आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक बच्चों को एक वाक्य बोलेंगे और वे उस वाक्य के लिए एक शब्द बोलेंगे– जैसे– शिक्षक बोलेंगे– जिस स्थान पर भोजन / खाना बनता है। बच्चे बोलेंगे– रसोई, ऐसे ही 5–6 वाक्य शिक्षक स्वयं बनाएँगे और बच्चों से पूछेंगे। **उदारहण**– (i) जहाँ दवाई मिलती है ? (ii) जिन अनाजों से तेल मिलता है ? (iii) जो स्कूल में हमें पढ़ाते हैं– शिक्षक
- शिक्षक बच्चों को एक शब्द बोलेंगे और बच्चे उस शब्द के आखिरी वर्ण से नये शब्द बोलेंगे जैसे– रानी ...नीरा, राम. ... मटर, रवि ...विनय, आदि इसी तरह यह खेल चलता रहेगा, कुछ समय बाद शिक्षक शब्द बदल देंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक सभी शब्दों को श्यामपट्ट पर लिखते रहेंगे। शिक्षक बच्चों से किन्ही पाँच शब्दों को चुनकर उनका वाक्य प्रयोग करने के लिए कहेंगे। छात्र यह कार्य अपनी उत्तरपुस्तिका में करेंगे।
- इसी तरह और भी शब्द लिखेंगे और उस से बने शब्द उन्हें अपनी उत्तरपुस्तिका में लिखने के लिए कहेंगे।
- श्यामपट्ट पर 3 से 4 शब्द लिखेंगे और बच्चों से उन शब्दों से वाक्य बनाने के लिए कहेंगे। जैसे– मिठाई, पसंद, मोहन, उदाहरण– मोहन को मिठाई पसंद है।

  मेला, रानी, खिलौना उदाहरण– रानी मेला से खिलौना लाई।
- इसी तरह और भी शब्द लिखें व बच्चों से उनपर वाक्य बनाकर उन्हें अपनी उत्तरपुस्तिका में लिखने के लिए कहें।
- बच्चों ने जो भी शब्द या वाक्य लिखे हैं, व उनसे पढ़वाएँगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- शिक्षक बोर्ड पर कुछ शब्द लिखेंगे और बच्चों से उसके विलोम शब्द बोलने और लिखने के लिए कहेंगे।

शब्द	विलोम
राजा	
दिन	

राजा, दिन, सुबह, मीठा, जीत, अच्छा, अन्दर

(पहले इस गतिविधि को मौखिक कराएँगे। छात्र इन शब्दों को अपनी उत्तरपुस्तिका में लिखेंगे।)

प्रोजेक्ट वर्क / गृहकार्य– छात्र अभिभावकों के सहयोग से इस समय की फसलों के नाम लिखकर लाएँगे।

पुनरावृत्यात्मक शिक्षण योजना
(उपचारात्मक शिक्षण) (39/42)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H415

शिक्षण उद्देश्य–

- भाषा में समानार्थी, शब्दों पर अभ्यास कराना।
- समान ध्वनि वाले शब्दों की पहचान कराना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक कक्षा–4, श्यामपट्ट, चॉक, डस्टर, आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- "कहाँ रहेगी चिड़िया" पाठ को हाव–भाव के साथ बच्चों को सुनाएँगे।
- 3–4 बच्चों से कविता को सुनेंगे।
- बच्चों से कविता पर आधारित निम्नांकित प्रकार के प्रश्न पूछेंगे।

(I) आँधी आने पर क्या–क्या हुआ ?

(ii) चिड़िया अपना घोंसला कहाँ–कहाँ बनाती है ?

(iii) चिड़िया बुलाने पर अलमारी में क्यों नही आ रही थी ?

(iv) चिड़िया के लिए दु:ख की बात क्या है ?

(v) क्या आपने कभी घोसले से अंडे जमीन पर गिरे हुए देखे है यदि हाँ, तो आपने क्या किया ?

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- बोर्ड पर कुछ शब्द लिखें। बच्चों से इन शब्दों के समानार्थी शब्द बताने के लिए कहें। छात्रों का सहयोग करते हुए शिक्षक इन शब्दों के सही समानार्थी शब्द श्यामपट्ट पर लिखेंगे।

शब्द	समानार्थी

आँधी, शोर, घर, दु:ख, टूटना, चिड़िया, ज़ोर

- कहाँ रहेगी चिड़िया ? पाठ को बोर्ड पर लिखें। बच्चों से इसे उत्तरपुस्तिका में लिखने के लिए कहेंगे।
- लिखने के बाद बच्चे उसे छोटे–छोटे समूह में बारी–बारी से पढ़ेंगे।
- बच्चे पाठ में आए समान ध्वनि वाले शब्दों को ढूँढ़कर बताएँगे। जैसे– जोर–शोर, कहेगी–रहेगी। शिक्षक इन्हें श्यामपट्ट पर लिखेंगे।
- छात्र इनमें से कुछ शब्दों को वाक्यों में प्रयोग करके अपनी उत्तरपुस्तिका में लिखेंगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- बच्चों से पाँच तुकांत शब्द बताने के लिए कहेंगे।

प्रोजेक्ट वर्क/गृहकार्य– बच्चे घर से अपने परिवार के किसी सदस्य की मदद से कम से 10 शब्दों के तुकांत, शब्द अपनी उत्तरपुस्तिका में लिखकर लाएँगे।

पुनरावृत्त्यात्मक शिक्षण योजना
(उपचारात्मक शिक्षण) (40 / 42)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम— H415

शिक्षण उद्देश्य—

- "नंदू का जुकाम" कविता (कक्षा—2 की पाठ्यपुस्तक से) का आदर्श वाचन कराना।
- नंदू के जुकाम की विशेषता पर चर्चा करना।
- स्वतंत्र नोट्स की लिखने की समझ।
- कविता का मूल भाव बताना।

आवश्यक सामग्री— पाठ्यपुस्तक कक्षा—2 किसलय, बोर्ड, चॉक, डस्टर आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5—10 मिनट)

- शिक्षक बच्चों से निम्नांकित प्रकार के प्रश्नों के माध्यम से बातचीत करेंगे—

जैसे—

(i) आपने पेड़ के पत्तों को कब—कब गिरते देखा है ?

(ii) आँधी आने पर क्या—क्या होता है ?

(iii) पिछली बार जब आप बीमार हुए तो आपको क्या हुआ था ?

(iv) जब आपको जुकाम होता है तब क्या होता है ?

शिक्षण के दौरान (20—25 मिनट)

- शीर्षक पर चर्चा— "नंदू का जुक़ाम" शीर्षक को सुनकर आपको क्या लगता है कविता में क्या—क्या और किसके बारें में बात की गयी होगी ?
- बच्चों को नंदू का जुकाम कविता को हाव—भाव एवं उतार—चढ़ाव के साथ अभिनय करते हुए शिक्षक उन्हें सुनाएँगे और बच्चे भी साथ में अभिनय करते हुए प्रतिभाग करेंगे।
- बच्चों से छोटे समूह में निम्नांकित प्रकार के प्रश्नों पर चर्चा करेंगे। **जैसे—**
- (i) कविता में कौन—कौन है ? (ii) कविता में क्या—क्या हुआ ? (iii) आँधी आने पर क्या—क्या होता है ?
- (iv) नंदू को जुक़ाम क्यों हुआ होगा ? (v) छींकते समय क्या सावधानी बरतनी चाहिए ? छात्र इन प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तरपुस्तिका में लिखेंगे।
- शिक्षक कविता को एक बार पुनः पढ़कर सुनाएँगे। तत्पश्चात बच्चों को समूह में कविता को पढ़ने के लिए कहेंगे।
- शिक्षक नंदू के जुकाम की विशेषता पर चर्चा करेंगे। छात्रों के भी विचार जानेंगे।
- शिक्षक इन्हें क्रम से श्यामपट्ट पर लिखेंगे।

शिक्षण के अंत में (5—10 मिनट)

- जुकाम होने पर क्या करें क्या न करें ? बच्चों से समूह में इस प्रश्न के जवाब पर छोटे—छोटे समूह में चर्चा करने के लिए कहेंगे। चर्चा के बाद बच्चों से इस प्रश्न का जवाब अपनी—अपनी उत्तरपुस्तिका में लिखने के लिए कहें।

प्रोजेक्ट वर्क / गृहकार्य— माता पिता की मदद से बच्चे लिखकर लाएँगे कि कौन—कौन सी बीमारियाँ एक से दूसरे को हो जाती है ? (संक्रामक बीमारी)

पुनरावृत्त्यात्मक शिक्षण योजना
(उपचारात्मक शिक्षण) (41/42)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H415, H405, H406, H409

शिक्षण उद्देश्य–

- "हाँ में हाँ" कहानी (कक्षा 4 की पाठ्यपुस्तक से) वाचन करना।
- कहानी के भाव पर चर्चा करना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक फुलवारी, बोर्ड, चॉक, डस्टर आदि

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक निम्नांकित प्रकार के प्रश्नों के माध्यम से चर्चा करेंगे–

  (i) क्या आपने पशु–पक्षी को किसी और भाषा में बोलते हुए सुना है ?

  (ii) आप किसी पशु–पक्षी की भाषा समझ सकते हो ?

  (iii) "हाँ में हाँ मिलाना" से क्या मतलब है ?

  (iv) आप लोग कब–कब हाँ में हाँ मिलाते है ?

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक पाठ को कहानी के रूप में सुनाएँगे। कुछ बच्चों से भी कहानी को सुनेंगे।
- शिक्षक पाठ का आदर्श वाचन करेंगे।
- शिक्षक पाठ के एक अनुच्छेद/अंश को श्यामपट्ट पर लिखेंगे और कुछ बच्चों से इसे पढ़ने के लिए कहेंगे। छात्रों के पठन के पश्चात् पुनः पूरी कक्षा से निम्नाकित प्रकार के प्रश्न पूछेंगे।

  जैसे–

  (i) राजा के मन में क्या विचार आया ?

  (ii) राजा की बात सुनकर मंत्री ने क्या कहा ?

  (iii) पाठ में यातायात के साधनों का वर्णन किया गया है ?

  (iv) यदि मंत्री की जगह आप होते तो राजा को किस सवारी के विषय में सलाह देते और क्यों ?
- बच्चे अपनी उत्तरपुस्तिका में लिखेंगे और पढ़कर सुनाएँगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- आपको कौन सा पात्र सबसे अच्छा लगा और क्यों ? लिखें।

प्रोजेक्ट वर्क/गृहकार्य–

- बच्चों से कहेंगे कि घर जाकर इस कहानी को सुनाएँ और कहानी के सारांश को परिवार के किसी सदस्य की मदद से लिखकर ले आएँगे।

साप्ताहिक आकलन अभ्यास प्रपत्र

शिक्षण उद्देश्य–

- सप्ताह में कराई गई गतिविधियों की पुनरावृत्ति, कराना।
- छात्रों का आकलन करना।

- निम्नलिखित शब्दों के आखिरी अक्षर से नया शब्द बनाएँ।

रानी	नीलम						

- शब्द बनाओ और लिखो।

प → तंग → ______
प → पी → ______
प → ट → ______

- विलोम शब्द लिखें।

	समानार्थी
ज्ञान	
झूठ	
टाँग	
संतोष	
शांत	

- नीचे लिखे अनुच्छेद को पढ़ें और प्रश्नों का जवाब लिखें।

बंदरों ने तालाब में चमकता चाँद देखा। उन्हें चाँद को पकड़ने की सूझी। "अरे देखो ! तालाब में चाँद ! चलो पकड़ते हैं।" एक बंदर चाँद को पकड़ने को कूदा। पर चाँद हाथ नहीं आया। "अरे !कहाँ गायब हो गया चाँद ? लगता है मेरे कूदने से डर गया"– बंदर बोला। फिर उन्होंने चाँद को पकड़ने की एक योजना बनाई।

(i) बंदरों ने चाँद को क्यों पकड़ना चाहा ?
(ii) चाँद को पकड़ने के लिए बंदरों ने क्या योजना बनाई होगी ?
(iii) तालाब में चाँद था या कोई और ?
(iv) "बंदर चाँद को पकड़ने के लिए कहाँ कूदा" ?

- निम्नलिखित शब्दों के तुकांत शब्द लिखें।

गीत .... रानी .... माला .... खाना .... मेला .... नाना ....

- दिए गए शब्दों का अपने वाक्यों में प्रयोग करें–

जैसे– जोर–जोर, रामू जोर–जोर से हँसने लगा।

(i) धीरे–धीरे ....
(ii) गिरते–गिरते ....
(iii) रोते–रोते ....
(iv) जल्दी–जल्दी ....
(v) उठते–उठते ....

- लिखिए, क्या हो अगर ....

(i) हमारे आस–पास गंदगी फैल जाए ....
(ii) सूरज धरती को प्रकाश न दे ....
(iii) हम एक–दूसरे का सहयोग न करें ....
(iv) पानी न हो ....

हिंदी, कक्षा– 5 पाठ्यपुस्तक आधारित कार्ययोजना– (लर्निंग आउटकम और विषयवस्तु के सापेक्ष)			
पाठ संख्या, नाम एवं निर्धारित दिवस	**निपुण कोड**	**लर्निंग आउटकम**	**पाठ्य बिन्दु / शिक्षण उद्देश्य**
पाठ 1 विमल इंदु की विशालकिरणें (कविता) 5 दिन	H505	बच्चा विभिन्न शैली / विधाओं के पाठों को हाव–भाव शुद्धता एवं प्रवाह के साथ समझते हुए पढ़ लेता है।	1– कविता सुनना, सुनाना व कविता विधा से परिचित कराना।
			2–छात्रों व शिक्षक द्वारा कविता का सस्वर वाचन व अर्थ बताना।
			3– प्रसंग के माध्यम से कविता का भावार्थ बताना व कवि का संक्षिप्त परिचय बताना।
			4– कविता के कठिन शब्दों, पदों पर बातचीत और उनका वाक्यों में प्रयोग।
	H506	बच्चा पढ़े गये पाठ के सारांश / भाव एवं उसके रचनाकार के वारे में बता लेता है।	5– कार्यपुस्तिका के अभ्यासों पर कार्य कराना। • पाठ से संबंधित अपरिचित शब्दों पर समझ बनाना। • पिछले दिवसों में किए गए शिक्षण कार्य का दोहराव व आकलन।
पाठ 2 पंच परमेश्वर (कहानी) 7 दिन	H502	बच्चा स्थानीय सामाजिक मुद्दों / बिन्दुओं वीडियो आदि पर बातचीत कर लेता है।	1– कहानी विधा से परिचित कराना • कहानी को हाव–भाव के साथ सुनाना। • कहानी के भाव को समझकर उसके विषय मे मौखिक एवं लिखित रूप से विचार व्यक्त करना।
			2– बच्चों द्वारा कहानी के मुख्य प्रसंगों पर बातचीत करना। • बच्चों के लेखन कौशल का विकास करना।
			3– लेखक के जीवन का जानकारी देना। • प्रेमचंद्र के रचनाओं की जानकारी देना।
	H511	बच्चा त्यौहार / यात्रा / मेला / घटना / दृश्य का विवरण / अनुभव पर आधारित कम से 5 से 7 वाक्य लिख लेता है।	4– कहानी में आए कठिन शब्दों एवं मुहावरों पर बातचीत एवं वाक्य प्रयोग। • शब्द भंडार में वृद्धि करना। • मौखिक एवं लिखित भाषा का विकास करना।
			5– पाठ के अभ्यास कार्यो पर कार्य। • प्रश्नोत्तरी का मौखिक–लिखित अभ्यास कराना। 6– कहानी / पात्रों पर छात्रों के स्वतंत्र विचार सुनना और उन्हें लिखवाना।
			7– कार्य पुस्तिका के अभ्यास पर कार्य। • पाठ से संबंधित अपरिचित शब्दों पर समझ बनाना। • पिछले दिवसों में किए गए शिक्षण कार्य का दोहराव व आकलन।

पाठ संख्या, नाम एवं निर्धारित दिवस	निपुण कोड	लर्निंग आउटकम	पाठ्य बिन्दु/शिक्षण उद्देश्य
पाठ 3 मेरी शिक्षा (आत्मकथा) 7 दिन	H505	बच्चा विभिन्न शैली/विधाओं के पाठों को हाव–भाव, शुद्धता एवं प्रवाह के साथ समझते हुए पढ़ लेता है।	1– आत्मकथा विधा से परिचय कराना। • बच्चों को शिक्षा के महत्व पर जानकारी देना। • पठन व लेखन कौशल का विकास करना।
			2– लेखक का संक्षिप्त परिचय देना। • पाठ का आदर्श वाचन करना। • मौखिक व पठन कौशल का विकास करना। • पाठ में निहित भावों व विचारों पर समझ बनाना।
			3– भाषा कौशल पर समझ बनाना। • पठन एवं लेखन कौशल का विकास करना। • सृजनात्मक एवं क्रमबद्धता के साथ अपने विचारों को व्यक्त करना।
	H513	बच्चा समानार्थी, विपरीतार्थक, उपसर्ग–प्रत्यय, तत्सम्–तद्भव, एकवचन, बहुवचन, देशज एवं तुकांत शब्दों का उयोग कर लेता है।	4– पुस्तकालय से पुस्तक पठन की आदत का विकास करना। • बच्चों को आत्मकथा शैली से अवगत कराना। • शब्दकोश में बढ़ोत्तरी।
			5– पाठ में आए कठिन शब्दों को लिखवाना एवं उन पर चर्चा और वाक्य प्रयोग पाठ में आए शब्दों के विलोम तथा पर्यायवाची शब्द पर कार्य।
			6– पाठ के अभ्यास कार्य।
			7– कार्यपुस्तिका के अभ्यासों पर कार्य कराना। • पाठ से संबंधित अपरिचित शब्दों पर समझ बनाना। • पिछले दिवसों में किए गए शिक्षण कार्य का दोहराव व आकलन।
पाठ 4 सरिता (कविता) 6 दिन	H506	बच्चा पढ़े गये पाठ के सारांश/भाव एवं उसके रचनाकार के बारे बता लेता है।	1– कविता विधा से परिचित कराना। • बच्चों को पर्यावरण से जोड़ना। • कविता के भावों को समझकर अपनी भाषा में बताना। • प्रकृति पर अपने मौलिक विचार व्यक्त करना। • षब्द कोश में बढ़ोत्तरी और भाषा कौशल का विकास।
			2– कविता का शिक्षक एवं बच्चों द्वारा सस्वर वाचन व भावार्थ बताना। • कवि के जीवन से सामान्य परिचय। • अपने विचारों को व्यक्त करना।
			3– कठिन शब्दों के अर्थ, वाक्य प्रयोग करने की समझ बनाना। • अपने विचारों व भावों को लिखित व मौखिक रूप में क्रमबद्धता के साथ व्यक्त करना। • शब्दकोश में बढ़ोत्तरी तथा उनके उपयोग करने की क्षमता का विकास। • प्रश्नों के तर्क संगत उत्तर देने का विकास करना।

पाठ संख्या, नाम एवं निर्धारित दिवस	निपुण कोड	लर्निंग आउटकम	पाठ्य बिन्दु/शिक्षण उद्देश्य
पाठ 4 सरिता (कविता) 6 दिन	H515	बच्चा पाठ्यांश में संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया कारक,चिह्नों आदि को रेखांकित कर लेता है। लिखने/बोलने में उपयोग कर लेता है।	4– कविता के चित्रों, नदी, पहाड, वन एवं जल पर चर्चा। • बच्चों को पर्यावरण से जोड़ना। • प्राकृतिक चित्रों पर बातचीत करना। • सृजनात्मक, कल्पनाशीलता, चिन्तन व मनन का विकास। • पर्यायवाची (भाषा व्याकरण इकाई) शब्दों की पहचान व वाक्य प्रयोग।
			5– शब्दकोश का भण्डार तथा उनका दैनिक जीवन में प्रयोग। • भाषाई कौशल का विकास। • वाक्य, कहानी व कविता आदि रचना का विकास।
			6– कार्यपुस्तिका के अभ्यासों पर कार्य कराना। • पाठ से संबंधित अपरिचित शब्दों पर समझ बनाना। • पिछले दिवसों में किए गए शिक्षण कार्य का दोहराव व आकलन।
पाठ 5 लाल बहादुर शास्त्री (जीवनी/प्रेरक प्रसंग) 5 दिन	H507	बच्चा पाठ्य सामग्री का वाचन कर लेता है और मुख्य विन्दुओ पर आधारित प्रश्नों के उत्तर बता लेता है।	1– जीवनी विधा से परिचित कराना। • महापुरुषों एवं स्वतंत्रता संग्राम के सेनानियों पर जानकारी प्रदान करना। • बच्चों को आस–पास के महापुरुषों के विषय में जानकारी प्रदान करना।
			2– लाल बहादुर शास्त्री का परिचय एवं उनके जीवन के बारे में बताना। बच्चों को शास्त्री जी के जीवन से शिक्षा ग्रहण करने के लिए प्रेरित करना।
			3– पाठ की विषय वस्तु का बच्चों द्वारा स्वतंत्र वाचन करना। • चर्चा तथा प्रश्न बनाने के अभ्यास के कौशल का विकास करना।
	H515	बच्चा पाठ्यांश में संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया कारक, चिह्नों आदि को रेखांकित कर लेता है। लिखने/बोलने में उपयोग कर लेता है।	4– पाठ के अभ्यास प्रश्नों पर कार्य। • विलोम शब्द, समानार्थी विशेषण शब्द, बहुवचन की जानकारी प्रदान करना।
			5– कार्यपुस्तिका के अभ्यास पर कार्य कराना। • पाठ से संबंधित अपरिचित शब्दों पर समझ बनाना। • पिछले दिवसों में किए गए शिक्षण कार्य का दोहराव व आकलन।
कितना सीखा–1 अपने आप–1 (महर्षि बाल्मीकि) 3 दिन	H505, H513, H502, H515, H506		• छात्रों में तार्किक क्षमता का विकास करना • छात्रों में प्रश्न निर्माण की प्रवृत्ति का विकास करना • प्रश्नोत्तर हेतु चिंतन एवं व्याकरण सम्बन्धी रचनात्मक कौशल का विकास करना

पाठ संख्या, नाम एवं निर्धारित दिवस	निपुण कोड	लर्निंग आउटकम	पाठ्य बिन्दु/शिक्षण उद्देश्य
पाठ 6 प्रकृति की सीख (कविता) 7 दिन	H506	बच्चा पढ़े गये पाठ के सारांश/भाव एवं उसके रचनाकार के बारे बता लेता है।	1– कविता विधा से परिचित कराना। • कविता के चित्रों पर समझ बनाना। • दिख रही भू–आकृतियों का चित्रांकन कराना।
			2– कवि के जीवन परिचय से बच्चों को अवगत कराना। • कविता का सामूहिक वाचन और कविता के भावार्थ को समझाना।
	H505	बच्चा विभिन्न शैली/विधाओं के पाठों को हाव–भाव, शुद्धता एवं प्रवाह के साथ समझते हुए पढ़ लेता है।	3– बच्चों द्वारा कविता के भावार्थ को बताना। • कविता को अपने शब्दों में लिखना।
			4– कठिन शब्दों पर बातचीत करना। • वाक्य प्रयोग तुकांत शब्दों की अन्त्याक्षरी की समझ का विकास करना।
			5– समानार्थी शब्द से परिचय कराना। • तुकांत शब्द की समझ का विकास करना। • शब्दों का वाक्य में प्रयोग करने की आदत का विकास करना।
	H509	बच्चा पाठ का सारांश/भाव/शीर्षक लिख लेता है और पाठ से जुड़े प्रश्नों के उत्तर कम से कम 4–5 वाक्यों में व्यवस्थित क्रम में लिख लेता है।	6– पाठ के अभ्यास प्रश्नों पर कार्य करना। • कविता में अंतर्निहित भाव को समझने हेतु अभ्यास प्रश्नों को करना।
			7– कार्यपुस्तिका के अभ्यासों पर कार्य कराना। • पाठ से संबंधित अपरिचित शब्दों पर समझ बनाना। • पिछले दिवसों में किए गए शिक्षण कार्य का दोहराव व आकलन कराना।
पाठ 7 जीवन के रंग (प्रेरक प्रसंग) 7 दिन	H510	बच्चा चित्रों पर आधारित विविध कार्य जैसे वाक्य कहानी आदि की रचना कर लेता है और अधूरी कविता/कहानी पूरी कर लेता है।	1– चित्र देखकर अपने विचारों को अभिव्यक्त करना। • कहानी सुनना व सुनाना एवं शब्द भण्डार में वृद्धि करना।
			2– कहानी के प्रश्नोंत्तर की समझ बनाना।
			3– कहानी का अभिनय करना एवं सार लिखना। • अधूरी कहानी को पूरा करने का अभ्यास कराना। • कल्पना शक्ति का विकास, सृजनात्मकता का विकास कराना। • शब्द भण्डार में वृद्धि कराना।
	H513	बच्चा समानार्थी, विपरीतार्थक, उपसर्ग–प्रत्यय, तत्सम्–तद्भव, एकवचन, बहुवचन, देशज एवं तुकांत शब्दों का उयोग कर लेता है।	4– पाठ के प्रेरक प्रसंग को सुनाना एवं सुनना।
			5– पाठ में आये शब्दों के समानार्थी शब्द से परिचय कराना। • वाक्य प्रयोग करना। • कल्पना शीलता व चिन्तन शीलता का विकास। बच्चों को स्वतंत्र रूप से लेखन कौशल का विकास करना।

पाठ संख्या, नाम एवं निर्धारित दिवस	निपुण कोड	लर्निंग आउटकम	पाठ्य बिन्दु / शिक्षण उद्देश्य
			6— पर्यावरण से सम्बंध स्थापित करना। • कल्पनाशीलता का विकास करना। • बच्चों को स्वतंत्र लेखन एवं समूह कार्य के लिए प्रेरित करना। • शब्द भण्डार में वृद्धि करना। • पाठ में निहित संदेश को अपने जीवन से जोड़ना।
			7— कार्यपुस्तिका के अभ्यासों पर कार्य करवाना। • पाठ से संबंधित अपरिचित शब्दों पर समझ बनाना। • पिछले दिनों में किए गए शिक्षण कार्य का दोहराव व आकलन।
पाठ 8 मै और मेरा देश (निबन्ध) 7 दिन	H508	बच्चा प्रिंटरिच सामग्री (पुस्तकालय, बाल पत्रिका , पोस्टर, समाचार पत्र आदि) में अपनी पसंद की सामग्री पढ़ लेता है और उनके विषय में समूह में बातचीत कर लेता है।	1— निबन्ध विधा का परिचय देना। • देश के राष्ट्रीय प्रतीकों एवं महापुरुषों पर चर्चा करना। • पाठ का आदर्श वाचन करना।
			2— लेखक के जीवन एवं कृतियों का परिचय प्रदान करना। • राष्ट्र प्रेम की भावना का विकास करना।
			3— पुस्तकालय से पुस्तक पठन की आदत का विकास करना। • पुस्तकालय से महापुरुषों / देश भक्तों से संबंधित साहित्य पठन करना।
			4— पाठ पर समझ स्थापित करना। • देश के मानचित्र में विभिन्न प्रदेशों की राजधानियाँ एवं प्रमुख स्थानों / इमारतों के बारे में बातचीत करना। • सृजनात्मक अभिरुचि जागृत करना।
	H511	बच्चा त्यौहार / यात्रा / मेला / घटना / दृश्य का विवरण / अनुभव पर आधारित कम से 5 से 7 वाक्य लिख लेता है।	5— शब्दकोश में बढ़ोत्तरी तथा वाक्य प्रयोग की क्षमता का विकास, भाषा कौशल का विकास। • विलोम शब्द की समझ विकसित होना।
			6— पाठ के अभ्यास प्रश्नों पर कार्य कराना। बच्चों में स्वतंत्र अभिव्यक्ति का अवसर देना।
			7— कार्यपुस्तिका के अभ्यासों पर कार्य कराना। • पाठ से संबंधित अपरिचित शब्दों पर समझ बनाना। • पिछले दिवसों में किए गए शिक्षण कार्य का दोहराव व आकलन कराना।

पाठ संख्या, नाम एवं निर्धारित दिवस	निपुण कोड	लर्निंग आउटकम	पाठ्य बिन्दु/शिक्षण उद्देश्य
पाठ 9 तीन सवाल (कहानी) 6 दिन	H501	बच्चा सुनी/पढ़ी/देखी रचनाओं, घटनाओं, चित्रों पात्रों आदि के विषय में बातचीत कर लेता है , प्रश्न पूछता है और अपनी तर्क संगत राय देता है।	1– कहानी विधा से परिचित कराना। • बच्चों से कहानी सुनना एवं उसके कथानक और पात्रों पर चर्चा करना।
			2– लेखक के जीवन व कृति की जानकारी देना। • शिक्षक द्वारा कहानी को सुनाना एवं बच्चों से कहानियों के सारांश को सुनना। • सुनी गई कहानी का सारांश लेखन करना।
			3– भाषाई कौशल का विकास कराना। • आत्म–चिन्तन व कल्पनाशीलता, सृजनात्मकता का विकास कराना। • अभिनय व संवाद प्रेषण कराना कहानी बच्चों से पढ़वाना एवं कथानकों/प्रसंगों पर चर्चा कराना।
	H513	बच्चा समानार्थी, विपरीतार्थक ,उपसर्ग–प्रत्यय, तत्सम्–तद्भव, एकवचन, बहुवचन, देशज एवं तुकांत शब्दों का उयोग कर लेता है।	4– कहानी बच्चों से पढ़वाना एवं कथानकों/प्रसंगों पर चर्चा कराना • पाठ का स्वतंत्र पठन कराना।
			5– पाठ पर आधारित प्रश्नों का अभ्यास कार्य।
			6– कार्यपुस्तिका के अभ्यासों पर कार्य कराना। • पाठ से संबंधित अपरिचित शब्दों पर समझ बनाना। • पिछले दिवसों में किए गए शिक्षण कार्य का दोहराव व आकलन।
पाठ 10 चेतक की वीरता (कविता) 7 दिन	H505	बच्चा विभिन्न शैली/विधाओं के पाठों को हाव– भाव शुद्धता एवं प्रवाह के साथ समझते हुए पढ़ लेता है।	1– छात्रों को कविता विधा से परिचित कराना • छात्रों में सामूहिक एवं एकल वाचन की क्षमता का विकास करना। • छात्रों को कविता के भाव से परिचित कराना।
			2– महाराणा प्रताप की कहानी पर समझ विकसित करना। • महाराणा प्रताप के जीवन परिचय से अवगत होना। • महाराणा प्रताप के त्याग से अवगत कराना। • महाराणा प्रताप के पिता एवं गुरु भक्ति की कहानी से परिचित कराना।
	H509	बच्चा पाठ का सारांश/भाव/शीर्षक लिख लेता है और पाठ से जुड़े प्रश्नों के उत्तर कम से कम 4–5 वाक्यों में व्यवस्थित क्रम में लिख लेता है।	3– वीर रस के कवि श्याम नारायण पाण्डेय से परिचित कराना। • छात्रों को वीर रस के कवि श्याम नारायण पाण्डेय की रचनाओं से परिचित कराना। • छात्रों को कविता के भावार्थ की समझ कराना। • कविता, वीरता की कहानी और कहानी में अंतर स्पष्ट करना।

पाठ संख्या, नाम एवं निर्धारित दिवस	निपुण कोड	लर्निंग आउटकम	पाठ्य बिन्दु/शिक्षण उद्देश्य
पाठ 10 चेतक की वीरता (कविता) 7 दिन	H505	बच्चा विभिन्न शैली/विधाओं के पाठों को हाव– भाव शुद्धता एवं प्रवाह के साथ समझते हुए पढ़ लेता है।	4– चेतक की वीरता पर छात्रों के साथ चर्चा करना। • चेतक की वीरता पर छात्रों के साथ मुख्य घटनाओं पर बात करना। • चेतक पर टिप्पणी लिखने के मुख्य चरणों पर बात कर लिखने का अभ्यास कराना।
			5– कठिन शब्दों का चिंह्नाकन, लेखन, बातचीत एवं अर्थ के साथ वाक्य प्रयोग। • पाठ में आए अपरिचित शब्दों का चिंह्नाकन कर उनके अर्थो की समझ का विकास करना एवं वाक्य प्रयोग करना। • चेतक की वीरता पाठ पर बातचीत के माध्यम से समझ बनाना। • पाठ में दिए अभ्यास कार्य एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य कराना। • पाठ से संबंधित लेखन पर कार्य कराना।
	H509	बच्चा पाठ का सारांश/भाव/शीर्षक लिख लेता है और पाठ से जुड़े प्रश्नों के उत्तर कम से कम 4–5 वाक्यों में व्यवस्थित क्रम में लिख लेता है।	6– पाठ के अभ्यास प्रश्नों पर कार्य। • पाठ से संबंधित प्रश्नों का निर्माण। • पाठ से संबंधित चर्चा के आधार पर प्रश्न बनाना और उनके उत्तर खोजना।
			7– कार्यपुस्तिका के अभ्यासों पर कार्य कराना। • पाठ से संबंधित अपरिचित शब्दों पर समझ बनाना। • पिछले दिवसों में किए गए शिक्षण कार्य का दोहराव व आकलन।
कितना सीखा– 2 अपने आप (कोई ला के मुझे दे) 3 दिन			
पाठ 11 मै और हॉकी (संस्मरण) 6 दिन	H504	बच्चा किसी पाठ घटना, अनुभव आदि के मुख्य भाव को मानक भाषा में बता लेता है। और उससे सम्बन्धित प्रश्नों के उत्तर दे लेता है।	1– संस्मरण विधा से परिचित कराना। • खेल पर बातचीत करना, छात्रों से उनके पसंद के खेलों की सूची बनवाना।
			2– अन्य अपरिचित खेलों पर चर्चा और उस खेल को खेलने की प्रक्रिया से परिचित कराना।
			3– पाठ को अपने समूह में पढ़ना और प्रत्येक अनुच्छेद में दी गई जानकारियों को खोजना व चर्चा करना।
			4– समूह पाठ में आए अपरिचित शब्दों पर बातचीत करना। • वाक्य बनाना एवं वर्तनी को शुद्ध करना।

पाठ संख्या, नाम एवं निर्धारित दिवस	निपुण कोड	लर्निंग आउटकम	पाठ्य बिन्दु/शिक्षण उद्देश्य
			5– समूह में पाठ पर आधारित प्रश्नों का अभ्यास करना।
			6– कार्यपुस्तिका के अभ्यासों पर कार्य करना। • पाठ से सम्बंधित अपरिचित शब्दों पर समझ बनाना। • पिछले दिवसों में किए गए शिक्षण कार्य का दोहराव एवं आकलन।
पाठ 12 चिड़िया का दाना (लोक–कथा) 5 दिन	H503	बच्चा किसी कहानी घटना के आधार पर किसी पात्र का अभिनय कर लेता है और संवादों को प्रभावी तरीके से बोल लेता है।	1– लोक कथा की विधा से परिचित कराना। • क्षेत्रीय लोक कथाओं को सुनना और सुनाना। • लोक कथाओं व कहानी में अंतर स्पष्ट करना।
			2– पाठ का क्रमिक पठन। • पाठ में आए अपरिचित शब्दों पर बातचीत करना। • बच्चों से पाठ का सारांश सुनना।
			3– पाठ आधारित प्रश्न निर्माण प्रक्रिया पर कार्य कराना। • पाठ से संबंधित प्रश्नोत्तरी में लिखित और मौखिक अभ्यास कराना।
			4– पाठ में आए संवादों पर बात करना। • छात्रों से, पाठ में आए पात्रों के द्वारा बोले गए संवादों को बुलवाना एवं लिखवाना। • पात्रों के अनुसार छात्रों का चयन करना।
	H511	त्यौहार/यात्रा/मेला/घटना/दृश्य का विवरण/अनुभव पर आधारित कम से 5 से 7 वाक्य लिख लेता है।	5– पाठ में आए संवादों को याद कर बोलना। • पाठ में आए संवाद और पात्रों की मदद से अभिनय करना।
			6– 'दाना' शब्द से मिलते–जुलते अन्य शब्दों को लिखना एवं मनपसंद शब्दों से वाक्य बनवाना। • पाठ में आए तुकान्त शब्दों को खोजना और लिखना।
			7– कार्यपुस्तिका के अभ्यासों पर कार्य कराना। • पाठ से संबंधित अपरिचित शब्दों पर समझ बनाना। • पिछले दिवसों में किए गए शिक्षण कार्य का दोहराव व आकलन।
पाठ 13 सरदार बल्लभ भाई पटेल (जीवनी) 7 दिन	H502	बच्चा स्थानीय सामाजिक मुद्दों/बिन्दुओं वीडियो आदि पर बातचीत कर लेता है।	1– छात्रों को जीवनी विधा से परिचित कराना। • छात्रों को सरदार वल्लभभाई पटेल के बारे में जानकारी देना।
			2– पाठ के प्रमुख अंशों की जानकारी पर चर्चा करना। • प्रत्येक अनुच्छेद में दी गई जानकारी खोजना व चर्चा करना।
	H505	बच्चा विभिन्न शैली/विधाओं के पाठों को हाव– भाव शुद्धता एवं प्रवाह के साथ समझते हुए पढ़ लेता है।	3– अनुच्छेदों में दी गयी जानकारी खोजना और चर्चा करना।
			4– स्वतंत्रता से पूर्व भारत की स्थिति के बारे में जानकारी देना। • देशभक्ति की भावना को विकसित करना।

पाठ संख्या, नाम एवं निर्धारित दिवस	निपुण कोड	लर्निंग आउटकम	पाठ्य बिन्दु/शिक्षण उद्देश्य
	H516	बच्चा अशुद्ध वर्तनी वाले शब्दों को शुद्ध कर लेता है और वाक्य में आये शब्दों के अव्यवस्थित क्रम को व्यवस्थित कर लेता है।	5— कठिन/अपरिचित शब्दों का चयन, अर्थ स्पष्ट करना एवं वाक्य प्रयोग।
			6— अपने मन पसन्द महापुरुषों के बारे में चर्चा करना व लिखन
			7— कार्यपुस्तिका के अभ्यासों पर कार्य कराना। • पाठ से संबंधित अपरिचित शब्दों पर समझ बनाना। • पिछले दिवसों में किए गए शिक्षण कार्य का दोहराव व आकलन।
पाठ 14 भक्ति नीति माधुरी (कविता) 5 दिन	H509	बच्चा पाठ का सारांश/भाव/शीर्षक लिख लेता है और पाठ से जुड़े प्रश्नों के उत्तर कम से कम 5 से 7 वाक्यों में व्यवस्थित क्रम में लिख लेता है।	1— बच्चों को पद विधा से परिचित कराना। • भक्तिकाल के कवियों (मीराबाई, तुलसीदास, रसखान) के जीवन परिचय प्रस्तुत करना। • मीराबाई के पदों का सस्वर वाचन करना।
			2— तुलसीदास की चौपाई विधा से अवगत कराना एवं अपरिचित शब्दों का अर्थ बताते हुए भावार्थ बताना।
			3— प्रदेश की विभिन्न क्षेत्रीय भाषाओं से परिचित कराना एवं रसखान जी के सवैये को सुनाना, सुनना व भावार्थ बताना। • सवैया से परिचित कराना।
	H513	बच्चा समानार्थी, विपरीतार्थक, उपसर्ग—प्रत्यय, तत्सम—तद्भव, एकवचन, बहुवचन एवं तुकांत शब्दों का प्रयोग कर लेता है।	4— शब्दों के तद्भव—तत्सम् रूप, समानार्थी शब्द एवं स्त्रीलिंग—पुल्लिंग से परिचित कराना।
			5— कार्यपुस्तिका के अभ्यासों पर कार्य कराना। • पाठ से संबंधित अपरिचित शब्दों पर समझ बनाना। • पिछले दिवसों में किए गए शिक्षण कार्य का दोहराव व आकलन।
पाठ 15 पत्र (पत्र—लेखन) 7 दिन	H512	बच्चा कम से कम 7 से 8 वाक्य वाले संदेश/पत्र/प्रार्थना पत्र लिख लेता है।	1— पत्र विधा से परिचित कराना। • अलग—अलग प्रकार के पत्रों पर बातचीत।
			2— लेखक के जीवन व कार्यों से परिचय प्राप्त करना। • शिक्षक द्वारा आदर्श वाचन करना। छात्र द्वारा स्वतन्त्र पठन कराना।
			3— बच्चों से अपनी माता जी को पत्र लिखवाना व प्रस्तुत करवाना।
	H508	बच्चा प्रिंटरिच सामग्री (पुस्तकालय, बाल पत्रिका, पुस्तक, समाचार पत्र आदि) में अपनी पसंद की सामग्री पढ़ लेता है और उसके विषय में समूह में बातचीत कर लेता है।	4— प्रधानाचार्य को अवकाश हेतु प्रार्थना पत्र लिखने की जानकारी देना।
			5— पत्र लेखन के विभिन्न माध्यमों (पोस्ट कार्ड, अंतर्देशीय लिफाफा, तार) पर चर्चा
			6— पाठ के अभ्यास प्रश्नों पर कार्य।

पाठ संख्या, नाम एवं निर्धारित दिवस	निपुण कोड	लर्निंग आउटकम	पाठ्य बिन्दु/शिक्षण उद्देश्य
			7— कार्यपुस्तिका के अभ्यासों पर कार्य कराना। • पाठ से संबंधित अपरिचित शब्दों पर समझ बनाना। • पिछले दिवसों में किए गए शिक्षण कार्य का दोहराव व आकलन।
कितना सीखा— 3 अपने आप—3 (मै ए.टी.एम. हूँ) 3 दिन			
पाठ 16 विजय पथ (कहानी) 7 दिन	H504	बच्चा किसी पाठ घटना अनुभव आदि के मुख्य भाग को मानक भाषा में संक्षिप्त रूप में बता लेता है।और उससे सम्बन्धित प्रश्नों के उत्तर दे लेता है।	1— कहानी विधा से परिचय कराना। • पाठ में आए चित्रों पर बातचीत करना। • कहानी पर अनुमान लगाना। • सुनी हुई कहानी को अपनी भाषा में सुनाना।
			2— कहानी को क्रमबद्ध सुनाना। • समूह में कहानी पढ़ना।
			3— भाषा कौशल का विकास करना। • पाठ—कहानी को बच्चों के शब्दों में सुनना। पाठ में आए अपरिचित शब्दों पर बातचीत करना। • कहानी पर समझ बना पाना।
			4— पात्रों से परिचय स्थापित करना। • पाठ आधारित अभिनय व संवाद पर कार्य करना। • कहानी को संक्षिप्त रूप में लिख पाना।
			5— कहानी पर समझ स्थापित करना। • मौखिक भाषा का विकास।
			6— पाठ्यपुस्तक के अभ्यासों पर कार्य करना। • भाषा कौशल का विकास करना।
			7— आकलन व कार्यपुस्तिका के अभ्यास पत्रकों को पूर्ण करना। • पढ़ाये गए पाठ पर छात्रों की समझ को स्थायी करना। • छात्रों की कठिनाइयों को समझ कर अधिगम परिणाम की ओर अग्रसर करना।
पाठ 17 झाँसी की रानी की समाधि पर (कविता) 6 दिन	H505	बच्चा विभिन्न शैली विधाओं के पाठों के हाव—भाव शुद्धता एवं प्रवाह के साथ पढ़ लेता है।	1— बच्चों को कविता विधा से परिचित कराना। • आस—पास की घटनाओं पर चर्चा करना एवं झाँसी की रानी का परिचय कहानी के माध्यम से कराना।
			2— कविता सुनाना, सुनना एवं भावार्थ से परिचित कराना।

पाठ संख्या, नाम एवं निर्धारित दिवस	निपुण कोड	लर्निंग आउटकम	पाठ्य बिन्दु/शिक्षण उद्देश्य
	H510	बच्चा चित्रों पर आधारित विविध कार्य जैसे वाक्य कहानी आदि की रचना कर लेता है और अधूरी कविता/कहानी पूरी कर लेता है।	3– पाठ में आए कठिन/अपरिचित शब्दों पर बातचीत करना एवं देश में स्थित विभिन्न स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के राष्ट्रीय स्मारकों पर चर्चा करना।
			4–अन्य वीरांगनाओ की जानकारी देते हुए छात्रों में देश प्रेम की भावना का विकास करना। • सुभद्रा कुमारी चौहान की रचनाओं से अवगत कराते हुए पुस्तकालय से पुस्तक पठन कौशल का विकास करना।
			5– पाठ में दिए गए चित्र पर समूह में चर्चा के आधार पर स्वतंत्र लेखन करना।
			6– कार्यपुस्तिका के अभ्यासों पर कार्य कराना। • पिछले दिवसों में किए गए शिक्षण कार्य का दोहराव व आकलन। • झाँसी की रानी की समाधि पर पाठ में दिए गए कार्यों का दोहराव एवं आकलन करना।
पाठ 18 अंधेर नगरी (एकांकी) 7 दिन	H503	बच्चा किसी कहानी घटना के आधार पर किसी पात्र का अभिनय कर लेता है और संवादों को बोल लेता है।	1– छात्रों को एकांकी विधा से परिचय कराना। • बच्चों में वस्तु विनिमय लेन देन व्यवस्था के प्रति समझ विकसित करना। • एकांकी को कहानी की शैली में सुनाना और लेखक का परिचय देना। • बच्चों का लोकतांत्रिक, सामाजिक व्यवस्था से परिचय कराना।
			2– पाठ में आए विभिन्न पात्रों के कार्यों पर चर्चा। • पाठ के संदर्भ में पात्रों की चारित्रिक विशेषताओं पर बातचीत करना।
	H514	बच्चा पूर्ण विराम, अल्प विराम, प्रश्नवाचक आदि विराम चिह्नों का प्रयोग कर लेता है और विराम चिह्न सम्बन्धित त्रुटियों को सुधार लेता है।	3– बच्चों को प्रशासनिक व्यवस्था से परिचित कराना। • नाटक के मूल भावों/संदेशों पर चर्चा और बच्चों द्वारा चर्चा में उभरकर आये बिन्दुओं को लिपिबद्ध कराना। • अल्पविराम, पूर्ण विराम, प्रश्न वाचक आदि विराम चिहनों का प्रयोग करना सिखाना।
	H516	बच्चा अशुद्ध वर्तनी वाले शब्दों को शुद्ध कर लेता है और वाक्य में आये शब्दों के अव्यवस्थित क्रम को व्यवस्थित कर लेता है।	4– वर्तनी के महत्व के प्रति समझ विकसित करना। • वर्तनी चिह्नों का अभ्यास अनुच्छेद देकर कराना। • हिन्दीं व्याकरण के प्रमुख बिन्दुओं का परिचय कराना।
			5– नैतिक मूल्यों का विकास करना। • बच्चों को पात्र की भूमिका देकर नाटक का अभिनय कराना।
			6– पूर्व व वर्तमान समय में मुद्रा के विभिन्न रूपों से परिचित कराना। • पाठ के अभ्यास प्रश्नों पर कार्य।

पाठ संख्या, नाम एवं निर्धारित दिवस	निपुण कोड	लर्निंग आउटकम	पाठ्य बिन्दु/शिक्षण उद्देश्य
			7– कार्यपुस्तिका के अभ्यासों पर कार्य कराना। • पाठ से संबंधित अपरिचित शब्दों पर समझ बनाना। • पिछले दिवसों में किए गए शिक्षण कार्य का दोहराव व आकलन।
पाठ 19 किन्नौर देश की ओर (यात्रा–वर्णन) 6 दिन	H504 H514	बच्चा किसी पाठ घटना अनुभव आदि के मुख्य भाग को मानक भाषा में संक्षिप्त रूप में बता लेता है और उससे सम्बन्धित प्रश्नों के उत्तर दे लेता है। बच्चा पूर्ण विराम, अल्प विराम, प्रश्नवाचक आदि विराम चिह्नों का प्रयोग कर लेता है और विराम चिह्न सम्बन्धित त्रुटियों को सुधार लेता है।	1– छात्रों को 'यात्रा–वृत्तांन्त' विधा से परिचित कराना। • शिक्षक द्वारा यातायात के विभिन्न साधनों तथा रेलगाड़ी, वायुयान, जलयान, दो पहिया एवं चार पहिया वाहनों आदि के बारे में परिचित कराना। • प्रश्नोत्तर/बातचीत के मौखिक और लिखित अभ्यास कराना। • बच्चों को पाठ में आए स्थान विशेष की भौगोलिक एवं सामाजिक परिस्थितियों से अवगत कराना।
			2– शिक्षक द्वारा पाठ के किसी अंश का आदर्श वाचन व बच्चों द्वारा वाचन अभ्यास। • बच्चों में यात्रा के प्रति रुचि जगाना। • बच्चों को कठिन शब्दों व अचरिचित शब्दों से परिचित कराना।
			3– पाठ के अनुच्छेद में दी गई जानकारियों को खोज कर परिचित कराना। • प्रश्नोंत्तर/बातचीत का मौखिक– लिखित अभ्यास कराना।
			4– यात्रा शब्द से संबंधित अन्य शब्दों को लिखना और उन शब्दों का वाक्य प्रयोग करना। • प्रश्नोत्तर/बातचीत का मौखिक लिखित अभ्यास कराना। • बच्चों को व्याकरण के माध्यम से समानार्थी शब्दों का वाक्य प्रयोग, शुद्ध उच्चारण आदि से परिचय कराना।
			5– पाठ के अभ्यास प्रश्नों पर चर्चा करना। • आकलन एवं कार्यपुस्तिका के प्रश्नोंत्तर पर कार्य करना।
			6– कार्यपुस्तिका के अभ्यासों पर कार्य कराना। • प्रश्न निर्माण करना। • पिछले दिवसों में किए गए शिक्षण कार्य का दोहराव व आकलन।
पाठ 20 राष्ट्रगौरव कलाम (साक्षात्कार) 7 दिन	H502	बच्चा स्थानीय सामाजिक मुद्दों/बिन्दुओं वीडियो आदि पर बातचीत कर लेता है।	1– साक्षात्कार विधा से परिचित कराना। • विभिन्न शैली/विधाओं के पाठों को हाव–भाव, शुद्धता एवं प्रवाह के साथ पढ़ने की समझ विकसित करना।
			2– पाठ का पठन और चर्चा करना।
			3– साक्षात्कार विधा की मुख्य विशेषताओं पर बच्चों द्वारा नोट तैयार करना।

पाठ संख्या, नाम एवं निर्धारित दिवस	निपुण कोड	लर्निंग आउटकम	पाठ्य बिन्दु / शिक्षण उद्देश्य
	H513	बच्चा समानार्थी, विपरीतार्थक, उपसर्ग–प्रत्यय, तत्सम्–तद्भव, एकवचन, बहुवचन एवं तुकांत शब्दों का प्रयोग कर लेता है।	4– ''कलाम'' के जीवन एवं कार्यों पर चर्चा तथा लेखन कराना।
			5– बच्चों द्वारा अपने गाँव / क्षेत्र के किसी व्यक्ति का साक्षात्कार लेने की क्षमता विकसित करना।
			6– पाठ के अभ्यास प्रश्नों पर कार्य करना।
			7– कार्यपुस्तिका के अभ्यास पर कार्य करना। • पाठ से संबंधित अपरिचित शब्दों पर समझ बनाना। • पिछले दिवसों में किए गए शिक्षण कार्य का दोहराव व आकलन।
पाठ 21 रघुकुल रीति (रामायण की कथा) 5 दिन	H501 H504	बच्चा सुनी / पढ़ी / देखी रचनाओं, घटनाओं, चित्रों पात्रों आदि के विषय में प्रश्न पूछता है और अपने तर्क संगत राय देता है। बच्चा किसी पाठ घटना अनुभव आदि के मुख्य भाग को मानक भाषा में संक्षिप्त रूप में बता लेता है। और उससे सम्बन्धित प्रश्नों के उत्तर दे लेता है।	1– छात्रों को कथा विधा से परिचित कराना। • परिवेशीय घटना / पाठ से संबंधित मौखिक प्रस्तुतीकरण व क्रमबद्ध लेखन की जानकारी देना।
			2– श्री राम के बचपन की घटनाओं से परिचित कराना। • बच्चों मे लेखन कौशलों का विकास करना।
			3– कहानी की विषय वस्तु पर तार्किक प्रश्न बनाना।
			4– पाठ पर आधारित अभ्यास कार्य करना।
			5– कार्यपुस्तिका के अभ्यासों पर कार्य कराना। • पाठ से संबंधित अपरिचित शब्दों पर समझ बनाना। • पिछले दिवसों में किए गए शिक्षण कार्य का दोहराव व आकलन।
कितना सीखा– 4 अपने आप– 4 (परमवीर चक्र) 3 दिन			

पाठ–1 विमल इंदु की विशाल किरणें (1/5)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H505
शिक्षण उद्देश्य–कविता सुनना, सुनाना व कविता विधा से परिचित कराना।
आवश्यक सामग्री– पुस्तकालय से छोटी–2 कविताओं की किताबें, प्रिंट रिच सामग्री, दीक्षा ऐप।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

मोर

मोर है मेरा नाम रे,
नहीं सुहाता घाम रे।
वर्षा मुझको लगती है प्यारी,
नही सुहाता घाम रे।।
मोर है मेरा नाम रे

- उपरोक्त कविता को गाकर सुनाएँगे।

मोर

मेरा नाम मोर हैं। मुझको घाम नही सुहाता है। वर्षा मुझको प्यारी लगती हैं।

- कहानी का वाचन कर पद्य (कविता) विधा एवं गद्य विधा (कहानी) में अंतर स्पष्ट करेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक छात्रों के समक्ष कम से कम 2 बार कविता का सस्वर वाचन करेंगे।
- कविता के चित्र दिखाकर कविता की विषय वस्तु का परिचय देंगे।
- कवि का परिचय देंगे।
- कविता में आए नवीन व अपरिचित शब्दों के अर्थ बताएँगे।
- कार्यपुस्तिका पृष्ठ संख्या–10 के प्रश्न संख्या–9 दिए गए शब्दों को प्रकृति निर्मित और मानव निर्मित में बाँटिए को हल कराएँगे। प्रश्न संख्या–10 प्रकाश कहाँ–कहाँ से मिलता हैं ? पर छात्रों के साथ चर्चा करेंगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- निम्नांकित का अभिनय छात्रों से करवाएँगे।

(I) बादल का गरजना (iii) नदी का बहना
(ii) हवा का चलना (iv) तारों का चमकना

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य– पाठ्यपुस्तक के पृष्ठ संख्या–12 के प्रश्न संख्या–4 'भाषा के रंग'– 'क' व 'ख' हल कराएँगे।

गृहकार्य– सुबह और शाम को देखकर बच्चों के मन में जो विचार आते हों, उन्हें अपनी उत्तरपुस्तिका पर लिखकर लाने को कहेंगे।

पाठ–1 विमल इंदु की विशाल किरणें (2/5)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H505
शिक्षण उद्देश्य– छात्रों व शिक्षक द्वारा कविता का सस्वर वाचन व अर्थ बताना।
आवश्यक सामग्री– प्रिंट रिच सामग्री, पाठ्यपुस्तक, चार्ट , मार्कर।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- पाठ की शुरुआत विद्यालय में होने वाली प्रार्थना से करवाएँ। जैसे– दया कर दान भक्ति का, हमें परमात्मा देना। शिक्षक निम्नांकित प्रकार के प्रश्न पूछकर चर्चा करेंगे।

(i) हम लोग भगवान से प्रार्थना क्यों करते हैं ?
(ii) प्रार्थना सुबह ही क्यों की जाती हैं ?
(iii) आपको अन्य कौन–कौन सी प्रार्थना याद हैं, सुनाएँ ?

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक हाव–भाव को ध्यान में रखते हुए सस्वर वाचन करेंगे।
- कुछ छात्र कविता का स्वतंत्र पठन करेंगे। शिक्षक विभिन्न उदाहरण देते हुए कविता का अर्थ स्पष्ट करेंगे।
- शिक्षक कुछ प्रश्न पूछकर छात्रों की समझ को जानेंगे। यथास्थान पुनः अर्थ को स्पष्ट करेंगे।
- कार्यपुस्तिका के पृष्ठ संख्या–6 से प्रश्न संख्या–1 को करवाएँगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- कार्यपुस्तिका के पृष्ठ संख्या–6 से प्रश्न संख्या–2 करने को कहेंगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य–

गृहकार्य–

- पाठ्यपुस्तक के पृष्ठ संख्या–11 के प्रश्न संख्या–3 'सोच विचार बताइए' को हल करके लाने के लिए कहेंगे, जो अग्रलिखित है।

क. प्रकृति द्वारा निर्मित दस चीजों के नाम लिखो ?
ख. मानव द्वारा निर्मित बीस चीजों के नाम लिखकर लाओ ?

पाठ–1 विमल इंदु की विशाल किरणें (3/5)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H506
शिक्षण उद्देश्य–प्रसंग के माध्यम से कविता का भावार्थ बताना व कवि का संक्षिप्त परिचय बताना।
आवश्यक सामग्री– जयशंकर प्रसाद का चित्र, दीक्षा ऐप, पाठ्यपुस्तक।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- कोई कविता या विद्यालय में होने वाली प्रार्थना सुनेंगे। तत्पश्चात प्रश्नों के द्वारा चर्चा करेंगे। शिक्षक छात्रों से प्राकृतिक वस्तुओं के नाम पूछेंगे। उनकी उपयोगिता पर चर्चा करेंगे। प्राकृतिक वस्तुओं के नाम बताओ।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक कविता के लेखक की अन्य रचनाओं के बारे में जानकारी देंगे।
- शिक्षक कविता का अर्थ बच्चों को बताएँगे।
- निम्नांकित प्रकार के प्रश्नों पर चर्चा करके, बच्चों की समझ को जानेंगे–

(i) सागर की तुलना किससे की गयी ?
(ii) अनादि और अनंत का मतलब क्या हैं ?
(iii) तरंग मालाएँ क्या कहना चाहती हैं ?
(iv) ईश्वर की मुस्कान की तुलना किससे की गयी है ?
(iv) बहती हुई नदियाँ क्या कहना चाहती हैं ?

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- पंक्तियों का भाव स्पष्ट कीजिए–

(i) तुम्हारे हँसने की धुन में नदियाँ।
(ii) तेरी प्रशंसा का राग प्यारे।
(iii) निनाद करती ही जा रही हैं।
(iv) तरंग मालाएँ गा रही हैं।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य– कार्यपुस्तिका के पृष्ठ संख्या–7 से प्रश्न संख्या–3–4 विलोम शब्द एवं वर्तनी शुद्ध करिए– करने को कहेंगे।

गृहकार्य–
- ईश्वर की प्रार्थना हम क्यों करते हैं। अपनी उत्तरपुस्तिका पर लिखकर लाने के लिए कहेंगे।

पाठ–1 विमल इंदु की विशाल किरणें (4/5)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H506
शिक्षण उद्देश्य– कविता के कठिन शब्दों, पर बातचीत और उनका वाक्यों में प्रयोग करना।
आवश्यक सामग्री– दीक्षा ऐप, प्रिंट रिच सामग्री, लाइब्रेरी, परिवेशीय पोस्टर आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- कक्षा की शुरूआत छोटी सी गतिविधि (रोल प्ले) के द्वारा कुछ बच्चों से करवाएँगे। जैसे– नदियों के बहने की धुन, कुछ पक्षियों की आवाज, सूरज का दमकना, चाँद का चमकना, तारे कैसे टिमटिमाते हैं, पानी का बरसना बादल का गरजना

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- गतिविधि पर चर्चा करते हुए पाठ पर आएँगे। कुछ खुले एवं बंद छोर के प्रश्नों के द्वारा कठिन शब्दों पर चर्चा–
- जिसका कोई अंत न हो ?, जिसका आरम्भ न हो ?, अपने मन की इच्छा पूरी करना।, लहरों के समूह को क्या कहते हैं।, ईश्वर की मंद–मंद मुस्कान कहाँ–कहाँ देखने को मिली ?, ईश्वर की महिमा प्रकृति के किन–किन रूपों में देखने को मिलती हैं ?
- एक समूह शब्द बताएँ दूसरा समूह उस शब्द का पर्यायवाची शब्द बताएँ। इसी तरह सामानार्थी एवं विलोम शब्द पर भी कार्य किया जा सकता हैं। दो समूह में बाँटकर इस गतिविधि को करें।
- पर्यायवाची/विलोम शब्दों से वाक्य बनवा कर लिखवाएँगे। दो समूह में बाँटकर इस गतिविधि को करें।, पर्यायवाची/विलोम शब्दों से वाक्य बनवा कर लिखवाएँगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- सभी छात्रों को दो समूह में बाँटकर इस गतिविधि को करें।
- कार्यपुस्तिका के पृष्ठ संख्या–8 से प्रश्न संख्या–5 को हल करवाएँगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य– कार्यपुस्तिका के पृष्ठ संख्या–8 व 9 से प्रश्न संख्या–6 व 7 करने को कहेंगे।

गृहकार्य–

- सभी बच्चे अपने उत्तरपुस्तिका पर पानी शब्द के पर्यायवाची शब्द पर ज लगाकर कमल एवं धि का प्रयोग करते हुए समुद्र शब्द का पर्यावाची शब्द बनाकर अपनी उत्तरपुस्तिका में लिखकर लाएँगे। (अपने अभिभावक से सहयोग लें)

शब्द	योजक	पर्यायवाची
जल	ज	जलज, नीरज, तोयज
नीर	धि	जलधि, नीरधि, अम्बुधि
तोय		
अम्बु		

पाठ–1 विमल इंदु की विशाल किरणें (5/5)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H505, H506

शिक्षण उद्देश्य–

- कार्यपुस्तिका के अभ्यासों पर कार्य कराना।
- पाठ से संबंधित अपरिचित शब्दों पर समझ बनाना।
- पिछले दिवसों में किए गए शिक्षण कार्य का दोहराव व आकलन।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, कार्यपुस्तिका, तत्सम्/तद्भव शब्द, विलोम शब्द, समानार्थी शब्दों की पर्ची।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- पाठ के अभ्यास की कविता द्वारिका प्रसाद महेश्वरी द्वारा रचित ''पथ मेरा आलोकित कर दो'' का शिक्षक हाव भाव, लय, ताल के साथ बच्चों को सुनाएँगे, बच्चों से चर्चा करेंगे–

(i) इस कविता में कवि ईश्वर से क्या वरदान माँग रहा है ?

(ii) इस कविता के रचियता के नाम बताओ ?

(iii) कवि किसको स्वर्ग बनाने की बात कर रहा है ?

(iv) आप ईश्वर से क्या वरदान माँगोगे ?

नोट– बच्चों से चर्चा परिचर्चा द्वारा पाठ के अभ्यास के लिए बच्चों को समूह में बाँटकर कार्य कराएँगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

शिक्षक स्वयं से तैयार आकलन प्रपत्र से सभी छात्रों का आकलन करेंगे। इसके लिए शिक्षक पाठ्यपुस्तक व कार्यपुस्तिका में दिए गए अभ्यास प्रश्नों का प्रयोग कर सकते हैं या संबंधित विषय वस्तु पर स्वयं से प्रश्न निर्माण कर सकते हैं।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

खाली जगह भरो–

(i) विमल इंदु......................किरणें, प्रकाश.....................बता रही है।

(ii) अनादि तेरी.....................है माया, जगत को.....................दिखा रही है।

- प्रकाश कहाँ–कहाँ से मिलता हैं ?
- मानव निर्मित एवं प्रकृति निर्मित में क्या अंतर हैं ?

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य– कार्यपुस्तिका के पृष्ठ संख्या–9 एवं 10 से प्रश्न संख्या–8 व 11 करने को कहेंगे।

पाठ–2 पंच परमेश्वर (1/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H502

शिक्षण उद्देश्य–

- कहानी विधा से परिचित कराना।
- कहानी को हाव–भाव के साथ सुनाना।
- कहानी के भाव को समझकर उसके विषय मे मौखिक एवं लिखित रूप से विचार व्यक्त करना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, फेवीकोल, कैंची इत्यादि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक बच्चों को न्याय से सम्बन्धित कोई प्रसंग सुनाकर उस पर बातचीत करेंगे।
- परिवार या गाँव में किसी समस्या या विवाद का निपटारा कैसे होता है इस पर बच्चों से बातचीत करेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक पंच परमेश्वर कहानी का आदर्श वाचन करेंगे।
- बच्चे कहानी को अपनी भाषा मे सुनाएँगे।
- पाठ से संबंधित कुछ प्रश्नों पर चर्चा करेंगे। जैसे–

(i) सरपंच का क्या कार्य होता हैं ?

(ii) खाला क्यों परेशान थी ?

- अपरिचित/कठिन शब्दों के अर्थ स्पष्ट करेंगे। शब्दों के अर्थ श्यामपट्ट पर अंकित किए जाएँगे।
- शिक्षक बच्चों से जुम्मन शेख और अलगू चौधरी की मित्रता की पाँच विशेषताएँ लिखकर लाने को कहेंगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- शिक्षक लिखे गए विचारों को कुछ छात्रों से कक्षा में प्रस्तुत करवाएँगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य– कार्यपुस्तिका के पृष्ठ संख्या–11 के प्रश्न संख्या–1 का कार्य बच्चों से करवाएँगे।

गृहकार्य–

- अपने पिताजी/माताजी/प्रधान से बात करें कि उनके गाँव में किसी विवाद के होने पर उसका आपसी निपटारा कैसे होता है। इसे अपनी उत्तरपुस्तिका में संक्षेप में लिखकर लाने के लिए कहेंगे।

पाठ–2 पंच परमेश्वर (2/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H502

शिक्षण उद्देश्य–

- बच्चों द्वारा कहानी के मुख्य प्रसंगों पर बातचीत करना।
- बच्चों के लेखन कौशल का विकास करना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, श्यामपट्ट, चॉक, चार्ट, रंगीन कलम।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे। छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- कहानी में आये हुए शब्द क्रमशः मित्रता, जमीनी विवाद, न्याय आदि से जुड़े अपने अनुभव साझा करने के लिए बच्चों को प्रोत्साहित करेंगे।
- बच्चों से इस सम्बन्ध में खुले छोर के प्रश्न देकर उन्हें बोलने के अवसर देंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- मित्रता, सरपंच, पंचायत, न्याय, झगड़ा, शब्दों के आधार पर बच्चों को समूह मे बाँटकर छोटी कहानी लिखने को कहा जाएगा और फिर प्रत्येक समूह बारी–बारी से आकर कहानी सुनाएँगे।
- बच्चों ने जो कहानी निर्माण किया है उसको उत्तरपुस्तिका पर लिखने को कहेंगे।
- शिक्षक से श्यामपट्ट पर कहानी से जुड़े हुए क्रमानुसार वाक्य में कुछ भाग रिक्त (छोड़कर) लिखेंगे। बारी–बारी बच्चों को बुलाकर श्यामपट्ट पर कहानी क्रम से लगाकर पूर्ण करवाएँगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- कार्यपुस्तिका के पृष्ठ संख्या–12 से प्रश्न संख्या–3 के (क) एवं (ख) में अनुच्छेद के प्रश्नोत्तर को चर्चा करते हुए लिखवाया जाएगा।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य– कार्यपुस्तिका के पृष्ठ संख्या–11 के प्रश्न संख्या–2 का कार्य बच्चों से करवाया जाएगा।

गृहकार्य–

- कार्यपुस्तिका क पृष्ठ संख्या–13 के प्रश्न संख्या–5 सत्य/असत्य वाले प्रश्न गृहकार्य के लिए दिए जाएँगे।

पाठ–2 पंच परमेश्वर (3/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H502

शिक्षण उद्देश्य–

- लेखक के जीवन का जानकारी देना।
- प्रेमचंद्र के रचनाओं की जानकारी देना।

आवश्यक सामग्री– लेखक का चित्र, पुस्तकालय में लेखक की पुस्तकें, श्यामपट्ट, चॉक इत्यादि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- शिक्षण के आरम्भ में बच्चों से अपने परिवार के किसी सदस्य के जीवन परिचय के विषय मे बताने हेतु प्रेरित करेंगे
- बच्चों से कुछ खुले छोर के प्रश्न किए जाएँगे। **जैसे–**

(i) कहानी लिखने वाले को क्या कहते है ?

(ii) सरपंच का क्या कार्य होता हैं ?

(iii) पंच परमेश्वर पाठ के लेखक का नाम बताइए ?

(iv) प्रेमचंद की अन्य रचनाओं के नाम बताइए ?

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- दीक्षा ऐप पर पाठ सम्बंधी वीडियो दिखाकर मुंशी प्रेमचंद का सक्षिप्त परिचय एवं उनकी रचनाओं के विषय मे बच्चों की समझ गहरी की जाएगी।
- बच्चों को समूह में विभाजित कर प्रेमचंद के जीवन की विशेषताओं एवं कार्यों पर बारी–बारी से बुलाकर अपने शब्दों में व्यक्त करने को कहेंगे।
- कहानी के पात्रों पर चर्चा की जाएगी कि कौन सा पात्र सबसे अच्छा लगा और क्यों ?

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पृष्ठ संख्या–17 के प्रश्न संख्या–2 के (क) एवं (ख) को करवाएँगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य– कार्यपुस्तिका के पृष्ठ संख्या–15 के प्रश्न संख्या–10 का कार्य बच्चों से करवाएँगे।

गृहकार्य–

- तुम्हारी कलम से– सरपंच कैसा होना चाहिए ? इस पर अपने विचार बड़ों की मदद से लिखिए।

पाठ–2 पंच परमेश्वर (4/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H502, H513

शिक्षण उद्देश्य–

- कहानी में आए कठिन शब्दों एवं मुहावरों पर बातचीत एवं वाक्य प्रयोग।
- शब्द भंडार में वृद्धि करना।
- मौखिक एवं लिखित भाषा का विकास करना।

आवश्यक सामग्री– चार्ट, पाठ्यपुस्तक, श्यामपट्ट, चॉक, डस्टर आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- बच्चों को सुनाई गई कहानी पंच परमेश्वर में आये मुहावरें के अर्थ पर चर्चा करेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक द्वारा पाठ में आये कठिन शब्दों/मुहावरों का अर्थ स्पष्ट करते हुए श्यामपट्ट पर अंकित किए जाएँगे।
- बच्चों को दो समूह में विभाजित कर फ्लैश कार्ड दिए जाएँगे। एक समूह के पास मुहावरे व दूसरे समूह के पास मुहावरे के अर्थ का फ्लेश कार्ड होगा। अब बारी–बारी से एक समूह मुहावरे व दूसरा समूह उसका अर्थ स्पष्ट करेंगे।
- पूरे पाठ में आये नए शब्दों को छात्र एक उत्तरपुस्तिका पर लिखकर शब्द भंडार के रूप में एकत्र करेंगे। ऐसे ही जब भी कोई नया शब्द मिले उसे यही लिखकर अपना शब्द भंडार में वृद्धि करते रहेंगे।
- शिक्षक द्वारा छात्रों को कार्यपुस्तिका से मुहावरों का अर्थ लिखते हुए वाक्य में प्रयोग कराया जाएगा। गाढ़ी मित्रता, मुहर लग जाना, आठो पहर खटकना, फूले न समाना आदि।
- बच्चों को पाठ में आये तद्भव शब्दों के तत्सम् रूप स्पष्ट करते हुए उत्तरपुस्तिका पर लिखने को कहेंगे।
- निबाह, निठुर, पहर, घर, भगत आदि।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- भाषा के रंग पाठ्यपुस्तक के अभ्यास कार्य से मुहावरों का सही अर्थ मिलान कर अपने वाक्य में प्रयोग करवाएँगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य– कार्यपुस्तिका के पृष्ठ संख्या–12 के प्रश्न संख्या–4 का कार्य बच्चों से करवाएँगे।

गृहकार्य–

- साँप सूँघ जाना, नौ दो ग्यारह होना मुहावरों का प्रयोग करते हुए कहानी का निर्माण अभिभवाकों की सहायता से करेंगे।

पाठ–2 पंच परमेश्वर (5/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H502, H513

शिक्षण उद्देश्य–

- पाठ के अभ्यास कार्यो पर कार्य।
- प्रश्नोत्तरी का मौखिक–लिखित अभ्यास कराना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, श्यामपट्ट, चॉक, डस्टर आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- पूर्व दिवस मे पढ़ी गई कहानी का सारांश बच्चों से सुनेंगे तथा सारांश पर आधारित कुछ प्रश्न बच्चों से पूछे जाएँगे। जैसे–

(i) ''मैं अलग पका खा लूंगी'' खाला ने ऐसा क्यों कहा ?

(ii) जायदाद की रजिस्ट्री होते ही जुम्मन का व्यवहार क्यों बदल गया ?

(iii) फैसला सुनते ही जुम्मन में कौन सा भाव पैदा हुआ ?

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- बच्चों को दो समूह में बाँटकर प्रश्न निर्माण करवाएँगे।
- शिक्षक द्वारा कहानी को आगे बढ़ाते हुए गतिविधियाँ कराएँगे।
- शिक्षक द्वारा कुछ पात्रों के नाम लिखी पक्तियाँ तैयार की जाएँगी व बच्चों को समूह में विभाजित कर दी जाएँगी। प्रत्येक समूह के बच्चे आपस मे विचार विमर्श कर अपने–अपने समूह से प्राप्त पात्र के कथन का प्रस्तुतीकरण करेंगे।
- बच्चे कहानी को अपने शब्दों में सुनाएँगे। पाठ के आधार पर बच्चों को कहना है– क्या, क्यों, कब, कैसे, का प्रयोग करते हुए प्रश्न बनाने को दिए जाएँगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- बच्चे बारी–बारी बताएँगे कहानी से– 1. मैंने सीखा   2. मैं करूँगा /करूँगी।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य– कार्यपुस्तिका के पृष्ठ संख्या–13 के प्रश्न संख्या–3, 5 का कार्य बच्चों से करवाएँगे।

गृहकार्य–

- पाठ्यपुस्तक के पृष्ठ संख्या–18 से प्रश्न कहानी में आई पंक्तियों का आशय अपने शब्दों में अभिभावक की सहायता से लिखकर लाएँगे।

पाठ–2 पंच परमेश्वर (6/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H502
शिक्षण उद्देश्य–कहानी/पात्रों पर छात्रों के स्वतंत्र विचार सुनना और उन्हें लिखवाना।
आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, श्यामपट्ट, चॉक, डस्टर आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- शिक्षक द्वारा पूर्व में सुनाई गई कहानी के पात्रों पर चर्चा की जाएगी।

(I) कहानी के पात्रों के नाम बताइए।
(ii) जुम्मन शेख और अलगू चौधरी कौन थे ?
(iii) जुम्मन के पिता का क्या नाम था ?
(iv) खाला ने किसको सरपंच चुना ?

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- छात्रों को छोटे समूह में बाँटकर कहानी/पाठ का स्वतंत्र वाचन करने को कहेंगे।
- शिक्षक हर समूह के 1–1 बच्चे से कहानी/पाठ पर उनके विचार सुनेंगे।
- छात्रों द्वारा सुनाए विचारों को सभी बच्चों से उत्तरपुस्तिका पर लिखवाएँगे।
- शिक्षक बच्चों को कहानी पर आधारित अभिनय की तैयारी करवाएँगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- छात्रों द्वारा तैयार किये गए अभिनय का कक्षा में प्रस्तुतीकरण करवाना।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य– कार्यपुस्तिका के पृष्ठ संख्या–15 के प्रश्न संख्या–1, 2, 9 का कार्य छात्रों से करवाएँगे।

गृहकार्य–

- सरपंच के अलावा और कौन–कौन फैसला करता है परिवार की सहायता से लिखकर लाएँ।

पाठ–2 पंच परमेश्वर (7/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H502

शिक्षण उद्देश्य–

- कार्यपुस्तिका के अभ्यास पर कार्य।
- पाठ से संबंधित अपरिचित शब्दों पर समझ बनाना।
- पिछले दिवसों में किए गए शिक्षण कार्य का दोहराव व आकलन।

आवश्यक सामग्री– कार्यपुस्तिका वाटिका, पाठ्यपुस्तक, चॉक, डस्टर, श्यामपट्ट इत्यादि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- शिक्षक पूर्व दिवस पढ़ी कहानी पर चर्चा करते हुए बच्चों को कुछ शब्द बोलेंगे चर्चा में आये शब्दों का बच्चे अर्थ बताएँगे। (जैसे–जिरह, गाढ़ी, विनती, दैवयोग)

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक स्वयं से तैयार आकलन प्रपत्र से सभी छात्रों का आकलन करेंगे इसके लिए शिक्षक पाठ्यपुस्तक व कार्यपुस्तिका में दिए गए अभ्यास प्रश्नों का प्रयोग कर सकते हैं या संबंधित विषयवस्तु पर स्वयं से प्रश्न निर्माण कर सकते हैं।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- कार्यपुस्तिका में दिए गये वाक्य को शुद्ध कीजिये। (शिक्षक सहयोग कर्ता के रूप मे रहेंगे)।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य– कार्यपुस्तिका में बच्चे अपने मित्र के विषय में चर्चा के पश्चात् प्रश्न संख्या–11, 12 लिखेंगे।

उड़ते फूल

सीमा अपने दादा जी के साथ बग़ीचे में घूम रही थी। बग़ीचे में रंग–बिरंगे फूल खिले हुए थे। उन पर तितलियाँ मँडरा रही थीं। अचानक! सीमा रंग–बिरंगे फूल को छूने के लिए आगे बढ़ी। सारी तितलियाँ उड़ गईं। सीमा चिल्लाई – दादा जी सारे फूल उड़ रहे हैं। दादा जी हँसते हुए बोले – सही कहा, ये फूलों के फूल हैं। तितलियों से फूल हैं। फूलों से तितलियाँ हैं। इनसे दोस्ती करना आसान नहीं है। इन्हें छूने से अच्छा है, हम इन्हें देखते रहें।सीमा तितलियों को उड़ता हुआ देखकर तालियाँ बजा रही थी। वह बार–बार एक ही बात कह रही थी– उड़ने वाले फूल! रंग–बिरंगे फूल!

Writer : Bhup Singh Bagpat   Illustrator : Subham Lakhera

पाठ–3 मेरी शिक्षा (1/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H505, H513

शिक्षण उद्देश्य–

- आत्मकथा विधा से परिचय कराना।
- बच्चों को शिक्षा के महत्व पर जानकारी देना।
- पठन व लेखन कौशल का विकास करना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, कार्यपुस्तिका, श्यामपट्ट, चार्ट/उत्तरपुस्तिका, चॉक, डस्टर आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक द्वारा बच्चों से शिक्षा के महत्व पर चर्चा करते हुए उनके अभिभावक के समय की पढ़ाई व आज की पढ़ाई के अन्तर के विषय पर चर्चा करेंगे।
- बच्चों को किताब में बने चित्रों पर अपनी समझ बताने के लिए प्रेरित करेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक बच्चों को आत्मकथा विधा से परिचय कराएँगे।
- आत्मकथा से परिचय कराने के उपरांत पाठ मेरी शिक्षा का सारांश सुनाएँगे।
- बच्चों को समूह में बैठाकर पढ़ने में इस्तेमाल होने वाले संसाधन पर चर्चा करते हुए उसके विषय में अपनी भाषा में कुछ बिन्दु लिखने के लिए प्रेरित करेंगे।
- पाठ्यपुस्तक के पृष्ठ संख्या–23 के प्रश्न संख्या–4 'तुम्हारी कलम से' के विषय में चर्चा करते हुए सभी बच्चों की सहभागिता सुनिश्चित करेंगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- छात्रों को कौन सा विषय ज्यादा पसंद है और क्यों? उसे लिखित रूप में उत्तरपुस्तिका पर करवाएँगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य– ''शिक्षा की उपयोगिता'' के बारे में 2 वाक्य लिखने के लिए प्रेरित करेंगे।

गृहकार्य–

- ''शिक्षा की भविष्य में उपयोगिता'' के विषय में अभिभावक की मदद से लिखकर लाने को कहेंगे।

पाठ–3 मेरी शिक्षा (2/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H505, H513

शिक्षण उद्देश्य–

- लेखक का संक्षिप्त परिचय देना।
- पाठ का आदर्श वाचन करना।
- मौखिक व पठन कौशल का विकास करना।
- पाठ में निहित भावों व विचारों पर समझ बनाना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, कार्यपुस्तिका, शब्दार्थ/शब्द–भेद कार्ड।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व बच्चों को प्रोत्साहित करेंगे।
- डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद के जीवन से परिचय कराएँगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक पाठ का आदर्श वाचन करेंगे।
- आदर्श वाचन के बाद छोटे समूह में छात्रों को बाँटकर साझा पठन करने के लिए कहेंगे।
- बच्चों द्वारा पठन के दौरान पाठ में आए अपरिचित शब्द को अपनी उत्तरपुस्तिका पर लिखने के लिए कहेंगे।
- शिक्षक छात्रों द्वारा चयन किए गए अपरिचित शब्दों का अर्थ समझाते हुए वाक्य प्रयोग करेंगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पाठ्यपुस्तक के पृष्ठ संख्या–22 के प्रश्न संख्या–3 ''भाषा के रंग'' के खण्ड (क) का कार्य उत्तरपुस्तिका पर कराते हुए आकलन करेंगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य– कार्यपुस्तिका के पृष्ठ संख्या–17 के प्रश्न संख्या–2 का कार्य कराएँगे। (शिक्षक मार्गदर्शन की भूमिका में रहेंगे)

गृहकार्य–

- कार्यपुस्तिका के पृष्ठ संख्या–17 के प्रश्न संख्या–1 का कार्य अभिभावक की मदद से लिखकर लाएँगे।

पाठ–3 मेरी शिक्षा (3/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H505, H513

शिक्षण उद्देश्य–

- भाषा कौशल पर समझ बनाना।
- पठन एवं लेखन कौशल का विकास करना।
- सृजनात्मक एवं क्रमबद्धता के साथ अपने विचारों को व्यक्त करना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, कार्यपुस्तिका, दीक्षा ऐप श्यामपट्ट, चॉक, डस्टर आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व बच्चों को प्रोत्साहित करेंगे।
- बच्चों को दीक्षा ऐप से वीडियो दिखाकर पाठ की पुनरावृत्ति करवाएँगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक बच्चों को दीक्षा ऐप (ICT) से पाठ का वीडियो दिखाकर वीडियो आधारित कुछ प्रश्न पूछेंगे।
- शिक्षक स्वंय एक बार पुनः पाठ का आदर्श वाचन करेंगे।
- आदर्श वाचन के पश्चात् बच्चों को स्वतंत्र पठन करने हेतु कहेंगे।
- स्वतंत्र पठन के पश्चात् बच्चों को पाठ्यपुस्तक के पृष्ठ संख्या–23 के प्रश्न संख्या–6 का कार्य करने के लिए कहेंगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- शिक्षक तुकान्त शब्द, उपसर्ग एवं प्रत्यय के अवधारणा को समझाते हुए पाठ्यपुस्तक के पृष्ठ संख्या–22 के प्रश्न संख्या–3 ''भाषा के रंग'' के भाग (घ) का कार्य करवाएँगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य– शिक्षक कार्यपुस्तिका के पृष्ठ संख्या–18 के प्रश्न संख्या–3 का कार्य करवाएँगे।

गृहकार्य–

- बच्चे कार्यपुस्तिका के पृष्ठ संख्या–18 के प्रश्न संख्या–4 का कार्य अभिभावक की सहायता से करके लाएँगे।

पाठ–3 मेरी शिक्षा (4/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H505, H513

शिक्षण उद्देश्य–

- पुस्तकालय से पुस्तक पठन की आदत का विकास करना।
- बच्चों को आत्मकथा शैली से अवगत कराना।
- शब्दकोश में बढ़ोत्तरी।

आवश्यक सामग्री– विद्यालय पुस्तकालय, पाठ्यपुस्तक, कार्यपुस्तिका, संवाद अभिनय हेतु मुखौटा।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे, व बच्चों को प्रोत्साहित करेंगे।
- शिक्षक पाठ के लेखक के साथ घटी घटना, अनुभवों को संक्षेप में छात्रों को बताएँगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

शिक्षक बच्चों को अन्य महापुरुषों के द्वारा लिखी आत्मकथा को पढ़ने के लिए विद्यालय पुस्तकालय से कुछ पुस्तकें पढ़ने के लिए देंगे।

- सभी बच्चे प्राप्त पुस्तक का मौन वाचन करेंगे।
- मौन वाचन के पश्चात् महापुरुषों पर चर्चा करते हुए कुछ चयनित महापुरुषों के प्रेरणादायक कथन– संवाद को बच्चों से अभिनय के माध्यम से करवाएँगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- शिक्षक इसी गतिविधि को आगे बढ़ाते हुए पाठ्यपुस्तक के पृष्ठ संख्या–23 के प्रश्न संख्या–5 का कार्य करवाएँगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य– शिक्षक कार्यपुस्तिका के पृष्ठ संख्या–17 के प्रश्न संख्या–2 का कार्य कराएँगे।

गृहकार्य–

- बच्चे कार्यपुस्तिका के पृष्ठ संख्या–19 के प्रश्न संख्या–8 और 9 का कार्य अभिभावक की सहायता से करके लाएँगे।

पाठ–3 मेरी शिक्षा (5/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H505, H513

शिक्षण उद्देश्य–

- पाठ में आए कठिन शब्दों को लिखवाना एवं उन पर चर्चा और वाक्य प्रयोग पाठ में आए शब्दों के विलोम तथा पर्यायवाची शब्द पर कार्य।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, कार्यपुस्तिका, अंत्याक्षरी, वीडियो आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व बच्चों को प्रोत्साहित करेंगे।
- शिक्षक पाठ ''मेरी शिक्षा'' आत्मकथा की पुनरावृत्ति करेंगे। पाठ में आए कुछ अपरिचित विलोम शब्द की समझ पर कार्य शिक्षक के द्वारा करवाया जाएगा।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- विलोम शब्द की अवधारणा की समझ के उपरान्त शिक्षक पाठ्यपुस्तक के पृष्ठ संख्या–22 प्रश्न संख्या–3 ''भाषा के रंग'' के (ख) प्रश्न पर चर्चा कर उसके आधार पर कार्य कराएँगे।
- पाठ्यपुस्तक के पृष्ठ संख्या–22 प्रश्न संख्या–3 (ग) शब्द युग्म का कार्य करने के लिए कहेंगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- बच्चों का दो समूह बनाकर एक समूह को बोर्ड पर शब्द लिखने एवं दूसरे समूह को विलोम लिखने को दें। दोनों समूह को समान शब्द लिखने का अवसर मिले।
- कार्यपुस्तिका के पृष्ठ संख्या–19 प्रश्न संख्या–6 का कार्य (विलोम शब्द) करवाएँगे

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य–

- कार्यपुस्तिका के प्रश्न संख्या–2 को गृहकार्य के अन्तर्गत वाक्य बनाने के नियम को समझाएँगे।
- शिक्षक कार्यपुस्तिका के पृष्ठ संख्या–19 प्रश्न संख्या–7 का कार्य करवाएँगे।

गृहकार्य–

- बच्चे पाठ्यपुस्तक के पृष्ठ संख्या–22 के प्रश्न 2 को अभिभावक की मदद से करके लाएँगे।

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H505, H513
शिक्षण उद्देश्य– पाठ के अभ्यास कार्य।
आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, शब्द कार्ड, कार्यपुस्तिका आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व बच्चों को प्रोत्साहित करेंगे।
- शिक्षक द्वारा डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद के जीवन व कार्य पर आधारित प्रश्न पूछते हुए चर्चा की जाएगी।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद के जीवन व कार्यों पर चर्चा करने के उपरान्त पुनः पाठ का सारांश बच्चों को सुनाएँगे।
- शिक्षक बच्चों को पुनः पाठ का स्वतंत्र वाचन करने हेतु कहेंगे।
- स्वतंत्र वाचन के उपरान्त शिक्षक पाठ आधारित कुछ प्रश्न (स्वंय के बनाए हुए) पूछेंगे।
- शिक्षक पाठ्य आधारित प्रश्नों के उत्तर के बिन्दु श्यामपट्ट पर लिखेंगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पाठ्यपुस्तक के पृष्ठ संख्या–22 के प्रश्न संख्या–2 ''सोच–विचार'' का कार्य करवाएँगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य– शिक्षक कार्यपुस्तिका के पृष्ठ संख्या–18 के प्रश्न संख्या–5 का कार्य करने के लिए कहेंगे।

गृहकार्य–

- अभिभावक की मदद से ''मेरी शिक्षा'' पाठ में आये तुकांत शब्दों को पाठ्यपुस्तक से ढूँढ़कर या छाँटकर उत्तरपुस्तिका पर लिख कर लाने को कहेंगे।

पाठ–3 मेरी शिक्षा (7/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H505, H513

शिक्षण उद्देश्य–

- कार्यपुस्तिका के अभ्यासों पर कार्य कराना।
- पाठ से संबंधित अपरिचित शब्दों पर समझ बनाना।
- पिछले दिवसों में किए गए शिक्षण कार्य का दोहराव व आकलन।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, शब्द कार्ड, कार्यपुस्तिका।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व बच्चों को प्रोत्साहित करेंगे।
- शिक्षक किसी एक बच्चे से पाठ का संक्षिप्त विवरण देने को कहेंगे। शिक्षक किसी भी बच्चे को डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद के विषय में 4 वाक्य बताने के लिए प्रोत्साहित करेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक बच्चों द्वारा लिखे गए अनुच्छेद का प्रस्तुतीकरण करवाएँगे अन्य शेष बच्चे ध्यान पूर्वक सुनकर अपनी समझ को बताएँगे। शिक्षक पाठ्यपुस्तक व कार्यपुस्तिका में दिए गए अभ्यास प्रश्नों का कार्य कराएँगे। शिक्षक संबंधित विषय वस्तु पर स्वयं से प्रश्न निर्माण कर बच्चों की समझ को विकसित करेंगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पाठ्यपुस्तक व कार्यपुस्तिका के अवशेष कार्य को पूर्ण करवाएँगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य– शिक्षक बच्चों द्वारा किए गए कार्य का आकलन कर आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करेंगे।

आज की पहेली

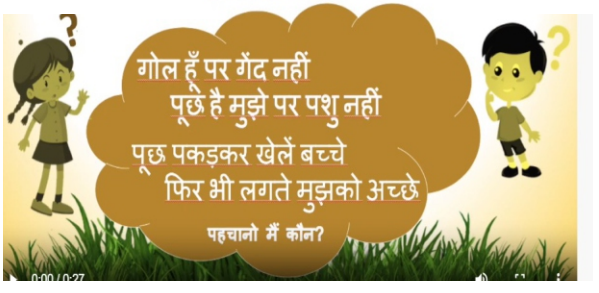

पाठ–4 सरिता (1/6)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H506, H515

शिक्षण उद्देश्य–

- कविता विधा से परिचित कराना।
- बच्चों को पर्यावरण से जोड़ना।
- कविता के भावों को समझकर अपनी भाषा में बताना।
- प्रकृति पर अपने मौलिक विचार व्यक्त करना।
- शब्दकोश में बढ़ोत्तरी और भाषा कौशल का विकास।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, प्रकृति आधारित चित्र, चित्र चार्ट–खेत, बोर्ड, चॉक/मार्कर, चार्ट रंगीन पेन/पेंसिल आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक बच्चों से पूर्व ज्ञान हेतु बातचीत के माध्यम से प्रकरण के विषय पर चर्चा करेंगे एवं छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- शिक्षक प्रकृति के विभिन्न स्वरूपों वाले चित्र को दिखा कर बच्चों से निम्नांकित प्रकार के प्रश्न पूछेंगे–

(i) सूर्य से हमें क्या–क्या प्राप्त होता है ?

(ii) पर्वत हमारे लिए किस प्रकार उपयोगी हैं ?

(iii) वनों से हमें क्या–क्या प्राप्त होता है ?

(iv) नदियों को जीवन–दायिनी क्यों कहा गया है ?

- शिक्षक सभी बच्चों के उत्तर को एक चार्ट या श्यामपट्ट पर अंकित करेंगे।
- अंकित किए गये बिन्दु पर चर्चा करेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक सभी बच्चों को कविता विधा से परिचित कराएँगे। पाठ 'सरिता' के चित्र पर बातचीत करेंगे।
- 'कवि गोपाल सिंह नेपाली' के जीवन, उनकी रचना तथा उनके प्रकृति प्रेम के विषय पर बातचीत करेंगे।
- पाठ 'सरिता' में आए प्रकृति के चित्रण पर चर्चा की जाएगी।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- छात्र अपनी पाठ्यपुस्तक से सम्बन्धित पाठों का चयन करते हुए उन्हें 'विमल इन्दु की विशाल किरणें', 'प्रकृति की सीख', 'जीवन के रंग', 'मैं और मेरा देश', 'कोई ला के मुझे दे' आदि पाठों का नाम बताएँगे।
- शिक्षक सभी बच्चों को अपने प्रिय पाठ/पठित पाठ के (जो बच्चों ने चयनित किये है) कुछ अंशों को अपने शब्दों में लिखने को कहेंगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य–

- शिक्षक दिये गये कार्य का आकलन करेंगे– प्रत्येक बच्चे से उसके लेखन का प्रस्तुतीकरण कराएँगे तथा शेष बच्चों से उसे ध्यानपूर्वक सुनने व समझने के लिए कहेंगे। (लेखन कार्य से बच्चों के शब्दकोश में बढ़ोत्तरी होगी)
- कार्यपुस्तिका के पृष्ठ संख्या–22 के प्रश्न संख्या–7 आपके आस–पास जो नदी है उसका नाम एवं उसके बारे में लिखिए, को कराएँगे।

गृहकार्य–

- पहाड़ से निकलती हुई नदी का चित्र बनाइये।
- अपने क्षेत्र में बहने वाली नदियों के नाम लिखिए।

पाठ–4 सरिता (2/6)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H506, H515

शिक्षण उद्देश्य–

- कविता का शिक्षक एवं बच्चों द्वारा सस्वर वाचन व भावार्थ बताना।
- कवि के जीवन से सामान्य परिचय।
- अपने विचारों को व्यक्त करना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, श्यामपट्ट, चॉक, आई0सी0टी0 का प्रयोग आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे। छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- पाठ सरिता का वाचन करने से पूर्व एक बार पुनः संक्षेप में कवि का परिचय बताएँगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक पाठ–सरिता का आदर्श वाचन करेगें तथा भावार्थ बच्चों को समझाएँगे।
- शिक्षक सभी बच्चों को स्वतन्त्र पठन करने का अवसर देंगे।
- कविता में आए तुकांत शब्द, अपरिचित शब्दों को शिक्षक बच्चों से चर्चा करने के उपरांत श्यामपट्ट पर लिखेंगे व उसके अर्थ को समझाएँगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- शिक्षक बच्चों द्वारा किए गये कार्य का प्रस्तुतीकरण कराएँगे। उनके द्वारा चयनित तुकांत शब्दों का अर्थ समझाते हुए एक बार पुनः कविता का भाव बच्चों से पूछेंगे।

पंक्ति– तन का चंचल मन का विह्वल, यह लघु सरिता का बहता जल ॥

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य– शिक्षक पाठ्यपुस्तक के पृष्ठ संख्या–26 के प्रश्न संख्या–2 'नीचे लिखी कविताओं का भाव स्पष्ट कीजिए' के प्रश्न संख्या–'ख' एवं 'ग' को कराएँगे।

गृहकार्य–

- शिक्षक कक्षा में किए गए कार्यों में से 'बहता रहता युग–युग अविरल' कविता के पंक्ति का भावार्थ लिखकर लाने को कहेंगे।

पाठ–4 सरिता (3/6)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H506, H515

शिक्षण उद्देश्य–

- कठिन शब्दों के अर्थ, वाक्य प्रयोग करने की समझ बनाना।
- अपने विचारों व भावों को लिखित व मौखिक रूप में क्रमबद्धता के साथ व्यक्त करना।
- शब्दकोश में बढ़ोत्तरी तथा उनके उपयोग करने की क्षमता का विकास।
- प्रश्नों के तर्क संगत उत्तर देने का विकास करना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, श्यामपट्ट, चॉक, चार्ट, रंगीन पेन/पेंसिल, आई0सी0टी0 का प्रयोग।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे। शिक्षक बच्चों को प्रकृति से जोड़ने हेतु आई0सी0टी0 का प्रयोग (दीक्षा ऐप/यूट्यूब आदि) करेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- आई0सी0टी0 द्वारा दिखाए गए वीडियों पर चर्चा करने के पश्चात् छात्रों को साझा एवं स्वतंत्र पठन कराएँगे।
- स्वतन्त्र पठन के पश्चात् उनके द्वारा चिह्नित अपरिचित शब्दों का अर्थ बताकर शिक्षक द्वारा श्यामपट्ट कार्य करेंगे।
- बच्चों द्वारा चयनित अपरिचित शब्दों का वाक्य प्रयोग कर अनुच्छेद लिखने का कार्य शिक्षक के सहयोग से कराया जाएगा।

(कक्षा को छोटे–छोटे समूह में विभाजित करके शिक्षक द्वारा उनके लेखन कार्य को प्रोत्साहित किया जाएगा।)

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- पाठ 'सरिता' के आदर्श वाचन, भावार्थ व काठिन्य निवारण के उपरांत शिक्षक पाठ 'सरिता' पर आधारित कुछ बोध प्रश्न का निर्माण करेंगे तथा सभी बच्चों द्वारा उसके उत्तर को लिखित/मौखिक रूप में प्रस्तुत करने को कहेंगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य– शिक्षक कार्यपुस्तिका के प्रश्न संख्या–3 का कार्य (पंक्तियों का भाव स्पष्ट कीजिए) छात्रों को करने के लिए कहेंगे।

गृहकार्य–

- शिक्षक गृहकार्य में बच्चों को एक अनुच्छेद लिखने को देंगे जिसका शीर्षक है 'नदी का जल सूख जाए' तो क्या होगा ?

पाठ–4 सरिता (4/6)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H506, H515

शिक्षण उद्देश्य–

- कविता के चित्रों, नदी, पहाड़, वन एवं जल पर चर्चा करते हुए समझ बनाना।
- बच्चों को पर्यावरण से जोड़ना।
- सृजनात्मक, कल्पनाशीलता, चिन्तन व मनन कौशल का विकास करना।
- पर्यायवाची (भाषा व्याकरण इकाई) शब्दों की पहचान व वाक्य प्रयोग करना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, चित्र चार्ट, प्राकृतिक चित्र, चार्ट, फ्लैश कार्ड (पर्यायवाची शब्दों के)।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- शिक्षक नदी, पहाड़, वन और जल के चित्र दिखाकर बच्चों से उनके बारे में पूछेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक पाठ्यपुस्तक में बने चित्र को दिखाकर बच्चों से नदी, जल, वसुधा, पहाड़ और वन के सामानार्थी (पर्यायवाची) शब्द से परिचय प्राप्त कराएँगे।
- नदी को हम क्या–क्या कहते है ?
- फ्लैश कार्ड के माध्यम से शिक्षक पर्यायवाची शब्दों की गतिविधि कराएँगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- शिक्षक श्यामपट्ट पर पाठ्यपुस्तक के पृष्ठ संख्या–26 के प्रश्न संख्या–4 के भाषा के रंग में सभी शब्दों के दो–दो पर्यायवाची शब्द लिखेंगे और सभी बच्चों को उन्हें अपनी पाठ्यपुस्तक में लिखने के लिए कहेंगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य– शिक्षक कार्यपुस्तिका के पृष्ठ संख्या–21 प्रश्न संख्या–4 (दो–दो पर्यायवाची शब्द लिखिए) का कार्य कराएँगे।

गृहकार्य–

- दो–दो पर्यायवाची शब्द लिखिए– कमल, आकाश, गंगा, शरीर।

पाठ–4 सरिता (5/6)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H506, H515

शिक्षण उद्देश्य–

- शब्दकोश में वृद्धि तथा उनका दैनिक जीवन में प्रयोग की आदत का विकास करना।
- भाषाई कौशल का विकास करना।
- वाक्य, कहानी व कविता आदि की रचना का विकास करना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, कार्यपुस्तिका, श्यामपट्ट, चॉक।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक बच्चों को दिये गये गृहकार्य का आकलन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- बच्चे कठिन शब्दों की पुनरावृत्ति करेंगे। कविता के चित्रों पर चर्चा करते हुए अपरिचित शब्द और तुकांत शब्दों पर बातचीत करेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक अपरिचित शब्दों के अर्थ समझाते हुए वाक्य प्रयोग कराएँगे।
- तुकांत शब्दों को समझाकर बच्चों से 4 पंक्ति की कविता का निर्माण कराएँगे। (शिक्षक बच्चों की सहायता करेंगे)
- कुछ बच्चों के द्वारा स्वरचित कविता का प्रस्तुतीकरण करवाएँगे।
- शिक्षक बच्चों द्वारा लिखी गई कविता को श्यामपट्ट पर लिखेंगे।
- उसके पश्चात् शिक्षक बच्चों को पाठ सरिता का अवलोकन व स्वतंत्र पठन करने के लिए कहेंगे।
- शिक्षक बच्चों से मौखिक चर्चा करने के पश्चात् संज्ञा, सर्वनाम और विशेषण शब्दों का चयन करके अपनी उत्तरपुस्तिका में लिखने को कहेंगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- बच्चों द्वारा चयनित शब्दों का वर्गीकरण कर उन्हें संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण की सूची में लिखने को कहेंगे। शिक्षक छात्रों का सहयोग करेंगे। (पाठ्यपुस्तक का अभ्यास कार्य ''भाषा के रंग'' का कार्य करेंगे)

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य–

- पाठ्यपुस्तक के पृष्ठ संख्या–26 के प्रश्न संख्या–4 भाषा के रंग के प्रश्न संख्या–'क' एवं 'ख','ग' को बच्चों से कराएँगे।
- कार्यपुस्तिका के पृष्ठ संख्या–21 के प्रश्न संख्या–5 को बच्चे शिक्षक की सहायता से करेंगे।

गृहकार्य–

- पाठ्यपुस्तक की पृष्ठ संख्या–26 के प्रश्न संख्या–6 ''तुम्हारी कलम से'' मे ''जल ही जीवन है''। कथन पर दस पंक्तियाँ घर से लिख कर लाएँगे।

पाठ–4 सरिता (6/6)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H506, H515

शिक्षण उद्देश्य–

- कार्यपुस्तिका के अभ्यासों पर कार्य कराना।
- पाठ से संबंधित अपरिचित शब्दों पर समझ बनाना।
- पिछले दिवसों में किए गए शिक्षण कार्य का दोहराव व आकलन।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, कार्यपुस्तिका, श्यामपट्ट, चॉक, उत्तरपुस्तिका, पेन आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे।
- छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे। एक बार पुनः संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण चिह्नों पर बातचीत व चर्चा करेंगे।
- शिक्षक पाठ का अभ्यास कार्य कराएँगे। अभ्यास के प्रत्येक प्रश्नों का उत्तर शिक्षक श्यामपट्ट पर लिखेंगे तथा सभी बच्चों से उसे अपनी पुस्तिका में लिखने को कहेंगे।
- शिक्षक पाठ का सारांश बच्चों से सुनेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक स्वयं से तैयार आकलन प्रपत्र से सभी छात्रों का आकलन करेंगे। इसके लिए शिक्षक पाठ्यपुस्तक व कार्यपुस्तिका में दिए गए अभ्यास प्रश्नों का प्रयोग कर सकते हैं या संबंधित विषय वस्तु पर स्वयं से प्रश्न निर्माण कर सकते हैं।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- शिक्षक अभ्यास कार्य के बाद कार्यपुस्तिका पर कार्य करेंगे। शिक्षक पाठ–4 सरिता के कार्यपुस्तिका के सभी प्रश्नों को क्रमशः बच्चों को समझाते हुए उन्हें स्वयं करने के लिए कहेंगे तथा शिक्षक उनका सहयोग करेंगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य–

- पूरे सप्ताह कराए गए शिक्षण कार्य के आधार पर शिक्षक आकलन प्रपत्र का निर्माण स्वंय करते हुए छात्रों का आकलन करेंगे।

पाठ–5 लाल बहादुर शास्त्री (1/5)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H507, H515

शिक्षण उद्देश्य–

- जीवनी विधा से परिचित कराना।
- महापुरुषों एवं स्वतंत्रता संग्राम के सेनानियों पर जानकारी प्रदान करना।
- बच्चों को आस–पास के महापुरुषों के विषय में जानकारी प्रदान करना।

आवश्यक सामग्री– कुछ महापुरुषों के चित्र, पुस्तकालय से महापुरुषों से संबंधित पठन सामग्री, आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- पिछली कक्षाओं में पढ़े गये महापुरुष **जैसे**– बाल–गंगाधर तिलक, गाँधी जी आदि के सम्बन्ध में प्रश्नोत्तर द्वारा बच्चों से चर्चा करेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- महापुरुषों के चित्र एक–एक कर बच्चों को दिखाते हुए उनसे महापुरुषों के विषय में पूछेंगे।
- छात्रों द्वारा बताई गई जानकारी को शिक्षक बिन्दुवार श्यामपट्ट पर लिखेंगे एवं उन्हें विस्तृत जानकारी प्रदान करेंगे।
- अब कक्षा में दो समूह बनाते हुए एक समूह किसी महापुरुष का नाम बोलेंगे, दूसरा समूह उन पर एक–दो वाक्य बोलेंगे। कक्षा में जिन महापुरुषों पर चर्चा हुई, उनमें से किसी भी एक महापुरुष पर 5–5 वाक्य लिखवाएँगे।
- शिक्षक बच्चों को जीवनी विधा से परिचित कराएँगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- बच्चे अपने पड़ोस अथवा परिवार में जिस सदस्य को आदर्श मानते हों, उनके सम्बन्ध में लिखें और बताएँ कि वह उनको आदर्श क्यों मानते हैं ?

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य– कार्यपुस्तिका में पृष्ठ संख्या–25 के प्रश्न संख्या–5 'मिलान कीजिए', अभ्यास कार्य करवाएँगे।

- जवाहर लाल नेहरू, सुभाष चन्द्र बोस, महात्मा गाँधी, आदि महापुरुषों के जन्मदिवस एवं नारे को अपने अभिभावक के सहयोग से लिखकर लाएँगे।

चित्र के आधार पर कहानी सुनाना

बच्चों को चित्र कार्ड दिखाइए एवं कहानी सुनाने को कहिए। चित्र क्रम से हों ताकि बच्चे घटनाक्रम को जोड़कर कहानी सुना सकें।

(बच्चों से उनके द्वारा सुनाई गई कहानी को लिखने के लिए भी कहा जा सकता है)

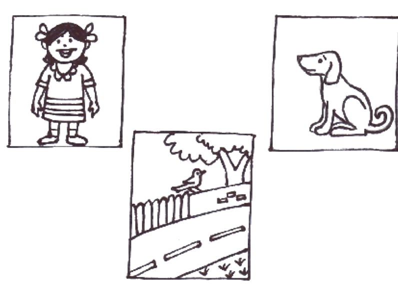

पाठ–5 लाल बहादुर शास्त्री (2/5)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H507, H515

शिक्षण उद्देश्य–

- लाल बहादुर शास्त्री का परिचय एवं उनके जीवन के बारे में बताना।
- बच्चों को शास्त्री जी के जीवन से शिक्षा ग्रहण करने के लिए प्रेरित करना।

आवश्यक सामग्री– लाल बहादुर शास्त्री जी का चित्र, पाठ्यपुस्तक मोबाइल फोन/लैपटॉप, चॉक, डस्टर, श्यामपट्ट आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे। कुछ देर शास्त्री जी के जीवन पर चर्चा करेगें।
- चित्र दिखाते हुए शास्त्री जी से बच्चों को परिचित करवाएँगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक पाठ का आदर्श वाचन करते हुए अपरिचित शब्दों का अर्थ बताते हुए उनकी व्याख्या भी करेंगे।
- बच्चे स्वतंत्र पठन करेंगे। पठन के समय आए आपरिचित शब्दों को बच्चों से रेखांकित करने के लिए कहेंगे।
- शिक्षक रेखांकित शब्दों को श्यामपट्ट पर लिखेंगे एवं उनका अर्थ स्पष्ट करेंगे।
- पाठ मे दिए गए अलग–अलग प्रेरक प्रसंगों को बच्चों का विशेष ध्यान आकर्षित करते हुए पढ़ने को कहेंगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- शिक्षक बच्चों से शास्त्री जी के जीवन के विभिन्न प्रसंगों में से किसी एक प्रसंग को अपनी भाषा में उत्तरपुस्तिका में लिखवाएँगे।
- शिक्षक बच्चों से मौखिक चर्चा करके पाठ्यपुस्तक की पृष्ठ संख्या–29 से बोध प्रश्न करवाएँगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य– कार्यपुस्तिका की पृष्ठ संख्या–25 के प्रश्न संख्या–1 "सही/गलत" को करवाएँगे।

गृहकार्य–

- यदि आप गेट मैन होते और रेल फाटक बंद करने के दौरान रेलमंत्री रेल फाटक के समीप आ गये होते तो आप क्या करते ?
- लाल बहादुर शास्त्री के जीवन का कौन सा प्रसंग अच्छा लगा और क्यों अपनी पाठ्यपुस्तक व अभिभावक की मदद से लिखिए।

पाठ–5 लाल बहादुर शास्त्री (3/5)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H507, H515

शिक्षण उद्देश्य–

- पाठ की विषय वस्तु का बच्चों द्वारा स्वतंत्र वाचन करना।
- चर्चा तथा प्रश्न बनाने के अभ्यास के कौशल का विकास करना।

आवश्यक सामग्री– कुछ फ्लैश कार्ड जिन पर एक ओर प्रश्न दूसरी ओर उत्तर लिखा हो, पाठ्यपुस्तक, शास्त्री जी का चित्र, प्रश्न वाचक शब्द कार्ड, चॉक, डस्टर, श्यामपट्ट आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- अपरिचित शब्दों के अर्थ को शिक्षक द्वारा स्पष्ट किया जाएगा।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- सभी बच्चों को स्वतंत्र रूप से लाल बहादुर शास्त्री पाठ पढ़ने का अवसर दिया जाएगा।
- शिक्षक बच्चों से कुछ मौखिक प्रश्न पूछेंगे।
- प्रश्नोत्तर कार्ड के उत्तर वाले भाग को बच्चों को दिखाकर उनसे प्रश्न बनाने को कहेंगे। बच्चे प्रयास करेंगे, बच्चों की सहायता के लिए प्रश्न वाला भाग दिखाएँगे।
- बच्चों को प्रश्न वाचक शब्द के कार्ड दिखाकर चर्चा करेंगे।
- शिक्षक बच्चों से पाठ के आधार पर मौखिक चर्चा के उपरान्त दो सवाल बनवाएँगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- शिक्षक बच्चों से बनाए गए प्रश्नों को पाठ्यपुस्तक के पृष्ठ संख्या–31 की प्रश्न संख्या–6 मेरे दो प्रश्न में लिखवाएँगे एवं इस पाठ से 'क्या सीखा' को भी करवाएँगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य–

- आज पढ़ाई गई विषय वस्तु पर शिक्षक छोटे–छोटे प्रश्नों के माध्यम से छात्रों का आकलन करेंगे और आवश्यकतानुसार विषय वस्तु का दोहराव करेंगे।
- प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री स्वंय महिला प्रदर्शनकारी के बच्चे को पानी पिलाने लगे। इससे उनके स्वभाव की किस विशेषता का पता चलता है, को चर्चा के पश्चात् लिखेंगे।

गृहकार्य–

- पाठ्यपुस्तक के पृष्ठ संख्या–31 के प्रश्न संख्या–4 'ख' को अपने अभिभावक के सहयोग से करके लाएँगे।
- यदि आपको अपने गाँव/मोहल्ले का प्रधान/सभासद बना दिया जाए तो आप अपने विद्यालय के लिए क्या–क्या करेंगे, अपने अभिभावक के सहयोग से लिखिए।

पाठ–5 लाल बहादुर शास्त्री (4/5)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H507, H515

शिक्षण उद्देश्य–

- पाठ के अभ्यास प्रश्नों पर कार्य।
- विलोम शब्द, समानार्थी विशेषण शब्द, बहुवचन की जानकारी प्रदान करना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, उत्तरपुस्तिका, श्यामपट्ट, चॉक, डस्टर आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- बच्चों को अभ्यास कार्य से जोड़ने के लिए प्रश्नोत्तर के माध्यम से पाठ पर चर्चा करेंगे बच्चों को शब्द पहेली एक वचन, बहुवचन भी करवा सकते हैं।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- भाषा के रंग में बच्चों को समानार्थक शब्द व विपरीतार्थक शब्द क्या होते है ? प्रश्न को मौखिक चर्चा के बाद करवाएँगे।
- शिक्षक वाक्य बनाने में बच्चों की सहायता करते हुए 'भाषा के रंग' के बाद प्रश्न 'ख' को करवाएँगे।
- शिक्षक छात्रों से निम्नलिखित वाक्यों के माध्यम से चर्चा कर विशेषण शब्दों की पहचान करवाएँगे। **जैसे**–

वह व्यक्ति बहुत चतुर है।
मेरा घर सुन्दर है।
यह पीला फूल है।
मेरे पास पाँच किताब है।
वह एक श्रेष्ठ ब्राह्मण है।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- मौखिक चर्चा के पश्चात् शिक्षक पाठ्यपुस्तक के पृष्ठ संख्या–30 में 'भाषा के रंग' के प्रश्न (ग) को कराएँगे।
- शिक्षक कार्यपुस्तिका के पृष्ठ संख्या–26 के प्रश्न संख्या–6,7,8 विलोम शब्द, विशेषण शब्द एवं बहुवचन को बच्चों से कराएँगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य–

- बच्चों को कार्यपुस्तिका का प्रश्न 1 कराएँगे।
- लाल बहादुर शास्त्री के जीवन का कोई एक प्रसंग कक्षा में सुनाने को कहेंगें।

गृहकार्य–

- शिक्षक बच्चों को लाल बहादुर शास्त्री ने भारतीय शासन में किन–किन पदों पर कब–कब कार्य किया लिखकर लाने को कहेंगे।

पाठ–5 लाल बहादुर शास्त्री (5/5)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H507, H515
शिक्षण उद्देश्य–
- कार्यपुस्तिका के अभ्यास पर कार्य कराना।
- पाठ से संबंधित अपरिचित शब्दों पर समझ बनाना।
- पिछले दिवसों में किए गए शिक्षण कार्य का दोहराव व आकलन।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, कार्यपुस्तिका, पेन, पेन्सिल आदि। अनुस्वार तथा अनुनासिक शब्दों की सूची।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- शिक्षक बच्चों को अनुस्वार और अनुनासिक शब्दों में अन्तर स्पष्ट करेंगे, फिर दोनों का अलग–अलग उच्चारण करवाएँगे। अनुस्वार–**जैसे**– कंगन, बंदर, संत आदि तथा अनुनासिक **जैसे**– चाँद, बाँस, दाँत आदि।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक स्वयं से तैयार की हुई आकलन प्रपत्र से सभी छात्रों का आकलन करेंगे, इसके लिए शिक्षक पाठ्यपुस्तक या कार्यपुस्तिका में दिए गए अभ्यास कार्यों का प्रयोग कर सकते हैं या संबंधित विषय वस्तु पर स्वयं से प्रश्न निर्माण कर सकते हैं।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- बच्चों द्वारा किए गए कार्य का आकलन कर आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करेंगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य–
- कार्यपुस्तिका में यदि किसी बच्चे का अपूर्ण गृहकार्य तो पूर्ण करवाएँगे एवं बच्चे की आवश्कतानुसार सहायता करेंगे।

अपने जैसी बनूँगी

एक सप्ताह बाद ईद आने वाली थी। आज इतवार का दिन था इसलिए अम्मी–अब्बू घर की साफ़–सफाई में लगे हुए थे। बाकी दिन तो अम्मी–अब्बू को दफ्तर से फुर्सत ही नहीं मिलती थी। साफ़–सफ़ाई में थोड़ी–बहुत मदद ज़ोया भी कर रही थी या यूँ कहें कि काम को और आगे बढ़ा रही थी। किताबों की अलमारी साफ़ करते वक्त अब्बू ने सभी किताबें मेज़ पर रखीं। वह एक–एक किताब को साफ़ करके अलमारी में रखने लगे । ज़ोया जोकि बहुत देर से किताबों को उलट–पलट रही थी उसने अब्बू से पूछा, "अब्बू पढ़–लिखकर क्या होता है?"

"बेटा पढ़–लिखकर कलेक्टर, डॉक्टर, टीचर और भी बहुत कुछ बन सकते हैं। तुम क्या बनोगी?" अब्बू ने एक और किताब अलमारी में रखते हुए कहा। "डॉक्टर बनेगी", चारपाई पर लेटे–लेटे दादा जी ने कहा। "नहीं– नहीं टीचर बनेगी हमारी ज़ोया ताकि अपने घर को भी वक़्त दे पाए", कुर्सी पर बैठी दादी ने कहा। "पर अब्बू मैं तो..." ज़ोया अपनी बात पूरी कर पाती, उससे पहले ही अब्बू ने कहा, "तुम तो पढ़–लिखकर इंजीनियर बनना और मेरा अधूरा ख्वाब पूरा करना।" "पर अब्बू मैं तो.... "मैं तो क्या मेरी बच्ची तुम तो सबसे पहले अच्छा इंसान बनना।" अम्मी ने उसकी बात काटते हुए कहा। "हम्म... पर मैं क्या बनना चाहती हूँ, मुझसे भी तो कोई पूछ लीजिए," ज़ोया ने झल्लाते हुए कहा। "हाँ, बताओ तो तुम क्या बनना चाहती हो?" सभी ने एक आवाज़ में पूछा । "मैं तो, अपने जैसी ही बनना चाहती हूँ।" ज़ोया की यह बात सुनकर सभी एक–दूसरे की तरफ़ हैरानी से देखने लगे।

Writer : Meena Sharma Illustrator : Habib Ali

कितना सीखा– 1 (1/4)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H505, H513, H502, H515, H506

शिक्षण उद्देश्य–

- छात्रों में तार्किक क्षमता का विकास करना।
- छात्रों में प्रश्न निर्माण की प्रवृत्ति का विकास करना।
- प्रश्नोत्तर हेतु चिंतन एवं व्याकरण सम्बन्धी रचनात्मक कौशल का विकास करना।

आवश्यक सामग्री– श्यामपट्ट, चॉक, डस्टर, पाठ्यपुस्तक एवं कार्यपुस्तिका 'वाटिका'।

1 प्रथम दिवस

- कविता को पढ़ना सुनना।
- कविता का भाव स्पष्ट करना।
- कविता में आए तुकांत–शब्द पर आधारित प्रश्न करना।
- समानार्थी शब्दों का मिलान करना।
- कवि तथा कविता से संबंधित प्रश्न करना।

2 द्वितीय दिवस

- बच्चों की स्थानीय भाषा में पाठ के सारांश को सुनना।
- पाठ पर प्रश्नोत्तर (उसमें दिए पात्रों/पाठों के आधार पर)
- वर्तनी शुद्ध करवाना।
- कठिन शब्दों को उच्चारण करके उनका अर्थ पूछना।

3 तृतीय दिवस

- गद्यांश पर आधारित प्रश्न।
- गद्यांश पर विराम चिह्नों का प्रयोग करना।
- पाठ पर आधारित उपसर्ग–प्रत्यय पर कार्य।
- तद्भव–तत्सम् के प्रश्न कराना।

4 चतुर्थ दिवस

- व्याकरण संबंधी सभी कार्य (पाठों पर आधारित), जिसमें संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया, मुहावरे, विलोम शब्द से संबंधित प्रश्नों को हल कराना।
- प्रश्न निर्माण एवं प्रश्नोत्तर कार्य

निर्देश– शिक्षक 'कितना सीखा' 1 के अनुसार अन्य 'कितना सीखा' 2, 3, 4 को 3 से 4 दिवसों में विभाजित कर आकलन करेंगे।

पाठ–6 प्रकृति की सीख (1/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H509, H505

शिक्षण उद्देश्य–

- कविता विधा से परिचित कराना।
- कविता के चित्रों पर समझ बनाना।
- दिख रही भू–आकृतियों का चित्रांकन कराना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, कार्यपुस्तिका, चॉक, भू–आकृतियों के चित्र अथवा शिक्षक द्वारा उन्हें श्यामपट्ट पर अंकित किया जाए।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- कक्षा का प्रारम्भ किसी भी संबंधित कविता से किया जाएगा व छात्रों से भू–आकृतियों जैसे पर्वत, सागर, नहर के चित्र पर संक्षिप्त चर्चा की जाएगी।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक कुछ भू–आकृतियों को श्यामपट्ट पर बनाएँगे व विस्तार से छात्रों के साथ उस पर चर्चा करेंगे।
- प्रकृति संबंधी कुछ अन्य कविताओं पर चर्चा करते हुए छात्रों को प्रकृति के महत्व के बारे में समझाएँगे।
- पाठ्यपुस्तक में अंकित चित्रों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी, एवं छात्रों को कविता विधा से परिचित कराएँगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- शिक्षक सभी छात्रों को संख्यावार समूह में विभाजित कर अभी तक कराई गयी सभी गतिविधियों को पुनः दोहराएँगे जिससे पाठ की समझ को और स्थाई किया जा सके।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य– कार्यपुस्तिका की पृष्ठ संख्या–30 के प्रश्न संख्या–9 को पूरा कराएँगे।

गृहकार्य–

- शिक्षक छात्रों से कक्षा में सिखाई गई भू–आकृतियों को आधार मानते हुए अपनी रचनात्मकता के अनुसार परिवेशीय चित्र बनाने के लिए कहेंगे जैसे– गाँव का कुँआ इत्यादि।

सोचिए ओर बोलिए

हर बच्चे को अलग–अलग परिचित विषय दीजिए। बच्चे अपना विषय भी सोच सकते हैं। बच्चों को 2–3 मिनट उस विषय पर सोचने को कहिए। फिर एक मिनट उस विषय पर बोलने के लिए प्रेरित कीजिए

पाठ–6 प्रकृति की सीख (2/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H506, H505

शिक्षण उद्देश्य–

- कवि के जीवन परिचय से बच्चों को अवगत कराना।
- कविता का सामूहिक वाचन और कविता के भावार्थ को समझाना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, कार्यपुस्तिका, कविता संबंधी चार्ट, दीक्षा ऐप, चॉक, डस्टर इत्यादि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- कविता को पढ़ाने से पूर्व कुछ कवियों के नाम पर भी चर्चा करेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- 'प्रकृति की सीख' कविता के कवि सोहन लाल द्विवेदी के बारे में छात्रों को संक्षिप्त परिचय कराते हुए उनकी रचनाओं के बारे में चर्चा करेंगे। बच्चों को हाव–भाव के साथ निम्न कविता सुनाएँगे–

फूलों से नित हसना सीखे,
कलियों से नित गाना।
सतरंगी किरणों से सीखें,
सब जग को चमकाना।।

- 'प्रकृति की सीख' कविता का आदर्श वाचन करते हुए छात्रों को साझा पठन कराएँगे। दीक्षा ऐप का प्रयोग करते हुए पाठ संबंधित शैक्षिणिक वीडियो दिखाकर उसे अधिक रोचक बनाएँगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- वीडियो से छात्रों में वीडियो पर बनी उनकी समझ को सारांश के रूप में सुनेंगे।
- कविता का छात्रों से स्वतंत्र पठन कराएँगे।
- पाठ्यपुस्तक की पृष्ठ संख्या–35 के प्रश्न संख्या–2 को पूरा करने के लिए कहेंगें।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य–कार्यपुस्तिका की पृष्ठ संख्या–27 के प्रश्न संख्या–1 को पूरा करेंगे बाद में उसका अवलोकन भी करेंगे।

गृहकार्य–

- छात्रों से कविता को याद करके आने के लिए कहेंगे इसी विषय से संबंधित अन्य कविता का संकलन करने के लिए कहेंगे या स्थानीय भाषा की किसी कविता को भी याद करने के लिए कहेंगे।

पाठ–6 प्रकृति की सीख (3/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H506, H509

शिक्षण उद्देश्य–

- बच्चों द्वारा कविता के भावार्थ को बताना।
- कविता को अपने शब्दों में लिखना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, श्यामपट्ट, चॉक, डस्टर, दीक्षा ऐप इत्यादि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- शब्द अन्त्याक्षरी के माध्यम से कक्षा को रोचक बनाएँगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- दीक्षा ऐप के माध्यम से शैक्षणिक वीडियो दिखाकर बच्चों की समझ को स्थायी करेंगे फिर शिक्षक छात्रों को कविता की चार–चार पंक्तियों के भावार्थ को पुनः समझाएँगे।
- छात्रों से सम्पूर्ण कविता के अर्थ को अपने सरल शब्दों में लिखने के लिए कहेंगे।
- कविता के कठिन शब्दों को श्यामपट्ट पर अंकित भी करेंगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- भावार्थ कराने के पश्चात् पाठ्यपुस्तक से पृष्ठ संख्या–35 की प्रश्न संख्या–3 को पूर्ण कराएँगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य–

- कार्यपुस्तिका के प्रश्न संख्या–5 ''सही जोड़े बनाइए'' को करेंगे।
- कक्षा में कराए गए कार्य का अवलोकन करेंगे।
- आवश्यकतानुसार बच्चों की मदद करेंगे।

गृहकार्य–

- छात्रों से कविता का सारांश लिखकर लाने के लिए कहेंगे।

पाठ–6 प्रकृति की सीख (4/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H509, H505

शिक्षण उद्देश्य–

- कठिन शब्दों पर बातचीत करना।
- वाक्य प्रयोग तुकांत शब्दों की अन्त्याक्षरी की समझ का विकास करना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, तुकांत शब्द संबंधित शिक्षण सामग्री, चॉक, डस्टर, श्यामपट्ट, कार्यपुस्तिका।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- एक खेल गतिविधि कराते हुए कक्षा का आरम्भ करेंगे व पिछले दिनों की चर्चा दोहराते हुए पाठ से संबंधित कुछ खुले व बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- कविता में आए नए शब्दों को बच्चों के जीवन से जोड़ते हुए उन्हे सहज करेंगे।
- बच्चों को नए शब्दों का प्रयोग करते हुए अनुच्छेद व कहानी लेखन करने के लिए प्रोत्साहित करेंगे।
- शब्दों को व्यावहारिक तरीके से बातचीत में लाकर नए वाक्यों का निर्माण करेंगे जैसे– नभ को हम स्थानीय भाषा में आसमान/आकाश बोलेंगे और उसका वाक्य प्रयोग बच्चों के द्वारा कराएँगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- तुकांत शब्दों को समझकर उसकी अन्त्याक्षरी खेलेंगे जिससे उनके शब्दकोश का विस्तार होगा।
- श्यामपट्ट पर नये शब्दों को लिखेंगे। बच्चे नए शब्दों पर वाक्य बनाकर उत्तरपुस्तिका में लिखेंगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य– कार्यपुस्तिका की पृष्ठ संख्या–28 की प्रश्न संख्या–2, पृष्ठ संख्या–29, 30 की प्रश्न संख्या–6 और 7 पर चर्चा करने के उपरांत कार्य करने के लिए कहेंगे। फिर उसका अवलोकन करेंगे।

गृहकार्य–

- शिक्षक छात्रों से पाठ में से कोई 2 शब्द चुनकर उनकी अन्त्याक्षरी बनाकर लाने के लिए कहेंगे।

पाठ–6 प्रकृति की सीख (5/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H509

शिक्षण उद्देश्य–

- समानार्थी शब्द से परिचय कराना।
- तुकांत शब्द की समझ का विकास करना।
- षब्दों का वाक्य में प्रयोग करने की आदत का विकास करना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, कार्यपुस्तिका, समानार्थी व विलोम शब्द संबंधी शिक्षण सामग्री, चॉक, डस्टर व श्यामपट्ट आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- तुकांत कविता से कक्षा का प्रारम्भ करेंगे व पिछले दिन के कार्यों को दोहराते हुए पाठ से संबंधित खुले व बंद छोर के प्रश्नों द्वारा छात्रों से चर्चा करेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक कविता में आए 10 शब्दों के समानार्थी, पर्यायवाची शब्दों को छात्रों को बताएँगे। उन्हीं समानार्थी शब्दों से एक कविता निर्माण भी कराएँगे। छात्रों को स्वंय उनका निर्माण करने के लिए कहेंगे।
- TLM के माध्यम से तुकांत शब्दो का परिचय करवाएँगे, जिससे उनका ज्ञान स्थायी हो सके व एक खेल के माध्यम से समानार्थी व तुकांत शब्दों को समझाएँगे।
- खेल में एक टोकरी में समानार्थी व तुकांत शब्दों की पर्ची को एक साथ मिलाएँगे व कक्षा को दो समूह में विभाजित कर पर्ची चुनने के लिए कहेंगे फिर जिस छात्र के पास पर्ची आएगी वह उस समूह में खड़ा हो जाएगा जिससे वह समानार्थी व तुकांत शब्द के अन्तर को भी समझ पाएँगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- अभी तक कराई गई गतिविधियों के आधार पर छात्रों से समानार्थी व तुकांत शब्द पर वाक्य निर्माण करने के लिए कहेंगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य– कार्यपुस्तिका की पृष्ठ संख्या–28 से प्रश्न संख्या–3 व पृष्ठ संख्या–30 से प्रश्न संख्या–8 को पूर्ण कराकर उनका अवलोकन करेंगे।

गृहकार्य–

- पर्वत, सागर, पृथ्वी, नभ आदि इन शब्दों को अपने परिवार वालों की मदद से स्थानीय भाषा में बोलना व लिखना सीखकर आने के लिए कहेंगे।

पाठ–6 प्रकृति की सीख (6/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H509, 505

शिक्षण उद्देश्य–

- पाठ के अभ्यास प्रश्नों पर कार्य करना।
- कविता में अंतर्निहित भाव को समझने हेतु अभ्यास प्रश्नों को करना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, कार्यपुस्तिका, चॉक, डस्टर, श्यामपट्ट इत्यादि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे। पाठ के कुछ मुख्य बिन्दुओं का दोहराव किया जाएगा। **जैसे**–

(i) पर्वत क्या संदेश दे रहा है ?

(ii) संसार को ढक लेने की सीख कौन दे रहा है ?

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक पाठ्यपुस्तक की पृष्ठ संख्या–35 की प्रश्न संख्या–1 पर आए बोध प्रश्नों के उत्तर श्यामपट्ट पर लिखकर उत्तरपुस्तिका में उतारने के लिए कहेंगे।
- इसके लिए दीक्षा ऐप की सहायता भी ली जा सकती है।
- पाठ्यपुस्तक की पृष्ठ संख्या–36 की प्रश्न संख्या–4, 5, 7 'मेरे दो प्रश्न' व 8 इस कविता से "मैने सीखा" भाग को पूरा करेंगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- छात्रों के द्वारा किए गए कार्यों का अवलोकन करते हुए उनमें सुधार की आवश्यकता लगे तो सुधार कर देंगे।
- बच्चों से चर्चा करने के उपरांत कार्यपुस्तिका के प्रश्न–4 पर प्रश्न–उत्तर का कार्य करेंगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य– शिक्षक बच्चों से पाठ्यपुस्तक की पृष्ठ संख्या–36 की प्रश्न संख्या–6 को पूर्ण करके आने के लिए कहेंगे।

गृहकार्य–

- अपने मनपसंद प्रकृति का चित्र बनाकर रंग भरकर लाने के लिए को कहेंगे।

पाठ–6 प्रकृति की सीख (7/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H509, 505

शिक्षण उद्देश्य–

- कार्यपुस्तिका के अभ्यासों पर कार्य कराना।
- पाठ से संबंधित अपरिचित शब्दों पर समझ बनाना।
- पिछले दिवसों में किए गए शिक्षण कार्य का दोहराव व आकलन कराना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, कार्यपुस्तिका, आवश्यकतानुसार पूर्व में प्रयुक्त कार्यपत्रक, शिक्षण सामग्री चॉक, डस्टर, श्यामपट्ट इत्यादि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- कक्षा का प्रारम्भ कुछ रचनात्मक प्रश्नों से करेंगे जैसे– हम सब हर समय कुछ न कुछ नया सीखते रहते हैं, बताइए आपके आस–पास ऐसी कौन सी चीजें हैं जो आपको कुछ न कुछ सिखाती हैं ? इसी तरह के अन्य प्रश्न एवं तुकांत शब्दों की अन्त्याक्षरी पुनः कराकर कक्षा को रोचक बनाएँगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक स्वयं से तैयार आकलन प्रपत्र से सभी छात्रों का आकलन करेंगे। इसके लिए शिक्षक पाठ्यपुस्तक व कार्यपुस्तिका में दिए गए अभ्यास प्रश्नों का प्रयोग कर सकते हैं या संबंधित विषय वस्तु पर स्वयं से प्रश्न निर्माण कर सकते हैं।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- अवलोकन के पश्चात् छात्रों को आ रही समस्याओं का निराकरण कर बच्चों को आवश्यक सहयोग प्रदान करेंगे, तथा निर्धारित करेंगे कि पाठ पर कितनी समझ बन पाई है।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य– शिक्षक कविता के भाव को संक्षेप में बच्चों से पूछेंगे और कार्यपुस्तिका के कार्यों को पुनः एक बार दोहराएँगे।

पाठ–7 जीवन के रंग (प्रेरक प्रसंग) (1/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H510, 513

शिक्षण उद्देश्य–

- चित्र देखकर अपने विचारों को अभिव्यक्त करना।
- कहानी सुनना व सुनाना एवं शब्द भण्डार में वृद्धि करना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, बोर्ड, मार्कर/चॉक, प्रिंट रिच सामग्री आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- 'रमइया की हरी–भरी दुनिया' पाठ का चित्र दिखाकर निम्नांकित प्रकार के प्रश्न पूछकर छात्रों से चर्चा करेंगे।

(i) चित्र में क्या दिखाई दे रहा है?
(ii) आदमी कहाँ और क्या करने जा रहा होगा?
(iii) अगर धरती पर पेड़–पौधे न होते तो क्या होता?

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक पाठ का आदर्श वाचन करेंगे। शिक्षक कुछ प्रश्नों के माध्यम से बच्चों से कहानी पर चर्चा करेंगे।

(i) रमइया का सपना क्या है?
(ii) रमइया अपना सपना पूरा करने के लिए क्या–क्या करता है?
(iii) रमइया के अन्दर पेड़ लगाने का जुनून कैसे पैदा हुआ?

- इसी तरह के प्रश्नों के द्वारा एवं शिक्षक स्वयं प्रश्न बनाकर कहानी के भाव को बच्चों में स्पष्ट करेंगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

(i) रमइया ने पेड़ लगाकर अपना सपना पूरा किया?
(ii) आप अपने सपने को पूरा करने के लिए क्या–क्या करना चाहते हैं?
(iii) अगर आपको पेड़ लगाना हो तो किस–किस का पेड़ लगाओगे?

- छात्रों को छोटे–छोटे समूह में बाँटकर 'रमइया की हरी–भरी दुनिया' का साझा पठन करवाएँगे।
- छात्र अपरिचित शब्दों को चिह्नित करेंगे। उनके अर्थ स्पष्ट करेंगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य– शिक्षक द्वारा मौखिक चर्चा के उपरान्त पाठ में अनुस्वार एवं अनुनासिक शब्दों को छाँटकर लिखवाएँगे।

(i) अनुनासिक (ँ) शब्द माँगता..
(ii) अनुस्वार (ं) शब्द में ....

गृहकार्य–

- कार्यपुस्तिका के पृष्ठ संख्या–23 के प्रश्न संख्या–8 को अपने अभिभावक के सहयोग से पूर्ण करने के लिए कहेंगे।

पाठ–7 जीवन के रंग (प्रेरक प्रसंग) (2/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H510, 513
शिक्षण उद्देश्य– कहानी के प्रश्नोंत्तर की समझ बनाना।
आवश्यक सामग्री– चार्ट पेपर, श्यामपट्ट, मार्कर/चॉक, पाठ्यपुस्तक, प्रिंट रिच सामग्री।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- छात्रों से परिवेशीय पेड़–पौधों पर निम्नांकित प्रकार के प्रश्न करेंगे।

(I) आपके घर के आस–पास कौन–कौन से पेड़ और पौधा लगा है ?
(ii) पेड़ और पौधे में क्या अंतर होता है ?
(iii) पेड़ से हमें क्या–क्या मिलता है ?
(iv) हमें दवाईयाँ किन–किन पौधों से मिलती हैं ?
(v) हमें साँस लेने के लिए ऑक्सीजन कहाँ से प्राप्त होती हैं ?

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक निम्नांकित पर चर्चा करेंगे।

(I) कागज का नोट बनाकर उस पर पेड़ का चित्र बनाकर उसके नीचे 'पेड़ की कीमत पैसों से बढ़कर है', ऐसा रमइया ने क्यों लिखा ?
(ii) रमइया स्कूल, दफ्तर, मंदिर– मस्जिद जहाँ भी जाता है। पेड़ों के गुण बताता है। ऐसा क्यों करता है ?
(iii) पर्यावरण संरक्षण के लिए अभियान क्यों चलाने पड़े ?

- शिक्षक छात्रों से चर्चा करेंगे कि आप कौन–कौन सा पेड़ लगाएँगे और क्यों ? चर्चा के पश्चात् लिखने के लिए कहेंगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- शिक्षक बच्चों द्वारा स्वयं के लेखन कार्य एक बार पढ़कर मनन करने के लिए कहेंगे।
- आप अपने विद्यालय को कैसे हरा–भरा रखेंगे ?
- आप अपने साथियों के साथ विद्यालय के अन्दर एवं उसके आस–पास जगह तलाश कीजिए और सोचो आप कौन–कौन से पेड़ लगा सकते हैं ?

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य– अब करने की बारी तालिका के अनुसार पेड़ पौधों के नाम लिखिए ?

छायादार पेड़	फलदार पेड़	कीमती लकड़ी	औषधीय पौधा	सजावटी

गृहकार्य–

- सभी बच्चे पेड़–पौधो की पत्तियों/फूलों की सहायता से चार्ट पेपर या उत्तरपुस्तिका पर कोई चित्र बनाकर लाएँगे।

पाठ–7 जीवन के रंग (प्रेरक प्रसंग) (3/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H510, H513, H503

शिक्षण उद्देश्य–

- कहानी का अभिनय करना एवं सार लिखना।
- अधूरी कहानी को पूरा करने का अभ्यास कराना।
- कल्पना शक्ति का विकास, सृजनात्मकता का विकास कराना।
- शब्द भण्डार में वृद्धि कराना।

आवश्यक सामग्री– चार्ट पेपर, मार्कर/चॉक, बोर्ड, पाठ्यपुस्तक, कहानियों की किताबें।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- शिक्षक कोई घटना बच्चों को सुनाएँगे। उसके पश्चात् बच्चों से उनके जीवन की कोई प्रिय घटना सुनेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक छात्रों से अभिनय की तैयारी करवाएँगे।
- छात्रों से अभिनय करवाएँगे।
- रमइया की हरी–भरी दुनिया को अपने शब्दों में लिखने के लिए कहेंगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- बच्चों द्वारा लिखे गये सार को कुछ छात्रों से पढ़वाकर सुनेंगे।
- ''धरती का अब करो श्रृंगार। पेड़ लगाओ सब दो चार '' से क्या तात्पर्य है। अपनी उत्तरपुस्तिका पर लिखने के लिए कहेंगे। शिक्षक सहयोगी की भूमिका में होंगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य– कार्यपुस्तिका के पृष्ठ संख्या–33 के प्रश्न संख्या–6 को करने के लिए कहेंगे।

गृहकार्य–

- बच्चे पेड़ों के महत्व से सम्बन्धित स्लोगन सहित एक पोस्टर बनाकर लाएँगे।

पाठ–7 जीवन के रंग (प्रेरक प्रसंग) (4/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H510, H513

शिक्षण उद्देश्य–

- पाठ के प्रेरक प्रसंग को सुनाना एवं सुनना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, प्रिंट रिच सामग्री, चित्रात्मक कहानी के पोस्टर, बोर्ड, मार्कर/चॉक।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- शिक्षक जंगल विषय पर बच्चों से निम्नांकित प्रकार के प्रश्न पूछ कर चर्चा करेंगे।

(i) जंगल में कौन–कौन से पेड़ होंगे ?

(ii) जंगल में कौन–कौन से जानवर रहते होंगे ?

(iii) जंगल में आग कैसे लग जाती होगी ?

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक द्वारा ''जंगल की आग'' कहानी का आदर्श वाचन करेंगे। तत्पश्चात कहानी से जुड़े कुछ प्रश्न बच्चों से पूछेंगे।

(i) जंगल में आग कैसे लगी होगी ?

(ii) आग में किस–किस जानवर और जीव–जन्तुओं का घर जल गया होगा ?

(iii) आग को बुझाने के लिए कौन–कौन से जानवर आये ? उन्होंने आग को कैसे बुझाया होगा सोचो और बताओ ?

(iv) नन्ही गौरैया ने आग बुझाने में कैसे मदद की ?

(v) कौआ डाल पर बैठा क्या कर रहा था ?

नोट–इसी प्रकार के प्रश्नों के माध्यम से शिक्षक पाठ की समझ को विकसित कराएँगे।

- पाठ के अपरिचित शब्दों पर चर्चा करेंगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- कार्यपुस्तिका के पृष्ठ संख्या–32 के प्रश्न संख्या–5 विलोम शब्दों का मिलान करिए को करवाएँगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य– खाली जगह भरो–

कहानी पूरा करो– गौरैया बोली यह तो...............भी जानती हूँ परन्तु यदि कभी इस...............बारे में...........तो मेरा नाम आग.............वालो अथवा..........देखने वाले में नहीं.........बल्कि......बुझाने वालो में लिया जाएगा।

गृहकार्य–

(i) आपके घर या पड़ोस में आग लग जाए तो आप क्या करेंगे ?

(ii) बिजली से आग लगने पर क्या सावधानी करनी चाहिए ?

(iii) भीषण आग लगने पर अग्निशमन दल को बुलाने के लिए आप कौन सा नम्बर डायल करेंगे ?

पाठ–7 जीवन के रंग (प्रेरक प्रसंग) (5/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H509

शिक्षण उद्देश्य–

- पाठ में आये शब्दों के समानार्थी शब्द से परिचय कराना।
- वाक्य प्रयोग करना।
- कल्पना शीलता व चिन्तन शीलता का विकास। बच्चों को स्वतंत्र रूप से लेखन कौशल का विकास करना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, बोर्ड, चॉक/मार्कर, चार्ट, पेन/पेन्सिल।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- शिक्षक 3–4 बच्चों से कहानी को बच्चों के शब्दों में सुनेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक बच्चों से हाव–भाव से "जंगल की आग" पाठ को पढ़ने के लिए कहेंगे।
- शिक्षक बच्चों से पाठ में आए कठिन शब्दों, समानार्थी शब्दों पर चर्चा करेंगे एवं रेखांकित करेंगे।
- बच्चों द्वारा किए गये कार्य व चयनित शब्द के सन्दर्भ को बताते हुए उनके समानार्थी शब्दों एवं विलोम शब्दों पर चर्चा कर लिखने के लिए कहेंगे।
- जंगल की आग कहानी के सार को संक्षेप में लिखवाएँगे।
- शिक्षक बच्चों से "जंगल की आग" पाठ पर अभिनय की तैयारी करवाएँगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- शिक्षक बच्चों के साथ सहभागिता करते हुए पाठ्यपुस्तक के पृष्ठ संख्या–40 के भाग (च) का कार्य उत्तरपुस्तिका पर करने के लिए कहेंगे।
- प्रत्येक वाक्य प्रयोग का आकलन करते हुए उनका सहयोग करेंगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य– शिक्षक कार्यपुस्तिका के पृष्ठ संख्या–32 के प्रश्न संख्या–3 का कार्य करने को कहेंगे।

गृहकार्य–

- पाठ्यपुस्तक के पृष्ठ संख्या–40 के प्रश्न संख्या–3 के (घ) का कार्य कर के लाएँगे।

पाठ–7 जीवन के रंग (प्रेरक प्रसंग) (6/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H510, H513, H507

शिक्षण उद्देश्य–

- पर्यावरण से सम्बंध स्थापित करना।
- कल्पनाशीलता का विकास करना।
- बच्चों को स्वतंत्र लेखन एवं समूह कार्य के लिए प्रेरित करना।
- शब्द भण्डार में वृद्धि करना।
- पाठ में निहित संदेश को अपने जीवन से जोड़ना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, श्यामपट्ट, चॉक/मार्कर, उत्तरपुस्तिका आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- शिक्षक एक बार पुनः पाठ के सारांश पर बच्चों से चर्चा करेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- छात्रों द्वारा पाठ के 'जंगल की आग' का स्वतंत्र पठन करवाएँगे।
- शिक्षक बच्चों से अभिनय करने से पूर्व पात्रों के संवाद आदि पर पुनः तैयारी करवाएँगे।
- शिक्षक बच्चों से अभिनय करवाएँगे।
- शिक्षक बच्चों से 'रमइया की हरी–भरी दुनिया' और 'जंगल की आग' दोनों कहानी एक दूसरे के पूरक हैं पर मौखिक चर्चा करेंगे।
- शिक्षक द्वारा पाठ के अभ्यास कार्य पर कार्य किया जाएगा।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पृष्ठ संख्या–31 के प्रश्न संख्या–6 पर कार्य।
- पाठ के आधार पर दो सवाल बनाकर लिखवाएँगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य– कार्यपुस्तिका के पृष्ठ संख्या–31 के प्रश्न संख्या–2 को करने के लिए कहेंगे।

गृहकार्य–

- पाठ्यपुस्तक के पृष्ठ संख्या–39 के प्रश्न संख्या–1 के (क) से (छ) के प्रश्नों के उत्तर लिखकर लाने के लिए कहेंगे।

पाठ–7 जीवन के रंग (प्रेरक प्रसंग) (7/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H510, H513

शिक्षण उद्देश्य–

- कार्यपुस्तिका के अभ्यासों पर कार्य करवाना।
- पाठ से संबंधित अपरिचित शब्दों पर समझ बनाना।
- पिछले दिनों में किए गए शिक्षण कार्य का दोहराव व आकलन।

आवश्यक सामग्री– कक्षा–5 की पाठ्यपुस्तक, कार्यपुस्तिका श्यामपट्ट, चॉक/मार्कर, चार्ट, रंगीन कलम आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- शिक्षक एक बार पुनः पाठ का सारांश व उद्देश्य छात्रों को बताएँगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक स्वयं से तैयार आकलन प्रपत्र से सभी छात्रों का आकलन करेंगे। इसके लिए शिक्षक पाठ्यपुस्तक व कार्यपुस्तिका में दिए गए अभ्यास प्रश्नों का प्रयोग कर सकते हैं या संबंधित विषय वस्तु पर स्वयं से प्रश्न निर्माण कर सकते हैं।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक में पृष्ठ संख्या–40 के प्रश्न संख्या–3 के ख एवं घ के प्रश्नों को हल करवाएँगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य– कार्यपुस्तिका के पृष्ठ संख्या–32 एवं 33 के प्रश्न संख्या–3, 4 एवं 6 को करने के लिए कहेंगे।

मोटी आँखों वाली चिड़िया

एक चिड़िया थी। उसकी आँखें गोल–गोल और मोटी थीं। सभी उसे मोटी आँखों वाली चिड़िया कहते थे। वह किसी भी काम को करने से पहले सोचती फिर उसे करती। उसे हमेशा एक बात परेशान करती। वह जब भी अपना घर बनाती, तेज़ आँधी उसके घोंसले को उड़ा ले जाती। इसलिए हर बार उसे तिनके इकट्ठा करके नया घोंसला बनाना पड़ता था।

एक दिन चिड़िया ने इसका हल ढूँढ निकाला। उसने जंगल से सूखी लकड़ियों को बटोरा। बग़ीचे के रंग–बिरंगे फूलों से रंग इकट्ठा किया। चिड़िया ने उन लकड़ियों को फूलों के अलग–अलग रंगों से रँग दिया।

बबूल के पेड़ से गोंद माँगकर लाई। सभी चीज़ों का इस्तेमाल करके चिड़िया ने एक मज़बूत घर बनाया। अब कभी मेरा घर तेज़ हवा में नहीं उड़ेगा, यह सोचकर वह चहकी। उसका सुंदर और मज़बूत घर देखकर सभी पक्षी हैरान रह गए।

प्र.1 मोटी आँखों वाली चिड़िया में क्या ख़ास बात थी?

प्र.2 चिड़िया ने नया घोंसला बनाने के लिए क्या–क्या किया?

पाठ–8, मैं और मेरा देश (1/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H508, H511

शिक्षण उद्देश्य–

- निबन्ध विधा का परिचय देना।
- देश के राष्ट्रीय प्रतीकों एवं महापुरुषों पर चर्चा करना।
- पाठ का आदर्श वाचन करना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, महापुरुषों की तस्वीर, राष्ट्रीय प्रतीक के चित्र, फ्लैश कार्ड, श्यामपट्ट, चॉक, डस्टर।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- बच्चों को देश प्रेम से संबंधित कोई प्रसंग सुनाकर उस पर बातचीत की जाएगी व कुछ प्रश्न पूछे जाएँगे।
  (i) हमारा देश आजाद करने में किस–किस का सहयोग है ?
  (ii) हमारे देश के राष्ट्रीय प्रतीक कौन–कौन से हैं ?

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक निबन्ध विधा का छात्रों को परिचय देंगे।
- निबन्ध विधा से परिचय कराने के उपरांत शिक्षक द्वारा पाठ का आदर्श वाचन किया जाएगा एवं छात्र स्वतन्त्र पठन करेंगे।
- शिक्षक पाठ में आए अपरिचित शब्दों का अर्थ स्पष्ट करते हुए श्यामपट्ट पर अंकित करेंगे।
- देश के राष्ट्रीय प्रतीक चिह्नों वाले फ्लैश कार्ड बच्चों को देकर चर्चा के माध्यम से प्रतीकों से परिचय कराया जाएगा।
- बच्चों को दो समूह में विभाजित कर एक समूह को महापुरुषों के नाम लिखे कार्ड दिये जाएँगे दूसरे समूह के बच्चों को महापुरुषों के चित्रों वाले फ्लैश कार्ड दिये जाएँगे। एक समूह से बच्चा महापुरुष का चित्र दिखाएगा। दूसरे समूह के बच्चे उनका नाम बोलेंगे ये क्रम बारम्बार दोहराया जाएगा। अगली बार चित्र समूह एक के पास व नाम लिखे कार्ड समूह दो के पास होंगे। अन्त में सभी चित्रों को श्यामपट्ट पर प्रदर्शित करते हुए सही नाम लिखे जाएँगे। मिलान करते हुए श्यामपट्ट पर लिखेंगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पृष्ठ संख्या–45 के प्रश्न संख्या–1 बोध प्रश्न का कार्य करवाएँगे।
- आज के कक्षा में पढ़ाये गये विषय वस्तु पर शिक्षक स्वयं के छोटे–छोटे प्रश्नों का निर्माण कर आकलन करेंगे।
- जिन बच्चों की समझ नहीं बनी है उन्हें विशेष सहयोग देकर दोहराव कार्य करवाएँगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य– शिक्षक कार्यपुस्तिका में पाठ–8 के पृष्ठ संख्या–35 के प्रश्न संख्या–5 का कार्य कराएँगे। नीचे दिए गए शब्दों के तुकान्त शब्द लिखिए–

जैसे– ठहरी–.........., लाया–.........., दिया–.........., दाम–..........

श्यामपट्ट पर लिखेगा। दूसरा समूह उस पर कोई सार्थक वाक्य बनायेगा। इसी प्रकार कार्य बदल कर दोनों समूहों को सक्रिय रखने के साथ आकलन भी किया जाएगा।

गृहकार्य– अपने अभिभावकों से चर्चा कर किसी महापुरुष के बारे में जानेंगे।

पाठ–8, मैं और मेरा देश (2/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H508, H511

शिक्षण उद्देश्य–

- लेखक के जीवन एवं कृतियों का परिचय प्रदान करना।
- राष्ट्र प्रेम की भावना का विकास करना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, आई0सी0टी0 का प्रयोग, पुस्तकालय की पुस्तकें आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- बच्चों से पूर्व दिवस में पढ़ाये गये पाठ पर चर्चा करते हुये कुछ बंद व खुले छोर के प्रश्न पूछे जाएँगे।

(i) जापानी युवक ने फल के पैसे लेने से मना क्यों कर दिया ?

(ii) जापान में फल नहीं मिलते ऐसा किसने कहा ?

(iii) मैं और मेरा देश निबंध किसने लिखा है ?

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक आई0सी0टी0 के माध्यम से बच्चों को लेखक के विषय में एक वीडियो दिखाएँगे। शिक्षक इस दौरान शिक्षक वीडियो के मुख्य बिंदु श्यामपट्ट पर लिखेंगे। इसके पश्चात् शिक्षक छात्रों से निम्नाकित प्रकार के प्रश्न पूछेंगे।

(i) कन्हैया लाल का जन्म कहाँ हुआ था ?

(ii) कन्हैया लाल मिश्र की अन्य रचनाएँ कौन–सी हैं ?

(iii) शिक्षक देश प्रेम की भावना जागृत करने हेतु सम्पूर्ण कक्षा से चर्चा करते हुए कुछ प्रश्न पूछेंगे।

(iv) केला खाकर छिलका रास्ते में फेंकने से दूसरों को क्या–क्या समस्याएँ आ सकती हैं ?

(v) अपशब्दों का प्रयोग करने पर लोगों पर क्या असर होता है ?

(vi) दफ्तर, घर, गली को गंदा रखते है ?

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पृष्ठ संख्या–45 के प्रश्न सख्या– 2 का कार्य अभ्यास पुस्तिका पर करने के लिए कहेंगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य–

- शिक्षक पाठ्यपुस्तक के पृष्ठ संख्या–46 के प्रश्न सख्या– 3 ''सोच–विचार'' का कार्य करवाएँगे।

गृहकार्य– कार्यपुस्तिक के पृष्ठ संख्या–36 के प्रश्न सख्या– 7 का कार्य कार्यपुस्तिका में अभिभावक की सहायता से करके लाएँगे।

पाठ–8, मैं और मेरा देश (3/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H508, H511

शिक्षण उद्देश्य–

- पुस्तकालय से पुस्तक पठन की आदत का विकास करना।
- पुस्तकालय से महापुरुषों/देश भक्तों से संबंधित साहित्य पठन करना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, आई0सी0टी0 का प्रयोग, पुस्तकालय की पुस्तकें आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- शिक्षक विभिन्न महापुरुषों द्वारा देश के लिए किए गए कार्यों पर चर्चा करेंगे–

  (I) अपने मनपसन्द आदर्श महापुरुष का नाम बताइए।

  (ii) अपने आदर्श महापुरुष द्वारा किए गए कार्यों को बताइए (पूर्व में पढ़े गए)।

  (iii) स्वच्छ भारत अभियान क्या हैं ?

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- चर्चा के उपरान्त शिक्षक छात्रों को पुस्तकालय से महापुरुषों की पुस्तकें पढ़ने के लिए कहेंगे। (पुस्तक पठन में बच्चे महापुरुषों का जीवन परिचय, कार्य व विशेषताओं को ध्यान में रख कर पढ़ेंगे)
- बच्चे पुस्तकालय में पढ़ी गई पुस्तकों से महापुरुषों के जीवन परिचय एवं उनके कार्यों को समूह चर्चा के पश्चात् अपने शब्दों में लिखेंगे।
- बच्चे पुस्तक से सम्बन्धित पात्र का अभिनय करते हुए उनका एक–एक संवाद बोलेंगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पुनः पाठ का सार बताते हुए बच्चों से कुछ प्रश्न पूछेंगे।
- बच्चे पठित पाठ पर समझ के अनुसार बताएँगे कि उन्हें जापानी युवक अधिक प्रिय लगा, या दूसरा नागरिक जिसने पुस्तकालय के पुस्तक से चित्र चुराया।
- महापुरुषों के जीवन से हमें क्या शिक्षा मिलती है ? इस पर दो वाक्य अपनी उत्तरपुस्तिका में लिखे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य–

- शिक्षक पाठ्यपुस्तक पृष्ठ संख्या–47 के प्रश्न सख्या– 8 ''इस पाठ से'' मैनें सीखा, मैं करूँगा/करुँगी का कार्य कराएँगे।

गृहकार्य– बच्चे कार्यपुस्तिका के पृष्ठ संख्या–36 के प्रश्न सख्या– 8 का कार्य अभिभावकों की सहायता से करके लाएँगे।

पाठ–8, मैं और मेरा देश (4/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H508, H511

शिक्षण उद्देश्य–

- पाठ पर समझ स्थापित करना।
- देश के मानचित्र में विभिन्न प्रदेशों की राजधानियाँ एवं प्रमुख स्थानों/इमारतों के बारे में बातचीत करना।
- सृजनात्मक अभिरुचि जाग्रत करना।

आवश्यक सामग्री– ग्लोब, प्रमुख इमारतों के चित्र, पाठ्यपुस्तक, श्यामपट्ट, चॉक, डस्टर फ्लैस कार्ड (राज्य और राजधानी के नाम)।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- शिक्षक बच्चों को ग्लोब दिखाएँगे तथा कुछ प्रश्न पूछेंगे। (छात्र ग्लोब देखकर उत्तर देंगे)
  - (i) महान सन्त रामतीर्थ किस देश की यात्रा कर रहे थे ?
  - (ii) जापान की राजधानी बताइए ?
  - (iii) भारत के पड़ोसी देश का नाम बताओ ?

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक द्वारा भारत के सभी राज्यों के नामों के कार्ड देने के पश्चात् चर्चा करके भारत के राज्य व राजधानी के विषय में चर्चा करेंगे।
- छात्रों को दो समूह में विभाजित कर एक समूह को राज्य के नाम वाले फ्लैश कार्ड व दूसरे समूह को राजधानी वाले फ्लैश कार्ड दिए जाएँगे। बारी–बारी से एक समूह का छात्र राज्य का नाम बोलेगा तो दूसरे समूह का छात्र राजधानी का फ्लैश कार्ड लेकर मिलान करेंगे। शिक्षक उक्त मिलान को श्यामपट्ट पर लिखेंगे। सभी छात्र अपनी उत्तरपुस्तिका में लिखेंगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- गतिविधि के पश्चात् शिक्षक पाठ का सारांश एवं देश प्रेम की घटनाओं से जुडे प्रसंग सुनाएँगे।
- शिक्षक द्वारा सुनाये गये प्रसंगों में से किसी एक प्रसंग को छात्र अपने शब्दों में लिखेंगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य–

- शिक्षक छात्रों में उपसर्ग की अवधारणा की समझ को और विकसित करने हेतु कार्यपुस्तिका के पृष्ठ संख्या–36 के प्रश्न सख्या– 6 का कार्य छात्रों द्वारा स्वंय करने को कहेंगे। (शिक्षक सहायक की भूमिका में रहेंगे)

गृहकार्य– छात्र कार्यपुस्तिका के पृष्ठ संख्या–35 के प्रश्न सख्या– 3 का कार्य अभिभावक की सहायता से करके लाएँगे।

पाठ–8, मैं और मेरा देश (5/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H508, H511, H513

शिक्षण उद्देश्य–

- शब्दकोश में बढ़ोत्तरी तथा वाक्य प्रयोग की क्षमता का विकास, भाषा कौशल का विकास।
- विलोम शब्द की समझ विकसित होना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, श्यामपट्ट, चॉक, शिक्षक द्वारा स्वनिर्मित TLM, आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- शिक्षक छात्र से उनके पूर्व में की गयी यात्रा पर चर्चा करेंगे। छात्र अपने अनुभव साझा करेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक छात्रों को पाठ के सार से अवगत कराएँगे तथा बच्चों के भाषा विकास हेतु संज्ञा, क्रिया, अंग्रेजी भाषा के शब्द अवधारणा से अवगत कराते हुए कुछ प्रश्नों द्वारा कक्षा कार्य कराएँगे–
- निम्नांकित वाक्यों से क्रिया खोजिए।

  क– गाड़ी स्टेशन पर ठहरी।

  ख– महान संत स्वामी रामतीर्थ एक बार रेल से जापान गए।

  ग– एक जापानी युवक प्लेटफार्म पर खड़ा था।
- शिक्षक छात्रों द्वारा किए गए कार्य का आकलन करेंगे और उनकी सहायता करेंगे।
- शिक्षक पाठ्यपुस्तक के पाठ–8 के पृष्ठ संख्या–46 के प्रश्न संख्या–4 (क) का कार्य छात्रों को अपनी उत्तरपुस्तिका में करने के लिए कहेंगे।
- आवश्यकतानुसार छात्रों की सहायता व सहयोग करेंगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- शिक्षक छात्रों को विलोम शब्द से परिचय कराते हुए अभ्यास कार्य कराएँगे।
- पाठ्यपुस्तक के पृष्ठ संख्या–46 के प्रश्न 4 भाषा के रंग का (ख) विलोम शब्दों को जोड़ने का कार्य करेंगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य–

- शिक्षक छात्रों को पाठ्यपुस्तक पाठ–8 के पृष्ठ संख्या–46 के प्रश्न संख्या–4 ''भाषा के रंग'' का भाग (घ) का कार्य करने को कहेंगे और आवश्यकतानुसार छात्रों की सहायता करेंगे।

गृहकार्य– शिक्षक बच्चों से कार्यपुस्तिका के पृष्ठ संख्या–35 के प्रश्न संख्या–4 का कार्य करके लाने को कहेंगे।

पाठ–8, मैं और मेरा देश (6/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H508, H511

शिक्षण उद्देश्य–

- पाठ के अभ्यास प्रश्नों पर कार्य कराना। बच्चों में स्वतंत्र अभिव्यक्ति का अवसर देना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक वाटिका, चॉक, डस्टर, श्यामपट्ट आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- शिक्षक पाठ का सारांश छात्रों को सुनाते हुए कुछ प्रश्न पूछे जाएँगे–

(i) जापानी युवक स्वामी जी के लिए फल क्यों लेकर आया ?

(ii) स्वामी रामतीर्थ को फलों की खोज क्यों करनी पड़ी ?

(iii) स्वामी जी द्वारा फलों का मूल्य दिए जाने पर स्वामी जी ने जापानी युवक से क्या कहा ?

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक मुहावरे की अवधारणा स्पष्ट करने हेतु कार्यपुस्तिका के पृष्ठ संख्या–37 के प्रश्न संख्या–9 का कार्य करवाएँगे।
- शिक्षक मुहावरे व उनके अर्थ स्पष्ट करते हुए श्यामपट्ट पर लिखेंगे एवं छात्र उनका वाक्य में प्रयोग करेंगे।
- पाठ्यपुस्तक के पृष्ठ संख्या–46 के प्रश्न संख्या–4 ''भाषा के रंग'' का भाग (ग)

(i)	सिर ऊँचा करना–	सम्मान बढ़ाना
(ii)	कलंक का टीका लगाना–	बदनामी करना
(iii)	इधर की उधर लगाना–	एक दूसरे की शिकायत करना
(iv)	प्रतिष्ठा पर आँच आना–	सम्मान घटना

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पाठ्यपुस्तक के पृष्ठ संख्या–47 के प्रश्न संख्या–7 'मेरे दो प्रश्न' का कार्य अभ्यास पुस्तिका पर करवाएँगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य–

- कार्यपुस्तिका के पृष्ठ संख्या–37 के प्रश्न संख्या–10 का का कार्य कार्यपुस्तिका में लिखेंगे और शिक्षक आवश्यकतानुसार सहयोग करेंगे।

गृहकार्य– छात्र कार्यपुस्तिका के पृष्ठ संख्या–34 के प्रश्न संख्या–2 का कार्य अभिभावक की सहायता से करके लाएँगे।

पाठ–8, मैं और मेरा देश (7/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H508, H511

शिक्षण उद्देश्य–

- कार्यपुस्तिका के अभ्यासों पर कार्य कराना।
- पाठ से संबंधित अपरिचित शब्दों पर समझ बनाना।
- पिछले दिवसों में किए गए शिक्षण कार्य का दोहराव व आकलन कराना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, कार्यपुस्तिका, श्यामपट्ट, चॉक, डस्टर आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- कार्यपुस्तिका के पृष्ठ संख्या–34 के प्रश्न संख्या–1 से शब्दों के अर्थ को सरल भाषा में करवाएँगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक पाठ्यपुस्तक व कार्यपुस्तिका में दिए गए अभ्यास कार्य कराएँगे तथा संबंधित विषय वस्तु पर छात्रों की समझ व आत्मीयता स्थापित करने हेतु शिक्षक स्वयं प्रश्न निर्माण करेंगे व चर्चा करेंगे।
- संबंधित विषयवस्तु पर प्रश्न निर्माण कर सकते हैं।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- छात्रों द्वारा किए गए कार्य का आकलन कर आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य–

- शिक्षक कार्यपुस्तिका व पाठ्यपुस्तक के अवशेष अभ्यास कार्य को करवाएँगे।

समुद्र की लहरें

एक दिन रोहन अपने दोस्तों के साथ समुद्र तट पर गया। मौसम ख़ुशगवार था। समुद्र से ठंडी हवा आ रही थी। कई लोग मौज–मस्ती करने के लिए किनारे पर थे। रोहन भी अपने दोस्तों के साथ मस्ती कर रहा था।

कुछ देर बाद रोहन को भूख लग गई। उसने अपने बैग से चॉकलेट निकाली। उसने रैपर खोला और खा लिया। चॉकलेट के स्वाद का लुत्फ़ उठाने में व्यस्त रोहन ने रैपर को किनारे पर फेंक दिया। अचानक! उसने देखा कि एक तेज़ लहर किनारे पर आई और चॉकलेट के रैपर को समुद्र में बहा ले गई।

रोहन ने समुद्र तट की तरफ़ देखा। समुद्र तट पर बहुत कचरा था। एक के बाद एक लहरें रेत पर उड़ती गईं। यह ऐसा था जैसे लहरें समुद्र तट को साफ़ करने और कचरे को समुद्र में फेंकने की कोशिश कर रही हों।

रोहन ने कुछ देर सोचा। फिर वह अपने दोस्तों के पास गया और कहा, "चलो सफ़ाई करते हैं।" सब सफ़ाई में जुट गए। कुछ घंटों तक उन्होंने कूड़ा उठाया और कूड़ेदान में डाल दिया।

जब सारा काम हो गया और वे सब घर के लिए निकलने लगे, तभी रोहन ने समुद्र की तरफ़ देखा। समुद्र शांत था। लहरें अब बहुत धीमी गति से बह रही थीं। अचानक! एक छोटी सी लहर आई और धीरे से रोहन के पैर को छू कर चली गई। ऐसा लगा जैसे धन्यवाद कह रही हो।

Writer : Daljeet Kaur   Illustrator : Partho Sen Gupta

पाठ–9, तीन सवाल (1/6)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H501, H513

शिक्षण उद्देश्य–

- कहानी विधा से परिचित कराना।
- बच्चों से कहानी सुनना एवं उसके कथानक और पात्रों पर चर्चा करना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक वाटिका, चॉक, डस्टर, श्यामपट्ट आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- छात्रों को राजा–रानी से सम्बन्धित कोई छोटी कहानी सुनाने के लिए प्रोत्साहित करेंगे।
- छात्रों को पाठ्यपुस्तक के पाठ में दिए गए चित्र को दिखाकर कुछ प्रश्न पूछेंगे।
- शिक्षक बच्चों द्वारा सुनाई गई कहानी के पात्रों पर चर्चा करेंगे। उनके विचार और कहानी के संदेश पर बातचीत करेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक छात्रों से कहानी विधा पर चर्चा करेंगे।
- शिक्षक छात्रों के समक्ष कहानी 'तीन सवाल' का आदर्श वाचन करेंगे।
- इस दौरान छात्र पाठ में आए नए शब्दों को चिह्नित करेंगे।
- आदर्श वाचन के उपरांत शिक्षक छात्रों द्वारा चिह्नित किए गए नए शब्दों के अर्थ स्पष्ट करेंगे।
- कुछ शब्दों के वाक्य प्रयोग कराकर उन्हें उत्तरपुस्तिका में लिखवाएँगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- शिक्षक कहानी में पूछे गए तीन प्रमुख प्रश्नों को छात्रों से चिह्नित कराएँगे।
- शिक्षक उन प्रश्नों को श्यामपट्ट पर लिखेंगे।
- छात्रों से चर्चा करेंगे कि वे समय का सदुपयोग कैसे करते हैं? किसी भी कार्य की प्राथमिकता कैसे तय करते हैं?

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य–

- पाठ्यपुस्तक के पाठ–9 के शब्दार्थ लिखने को कहेंगे।

गृहकार्य– कार्यपुस्तिका के पृष्ठ संख्या–38 के प्रश्न संख्यां– 1 को गृहकार्य के रूप में देंगे।

पाठ—9, तीन सवाल (2/6)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम— H501, H513

शिक्षण उद्देश्य—

- लेखक के जीवन व कृति की जानकारी देना।
- शिक्षक द्वारा कहानी को सुनाना एवं बच्चों से कहानियों के सारांश को सुनना।
- सुनी गई कहानी का सारांश लेखन करना।

आवश्यक सामग्री— पाठ्यपुस्तक, कार्यपुस्तिका, आई0सी0टी0।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5—10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- शिक्षक पाठ के लेखक के जीवन व कृति की जानकारी आई०सी०टी० के माध्यम से कराएँगे।

शिक्षण के दौरान (20—25 मिनट)

- शिक्षक आई०सी०टी० (दीक्षा ऐप) के माध्यम से छात्रों को वीडियो दिखाएँगे।
- छात्रों को समूह में पाठ को पढ़ने को कहेंगे।
- कुछ छात्रों को पाठ का सारांश बताने को कहेंगे।

शिक्षण के अंत में (5—10 मिनट)

- शिक्षक पाठ आधारित कुछ खुले एवं बंद छोर वाले प्रश्न बच्चों से पूछेंगे और कुछ बच्चों से उनके जवाब सुनेंगे।
- प्रश्नोत्तर उपरांत बच्चों को कहानी की मुख्य बातों को अपनी उत्तरपुस्तिका पर लिखने व बताने को कहेंगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य——

- शिक्षक कार्यपुस्तिका पृष्ठ संख्या—39 से प्रश्न संख्या—5 का कार्य कराएँगे। (आवश्यकतानुसार छात्रों का मार्गदर्शन व सहायता करेंगे।)

गृहकार्य— पाठ्यपुस्तक पृष्ठ संख्या—55 से प्रश्न संख्या—5 "तुम्हारी कलम से" का कार्य गृहकार्य के रूप में देंगे।

गाओ और घुमाओ

इस खेल के लिए एक रुमाल, दुपट्टा या चॉक कोई भी ऐसी चीज़ लिजिए जो बच्चे एक—दूसरे को दे सकें। बच्चे घेरे में रहें। आप उनकी तरफ पीठ करके ताली बजाना शुरू कीजिए। ताली के साथ ही बच्चे भी रुमाल को एक हाथ से दूसरे बच्चे के हाथ में देते जाएँगे। आप जैसे ही ताली बजाना रोक देंगे, जिस बच्चे के हाथ में रुमाल होगा, उसे कोई गीत, कविता या चुटकुला सुनाना होगा।

पाठ–9, तीन सवाल (3/6)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H501, H513

शिक्षण उद्देश्य–

- भाषाई कौशल का विकास कराना।
- आत्म–चिन्तन व कल्पनाशीलता, सृजनात्मकता का विकास कराना।
- अभिनय व संवाद प्रेषण कराना कहानी बच्चों से पढ़वाना एवं कथानकों/प्रसंगों पर चर्चा कराना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, कार्यपुस्तिका ,श्यामपट्ट, चॉक, डस्टर व शिक्षक द्वारा स्वनिर्मित प्रकरण अनुसार शिक्षण अधिगम सामग्री आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- शिक्षक एक बार पुनः पाठ का सार बच्चों को सुनाएँगे एवं उसकी विधा व भाषा कौशल/शैली से बातचीत के माध्यम से अवगत कराएँगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक छात्रों से कहानी पर रोल प्ले (अभिनय) की तैयारी कराएँगे। (शिक्षक छात्रों को उनकी पसंद के पात्रों का चयन करने व चयनित पात्र के अनुसार संवाद क्या होगा, इसकी तैयारी में मदद करें।)
- छात्र कक्षा में कहानी पर रोल प्ले (अभिनय) प्रस्तुत करेंगे। इस दौरान शिक्षक अवलोकन व मदद करेंगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- शिक्षक बच्चों को पेड़ पौधों के बीच एक झोपड़ी का चित्र बनाकर व उसके बारे में 5–6 वाक्य लिखने के लिए कहेंगे और आवश्यकतानुसार बच्चों का सहयोग व मार्गदर्शन करेंगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य––

- लेखन कौशल के विकास हेतु शिक्षक कार्यपुस्तिका बालिका के पृष्ठ संख्या–39 से प्रश्न संख्या–8 का कार्य बच्चों को कार्यपुस्तिका में करने को कहेंगे तथा उनका मार्गदर्शन करेंगे।

गृहकार्य– शिक्षक पाठ्यपुस्तक के पृष्ठ संख्या–54 के प्रश्न संख्या–4 भाषा के रंग का भाग (घ) का कार्य अभिभावक की सहायता से लिखकर लाने के लिए कहेंगे।

पाठ–9, तीन सवाल (4/6)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H501, H513

शिक्षण उद्देश्य–

- कहानी बच्चों से पढ़वाना एवं कथानकों/प्रसंगों पर चर्चा कराना
- पाठ का स्वतंत्र पठन कराना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, कार्यपुस्तिका, QR कोड, श्यामपट्ट, चॉक, डस्टर आदि

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस ने दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- शिक्षक छात्रों से पाठ–9 का QR कोड स्कैन कर के वीडियो दिखाएँगे बच्चों द्वारा कहानी का सारांश बताने के लिए प्रोत्साहित करेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- बच्चों से पाठ का स्वतंत्र पठन कराएँगे।
- बच्चों को छोटे–छोटे समूह में बैठाकर साथ मिलकर पूरी कहानी पर स्वतंत्र रुप से संक्षिप्त चर्चा करने का अवसर देंगे एवं एक संक्षिप्त विवरण का प्रस्तुतीकरण करने के लिए प्रोत्साहित करेंगे।
- बच्चों को छोटे–छोटे समूह में बैठाकर कहानी के अलग–अलग पात्रों–राजा, साधु आदि पर चर्चा कर उसके बारे में लिखने को कहेंगे।
- समूहवार निर्धारित पात्रों के बारे में बच्चों ने जो लिखा है उसे कक्षा में पढ़कर सुनाने को कहेंगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- शिक्षक छात्रों को उपसर्ग और प्रत्यय की अवधारणा को समझाते हुए पाठ्यपुस्तक पृष्ठ संख्या–53 के प्रश्न संख्या–4 भाषा के रंग का कार्य कराएँगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य–

- कार्यपुस्तिका पृष्ठ संख्या–39 का कार्य कार्यपुस्तिका पर करवाएँगे।

गृहकार्य– शिक्षक पाठ्यपुस्तक पृष्ठ संख्या–53 से प्रश्न संख्या–2 के भाग (क और ख) का कार्य घर के सदस्यों के सहयोग से करके लाने के लिए कहेंगे।

पाठ–9, तीन सवाल (5/6)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H501, H513

शिक्षण उद्देश्य–

- पाठ पर आधारित प्रश्नों का अभ्यास कार्य।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, कार्यपुस्तिका, श्यामपट्ट, चॉक, डस्टर आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- शिक्षक पाठ की कहानी को छात्रों को सुनाकर उस पर छात्रों की समझ विकसित करेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक बच्चों को पाठ का स्वतंत्र वाचन करने के लिए कहेंगे, वाचन के पश्चात् शिक्षक पाठ पर आधारित बोध प्रश्नों पर कार्य करेंगे। प्रति प्रश्न के उत्तर छात्रों के सहयोग लेते हुए श्यामपट्ट पर लिखेंगे। (प्रश्न संख्या–1, 2)

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- शिक्षक श्यामपट्ट पर किए गए कार्य को उत्तरपुस्तिका में लिखने को कहेंगे।
- शिक्षक कक्षा कार्य का आकलन करेंगे और आवश्यकतानुसार छात्रों का मार्गदर्शन व सहयोग करेंगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य–

- शिक्षक छात्रों को कार्यपुस्तिका पृष्ठ संख्या–38 से प्रश्न संख्या–2 का कार्य कार्यपुस्तिका में करने के लिए कहेंगे, शिक्षक आवश्यकता अनुरूप छात्रों की सहायता करेंगे।

गृहकार्य– शिक्षक छात्रों को पाठ्यपुस्तक पृष्ठ संख्या–55 से प्रश्न संख्या–5 "तुम्हारी कलम से" का कार्य गृहकार्य के रूप में देंगे।

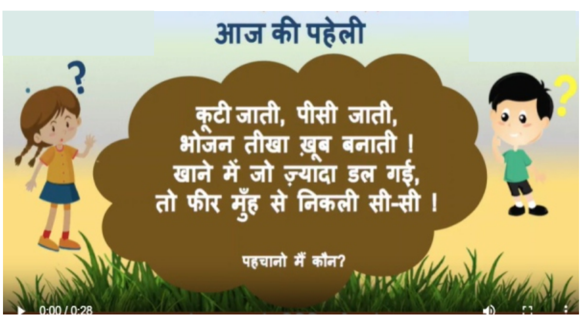

पाठ–9, तीन सवाल (6/6)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H501, H513

शिक्षण उद्देश्य–

- कार्यपुस्तिका के अभ्यासों पर कार्य कराना।
- पाठ से संबंधित अपरिचित शब्दों पर समझ बनाना।
- पिछले दिवसों में किए गए शिक्षण कार्य का दोहराव व आकलन।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, कार्यपुस्तिका, श्यामपट्ट, चॉक, डस्टर आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- शिक्षक तीन सवाल पाठ का दोहराव करेंगे। बच्चों को पाठ का सारांश सुनाएँगे व सुनेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक पाठ्यपुस्तक व कार्यपुस्तिका में दिए गए अभ्यास प्रश्नों का कार्य करवाएँगे तथा सम्बन्धित विषय वस्तु पर स्वयं से प्रश्न निर्माण कर सकते है।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- कार्यपुस्तिका के पृष्ठ संख्या–40 से प्रश्न संख्या–8 का कार्य अपनी कार्यपुस्तिका में करने के लिए कहेंगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य–

पूरे सप्ताह कराए गए शिक्षण कार्य के आधार पर शिक्षक आकलन प्रपत्र का निर्माण स्वयं करते हुए छात्रों का आकलन करेंगे।

एक सवाल

"पापा आज फिर ऑफ़िस से आने में देर कर दी?" छोटा सा कबीर अपने पापा के घर लौटते ही उनकी गोद में चढ़ गया। पापा इससे पहले कि जवाब देते कबीर ने एक और सवाल जड़ दिया, "आप हमेशा कहते हैं कि जल्दी आ जाऊँगा। लेकिन कभी नहीं आते। और मुझसे कहते हैं सच बोलना चाहिए।"

"बेटा, आज रिज़वान चाचू का फ़ोन आया था। उन्हें अस्पताल जाना था। उन्होंने साथ चलने के लिए कहा। मैं उन्हें मना नहीं कर पाया। फिर ऑफ़िस का काम भी ख़त्म करना था। इसलिएं देर हो गई," पापा ने सफ़ाई दी।

रिज़वान चाचू पड़ोस में ही रहते हैं। वे कबीर के मम्मी–पापा के बहुत अच्छे दोस्त हैं।

"पापा, क्या हमें सबकी मदद करनी चाहिए?" कबीर ने पूछा। "हाँ, मेरे बुढ़ापे की लाठी! ख़ासतौर पर उन्हें, जिन्हें मदद की ज़रूरत हो," पापा मुस्कराते हुए बोले।

"आते ही पूछताछ शुरू! माँ ने मुस्कराते हुए कहा।

"बुढ़ापे की लाठी क्या होती है?" कबीर ने फिर पूछा। "पापा को हाथ मुँह तो धोने दो, मै बताती हूँ।"

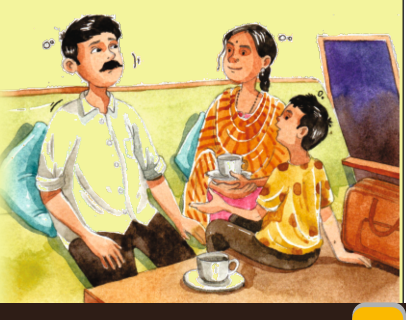

"हम जब बूढ़े हो जाएँगे तब हमें चलने के लिए मदद की ज़रूरत होगी।

"तब तुम रहोगे न हमारा हाथ पकड़कर चलने के लिए। यानी बुढ़ापे की लाठी बनने के लिए," माँ ने समझाते हुए कहा। कबीर कुछ सोचकर बोला, "इसका मतलब पापा, दादू की लाठी हैं। लेकिन पापा तो दादू की मदद नहीं करते? वह बीमार हैं। उन्हें चलने में दिक्कत होती है। वह उन्हें डॉक्टर को दिखाने क्यों नहीं ले जाते।

माँ और पापा कबीर को एकटक देख रहे थे। बेटे के इस सवाल का उनके पास कोई जवाब नहीं था।

Writer : Komal

Illustrator : Shubham Lakhera

पाठ–10, चेतक की वीरता (1/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H505, H509

शिक्षण उद्देश्य–

- छात्रों को कविता विधा से परिचित कराना
- छात्रों में सामूहिक एवं एकल वाचन की क्षमता का विकास करना।
- छात्रों को कविता के भाव से परिचित कराना।

आवश्यक सामग्री– कक्षा–5 की पाठ्यपुस्तक, पुस्तकालय की पुस्तक आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक छात्रों से कविता के संदर्भ में बात करेंगे, साथ ही शिक्षक छात्रों को ये भी बताएँगे कि कहानी और कविता पढ़ने में क्या अन्तर होता है ?

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक छात्रों को कोई एक कविता सुनाएँगे।
- अब शिक्षक छात्रों के साथ कविता के सन्दर्भ में बात करेंगे। शिक्षक के सहयोग से छात्र कविता और वीरता की कविता में अन्तर समझ पाएँगे। शिक्षक छात्रों को कविता के भाव को बताएँगे।
- शिक्षक छात्रों को कविता में आये अपरिचित शब्दों का अर्थ बताते हुए उसका वाक्य प्रयोग बताएँगे। छात्रों को समूह में शब्दों से वाक्य प्रयोग कर लिखने और पढ़ने को कहेंगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- वीर रस के सुविख्यात कवि श्यामनारायण पाण्डेय के बारे में छात्र पुस्तकालय से खोजकर पढ़ेगें और उनके बारे में लिखेंगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य–

कार्यपुस्तिका के पृष्ठ संख्या–44 से प्रश्न संख्या–7 करने को कहेंगे।

गृहकार्य– सभी छात्र अपने मन से कोई भी कविता लिखकर लाएँगे।

पाठ–10, चेतक की वीरता (2/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H505, H509

शिक्षण उद्देश्य–

- महाराणा प्रताप की कहानी पर समझ विकसित करना।
- महाराणा प्रताप के जीवन परिचय से अवगत होना।
- महाराणा प्रताप के त्याग से अवगत कराना।
- महाराणा प्रताप के पिता एवं गुरु भक्ति की कहानी से परिचित कराना।

आवश्यक सामग्री– कक्षा–5 की पाठ्यपुस्तक, महाराणा प्रताप और चेतक का चित्र, जंगल का चित्र आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- शिक्षक छात्रों से महाराणा प्रताप के बारे में जानने का प्रयास करेंगे। शिक्षक महाराणा प्रताप/चेतक के बारे में प्रश्नोत्तर द्वारा चर्चा करेंगे।
  (i) चेतक कौन था ?
  (ii) चेतक की सवारी कौन करता था ?
  (iii) महाराणा प्रताप के पिता का क्या नाम था ?
  (iv) महाराणा प्रताप कहाँ के राजा थे ?
- इसी प्रकार के कुछ और प्रश्नों के माध्यम से चर्चा करेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक कविता ''चेतक की वीरता'' का आदर्श वाचन करेंगे।
- शिक्षक छात्रों के साथ "चेतक की वीरता" कविता में आए अपरिचित शब्दों के अर्थ बताते हुए बात करेंगे और उनका अर्थ स्पष्ट करेंगे। इसके बाद शिक्षक कुछ छात्रों को "चेतक की वीरता" कविता पढ़कर सुनाने को कहेंगे।
- शिक्षक किन्ही 4–5 छात्रों को पढ़ने का अवसर देंगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- सभी छात्र चेतक की विशेषता के बारे में बताएँगे।
- सोच–विचार : बताइए–
- चेतक को निराला क्यों कहा गया है ?

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य– कार्यपुस्तिका से पृष्ठ संख्या–44 के प्रश्न संख्या–8 करने को कहेंगे।

गृहकार्य– घोड़ा क्या–क्या खाता है। घोड़ा कहाँ रहता है, लिखें ? घोड़े का चित्र बनाकर लाएँगे।

पाठ–10, चेतक की वीरता (3/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H505, H509

शिक्षण उद्देश्य–

- वीर रस के कवि श्यामनारायण पाण्डेय से परिचित कराना।
- छात्रों की वीर रस के कवि श्यामनारायण पाण्डेय की रचनाओं से परिचित कराना।
- छात्रों को कविता के भावार्थ की समझ कराना।
- कविता, वीरता की कहानी और कहानी में अंतर स्पष्ट करना।

आवश्यक सामग्री– कक्षा– 5 की पाठ्यपुस्तक, श्यामपट्ट, चॉक, वीर रस के कवि श्यामनारायण पाण्डेय का चित्र। उनकी रचनाओं, महाकाव्य, जैसे– हल्दी–घाटी और जौहर आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- शिक्षक छात्रों को कोई एक कविता सुनाएँगे।
- शिक्षक छात्रों को कविता का भावार्थ स्पष्ट करेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक "चेतक की वीरता" कविता का आदर्श वाचन करेंगे, सभी छात्र ध्यान से सुनेंगे। उसके बाद फिर किन्ही 3–4 छात्रों से कविता सुनेंगे।
- सभी छात्र "चेतक की वीरता" कविता का समूह में स्वतन्त्र पठन में करेंगे।
- इसके लिए शिक्षक 4–5 छात्रों को समूह में पढ़ने का अवसर देंगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- शिक्षक छात्रों को कवि की रचनाओं के बारे में चर्चा करते हुए लिखने को कहेंगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य–कार्यपुस्तिका के पृष्ठ संख्या–41 व 42 से प्रश्न संख्या–1 और 2 करने को कहेंगे।

गृहकार्य– सभी छात्र वीर रस के कवि श्यामनारायण पाण्डेय एवं अन्य किन्हीं 2 कवियों के बारे में अपने अभिभावक के सहयोग से पता करके आएँगे।

पाठ–10, चेतक की वीरता (4/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H505, H509

शिक्षण उद्देश्य–

- चेतक की वीरता पर छात्रों के साथ चर्चा करना।
- चेतक की वीरता पर छात्रों के साथ मुख्य घटनाओं पर बात करना।
- चेतक पर टिप्पणी लिखने के मुख्य चरणों पर बात कर लिखने का अभ्यास कराना।

आवश्यक सामग्री– घोड़े का चित्र कार्ड, 'चेतक की वीरता' पाठ का QR कोड का प्रयोग, महाराणा प्रताप और चेतक का चित्र।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- शिक्षक छात्रों को वीर रस के कवि एवं चेतक के बारे में बताएँगे। शिक्षक छात्रों से चेतक के बारे में बात करेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक "चेतक की वीरता" पाठ के मुख्य घटनाक्रम की छात्रों के साथ चर्चा करेंगे। सभी छात्र चेतक की वीरता से परिचित होंगे।
- छात्र चेतक का सचित्र वर्णन कर चेतक के बारे में 4–5 पंक्तियों में लिखेंगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- इन पंक्तियों का अर्थ लिखिए–
  - (i) राणा प्रताप के घोड़े से, पड़ गया हवा का पाला था।
- (ii) विकराल वज्रमय बादल–सा, अरि की सेना पर घहर गया।

कविता के आधार पर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(i) महाराणा प्रताप के घोड़े का नाम ....था।

(ii) घोड़े की बहादुरी से ....दंग रह गया।

(iii) चेतक ....का इशारा पाते ही मुड़ जाता था।

(iv) युद्ध क्षेत्र में ....भर–भर कर चेतक निराला बन गया था।

सोच–विचार बताइए–

(i) चेतक को निराला क्यों कहा गया ?

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य– कार्यपुस्तिका के पृष्ठ संख्या–42 से प्रश्न संख्या–3 कराएँ।

गृहकार्य– राणा प्रताप के घोड़े का नाम चेतक क्यों पड़ा ? लिखिए।

पाठ–10, चेतक की वीरता (5/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H505, H509

शिक्षण उद्देश्य–

- कठिन शब्दों का चिंह्नांकन, लेखन, बातचीत एवं अर्थ के साथ वाक्य प्रयोग।
- पाठ में आए अपरिचित शब्दों का चिह्नांकन कर उनके अर्थो की समझ का विकास करना एवं वाक्य प्रयोग करना।
- चेतक की वीरता पाठ पर बातचीत के माध्यम से समझ बनाना।
- पाठ में दिए अभ्यास कार्य एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य कराना।
- पाठ से संबंधित लेखन पर कार्य कराना।

आवश्यक सामग्री– कक्षा– 5 की पाठ्यपुस्तक, बोर्ड, चॉक, पाठ पर दिए गये QR कोड को स्कैन कर वीडियो दिखाना।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- शिक्षक पाठ में आये अपरचित शब्दों पर चर्चा कर उनका अर्थ बताएँगे। सभी छात्र ध्यान से सुनेंगे। इसके बाद शिक्षक छात्र को छोटे समूह में कठिन शब्दों को पढ़ने को कहेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक सभी छात्रों को निर्देशित करेंगे कि पाठ के अपरचित शब्दों को छात्र चिन्हित करें व उसे अपनी उत्तरपुस्तिका में लिखें।
- उत्तरपुस्तिका में लिखे शब्दों का अर्थ लिखकर उसका वाक्यों में प्रयोग करेंगे।

(क) नीचे दिए गये शब्दों के तुकांत शब्द कविता से खोजकर लिखिए–

निराला, कोड़ा, चाल, लहर, ढंग

(ख) नीचे लिखे शब्दों को सही क्रम में रखकर वाक्य बनाइए–

(i) सरपट/दौड़ता/घोड़ा/है

(ii) पाला/से/का/हवा/चेतक/था /पड़ा

(iii) बहादुर/था/बहुत/घोड़ा/चेतक

(iv) जाता था/उड़/महाराणा प्रताप को/चेतक/लेकर

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- स्त्रीलिंग शब्द लिखिए–

घोड़ा = ... ठहरा = ...

दौड़ा = ... गिरा = ...

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य–कार्यपुस्तिका के पृष्ठ संख्या–43 से प्रश्न संख्या–4, 5, 6 करने को कहें।

गृहकार्य– सभी छात्र घर से महाराणा प्रताप के युद्ध कौशल के बारे में लिखकर लाएँगे।

पाठ–10, चेतक की वीरता (6/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H505, H509

शिक्षण उद्देश्य–

- पाठ के अभ्यास प्रश्नों पर कार्य कराना।
- पाठ से संबंधित प्रश्नों का निर्माण कराना।
- पाठ से संबंधित चर्चा के आधार पर प्रश्न बनाना और उनके उत्तर खोजना।

आवश्यक सामग्री– कक्षा– 5 पाठ्यपुस्तक एवं कार्यपुस्तिका, श्यामपट्ट, चॉक आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- कविता में क्या हो रहा है ? चेतक के बारे में क्या कहा जा रहा है ? आदि प्रश्न पर चर्चा करेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- चेतक की वीरता पाठ पर सभी छात्रों की समझ बनाने के लिए सभी छात्र चेतक की वीरता पाठ पर प्रश्न बनाएँगे। छात्र समूह में प्रश्न बनाएँगे। छात्र स्वयं से प्रश्न निर्माण करने का प्रयास करेंगें।

बोध प्रश्न: उत्तर लिखिए–

(i) चेतक किसके इशारे पर मुड़ जाता था ?

(ii) चेतक शत्रु की सेना पर किस प्रकार टूट पड़ता था ?

(iii) चेतक की टापों का दुश्मन पर क्या असर होता था ?

(iv) चेतक किस तरह की चाल से निराला दिखाई पड़ता था ?

(v) चेतक को कोड़े क्यों नही लगाने पड़ते थे ?

(vi) हम राणा प्रताप को क्यों याद करते हैं ?

(vii) क्या देखकर बैरी समाज दंग रह गया ?

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- तुम्हारी कलम से–
- कविता में चेतक की वीरता के बारे में बहुत–सी बातें बताई गई है। इनमें से कोई चार बातें लिखिए जो आपको बहुत पसंद आई हो।
- मेरे दो प्रश्न– कविता के आधार पर दो सवाल बनाइए–

(i) ....

(ii) ....

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य– अब युद्ध में घोड़ों की जगह किसका प्रयोग किया जाता है, और क्यों ?

गृहकार्य– यदि आपको चेतक मिल जाय तो आप क्या करेंगे और क्यों ? लिखिए

पाठ–10, चेतक की वीरता (7/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H505, H509

शिक्षण उद्देश्य–

- कार्यपुस्तिका के अभ्यासों पर कार्य कराना।
- पाठ से संबंधित अपरिचित शब्दों पर समझ बनाना।
- पिछले दिवसों में किए गए शिक्षण कार्य का दोहराव व आकलन।

आवश्यक सामग्री– कक्षा– 5 पाठ्यपुस्तक एवं कार्य पुस्तिका, श्यामपट्ट, चॉक आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे। कुछ छात्रों से पाठ पढ़वाना, कुछ छात्रों से बात करना, छोटे–छोटे समूह में पढ़ना/प्रश्न बनाने का कार्य करना, आदि करने को कहें।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक स्वयं से तैयार आकलन प्रपत्र से सभी छात्रों का आकलन करेंगे। इसके लिए पाठ्यपुस्तक व कार्यपुस्तिका में दिए गए अभ्यास प्रश्नों का प्रयोग कर सकते हैं या संबंधित विषय–वस्तु पर स्वयं से प्रश्न निर्माण कर सकते हैं।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- कविता में आये युद्ध से सम्बंधित शब्दों को लिखिए।
- कविता का हाव–भाव के साथ सस्वर वाचन का अभ्यास कर कक्षा में सुनाइए।
- राणा प्रताप से संबंधित और जानकारी पुस्तकालय से पता कीजिए।
- **इस कविता से**–
- मैंने सीखा ....
- मैं करूँगा/करूँगी ....

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य–

- कार्यपुस्तिका के पृष्ठ संख्या–43 से प्रश्न संख्या–9, 10, 11 करने को कहेंगे।

पाठ–11, मै और हॉकी (1/6)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H504

शिक्षण उद्देश्य–

- संस्मरण विधा से परिचित कराना।
- खेल पर बातचीत करना, छात्रों से उनके पसंद के खेलों की सूची बनवाना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक,,चॉक,श्यामपट्ट।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक छात्रों से खेल के बारे में बातचीत व उनके मनपसन्द खेलों पर चर्चा करेंगे।
- कुछ कम बोलने बाले बच्चों से उनके मन पसन्द खेल का नाम पूछेगे और क्यों पसंद पर कुछ वाक्य बोलने का अवसर देगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक छात्रों से खेल से संबंधित चर्चा करते हुए एक सूची तैयार कराएँगे। जिसमें मैदान में खेले जाने वाले खेल और कक्ष के अन्दर खेले जाने वाले खेल शामिल होंगे।
- श्यामपट्ट पर छात्रों से जानकारी लेते हुए सूची तैयार कराएँगे। जिसमें खेलों के नाम के सामने उस खेल के उपकरण के नाम तथा प्रसिद्ध खिलाड़ियों के नाम लिखने को कहेंगे।
- शिक्षक और छात्र मिल कर कुछ प्रसिद्ध खेल व खिलाड़ियों पर चर्चा करेंगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- शिक्षक द्वारा बनाई गई सूची को छात्र अपनी कॉपी पर लिखेंगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य–

- अब तक दी गई जानकारी के आधार पर कुछ लघु प्रश्न पूछ कर आकलन करेंगे एवं आवश्यकतानुसार दोहराव कराएँगे।

गृहकार्य– कुछ स्थानीय खेल के बारे में छात्र अपने अभिभावकों एवं पड़ोसियों से पूछकर आएँगे।

पाठ–11, मै और हॉकी (2/6)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H504

शिक्षण उद्देश्य–

- अन्य अपरिचित खेलों पर चर्चा और उस खेल को खेलने की प्रक्रिया से परिचित कराना।

आवश्यक सामग्री– देश व उनकी राजधानी से सम्बन्धित एटलस, खिलाड़ियों के नाम व उनके खेल का कार्ड।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- शिक्षक निम्नलिखित इस कविता को सुनाते हुए शिक्षक हॉकी खेल व हॉकी स्टिक पर चर्चा करेंगे।
- कक्षा में हॉकी खेल के बारे मे छोटे–2 प्रश्न जैसे– क्या वे हॉकी खेल को खेलते हुए देखा है ? कहा देखा है ? पूर्व दिवस मे बताये गए स्थानीय खेल पर चर्चा करेंगे।

दौड़ा भागी कूदा फांदी।
आँख मिचौली छुपन छुपाई।।
हॉकी हो या खोखो, कैरम।
आओ मिल कर खेले भाई।।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक हॉकी के खेल पर चर्चा करते हुए, उनमें खिलाड़ियों की संख्या, खेल के उपकरण, कठोर गेंद, गोल करना, खेल के नियम, खेल का समय इत्यादि के बारे में चर्चा करेंगे।
- समय–2 पर छात्रों की जिज्ञासा आधारित प्रश्नों के उत्तर देते रहेंगे। बर्फ में खेले जाने वाले इसी तरह के एक खेल आईस हॉकी के बारे में जानेंगे।
- छात्रों के ऐसे खेल के बारे में बताएँगे जिनसे वे कम परिचित हैं। जैसे– स्कैटिंग।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- अब तक के पढ़े पूरे पाठ पर प्रश्न पूछ कर देखेंगे कि छात्र कहाँ तक समझ पाए हैं। उस पर दोहराव करेंगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य– कार्यपुस्तिका से पृष्ठ संख्या–48 के प्रश्न संख्या–5 और 6 वर्ग पहेली और जोड़ी मिलाइए पर कार्य करेंगे।

गृहकार्य– छात्र हॉकी या किसी और खेल के बारे में लिख कर लाएँगे एवं कक्षा में प्रस्तुत करेंगे।

पाठ–11, मै और हॉकी (3/6)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H504

शिक्षण उद्देश्य–

- पाठ को अपने समूह में पढ़ना और प्रत्येक अनुच्छेद में दी गई जानकारियों को खोजना व चर्चा करना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, चॉक, डस्टर, श्यामपट्ट।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- शिक्षक छात्र को पाठ की विषयवस्तु संक्षेप में बताते हुए कक्षा की शुरुआत करेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक पूरे पाठ का आदर्श वाचन करेंगे तथा समय–समय पर पाठ में आए जटिलता को स्पष्ट करेंगे।
- छात्र स्वतन्त्र पठन करेंगे। स्वतन्त्र पठन करते समय शिक्षक प्रश्नों से नई विशेष बात पर चर्चा करते हुए प्रश्न को पूछ कर उत्तर श्यामपट्ट पर लिखेंगे। जैसे– लेखक को पहली बार भारत की टीम की ओर से कब आमंत्रित किया।

(I) प्रश्न– लेखक को भारत की टीम से खेलने का मौका किस वर्ष प्राप्त हुआ ?

(ii) प्रश्न– क्या उस समय भारत का विभाजन हुआ था ?

(iii) प्रश्न– मेजर ध्यानचन्द्र कौन थे ?

- शिक्षक, ऐसे ही सभी अनुच्छेद से जानकारी निकालते हुए उस पर चर्चा करेंगे।
- श्यामपट्ट पर लिखी मुख्य बातें छात्र अपनी उत्तरपुस्तिका में लिखेंगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- आज के पढ़ाये गये भाग से प्रश्नों का आकलन श्यामपट्ट पर लिखे प्रश्न/मुख्य बातों के प्रश्न के आधार पर करेंगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य– कार्यपुस्तिका से पृष्ठ संख्या–46 प्रश्न संख्या–1 और 3 करने को देंगे एवं उत्तर के आधार पर आकलन करते हुए बच्चों का सहयोग करेंगे।

गृहकार्य–

लेखक को किस–2 देश से खेलने का मौका मिला ?

पाठ में आए जिन शब्दों का अर्थ नहीं पता उसे अभिभावक की मदद से लिख कर लाएँ।

पाठ–11, मै और हॉकी (4/6)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H504

शिक्षण उद्देश्य–

- समूह पाठ में आए अपरिचित शब्दों पर बातचीत करना।
- वाक्य बनाना एवं वर्तनी को शुद्ध करना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, चॉक, आई0सी0टी0।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- पाठ में आए खेल व खिलाड़ी एवं उनके उपकरण पर एक गतिविधि करेंगे। जैसे–पहला छात्र किसी खेल का नाम बताएगा उसके बाद के छात्र को उसे खेलने वाले खिलाड़ी का नाम बताना होगा और तीसरे छात्र को उस खेल के उपकरण का नाम बताना होगा। जो नही बता पाएगा वह खेल से बाहर हो जाएगा। सबसे अंत तक जो छात्र टिका रहेगा वह छात्र खेल का विजेता होगा।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- पाठ में आए कुछ अपरिचित शब्दों पर शिक्षक चर्चा करेंगे। जैसे– ध्येय, दृढ़ संकल्प, संकुचित, इत्यादि।
- शिक्षक अपरिचित शब्दों को श्यामपटट पर अर्थ सहित अंकित करेंगे।
- शिक्षक अपरिचित शब्दों के अर्थ से वाक्य बनाना, वर्तनी की शुद्धता वर्ण विस्तार पर चर्चा करेंगे व श्यामपटट पर लिखेंगे।
- खेल में प्रयोग होने वाले कुछ विशेष अपरिचित खेल से जुडी तकनीकी शब्दों के महत्व एवं उपयोगिता पर चर्चा करेंगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- छात्रों के उत्तरपुस्तिका पर अपरिचित शब्दों तथा अन्य श्यामपट्ट कार्य को उत्तरपुस्तिका पर लिखेंगे। ध्यान देते हुए दोहराव कराएँगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य– कार्यपुस्तिका के पृष्ठ संख्या–46, 47 से प्रश्न संख्या–2 और 4 करने को एवं उत्तर के आधार पर आकलन करते हुए छात्रों का सहयोग करेंगे।

गृहकार्य– बाबू कुँवर दिग्विजय सिंह/मेजर ध्यान चंद्र की जानकारी अपने अभिभावकों के सहयोग से इकट्ठा करके/लिखकर लाएँगे तथा कक्षा में उसे सुनाएँगे।

पाठ–11, मै और हॉकी (5/6)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H504

शिक्षण उद्देश्य–

- समूह में पाठ पर आधारित प्रश्नों का अभ्यास करना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, कार्यपुस्तिका

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।

नोट– शिक्षक उन छात्रों से प्रस्तुतीकरण करने को कहेंगे जो पिछले दिनों में नही किये हो अथवा अंतर्मुखी हो।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक छोटे–2 प्रश्नों से समूह में चर्चा करेंगे। जैसे–

(i) हॉकी के खेल में कितने खिलाड़ी होते हैं ?

(ii) हमारे देश का राष्ट्रीय खेल कौन सा हैं ?

(iii) प्रेक्षकों ने विजयी होने का क्या कारण बताया था ?

- शिक्षक ऐसे प्रश्न स्वयं एवं छात्रों की मदद से बनाए, प्रश्नों पर चर्चा करेंगे एवं उत्तर के लिए सही दिशा देंगे।
- शिक्षक लेखक के संस्मरण पर चर्चा करेंगे तथा छात्रों को अपनी कोई घटना (जो याद हो) सुनाने को कहेंगे और बताएँगे कि जो घटना याद बनकर हमेशा खुश या दुखी कर देती है उन्हे स्मरण करते हैं।
- शिक्षक इस प्रकार के प्रश्नों को श्यामपटट पर उत्तर सहित लिखेंगे

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- छात्रों द्वारा श्यामपटट पर दिए प्रश्न/उत्तर को कापी पर उतारेंगे खेल के कालांश में हॉकी का खेल गतिविधि के रूप में छात्रों की टीम बाँट कर खेलने का अवसर देंगे जिससे छात्र उसकी रोचकता को महसूस कर सके।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य–खेल कालांश छात्रों को मैदान में स्वयं खेलते समय फाउल/नियम उल्लंघन, खेल भावना इत्यादि को देखते हुए उनका आकलन करेंगे जिसमें छात्र के खेल भावना पर अधिक जोर देंगे।

गृहकार्य– छात्र खेल के नियम को एक चार्ट/ उत्तरपुस्तिका पर अभिभावक के सहयोग से लिख कर लाएँगे।

पाठ–11, मै और हॉकी (6/6)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H504

शिक्षण उद्देश्य–

- कार्यपुस्तिका के अभ्यासों पर कार्य करना।
- पाठ से सम्बंधित अपरिचित शब्दों पर समझ बनाना।
- पिछले दिवसों में किए गए शिक्षण कार्य का दोहराव एवं आकलन।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, कार्यपुस्तिका, श्यामपट्ट, चॉक, आई0सी0टी0ए फोन/टीवी, आकलन प्रपत्र।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- छात्रों को (फोन/टीवी पर) हॉकी पर एक लघु फिल्म दिखाएँगे। दिखाई गई फिल्म पर चर्चा करेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

शिक्षक स्वयं से तैयार आकलन प्रपत्र से सभी छात्रों का आकलन करेंगे। इसके लिए शिक्षक पाठ्यपुस्तक व कार्यपुस्तिका में दिए गए अभ्यास प्रश्नों का प्रयोग कर सकते हैं या सम्बंधित विषयवस्तु पर स्वयं से प्रश्न निर्माण कर सकते हैं।

(i) पाठ्यपुस्तक में दिए अभ्यास बोध प्रश्न–
(ii) तुम्हारी कलम से
(iii) सोहनी का अखबार
(iv) अब करने की बारी
(v) मेरे दो प्रश्न
(vi) इस पाठ से

नोट– शिक्षक इस पाठ के उपरोक्त सभी अभ्यास को छात्रों की कॉपी पर करने का निर्देश देगे एवं सहयोग करेंगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- पूरे पाठ को दोहराव कराते हुए मुख्य बिन्दु पर चर्चा करेंगे।

नोट– शिक्षक जिन छात्रों को कार्य करने में कठिनाई या धीमी गति से करने वाले छात्रों की मदद ग्रुप में करेंगे।

पाठ–12, चिड़िया का दाना (1/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H503, H511

शिक्षण उद्देश्य–

- लोक कथा की विधा से परिचित कराना।
- क्षेत्रीय लोक कथाओं को सुनना और सुनाना।
- लोक कथाओं व कहानी में अंतर स्पष्ट करना।

आवश्यक सामग्री– कक्षा 5 की पाठ्यपुस्तक वाटिका, चिड़िया का चित्र कार्ड, स्कैन करके मोबाइल पर 'चिड़िया का दाना' पाठ का दीक्षा ऐप का वीडियो दिखाना आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक छात्रों से उनके परिवेश से जुड़ी लोक कथा पर बात करेंगे।
  - (i) आपने कौन–कौन सी लोक कथाएँ सुनी है ?
  - (ii) लोक कथा क्या होती है ?
  - (iii) आपके घर में लोक कथा कौन सुनाता है ?
  - (iv) आपने अंतिम बार लोक कथा कब सुनी थी ?

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक छात्रों को कहानी और लोक कथा में अन्तर समझाते हुए कोई एक लोक कथा सुनाएँगे।
- छात्रों को उनकी सुनी हुई किसी लोक कथा को सुनाने को कहेंगे।
- शिक्षक छात्रों से उनके द्वारा सुनाई गयी कहानी/लोक कथा विधा पर बात करेंगे।
- छात्रों द्वारा सुनाई गयी कहानी/लोक कथा में होने वाले पात्रों पर चर्चा की जाएगी। बच्चों से यह चर्चा करेंगे कि उनको कहानी में कौन सा पात्र सबसे अच्छा लगा।
- कहानी के अन्य पात्रों की विशेषताओं पर भी चर्चा करेंगे। कहानी/लोक कथा में आए कठिन शब्दों पर चर्चा कर उनके अर्थ स्पष्ट करेंगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- कार्यपुस्तिका पृष्ठ संख्या–49 से प्रश्न संख्या–1 'कहानी को पूरा कीजिए'। छात्रों से पूर्ण करने को कहेंगे।

गृहकार्य– आज की पढ़ी गई लोक कथा का सारांश बच्चे अपने शब्दों में लिखकर लाएँगे। लोक कथा में आए पात्रों में से अपने मनपसंद पात्र का चित्र बनाकर लाएँगे।

पाठ–12, चिड़िया का दाना (2/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H503, H511

शिक्षण उद्देश्य–

- पाठ का क्रमिक पठन।
- पाठ में आए अपरिचित शब्दों पर बातचीत करना।
- बच्चों से पाठ का सारांश सुनना।

आवश्यक सामग्री– कक्षा 5 की पाठ्यपुस्तक, राजा, घोड़ा, सिपाही, नदी, जंगल का चित्र, मटर का दाना आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- आपने आस–पास कौन– कौन सी चिड़िया देखी है। 'चिड़िया का दाना' पाठ को पूर्व ज्ञान से जोड़ते हुए छात्रों से चर्चा करेंगे।
- लोक कथा की पुनरावृत्ति करेंगे।
- पाठ के शीर्षक पर चर्चा करेंगे। इस पाठ का नाम सुनकर आपके मन में क्या विचार आ रहे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक 'चिड़िया का दाना' पाठ को हाव– भाव के साथ पढ़कर सुनाएँगे। बच्चे सुनेंगे, कहानी पर बातचीत करेंगे कुछ छात्र पाठ का सारांश बताएँगे। शिक्षक कहानी के आधार पर निम्नांकित प्रकार के प्रश्न पूछेंगे।

(i) चिड़िया को दाना बढ़ई के पास क्यों छोड़ना पड़ा ?

(ii) दाना खो जाने के बाद चिड़िया न्याय के लिए किस–किस के पास गई ?

(iii) चिड़िया ने राजा से क्या कहा ?

(iv) चींटी ने किस प्रकार चिड़िया की मदद की ?

(v) चिड़िया की जगह यदि आप होते तो क्या करते ?

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

बोध प्रश्न उत्तर लिखिए (पाठ्यपुस्तक)–

- शिक्षक कठिन शब्दों का अभ्यास कराएँगे, अर्थ स्पष्ट करेंगे बच्चे अर्थ समझ कर लिखेंगे। तन्खवाह, भलमनसाहत, क्रूर, वायदा, अभियुक्त, बंदोबस्त, धृष्टता आदि।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य– कार्यपुस्तिका से पृष्ठ संख्या–49 से प्रश्न संख्या–2 शब्दों में मात्रा लगाकर सार्थक शब्द बनाइए।

गृहकार्य– माता–पिता के सहयोग से किन्ही पाँच कठिन शब्दों का वाक्य प्रयोग करके लाएँ।

पाठ–12, चिड़िया का दाना (3/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H503, H511

शिक्षण उद्देश्य–

- पाठ आधारित प्रश्न निर्माण प्रक्रिया पर कार्य कराना।
- पाठ से संबंधित प्रश्नोत्तरी में लिखित और मौखिक अभ्यास कराना।

आवश्यक सामग्री– कक्षा– 5 की पाठ्यपुस्तक, श्यामपट्ट, चॉक, डस्टर, उत्तरपुस्तिका, कलम आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- चिड़िया का दाना पाठ पर बच्चों के साथ बातचीत करते हुए निम्नांकित प्रकार के प्रश्नों पर चर्चा करेंगे।
  - (i) आपने कौन–कौन सी चिड़ियाँ देखी है ?
  - (ii) चिड़ियाँ कहाँ रहती है ?
  - (iii) चिड़ियाँ क्या खाती है ?

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक 'चिड़िया का दाना' पाठ का आदर्श वाचन करेंगे।
- उसके बाद 4–5 छात्रों को पाठ पढ़ने का अवसर देंगे। तत्पश्चात शिक्षक प्रश्न बनाने की प्रक्रिया पर बात करेंगे। और बच्चे प्रश्न निर्माण प्रक्रिया के पश्चात् दोनों समूह आपस में चर्चा करेंगे। दो समूह पाठ पर आधारित प्रश्न बनाएँगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक पृष्ठ संख्या–72 प्रश्न संख्या–2 अपना दाना वापस लेने के लिए चिड़िया कई लोगों के पास गई किन्तु इन लोगों ने चिड़िया को झिड़क दिया। लिखें कि इन लोगों ने चिड़िया को क्या कहकर झिड़क दिया

व्यक्ति **क्या कहकर झिड़क दिया ?**

(I) बढ़ई–.....................................

(ii) सिपाही–.....................................

(iii) थानेदार–.....................................

(iv) मंत्री–.....................................

(v) राजा–.....................................

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य– कार्यपुस्तिका से प्रश्न संख्या–3 विलोम शब्द लिखिए।

गृहकार्य– सभी छात्र अपनी मनपसंद चिड़िया का चित्र बनाकर उसके बारे में लिखकर लाएँगे ?

पाठ–12, चिड़िया का दाना (4/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H503, H511

शिक्षण उद्देश्य–

- पाठ में आए संवादों पर बात करना।
- छात्रों से, पाठ में आए पात्रों के द्वारा बोले गए संवादों को बुलवाना एवं लिखवाना।
- पात्रों के अनुसार छात्रों का चयन करना।

आवश्यक सामग्री– कक्षा– 5 की पाठ्यपुस्तक, चिड़िया का मुखौटा, राजा का मुखौटा, मंत्री का मुखौटा, थानेदार का मुखौटा, सिपाही का मुखौटा, बढ़ई का मुखौटा आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- छात्रों से चिड़िया का दाना पाठ पर निम्नांकित (कुछ पक्षियों की आवाजें बच्चों से निकलवाना) प्रकार के प्रश्नों पर चर्चा करेंगे।

  (i) चिड़िया कैसे बोलती है ?

  (ii) आज विद्यालय आते समय किस–किस बच्चे ने चिड़िया देखी ?

  (iii) चिड़िया किन चीजों से घोंसला बनाती हैं ?

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक, छात्रों को स्वतंत्र पठन के लिए कहेंगे।
- अब शिक्षक चयनित छात्रों को उनके पात्रों के अनुसार संवाद लिखने और याद करने को कहेंगें।
- नाटक में भाग लेने वाले है, छात्रों की भूमिकानुसार उन्हें संवाद लिखकर याद करने को कहा जाएगा।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

सोच–विचार बताइए– पाठ्यपुस्तक के पृष्ठ संख्या–72 के प्रश्न संख्या–3

क– किसी का कोई जरूरी सामान नहीं मिल रहा है। आप उसकी मदद कैसे करेंगे ?

ख– आपकी क्या राय है ?

(i) असली दोषी कौन था ?

(ii) मटर के एक दाने के लिए चिड़िया की भाग–दौड़ के विषय में।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य– कार्यपुस्तिका से प्रश्न संख्या–4 करवाएँ।

गृहकार्य– यदि चींटी भी मदद करने से इंकार कर देती तब क्या होता ?

पाठ–12, चिड़िया का दाना (5/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H503, H511

शिक्षण उद्देश्य–

- पाठ में आए संवादों को याद कर बोलना।
- पाठ में आए संवाद और पात्रों की मदद से अभिनय करना।

आवश्यक सामग्री– कक्षा– 5 की पाठ्यपुस्तक, चिड़िया का मुखौटा, राजा का मुखौटा, मंत्री का मुखौटा, थानेदार का मुखौटा, सिपाही का मुखौटा, आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- छात्रों से कहानी के पात्रों के बारे में पूछा जाएगा, उन पात्रों के नाम में कौन क्या था ?
- अभिनय करने वाले छात्रों से, पात्र आधारित संवाद पूछे जाएँगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक छात्रों को कहानी में आए पात्रों के संवाद याद कराएँगे। वे छात्र जो किसी न किसी पात्र की भूमिका में हैं, वह सब अपनी–अपनी पात्रानुसार संवाद बोल रहे है।
- शिक्षक की मदद से सभी पात्र अपनी– अपनी भूमिका में अच्छे से अभिनय करेंगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पृष्ठ संख्या–72 (भाषा के रंग)

क– समानार्थक शब्द लिखिए– खुश, थानेदार, मदद, तरक्की, घमंडी

ख– (i) बढ़ई हँसकर बोला।

(ii) अंगरक्षक जोर से चिल्लाया।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य–

- ऊपर दिए गए वाक्यों में 'हँसकर' तथा 'जोर से' शब्द क्रमशः 'बोला' और 'चिल्लाया' क्रिया की विशेषता बता रहा हैं। क्रिया की विशेषता बताने वाले शब्दों को क्रिया– विशेषण कहते हैं।
- **नीचे दिए गए वाक्यों में से 'क्रिया–विशेषण' शब्द चुनकर लिखिए–**
- (i) चिड़िया बहुत निराश हुई।

  (ii) उसने मंत्री से अपनी पीठ से अपनी कहानी रो–रो कर कही।

  (iii) हाथी बोला, 'मैं अपनी पीठ से आप को धड़ाम से पटक दूँगा।

  (iv) चिड़िया ने छककर भोजन किया।

गृहकार्य– कार्यपुस्तिका में पृष्ठ संख्या–51 से प्रश्न संख्या–5 अभिभावक की मदद से करके आने को कहेंगे।

पाठ–12, चिड़िया का दाना (6/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H503, H511

शिक्षण उद्देश्य–

- 'दाना' शब्द से मिलते–जुलते अन्य शब्दों को लिखना एवं मनपसंद शब्दों से वाक्य बनवाना।
- पाठ में आए तुकान्त शब्दों को खोजना और लिखना।

आवश्यक सामग्री– कक्षा 5 की पाठ्यपुस्तक, उत्तरपुस्तिका कलम, श्यामपट्ट, चॉक आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- छात्रों से एक समान ध्वनि वाले शब्दों को पूछेंगे। कहानी में आये तुकांत शब्दों पर बात करेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- छात्रों को बताना कि एक जैसी ध्वनि वाले शब्दों को तुकांत शब्द कहते है। जैसे– राजा, बाजा, खाजा–दाना, बाना, खाना, जाना, आना आदि।
- पाठ में आये तुकांत शब्दों को खोजें।
- कहानी में आए शब्दों पर, छात्र खुद से वाक्य बनाए व वाक्य से कहानी बनाएँगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

शिक्षण के अंत में

- पाठ्यपुस्तक के पृष्ठ संख्या–73 के प्रश्न संख्या–4 का 'ग' विराम चिन्हों का प्रयोग कीजिए–चिड़िया ने नदी से लौटकर बढ़ई से पूछा तो वह बोला मैं तुम्हारा नौकर थोड़े ही हूँ मुझे तो सरकार से वेतन मिलता है तुम्हारा मटर का दाना गिर गया होगा।

तुम्हारी कलम से–

- पाठ्यपुस्तक के पृष्ठ संख्या–73 के प्रश्न संख्या–5 का अपने क्षेत्र में प्रचलित किसी लोक–कथा को अपने शब्दों में लिखिए।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य–

- कार्यपुस्तिका के पृष्ठ संख्या–51 के प्रश्न संख्या–6 से कराएँगे।

गृहकार्य– अब करने की बारी

- विभिन्न प्रदेशों की लोक–कथाओं की पुस्तक पुस्तकालय से, घर ले जाकर पढ़िए और विद्यालय के अन्य बच्चों को भी सुनाइए।

पाठ–12, चिड़िया का दाना (7/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H503, H511

शिक्षण उद्देश्य–

- कार्यपुस्तिका के अभ्यासों पर कार्य कराना।
- पाठ से संबंधित अपरिचित शब्दों पर समझ बनाना।
- पिछले दिवसों में किए गए शिक्षण कार्य का दोहराव व आकलन करना।

आवश्यक सामग्री– कक्षा– 5 की पाठ्यपुस्तक, चॉक श्यामपट्ट, कार्यपुस्तिका आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- निम्नांकित प्रकार के प्रश्नों पर चर्चा करेंगे।
  - (i) चिड़िया को दाना किस तरह मिला ?
  - (ii) चिड़िया की मदद किसने की ?
  - (iii) कहानी में कौन पात्र थे ?
  - (iv) आपको कौन सा पात्र सबसे अच्छा लगा ?

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक स्वयं से तैयार आकलन प्रपत्र से सभी छात्रों का आकलन करेंगे। इसके लिए शिक्षक पाठ्यपुस्तक व कार्यपुस्तिका में दिए गए अभ्यास प्रश्नों का प्रयोग कर सकते हैं या संबंधित विषय वस्तु पर स्वयं से प्रश्न निर्माण कर सकते हैं।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- **मेरे दो प्रश्न : कहानी के आधार पर दो सवाल बनाइए–**
- 1. ....
- 2. ....
- **इस कहानी से–**

  (क) मैंने सीखा– ....

  (ख) मैं करूँगा/करूँगी–..

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य–

- कार्यपुस्तिका से प्रश्न संख्या–7 कराएँ।
- सभी छात्र हाथी का चित्र बनाकर रंग भरें।

पाठ–13, सरदार वल्लभभाई पटेल (1/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H502, H505, H516

शिक्षण उद्देश्य–

- छात्रों को जीवनी विधा से परिचित कराना।
- छात्रों को सरदार वल्लभभाई पटेल के बारे में जानकारी देना।

आवश्यक सामग्री– सरदार वल्लभभाई पटेल व अन्य स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की फोटो चार्ट, रंगीन पेन, पेंसिल आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक बच्चों से विद्यालय में मनाए जाने वाली जयंतियों, समारोहों के विषय में चर्चा करेंगे।
- बच्चों द्वारा दी गई जानकारी के आधार पर मुख्य जयंतियों के दिवस श्यामपट्ट पर लिखेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक बच्चों को कुछ महापुरुषों के विषय में संक्षिप्त जानकारी देंगे।
- शिक्षक बच्चों की जीवनी विधा से परिचित कराते हुए ''सरदार बल्लभभाई पटेल'' पाठ का सारांश बच्चों को बताएँगे। उनके जीवन की महत्वपूर्ण घटनाओं जैसे (आँख का फोड़ा, विदेश में वकालत की पढ़ाई, बेगार प्रथा को समाप्त करना, बारदोली का सत्याग्रह, स्वराज की माँग, भारत छोड़ो आंदोलन, भारत की आजादी, भारत का एकीकरण आदि प्रमुख बिन्दुओं पर विशेष रूप से छात्रों का ध्यान आकृष्ट करेंगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- शिक्षक बच्चों से सरदार वल्लभभाई पटेल की जीवन के घटनाओं के बारे में प्रश्न बनाकर पूछेंगे। जैसे– उनके आँख का फोड़ा कैसे ठीक हुआ ?
  - (i) वारदोली का सत्ता सत्याग्रह क्यों आरंभ हुआ ?
  - (ii) बेगार प्रथा से आप क्या समझते हैं ?
  - (iii) सरदार वल्लभभाई पटेल का जन्म कब हुआ था ?
- शिक्षक उपयुक्त प्रश्नों की स्वनिर्मित अन्य प्रश्नों के माध्यम से बच्चों की समझ को मजबूत करेंगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य–

- कार्यपुस्तिका के प्रश्न संख्या–6 पर बच्चों से कार्य करवाया।

गृहकार्य–

- शिक्षक छात्रों को सरदार वल्लभभाई पटेल के जीवन के बारे में 10 लाइन अपनी भाषा में लिखकर आने को कहेंगे।

पाठ–13, सरदार वल्लभभाई पटेल (2/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H502, H505, H516

शिक्षण उद्देश्य–

- पाठ के प्रमुख अंशों की जानकारी पर चर्चा करना।
- प्रत्येक अनुच्छेद में दी गई जानकारी खोजना व चर्चा करना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, आई0सी0टी0 का प्रयोग, श्यामपट्ट, चॉक।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित (पुनर्बलन) करेंगे।
- शिक्षक बच्चों से पूर्वज्ञान पर आधारित बातचीत करेंगे जिसमें पिछली कक्षा के कुछ बिन्दु को भी जोड़ेंगे।
- पाठ की शुरुआत करने से पूर्व सरदार वल्लभभाई पटेल पर आधारित वीडियो को दिखाएँगे।
- दिखाये गये वीडियो पर आधारित कुछ प्रश्न बच्चों से पूछेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षण पाठ का आदर्श वाचन करेंगे।
- शिक्षक द्वारा वाचन किए गये अंशों का स्वतन्त्र पठन करने हेतु छात्रों को कहेंगे। सभी छात्र समझ के साथ पठन करेंगे।
- जब सभी बच्चे अपना पठन कार्य पूरा कर लेंगे तब उनसे शिक्षक उन्हीं अंशों पर आधारित कुछ प्रश्नों का निर्माण कराएगें तथा उन्हें लिखने को कहेंगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- जब सभी बच्चे प्रश्न बना लेंगे तब उन्हें चार समूह में विभाजित करके प्रत्येक समूह दूसरे समूह से प्रश्नोत्तर करेंगे। जिससे बच्चों को पाठ को समझने का अवसर मिलेगा।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य–

- शिक्षक द्वारा छात्रों को पाठ्यपुस्तक के पृष्ठ संख्या–77 के प्रश्न संख्या–1 और 2 को कक्षा कार्य के रूप में दिया जाएगा। शिक्षक आवश्यकतानुसार बच्चों की सहायता करेंगे।

गृहकार्य–

- पाठ्यपुस्तक वाटिका के पृष्ठ संख्या–79 के प्रश्न संख्या–8 का कार्य परिवार/अभिभावक की मदद से करेंगे।

पाठ–13, सरदार वल्लभभाई पटेल (3/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H502, H516

शिक्षण उद्देश्य–

- अनुच्छेदों में दी गयी जानकारी खोजना और चर्चा करना।

आवश्यक सामग्री– पुस्तकालय, श्यामपट्ट, चॉक, चित्र कार्ड आदि

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे। एक बार पुनः पाठ का सारांश बच्चों को बताएँगे। सभी बच्चों से पूछेंगे सरदार वल्लभभाई पटेल के जीवन से हमें क्या प्रेरणा मिलती है ? प्रश्न रूपी शीर्षक पर संक्षेप में चर्चा करेंगे और कुछ छात्रों से मौखिक रूप से प्रस्तुतीकरण कराएँगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक बच्चों को छोटे समूह में बाँटकर उन्हें पाठ से दो या तीन अनुच्छेद देकर उसमें से महत्वपूर्ण जानकारियाँ लिखने को कहेंगे।
- शिक्षक उन महत्वपूर्ण बिंदुओं में से कुछ पर बच्चों से चर्चा करें। जैसे–
  - (i) जब कभी कोई आपको फोड़ा या बीमारी हुई है तो आपने क्या किया है ?
  - (ii) आप पुस्तकालय में जाकर क्या पढ़ते हैं ?
  - (iii) जब किसी पर अत्याचार होता है तब उसे कैसा लगता होगा ?
  - (iv) आपके गाँव के मजदूर क्या–क्या काम करते हैं ?
- शिक्षक उपर्युक्त प्रकार के प्रश्नों या स्वनिर्मित अन्य प्रश्नों के माध्यम से बच्चों की समझ को मजबूत करेंगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- शिक्षक बच्चों से सरदार वल्लभभाई पटेल के जीवन की कुछ घटनाओं के बारे में प्रश्न पूछेंगे एवं आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करेंगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य–

- शिक्षक पृष्ठ संख्या–79 के प्रश्न संख्या–7 के खण्ड (क) के प्रश्न को चयनित करके उसका कक्षा कार्य कराएँगे।

गृहकार्य–

- शिक्षक वाटिका के पृष्ठ संख्या–78 के प्रश्न संख्या–5 के भाग (ड) और भाग (ज) का कार्य गृहकार्य के रूप में देंगे।

पाठ–13, सरदार वल्लभभाई पटेल (4/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H502, H516

शिक्षण उद्देश्य–

- स्वतंत्रता से पूर्व भारत की स्थिति के बारे में जानकारी देना।
- देशभक्ति की भावना को विकसित करना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, कार्यपुस्तिका, श्यामपट्ट, चॉक/मार्कर आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे। शिक्षक सभी बच्चों द्वारा पूर्व में पढ़े गये कई महापुरुषों की प्रेरक बातों से सम्बन्धित कुछ प्रश्न पूछेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक बच्चों से निम्नांकित प्रश्नों के माध्यम से बातचीत करेंगे।
- आजादी से पूर्व भारत में सरदार वल्लभभाई पटेल के योगदान पर चर्चा करेंगे और अन्य स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के बारे में बताएँगे।

(i) हमारे देश के लोगों को अंग्रेजों से क्यों संघर्ष करना पड़ा ?

(ii) अंग्रेज हमारे देश में क्यों आए थे ?

(iii) अंग्रेज हमारे देशवासियों के साथ कैसा व्यवहार करते थे ?

(iv) हमारे देश को आजादी कैसे मिली ?

(v) हमें अपने देश के लिए क्या–क्या करना चाहिए ?

शिक्षक उपयुक्त प्रश्नों के माध्यम से चर्चा करने के बाद बच्चों को छोटे समूह में बाँट लेंगे।

- शिक्षक बच्चों से 'आजादी की कहानी' पर कुछ वाक्य अपनी भाषा में लिखने को कहेंगे।
- शिक्षक आवश्यकतानुसार बच्चों की सहायता करेंगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- शिक्षक बच्चों द्वारा लिखी गई 'आजादी की कहानी' को कक्षा में पढ़वाएँगे एवं आजादी से संबंधित कुछ प्रश्न पूछकर बच्चों की समझ को मजबूत करेंगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य–

- शिक्षण पाठ से संबंधित प्रश्न पूछ कर आकलन करेंगे।
- शिक्षक छात्रों को वाटिका से प्रश्न संख्या–7 ''अब करने की बारी'' पर कार्य करवाएँगे।

गृहकार्य– शिक्षक छात्रों को कार्यपुस्तिका के पृष्ठ संख्या–54 प्रश्न संख्या–8 गृहकार्य के लिए देंगे।

पाठ–13, सरदार वल्लभभाई पटेल (5/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– **H502, H516**

शिक्षण उद्देश्य– कठिन/अपरिचित शब्दों का चयन, अर्थ स्पष्ट करना एवं वाक्य प्रयोग।

आवश्यक सामग्री– श्यामपट्ट, वाटिका तथा कार्यपुस्तिका आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- सरदार वल्लभभाई पटेल जी के जीवन पर पुनः संक्षिप्त चर्चा करते हुए पुस्तक में आये कठिन शब्दों को चिन्हित कराया जाएगा।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- पाठ के शब्दार्थों पर चर्चा करेंगे। पृष्ठ संख्या–78 पर दिये भाषा के रंग प्रश्न 5 के (क), (ख) और (घ) प्रश्नों के आधार पर कार्य कराया जाएगा। शिक्षक बच्चों संग मौखिक व लिखित कार्य करेंगे।
- श्यामपट्ट पर कुछ क्रिया विशेषण शब्द लिखकर छात्रों से वाक्य प्रयोग करके लिखवाएँगे। कुछ उदाहरण भी प्रस्तुत करेंगे। जैसे–

(i) राम तेज दौड़ता है।
(ii) मोहन जोर–जोर से रो रहा था।
(iii) शीला धीरे–धीरे दौड़ती है।
(iv) राधा सुंदर लिखती है।

- शिक्षक उपर्युक्त उदाहरणों एवं कुछ उदाहरणों के माध्यम से क्रिया–विशेषण की समझ को मजबूत करेंगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- कार्य पुस्तिका के प्रश्न संख्या–3 को बच्चों से पूछना एवं लिखवाना।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य–

- शिक्षक कुछ शब्दों का वाक्य प्रयोग छात्रों से करवाकर उनकी समझ का आकलन करेंगे।
- शिक्षक पाठ के कुछ अनुच्छेद से प्रश्न पूछकर आकलन करेंगे।

गृहकार्य–

- बच्चे परिवार की मदद से निम्नांकित शब्दों का वाक्य प्रयोग करके लाएँगे– स्वतंत्रता, अनुशासन, निर्माण, सर्वोच्च।
- कार्यपुस्तिका के प्रश्न संख्या–6 और 7 को अपने अभिभावक की सहायता से करके लाएँगे।

पाठ–13, सरदार वल्लभभाई पटेल (6/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– **H502, H516**

शिक्षण उद्देश्य– अपने मन पसन्द महापुरुषों के बारे में चर्चा करना व लिखना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक पुस्तकालय की पुस्तकें, महापुरुषों के चित्र कार्ड/रंगीन पेन/पेंसिल श्यामपट्ट, चॉक/मार्कर आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक, पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- शिक्षक किसी अन्य महापुरुष के विषय में बताते हुए कक्षा की शुरुआत करेंगे। शिक्षक सभी बच्चों से उनके मन पसन्द महापुरुषों के नाम व उनके विषय में पूछेंगे। सभी बच्चे अपने–अपने विचार शिक्षक के सामने रखेंगे।
- शिक्षक अब कुछ चित्र कार्ड (चित्र महापुरुषों के) दिखा कर उनसे जुड़े कार्य को बताएँगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक चित्र कार्ड को एक–एक समूह में देंगे।
- इसके लिए शिक्षक कक्षा को पाँच समूह में विभाजित करेंगे।
- प्रति समूह को चित्र कार्ड के अनुसार महापुरुष के विषय में अनुच्छेद लिखने को कहेंगे।
- शिक्षक यथा सम्भव बच्चों का मार्गदर्शन करेंगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- शिक्षक प्रति समूह द्वारा किये गये कार्य का प्रस्तुतीकरण कराएँगे तथा अन्य समूह से प्रश्नोत्तर (बन्द/खुले छोर के) करेंगे। सभी छात्रों को स्वतन्त्र रूप से बोलने का अवसर देंगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य–

- शिक्षक चित्र कार्ड में आए महापुरुषों के बारे में साधारण प्रश्न पूछकर बच्चों का आकलन करेंगे।

गृहकार्य– शिक्षक वाटिका–5 पृष्ठ संख्या–7 9 के प्रश्न संख्या–7 (ख) को गृहकार्य के रूप में देंगे।

गणित की कॉपी

रोज़ की तरह माँ ने दलजीत को आवाज़ लगाई। दलजीत अभी भी बिस्तर में ही थी। आज उसका स्कूल जाने का मन नहीं था। तभी माँ को बस के हॉर्न की आवाज़ सुनाई दी। माँ ने ऊँची आवाज़ में कहा, "दलजीत क्या तुम्हें आज स्कूल नहीं जाना?" दलजीत ने बिस्तर में लेटे–लेटे ही कहा, "माँ आज मेरा स्कूल जाने का मन नहीं है।" माँ दूसरा सवाल पूछ पाती उससे पहले ही स्कूल की बस दो बार हॉर्न बजाकर जा चुकी थी।

लगभग दो घंटे के बाद जब दलजीत सोकर उठी, तो वह बहुत उदास थी। माँ उसके पास गई। पर दलजीत आँखें मूँदे पड़ी रही। कुछ देर तक उसने किसी से बात तक नहीं की। माँ ने दलजीत से नाश्ता करने के लिए कहा, लेकिन उसने कोई जवाब नहीं दिया। सुबह से दोपहर हो गई। इस बार माँ ने दलजीत से कहा, "तुम स्कूल तो नहीं गई, लेकिन अपना होमवर्क तो पूरा कर लो।" दलजीत चुप रही, मानो उसने कुछ सुना ही न हो। चुपचाप अपने कमरे में जाकर उसने अपना बैग खोला। बैग से गणित की कॉपी निकाली। कुछ पन्नों को पलटा। एक पन्ने पर स्टार बना हुआ था। दूसरे पन्ने पर एक छोटा–सा मुस्कराता चेहरा बना हुआ था, कहीं–कहीं ग़लती करने पर गोले भी बने हुए थे। कॉपी के आख़िरी पन्ने पर नीलम मैडम के हस्ताक्षर थे। दलजीत ने नीलम मैडम के नाम पर प्यार से हाथ फेरा। आज से उसकी सबसे प्यारी टीचर उसे स्कूल में नहीं दिखेंगी... दलजीत की आँख से एक आँसू गिरा और उसने कॉपी बंद करके गले से लगा लिया।

Writer : Surjeet, Daljeet, Meena Sharma, Dharamveer   Illustrator : Habib Ali

पाठ–13, सरदार वल्लभभाई पटेल (7/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H502, H505, H516

शिक्षण उद्देश्य–

- कार्यपुस्तिका के अभ्यासों पर कार्य कराना।
- पाठ से संबंधित अपरिचित शब्दों पर समझ बनाना।
- पिछले दिवसों में किए गए शिक्षण कार्य का दोहराव व आकलन।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, कार्यपुस्तिका, श्यामपट्ट, चॉक/मार्कर, शब्द कार्ड, वाक्य पट्टी आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- शिक्षक पाठ–13 का सारांश एक बार पुनः बताएँगे और सभी बच्चों को पाठ का स्वतन्त्र पठन करने के लिये कहेंगे। पठन के दौरान आये कठिन शब्दों का निवारण करते रहेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक छात्रों को छोटे समूह में बाँटकर शब्द कार्डों, वाक्य पट्टियों द्वारा वाक्य प्रयोग एवं शब्दों को वाक्य में सही क्रम में रखने की गतिविधि करेंगे।
- शब्दकार्ड– वाटिका के प्रश्न संख्या–5 के (घ) के अनुसार
- वाक्य पट्टी– वाटिका के प्रश्न संख्या–5 के (च) के अनुसार
- शिक्षक आवश्यकतानुसार शब्द कार्डों एवं वाक्य पट्टियों की संख्या–बढ़ा सकते हैं।
- शिक्षक बच्चों द्वारा किए गए लिखित कार्य को समूहवार पढ़वाएँगे और आवश्यकतानुसार सहयोग करके बच्चों की समझ को मजबूत करेंगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

शिक्षक बच्चों के प्रस्तुतीकरण के बाद कुछ शब्द देकर जैसे– (आशीर्वाद, लगान, पुरस्कार आदि) मौखिक वाक्य प्रयोग करवाएँ तथा आवश्यकतानुसार बच्चों का सहयोग करेंगें।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य–

- शिक्षक अभ्यास कार्य के पश्चात् कार्यपुस्तिका पर कार्य करेंगे।
- कार्यपुस्तिका के कार्य को सभी छात्रों को स्वतंत्र रूप सें करने के लिए कहेंगे।
- प्रत्येक प्रश्न के निर्देश को बच्चों को समझाते हुए उनसे प्रश्नोत्तर करने को कहेंगे। आवश्यकतानुसार छात्रों की सहायता करेंगे।

पाठ–14, भक्ति–नीति माधुरी (1/5)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H509, H513
शिक्षण उद्देश्य–
- बच्चों को पद विधा से परिचित कराना।
- भक्तिकाल के कवियों (मीराबाई, तुलसीदास, रसखान) के जीवन परिचय प्रस्तुत करना।
- मीराबाई के पदों का सस्वर वाचन करना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, पुस्तकालय की पुस्तकें, श्यामपट्ट, चॉक, मार्कर आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- बच्चों को पद विधा से परिचित कराएँगे।
- शिक्षक कबीर दास के दोहे कक्षा में सुनाएँगे छात्रों से उन दोहों पर आधारित तीन–चार प्रश्न पूछेंगे। छात्रों से भी उन दोहों का लयबद्ध वाचन कराएँगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक मीराबाई का परिचय बताएँगे।
- शिक्षक लय, ताल, हाव भाव एवं उतार चढाव के साथ मीराबाई के पद का गायन करेंगे। सस्वर वाचन, साथ–साथ अपरिचित शब्दों का अर्थ बताएँगे।
- शिक्षक सरल भाषा में भावार्थ बताएँगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- मीरा के पद में कृष्ण के जिस रूप का वर्णन किया गया है, उसके आधार पर बताइए कि श्रीकृष्ण ने कौन सा आभूषण, कौन से अंग पर धारण किया है।

क्र0 सं0	आभूषण	शरीरांग

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य–
- कार्यपुस्तिका के पृष्ठ संख्या–57 के प्रश्न संख्या–5, निम्नलिखित पंक्तियों को पाठ्यपुस्तक के अनुसार 'क्रम से सजाइए' को कराएँगे।

गृहकार्य–
- मीरा ने कृष्ण के किन गुणों का बखान किया है पद से समझकर लिखकर लाइए।

पाठ–14, भक्ति–नीति माधुरी (2/5)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– **H509, H513**

शिक्षण उद्देश्य– तुलसीदास की चौपाई विधा से अवगत कराना एवं अपरिचित शब्दों का अर्थ बताते हुए भावार्थ बताना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, प्रिंट रिच सामग्री, दीक्षा ऑडियो एवं वीडियो, आई0सी0टी0 का प्रयोग, श्यामपट्ट आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- पूर्व में पढ़े गये पद्य को छात्रों से सुनेंगे एवं तुलसीदास की प्रमुख रचनाओं को बताएँगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक तुलसीदास की चौपाई का सस्वर वाचन हाव भाव, लय–ताल एवं उतार चढ़ाव के साथ करेंगे।
- शिक्षक, छात्रों से पाठ के अपरिचित शब्दों के अर्थ स्पष्ट चौपाई सुनाने के साथ–साथ भावार्थ बताएँगे दीक्षा ऐप के माध्यम से बच्चों को वीडियो दिखाया जाएगा।
- छोटे समूह में से कठिन शब्द लिखवाकर उनके अर्थ पर चर्चा–परिचर्चा द्वारा समाधान किया जाएगा।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पृष्ठ संख्या–82 से प्रश्न संख्या–1 बोध प्रश्न के उत्तर लिखिए (ख) तुलसीदास ने सबसे बड़ा धर्म और सबसे बड़ा अधर्म किसे बताया है ? उत्तर लिखें। 'समय चूकि पुनि का पछिताने' व 'जहाँ कुमति तहँ विपति निधाना' काव्य पंक्तियों का भाव स्पष्ट कीजिए।
- लिखे गये शब्दों के अर्थ बच्चे समूह में आपस में पूछेंगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य–

- कार्यपुस्तिका के पृष्ठ संख्या–55 से प्रश्न संख्या–2 के तत्भव एवं तत्सम का कार्य कराएँगे।

गृहकार्य–

- तुलसीदास की चौपाई को कंठस्थ करके आएँगे।
- पाठ्यपुस्तक के पृष्ठ संख्या–83 से प्रश्न संख्या–4 भाषा के रंग– (ख) अधूरी पंक्तियों को पूरा कीजिए को अभिभावक की मदद से घर से करके लाने के लिए कहेंगे।

पाठ–14, भक्ति–नीति माधुरी (3/5)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H509, H513

शिक्षण उद्देश्य– प्रदेश की विभिन्न क्षेत्रीय भाषाओं से परिचित कराना एवं रसखान जी के सवैये को सुनाना, सुनना व भावार्थ बताना। सवैया से परिचित कराना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, चित्रकार्ड, पुस्तकालय की पुस्तकें, श्यामपट्ट, चॉक।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- अलग–अलग क्षेत्रीय भाषाओं पर चर्चा करेंगे। सवैया से परिचित कराएँगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक बच्चों को प्रदेश में बोली जाने वाली क्षेत्रीय भाषाओं से परिचित कराएँगे।
- रसखान द्वारा रचित सवैये का वाचन करके छात्रों को सुनाएँगे।
- अपरिचित शब्दों एवं भावार्थ पर चर्चा करेंगे। कुछ छात्र स्वयं वाचन करेंगे। छात्रों को वाचन के दौरान आने वाली कठिनाइयों का शिक्षक समाधान करेंगे।
- अपरिचित सवैये का शब्दों के अर्थ बताएँगे।
- छात्रों को पद्य का भावार्थ लिखने के लिए कहेंगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- बच्चे समझाए गए सवैये का भावार्थ लिखेंगे।
- पाठ्यपुस्तक के पृष्ठ संख्या–82 के प्रश्न संख्या–1, बोध प्रश्न से ग, घ, ङ, के उत्तर लिखिए एवं प्रश्न संख्या–2 नीचे लिखी काव्य पंक्तियों का भाव स्पष्ट कीजिए के (क) एवं (ख) को हल कराएँगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य–

- कार्यपुस्तिका के पृष्ठ संख्या–55 के प्रश्न संख्या–1 नीचे दी गई पंक्तियों के रचयिता कौन है ? प्रश्न का उत्तर लिखने को कहेंगे।

- **गृहकार्य–**
- कथा कार्य पद्य का भावार्थ याद करके आए कक्षा में प्रस्तुत करें।

पाठ–14, भक्ति–नीति माधुरी (4/5)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– **H509, H513**

शिक्षण उद्देश्य– शब्दों के तद्भव–तत्सम्, रूप, समानार्थी शब्द एवं स्त्रीलिंग–पुल्लिंग से परिचित कराना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, शब्द कार्ड, विलोम शब्द कार्ड/चार्ट, आई0सी0टी0 का प्रयोग (दीक्षा ऐप) आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- समानार्थी शब्द पर चर्चा करेंगे शिक्षक शब्द बोलेंगे छात्र उसका समानार्थी शब्द बताएँगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक दीक्षा ऐप पर पाठ संबंधी मीराबाई के वीडियो को दिखाएँगे, सभी छात्र ध्यान पूर्वक देखेंगे, समझेंगे और चर्चा करेंगे।
- शिक्षक तद्भव–तत्सम्, समानार्थी एवं पुल्लिंग शब्दों की चर्चा करेंगे। शब्दों की समझ को विकसित करेंगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पृष्ठ संख्या–82 के प्रश्न संख्या–4 के (क) को हल करवाएँगे।
- पाठ्यपुस्तक के पृष्ठ संख्या–83 के प्रश्न संख्या–6 मेरे दो प्रश्न– पाठ का आधार पर दो सवाल बनाइए एवं प्रश्न संख्या–7 से 'मैने सीखा मैं करूँगा/करुँगी' को करवाएँ।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य–

- कार्यपुस्तिका के पृष्ठ संख्या–56 से प्रश्न संख्या–3 और 4 पर कार्य करवाएँगे।

गृहकार्य–

- मीराबाई, तुलसीदास एवं रसखान का जीवन परिचय पुस्तक से लिखकर लाएँगे। (नोट– कुछ बच्चों को कवियों के चित्र के साथ कवि परिचय व कुछ को केवल परिचय लिखकर लाने को कहा जा सकता है। इससे चित्र के साथ परिचय चार्ट बनाया जा सकता है।)
- पाठ में आए सवैयों को कंठस्थ करके आएँगे।

पाठ–14, भक्ति–नीति माधुरी (5/5)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– **H509, H513**

शिक्षण उद्देश्य–

- कार्यपुस्तिका के अभ्यासों पर कार्य कराना।
- पाठ से संबंधित अपरिचित शब्दों पर समझ बनाना।
- पिछले दिवसों में किए गए शिक्षण कार्य का दोहराव व आकलन।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, कार्यपुस्तिका, आकलन प्रपत्र, भक्ति–नीति माधुरी कविता में दिए गये QR कोड, चार्ट पेपर, श्यामपट्ट, मार्कर।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में किए गए गृहकार्य को सुनेंगे एवं उत्साह वर्धन करेंगे। कुछ छात्रों से पद, चौपाई, सवैये सुने जाएँगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक स्वयं से तैयार आकलन प्रपत्र से सभी छात्रों का आकलन करेंगे। इसके लिए शिक्षक पाठ्यपुस्तक व कार्यपुस्तिका में दिए गए अभ्यास प्रश्नों का प्रयोग कर सकते हैं या संबंधित विषय वस्तु पर स्वयं से प्रश्न निर्माण कर सकते हैं।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- शिक्षक स्वयं के बनाए गए आकलन प्रपत्र के माध्यम से छात्रों का आकलन करेंगे। छात्रों को हो रही कठिनाइयों को दूर करने का प्रयास करेंगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य–

- भक्ति–नीति माधुरी पद्य के कार्यपुस्तिका के पृष्ठ संख्या–57 के प्रश्न संख्या–6 वाक्य पढ़कर बताइए कि रेखांकित शब्द स्त्रीलिंग है या पुल्लिंग को करवाएँ।

पाठ–15, पत्र (1/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H512, H508

शिक्षण उद्देश्य–

- पत्र विधा से परिचित कराना।
- अलग–अलग प्रकार के पत्रों पर बातचीत।

आवश्यक सामग्री– विभिन्न प्रकार के औपचारिक, अनौपचारिक पत्रों के नमूने, श्यामपट्ट, चॉक, चार्ट पेपर, रंगीन स्केच।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक छात्रों से पूछेंगे– यदि आपके पास मोबाइल न हो तो आप अपने मित्रों, रिश्तेदारों से सूचना का आदान प्रदान कैसे करेंगे ?
- क्या आपने डाकिया (पोस्टमैन) देखा है ?
- डाकिया क्या लेकर आता हैं ?

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- छात्रों से प्राप्त जानकारी शिक्षक श्यामपट्ट पर लिखते जाएँगे। शिक्षक बताएँगे पत्र में हम अपनी बात लिखकर दूसरों तक पहुँचाते हैं। इस पर चर्चा करते हुए पत्रों के प्रकार पर चर्चा करेंगे।
- श्यामपट्ट पर चॉक से शिक्षक औपचारिक व अनौपचारिक पत्रों के प्रकार के वर्गीकरण को बिन्दुवार लिखकर छात्रों से उस पर बारी–बारी चर्चा करेंगे। पत्र क्या हैं ?

पत्र के प्रकार

- औपचारिक पत्र (कार्यालय सम्बन्धी)
  - व्यवसायिक पत्र
  - सुधार हेतु पत्र
  - प्रबन्धक को पत्र
  - आवेदन पत्र
  - सम्पादकीय पत्र
  - शिकायत पत्र
- अनौपचारिक पत्र (व्यक्तिगत)
  - शुभकामना पत्र
  - सालाना/खेद पत्र
  - निमन्त्रण पत्र
  - सहानुभूति हेत पत्र
  - क्षमा याचना एवं आश्वासन सम्बन्धी पत्र
  - नराजगी व्यक्त करने हेतु पत्र

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- चार्ट पेपर पर एक तरफ 'पत्र' दूसरी तरफ पत्र लिखने का विषय– लिखकर रंगीन स्केच से छात्रों से बारी–बारी दोनों का मिलान शिक्षक करवाएँगे। उदाहरणार्थ–

(क)	(ख)
• प्रार्थना पत्र	सफलता पर खुशी जाहिर करते हुए बधाई देने हेतु
• शुभकामना पत्र	प्रधानाध्यापक/कंपनी /बैंक के प्रबंधक को एक दिन के अवकाश हेतु

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य–

- शिक्षक श्यामपट्ट पर पत्र का सामान्य प्रारूप दे कर अलग–अलग समूह से अलग–अलग प्रकार का पत्र लिखने को कहेंगे और छात्र पत्र लिखकर प्रत्येक समूह, बारी–बारी पढ़कर प्रस्तुति करेंगे। (उदाहरण– (1) सम्बोधन पत्र (2) अभिवादन पत्र (3) मुख्य विषय या सामग्री। यदि आप अपने विद्यालय में प्रधानाचार्य से एक दिन की छुट्टी लेना चाहते हो तो कौन सा पत्र लिखोगे ? उस पत्र को क्या कहते हैं ?

गृहकार्य–

- पाठ के अंत में दिये अब करने की बारी पृष्ठ संख्या–86 से प्रश्न संख्या–4 (घ) का उत्तर अभिभावक की मदद से लिखकर लाएँगे।

पाठ–15, पत्र (2/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H512, H508

शिक्षण उद्देश्य–

- लेखक के जीवन व कार्यों से परिचय प्राप्त करना।
- शिक्षक द्वारा आदर्श वाचन करना। छात्र द्वारा स्वतंत्र पठन कराना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, श्यामपट्ट व चॉक, चार्ट, स्केच पेन।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- शिक्षक छात्रों को पाठ की विषयवस्तु संक्षेप में बताते हुए, उचित हाव–भाव व वर्तनी की शुद्धता के साथ पाठ को पढ़ेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- छात्र स्वतन्त्र पठन करेंगे(शिक्षक मार्गदर्शक की भूमिका में रहेंगे)
- छात्रों से पाठ में आए प्रश्नों पर चर्चा की जाएगी फिर 3 समूह बाँट कर अलग–अलग समूहों को उन प्रश्नों के उत्तर लिखने के लिए कहेंगे।
    (i) पत्र कहाँ से लिखा गया ?
    (ii) पत्र का मुख्य विषय क्या था ?
    (iii) पत्र में वसंत ऋतु के बारे में क्या चर्चा हुई ?

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- छात्रों से शिक्षक स्वामी विवेकानन्द जी के विषय में जानकारी व चर्चा करेंगे।
- शिक्षक, पढ़ाई गयी व छात्रों की समझ के आधार पर 'मिलान करो' गतिविधि श्यामपट्ट की सहायता से कराएँगे। उदाहरणार्थ–

(क)	(ख)
पत्र लिखने का समय	नरेन्द्रनाथ (स्वामी विवेकानन्द)
पत्र किसने लिखा	नित्या
पत्र किसको लिखा	न्यूयॉर्क
पत्र कहाँ से लिखा	20 मार्च, 1895 ऐसी बाकी बाते प्रश्न में रखेंगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य–

- कार्यपुस्तिका के पृष्ठ संख्या–58 से प्रश्न संख्या–2 हल करने हेतु देंगे।

गृहकार्य–

- अभिभावक की मदद से पृष्ठ संख्या–85 से सोच विचार– प्रश्न संख्या–3 के (ग) वसंत ऋतु में अपने देश/प्रदेश में कौन से त्यौहार मनाये जाते हैं ? परिवार के लोगों से चर्चा कर ये जानकारी छात्र लिखकर लाएँगे ?

पाठ–15, पत्र (3/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H512

शिक्षण उद्देश्य–

- बच्चों से अपनी माता जी को पत्र लिखवाना व प्रस्तुत करवाना।

आवश्यक सामग्री– बच्चों द्वारा पाठ से सम्बन्धित पहले लिखे गए अनौपचारिक पत्र, श्यामपट्ट व चॉक।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व बच्चों को प्रोत्साहित करेंगे।
- प्रथम दिवस पर बच्चों ने जो अनौपचारिक पत्र अपने परिवारजनों को लिखे हैं, उन्हें समूहों में बाँट कर पढ़ने व चर्चा करने के लिए देंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- प्रत्येक समूह अपने द्वारा लिखी बातों को पढ़ कर कक्षा में सुनाएँगे।
- शिक्षक चर्चा करेंगे कि आप अपने माँ/पिताजी को किन–किन विषयों पर पत्र लिख सकते हैं ? बच्चों द्वारा बताए विषय के आधार पर शिक्षक छोटे– छोटे समूह बनाएँगे व उसी विषय पर बच्चों से पत्र लिखने को कहेंगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- छात्र माता/पिता को लिखा पत्र कक्षा में पढ़ कर अपनी अपनी प्रस्तुति देंगे जिस पर बाकी बच्चे शिक्षक छोटे सरल प्रश्नोत्तर–वार्तालाप के माध्यम से चर्चा करके बच्चों की समझ विकसित करेंगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य–

- शिक्षक पत्र की भाषा में प्रयोग होने वाले शब्दों की ग्रिड श्यामपट्ट पर बनाएँगे व बच्चों से अपनी उत्तरपुस्तिका में बनाकर उसमें से अधिकतम शब्द छँटवाएँगे व उस शब्द का प्रयोग पत्र में कहाँ, कब होता है छात्रों से पूछेंगे।

प्रिय	महोदय	आशीर्वाद
पूज्य	सस्नेह	आपका
आज्ञाकारी	आदरणीय	आकांक्षी

गृहकार्य–

- परिवार की मदद से बच्चे, ग्रिड में दिए शब्दों से एक–एक वाक्य बनाकर लाएँगे।

पाठ–15, पत्र (4/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H512

शिक्षण उद्देश्य–

- प्रधानाचार्य को अवकाश हेतु प्रार्थना पत्र लिखने की जानकारी देना।

आवश्यक सामग्री– बच्चों द्वारा पाठ से सम्बन्धित पहले से लिखे गये कुछ औपचारिक पत्र, श्यामपट्ट व चॉक।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व बच्चों को प्रोत्साहित करेंगे। निम्नांकित प्रकार के प्रश्नों के माध्यम से शिक्षण का प्रारंभ करेंगे–

(i) बच्चों जब हमें विद्यालय से छुट्टी लेना होता है तो हम क्या करते हैं ?

(ii) अचानक, विद्यालय से घर जाना होता है तो छुट्टी लेने के लिए क्या करते हैं ?

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक प्रार्थना पत्र की विशेष बातें बताते हुए श्यामपट्ट पर प्रधानाध्यापक को पत्र लिखेंगे व चर्चा करेंगे तथा बच्चों से भी लिखने को कहेंगे।
- 2–3 बच्चों द्वारा लिखे प्रार्थनापत्र का प्रस्तुतीकरण कराएँगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पृष्ठ संख्या–85 सें प्रश्न संख्या–1 बोध प्रश्न का कार्य कराएँगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य–

- कार्यपुस्तिका के पृष्ठ संख्या–58 के प्रश्न संख्या–1 को बच्चों से हल कराएँगे।

गृहकार्य–

- शिक्षक, बच्चों से 4 दिन के अवकाश हेतु (प्रधानाध्यापक को) प्रार्थना पत्र लिखकर लाने को कहेंगे।

पाठ–15, पत्र (5/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H512

शिक्षण उद्देश्य–

- पत्र लेखन के विभिन्न माध्यमों (पोस्ट कार्ड, अंतर्देशीय लिफाफा, तार) पर चर्चा

आवश्यक सामग्री– विभिन्न प्रकार के पत्र– (पोस्ट कार्ड, अंतर्देशीय लिफाफा, तार यानी टेलीग्राम की गूगल से निकाली गयी तस्वीर का प्रिंट आउट)

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- शिक्षक इस पाठ से सम्बन्धित पिछले दिनों में जो पत्र छात्रों ने लिखे उससे छात्रों संग वार्तालाप शुरू करेंगे और बताएँगे कि ये औपचारिक व अनौपचारिक पत्र लिखकर दूसरों तक पहुँचाने हेतु कुछ माध्यम होते है जिन्हें हम आज जानेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- कक्षा के छात्रों को छोटे दो या तीन समूहों में बाँट कर उन्हें अलग–अलग पत्र पोस्ट कार्ड, अंतर्देशीय, लिफाफा व तार (टेलीग्राम) के प्रिंट आउट उपलब्ध कराएँगे।
- छात्र प्रत्येक समूह में उपलब्ध पत्र के प्रकार पर यानी पोस्ट कार्ड, अंतर्देशीय, लिफाफा व तार पर चर्चा तथा कैसे–कैसे लिखना है ? समझने का प्रयास करेंगे। शिक्षक श्यामपट्ट पर लिखकर ये कार्य कैसे करते है ? ये समझाएँगे। छात्र उन बिन्दुओं को समझेंगे व अपनी उत्तरपुस्तिका पर लिखेंगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- शिक्षक सभी छात्रों को पोस्ट कार्ड दे कर अपने मित्र को पत्र लिखने को कहेंगे। तत्पश्चात 1–2 छात्र प्रस्तुतीकरण करेंगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य–

- कार्यपुस्तिका के पृष्ठ संख्या–59 के प्रश्न संख्या–5 का कार्य करवाएँगे। छात्र आपस में प्रश्नोत्तर करके उन प्रश्नों के उत्तर शिक्षक के सहयोग से निकालेंगे।

गृहकार्य–

- अभिभावक की मदद से सभी छात्र, पत्र के लिए एक पोस्ट कार्ड, लिफाफा बनाकर लाएँगे।

पाठ–15, पत्र (6/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– **H508, H512**

शिक्षण उद्देश्य–

- पाठ के अभ्यास प्रश्नों पर कार्य।

आवश्यक सामग्री– वाटिका पाठ्यपुस्तक, कार्ड शीट चित्रकला की सामग्री श्यामपट्ट, चॉक।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- शिक्षक,पाठ में आये अभ्यास प्रश्नों को समझाते हुए चर्चा करेंगे तथा कुछ उत्तर बच्चों से करवाएँगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक पाठ के अपरिचित शब्दों के अर्थ को समझाते हुए पाठ का सार सुनाएँगे।
- छात्र पुनः पाठ का वाचन करेंगे।
- पाठ्यपुस्तक से पाठ 15 में जिन अभ्यास प्रश्नों का हल अभी तक नहीं हो पाया है। उनका अभ्यास कार्य कराया जाएगा।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पुनः पृष्ठ संख्या–85 (वाटिका 5 पुस्तक के) प्रश्न संख्या–3 सोच विचार के (क, ख, ग) पर चर्चा करके उनके निकले उत्तर छात्रों से उनकी कॉपी में लिखवाएँगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य–

- कार्यपुस्तिका के पृष्ठ संख्या–58 से प्रश्न 3 वाक्य प्रयोग का कार्य करवाएँगे।

गृहकार्य–

- पाठ्यपुस्तक के पृष्ठ संख्या–86 से प्रश्न 6 इस पाठ से–(क) (ख) को घर से लिख कर लाएँगे।

बारी-बारी बढ़ी कहानी

चलिए, सब मिलकर एक मज़ेदार कहानी बनाएँ। हर वाक्य पहले वाक्य से किसी न किसी तरह जुड़ा हो। अब कहानी को आगे बढ़ाइए। पहले बोलकर, फिर लिखकर कहानी बनाइए। लिखने के साथ–साथ कुछ बच्चे उस कहानी के लिए चित्र और शीर्षक भी सोच सकते हैं। जब कहानी बनाने का अभ्यास हो जाए तो लिखने से पहले कहानी के विषय पर चर्चा ज़रूर कीजिए।

पाठ–15, पत्र (7/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– **H508, H512**

शिक्षण उद्देश्य–

- कार्यपुस्तिका के अभ्यासों पर कार्य कराना।
- पाठ से संबंधित अपरिचित शब्दों पर समझ बनाना।
- पिछले दिवसों में किए गए शिक्षण कार्य का दोहराव व आकलन।

आवश्यक सामग्री– वाटिका पाठ्यपुस्तक 5, वाटिका कार्यपुस्तिका 5, चित्रकला का सामान

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- शिक्षक पिछले दिवसों के कार्यों पर चर्चा करते हुए, कुछ विलोम शब्दों पर कार्य कराएँगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक पाठ्यपुस्तक व कार्यपुस्तिका में दिए गए अभ्यास प्रश्नों का कार्य करेंगे।
- शिक्षक सम्बंधित विषय वस्तु पर स्वयं से प्रश्न निर्माण कर सकते हैं और छात्रों का आकलन कर सकते है।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- शिक्षक द्वारा छात्रों को चित्रकला की सामग्री बाँट कर पत्र के लिए लिफाफे का चित्र बनवाएँगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य–

- मौखिक चर्चा में शिक्षक पुनः पूछेंगे, कि इतना पढ़ने, समझने व कार्य करने के बाद, अब आपके अनुसार "पत्र" क्या होता है? बताइए इस पर छात्र मौखिक उत्तर देंगे।

खीर

बरसात का दिन था। रीना घर में खेल रही थी। खेलते–खेलते उसे भूख लगी। उसने पापा से कहा – मुझे भूख लगी है। आज मेरा खीर खाने का मन है। लेकिन मम्मी तो नानी के घर गई हैं। पापा रीना के क़रीब आए। उसकी आँखों में आँखें डालकर बोले – कोई बात नहीं, तुम्हारे पापा तो यहीं हैं न। रीना ने हैरानी से पूछा– आप और खीर!

पापा ने जवाब दिया– मैं नहीं, हम दोनों मिलकर खीर बनाएँगे। रीना बोली– पर मुझे तो बनानी नहीं आती। पापा मुस्कराते हुए बोले– तो आज आ जाएगी। दोनों रसोई में गए। रीना ने चावल और चीनी निकाली। पापा ने खीर चढ़ाई। रीना ने खीर में बादाम, किशमिश और काजू मिलाए। दोनों ने खीर बनाई फिर जमकर खीर खाई।

रीना बोली – वाह पापा! मज़ा आ गया। काश! मम्मी भी यहीं होतीं तो और मज़ा आता!

Writer : Shabana Parveen   Illustrator : Subham Lakhera

पाठ–16, विजय पथ (1/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H504

शिक्षण उद्देश्य–

- कहानी विधा से परिचय कराना।
- पाठ में आए चित्रों पर बातचीत करना।
- कहानी पर अनुमान लगाना।
- सुनी हुई कहानी को अपनी भाषा में सुनाना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, प्रिंट रिच सामग्री व अन्य उपलब्ध संसाधन आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक मित्रता पर आधारित एक कहानी सुनाएँगे। छात्रों से अन्य सुनी हुई कहानी सुनेंगे एवं बच्चों को प्रोत्साहित करेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक कहानी विधा से छात्रों को परिचय कराएँगे।
- शिक्षक पाठ्यपुस्तक से चित्र पर छात्रों के साथ चर्चा करेंगे। कहानी पर अनुमान लगवाएँगे।
- शिक्षक 'विजय पथ' कहानी को हाव–भाव के साथ पढ़कर सुनाएँगे और बीच–बीच में पाठ आधारित स्वनिर्मित प्रश्नोत्तर करेंगे।
- आदर्श वाचन के बाद बच्चों को स्वतंत्र पठन करने हेतु कहेंगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- शिक्षक बच्चों के दो समूह बनाएँगे और पाठ में आये अपरिचित शब्दों के अर्थ पर शिक्षक दोनों समूहों से बातचीत करेंगे। एक समूह को शब्द और दूसरे समूह को अर्थ का कार्य दिया जाएगा जिसमें दोनो समूह मिलकर शब्द–अर्थ पर कार्य करेंगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य–

- शिक्षक पाठ्यपुस्तक के पृष्ठ संख्या–96 के शब्दार्थ का कार्य उत्तरपुस्तिका में कराएँगे।

शब्दार्थ– मित्रता–दोस्ती, तय– निश्चित, प्रारंभ–शुरुआत, गंतव्य–स्थल–पहुँचने वाला स्थान, मंद–मंद–धीरे–धीरे, पवन–हवा, आदि।

गृहकार्य– छात्र घर से खरगोश का चित्र बनाकर लाएँगे।

पाठ–16, विजय पथ (2/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H504

शिक्षण उद्देश्य–

- कहानी को क्रमबद्ध सुनाना।
- समूह में कहानी पढ़ना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, प्रिंट रिच सामग्री, फ्लैश कार्ड, पुस्तकालय की किताबें व अन्य उपलब्ध संसाधन आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- शिक्षक के द्वारा "विजय पथ" कहानी के शीर्षक पर आदर्श वाचन से पूर्व चर्चा करते हुए कहानी पर आधारित प्रश्नों पर बच्चों से चर्चा करेंगे। जैसे–

(i) खरगोश और कछुए का रिश्ता कैसा होगा ?

(ii) दौड़ के लिए क्या–क्या निर्धारित किया गया होगा ?

(iii) यदि आपको इस कहानी को बदलना हो तो आपके अनुसार कहानी क्या होगी ?

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक बड़े समूह में "विजय पथ" नामक कहानी का आदर्श वाचन करेंगे छात्र ध्यान से सुनेंगे।
- कहानी के प्रश्नों पर चर्चा करेंगे।
- उसके बाद बच्चों को जोड़ी में साझा पठन करने के लिए कहेंगे।
- 4–5 बच्चों को कहानी पढ़कर क्रमबद्ध सुनाने के लिए कहेंगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पाठ्यपुस्तक के पृष्ठ संख्या–93 से प्रश्न संख्या–3 'अनुमान और कल्पना' का कार्य करने के लिए कहेंगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य–

- शिक्षक छात्रों को कार्यपुस्तिका के पृष्ठ संख्या–60 से प्रश्न संख्या–1 का कार्य करने को कहेंगे।

गृहकार्य– छात्रों को कछुए के लिए बधाई पत्र और खरगोश के लिए सांत्वना पत्र अभिभावक की मदद से लिख कर लाने को कहेंगे।

पाठ–16, विजय पथ (3/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H504

शिक्षण उद्देश्य–

- भाषा कौशल का विकास करना।
- पाठ–कहानी को बच्चों के शब्दों में सुनना।
- पाठ में आए अपरिचित शब्दों पर बातचीत करना।
- कहानी पर समझ बना पाना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, प्रिंट रिच सामग्री, QR कोड व अन्य उपलब्ध संसाधन आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- शिक्षक बच्चों से दौड़ खेल पर बड़े समूह में बातचीत करेंगे।

  (i) आप निश्चिंत कब–कब होते हैं ?

  (ii) दौड़ खेल के क्या–क्या नियम होते हैं ?

  (iii) आप जीतने के लिए क्या–क्या करते हैं ? आदि।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक बड़े समूह में "विजय पथ" नामक कहानी QR कोड की मदद से बच्चों को सुनाएँगे।
- कहानी में आये अपरचित शब्दों के अर्थ पर बच्चों से चर्चा करेंगे।
- बच्चों को छोटे–छोटे समूह में "विजय पथ" नामक कहानी को पढ़ने के लिए बोलेंगे।
- शिक्षक समूह से कुछ बच्चों द्वारा कहानी पढ़ने के लिए कहेंगे।
- छात्रों को अभिनय की तैयारी करवाएँगे। कौन क्या बनेगा ? क्या और कैसे बोलेगा ? आदि।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- शिक्षक आवश्यकता के अनुसार समूहों का निर्माण करेंगे। बच्चे समूह में बैठेंगे अपरिचित शब्दार्थ पर चर्चा करें और उसका अर्थ लिखेंगे। शिक्षक छात्रों की मदद करेंगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य–

- कार्यपुस्तिका के पाठ–16 से पृष्ठ संख्या–60 से प्रश्न संख्या–2 और 3 का कार्य करने के लिए कहेंगे।

गृहकार्य– आप कौन– कौन सा खेल खेलते हैं ? उसका नाम लिखकर उसमें से किसी एक खेल की पूरी प्रक्रिया लिखकर लाएँगे।

पाठ–16, विजय पथ (4/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H504

शिक्षण उद्देश्य–

- पात्रों से परिचय स्थापित करना।
- पाठ आधारित अभिनय व संवाद पर कार्य करना।
- कहानी को संक्षिप्त रूप में लिख पाना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, QR कोड, प्रिंट रिच सामग्री, श्यामपट्ट, चॉक, डस्टर व अन्य उपलब्ध संसाधन मुखौटे (कहानी के प्रमुख पात्रों के) आदि

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- शिक्षक पाठ–16 पर दिए QR कोड को दीक्षा ऐप के माध्यम से स्कैन करके वीडियो छात्रों को दिखाएँगे व कहानी के पात्रों से परिचय करेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक छात्रों को पाठ का सारांश व कहानी को बच्चों द्वारा सुनाने को कहेंगे।
- उसके बाद शिक्षक छात्रों से मुखौटे बनाकर अभिनय हेतु तैयारी करवाएँगे।
- पात्रों के अभिनय करने वाले छात्रों से उनके संवाद बोलने के लिए कहेंगे और छात्रों की मदद करेंगे।
- तत्पष्चात् छात्रों से हाव–भाव के साथ अभिनय करवाएँगे एवं छात्रों की मदद करेंगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- शिक्षक छात्रों से अपनी भाषा में कहानी लिखने के लिए कहेंगे।
- लिखने के बाद स्वयं पढ़कर सही करने को कहेंगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य–

- कार्यपुस्तिका वाटिका पाठ–16 से पृष्ठ संख्या–62 के प्रश्न संख्या–6 करने को कहेंगे, और आवश्यकतानुसार सहायता करेंगे।

गृहकार्य– पाठ्यपुस्तक से पृष्ठ संख्या–93 से 'तुम्हारी कलम से' का कार्य अभिभावक की सहायता से करके लाने को कहेंगे।

पाठ–16, विजय पथ (5/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H504

शिक्षण उद्देश्य–

- कहानी पर समझ स्थापित करना।
- मौखिक भाषा का विकास।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, व अन्य उपलब्ध संसाधन जैसे– शिक्षक द्वारा स्वनिर्मित अन्य TLM आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- शिक्षक बड़े समूह में पूर्व में किये रोल प्ले/अभिनय पर चर्चा करेंगे। अभिनय कैसा लगा और कैसे इसे अच्छा किया जा सकता था ? आदि प्रश्नों पर चर्चा करेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक छात्रों को कहानी का सार पुनः सुनाएँगे।
- छात्र पाठ का स्वतंत्र पठन करेंगे। स्वतन्त्र पठन के पश्चात् कहानी के अन्त पर चर्चा करवाएँगे।
- शिक्षक पाठ्यपुस्तक के पृष्ठ संख्या–93 के प्रश्न संख्या–2 ''सोच विचार'' का कार्य कराएँगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पाठ्यपुस्तक के पृष्ठ संख्या–94 के प्रश्न संख्या–7 ''इस कहानी से'' का कार्य उत्तरपुस्तिका में करने के लिए कहेंगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य–

- पाठ्यपुस्तक वाटिका मे पृष्ठ संख्या–93 से प्रश्न संख्या–5 ''अब करने की बारी'' भाग– ख और ग का कार्य करवाएँगे।

गृहकार्य– कहानी में आपको कौन सा पात्र सबसे अच्छा लगा उसका चित्र बनाकर उसके बारे में लिख कर लाएँगे।

पाठ–16, विजय पथ (6/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H504

शिक्षण उद्देश्य–

- पाठ्यपुस्तक के अभ्यासों पर कार्य करना।
- भाषा कौशल का विकास करना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, कार्यपुस्तिका, श्यामपट्ट, चॉक, डस्टर, शब्दों की सूची आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- शिक्षक मैदान के विषय पर चर्चा व प्रश्नोतर करेंगे–

  (i) मैदान में खेलने वाले खेल कौन–कौन से हैं ?

  (ii) किस–किस प्रकार के मैदान होते हैं ?

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक चर्चा व बातचीत के बाद एक बार पुनः पाठ–''विजय पथ'' कहानी का सारांश बच्चों को बताएँगे उसके बाद पाठ्यपुस्तक के अवशेष अभ्यास प्रश्न पर कार्य करेंगे।
- शिक्षक बच्चों का सहयोग लेते हुए बोध प्रश्न का कार्य कराएँगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- शिक्षक छात्रों को शब्दों की सही क्रमबद्धता व शुद्ध वाक्यों के निर्माण की अवधारणा को समझाएँगे।
- शिक्षक द्वारा कराए गए बोध प्रश्नोतर को छात्रों को उत्तरपुस्तिका पर लिखने को कहेंगे। शिक्षक आवश्यकता अनुसार छात्रों की सहायता करेंगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य–

- कार्यपुस्तिका वाटिका के पृष्ठ संख्या–61 के प्रश्न संख्या–4 का कार्य करने के लिए कहेंगे।

गृहकार्य–

पाठ्यपुस्तक के पृष्ठ संख्या–94 क प्रश्न संख्या–6 ''मेरे दो प्रश्न'' का कार्य अपने अभिभावक की सहायता से लिखकर लाने के लिए कहेंगे।

पाठ–16, विजय पथ (7/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H504

शिक्षण उद्देश्य–

- आकलन व कार्यपुस्तिका के अभ्यास पत्रकों को पूर्ण करना।
- पढ़ाये गए पाठ पर छात्रों की समझ को स्थायी करना।
- छात्रों की कठिनाइयों को समझ कर अधिगम परिणाम की ओर अग्रसर करना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, कार्यपुस्तिका, आकलन पत्रक, श्यामपट्ट, चॉक, डस्टर आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- शिक्षक पाठ का दोहराव करेंगे। छात्र एक बार पुनः पाठ का मौन वाचन करेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक छात्रों के मौन वाचन के बाद पाठ का सारांश अपने शब्दों में लिखने को कहेंगे।
- बच्चे अपने लिखित सारांश या विषय वस्तु पर स्वयं से प्रश्नोत्तर का निर्माण करेंगे। इससे छात्रों में भाषाई समझ बनेगी।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- शिक्षक छात्र द्वारा बनाये गए प्रश्नोत्तर के माध्यम से छात्रों का आकलन करेंगे। छात्रों को हो रही कठिनाइयों को दूर करने का प्रयास करेंगे।

आकलन कार्यपुस्तिका पर कार्य– कार्यपुस्तिका से पृष्ठ संख्या–60 से 62 के शेष कार्यों को पूर्ण कराएँगे।

साँप और नेवला

शाम का समय था। साँप शिकार करके अपने बिल की ओर लौट रहा था। अचानक! उसे किसी की आहट का एहसास हुआ। तभी उसकी नज़र एक नेवले पर पड़ी। साँप ने सोचा– अभी मैं बहुत छोटा हूँ और नेवला मोटा–ताज़ा है। वह मेरा कचूमर बना देगा। इससे पहले कि वह मुझे देखे, यहाँ से भाग जाना चाहिए।

साँप एक पेड़ के पीछे दुबक गया। लेकिन नेवले ने उसे देख लिया। अब तो साँप आगे–आगे और नेवला उसके पीछे–पीछे। साँप झाड़ियों के ऊपर चढ़ गया। पर नेवले ने पीछा नहीं छोड़ा। वह वहीं रुक गया। साँप नीचे उतरा तो फिर से नेवला पीछे लग गया।

ऐसा बहुत देर तक चलता रहा। इसी आपा–धापी में दोनों थक गए। साँप ने कुंडली मारी और सो गया। नेवला भी वहीं पसर गया।

थोड़ी देर बाद साँप बोला– भाई ऐसे ही मेरे पीछे पड़े रहे तो सूख के काँटा बन जाओगे! पिछली बातों को भुलाओ और दोस्ती का हाथ बढ़ाओ।

प्र.1 साँप पेड़ के पीछे क्यों दुबक गया?

प्र.2 "पिछली बातों को भुलाओ और दोस्ती का हाथ बढ़ाओ" साँप ने ऐसा क्यों कहा?

पाठ–17, झाँसी की रानी की समाधि पर (1/6)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H505, H510

शिक्षण उद्देश्य–

- बच्चों को कविता विधा से परिचित कराना।
- आस–पास की घटनाओं पर चर्चा करना एवं झाँसी की रानी का परिचय कहानी के माध्यम से कराना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, झाँसी की रानी का चित्र, श्यामपट्ट, चॉक, डस्टर आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक बाल गंगाधर तिलक, सुभाषचंद्र बोस, महाराणा प्रताप व मंगल पाण्डेय के चित्र छात्रों को दिखाएँगे।
- छात्र इन स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के विषय में अपनी जानकारी साझा करेंगे।
- शिक्षक भी स्वतंत्रता प्राप्ति में इन सबके योगदान की संक्षिप्त जानकारी जोड़ेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक पहले कवित्री सुभद्रा कुमारी चौहान का संक्षिप्त परिचय देते हुए उनकी रचनाओं में राष्ट्रप्रेम के बारे में समझ विकसित करेंगे। उनकी रचना के बारे में चर्चा करेंगे। जिसमे झाँसी की रानी एवं वीरों का वसंत आदि प्रमुख हैं।
- आजादी में सहयोग देने वाली झाँसी की रानी से छात्रों को अवगत कराएँगे। शिक्षक झाँसी की रानी के परिचय (जन्म–मृत्यु उनके कार्य, उनके आजादी में दिये योगदान उनके व्यक्तित्व की विशेषता आदि) बिन्दुओं को ध्यान में रखकर उनके कार्यों से जुड़े उपलब्ध चित्र दिखाकर छात्रों को झाँसी की रानी की कहानी सुनाएँगे।
- सुनी कहानी को वाक्यों के चार्ट/श्यामपट्ट पर गलत क्रम लिखकर छात्रों से मौखिक चर्चा द्वारा सही क्रम में लगाएँगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- सुनी हुई कहानी का सार छात्र अपने शब्दों में लिखेंगे।
- कहानी को चित्रांकन के द्वारा अभिव्यक्त करेंगे। (शिक्षक सहयोगकर्ता के रूप में)

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य–

- कार्यपुस्तिका के पृष्ठ संख्या–65 के प्रश्न संख्या–5 को हल करने के लिए कहेंगे शिक्षक अवलोकन कर आवश्यकतानुसार सहयोग करेंगे।

गृहकार्य– झाँसी की रानी से जुड़ी घटनाओं को अपने अभिभावक से जाने एवं उनसे जुड़े कार्यों को अपने शब्दों में संकलित कर लिखने के लिए कहेंगे।

पाठ–17, झाँसी की रानी की समाधि पर (2/6)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H505, H510

शिक्षण उद्देश्य–

- कविता सुनाना, सुनना एवं भावार्थ से परिचित कराना।

आवश्यक सामग्री– श्यामपट्ट, पाठ्यपुस्तक वाटिका, चॉक, डस्टर फ्लैश कार्ड।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- पिछले दिवस सुनायी गयी झाँसी की रानी की कहानी को शिक्षक कुछ बच्चों से सार रूप में सुनेंगे ''झाँसी की रानी'' से जुड़ी प्रमुख घटनाओं के बारे में छात्रों से जानेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक आरोह–अवरोह उचित लय–ताल, भाव आदि को ध्यान में रखकर ''झाँसी की रानी की समाधि'' कविता का आदर्श वाचन करेंगे।
- कुछ छात्र कविता की पंक्तियों को हाव–भाव एवं प्रवाह पूर्ण पठन करेंगे (स्वतंत्र पठन) इस समाधि........................ उठी ज्वाला सी।
- शिक्षक आदर्श वाचन कर झाँसी की रानी कविता का भावार्थ बताएँगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- 3/4 वाक्यों में भावार्थ को मौखिक चर्चा के पश्चात् लिखेंगे।
- ''स्वतंत्रता की आशा की चिनगारी'' झाँसी की रानी की समाधि में छिपी है पर चर्चा के आधार पर लिखिए।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य–

- कार्यपुस्तिका पृष्ठ संख्या–64 की प्रश्न संख्या–2 पर कार्य करवाएँगे।
- शिक्षक छात्रों के कार्य द्वारा उनका आकलन करें, उन्हें आवश्यकतानुसार सहयोग करेंगे।

गृहकार्य–

कविता की आठ पक्तियाँ याद कर कक्षा में हाव–भाव के साथ सुनाएँगे।

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H505, H510

शिक्षण उद्देश्य–

- पाठ में आए कठिन/अपरिचित शब्दों पर बातचीत करना एवं देश में स्थित विभिन्न स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के राष्ट्रीय स्मारकों पर चर्चा करना।
- अन्य वीरांगनाओ की जानकारी देते हुए छात्रों में देश प्रेम की भावना का विकास करना।
- सुभद्रा कुमारी चौहान की रचनाओं से अवगत कराते हुए पुस्तकालय से पुस्तक पठन कौशल का विकास करना।

आवश्यक सामग्री– आई0सी0टी0 (राष्ट्रीय स्मारक के चित्र), पाठ्यपुस्तक, श्यामपट्ट, चॉक, डस्टर आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- शिक्षक कविता को कुछ बच्चों से सुनेंगे।
- शिक्षक पिछले दिन की चर्चा को दोहराते हुए कुछ शब्दों पर छात्रों से जानकारी प्राप्त करें (स्वतंत्रता, समाधि, चिनगारी आदि)

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- उतार चढ़ाव हाव–भाव, लय–ताल के साथ अवशेष पद्यांश सुनाकर शब्द का अर्थ बताते हुए भावार्थ बताएँ।
- बढ़ जाता है...झाँसी वाली रानी।
- छात्र पठित पद्यांश में आए कठिन शब्द को ढूँढ़ेंगे।
- शिक्षक उसका अर्थ बताते हुए उसे श्यामपट्ट पर लिखेंगे।
- शिक्षक पाठ में आए अपरिचित शब्दों पर बातचीत करेंगे।
- आई0सी0टी0 के माध्यम से स्वतंत्रता सेनानियों के स्मारकों के चित्र दिखाएँगे एवं उनके स्मारकों पर चर्चा करेंगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- पाठ में आए बोध प्रश्नों पर चर्चा करेंगे।

(i) रानी की समाधि किन–किन बातों की याद दिलाती हैं ?

(ii) रानी की समाधि तथा अन्य समाधियों में क्या अंतर हैं ?

(iii) युद्ध भूमि में बलिदान के बाद वीर का मान बढ़ जाता है। इस कथन के समर्थन में कवि क्या कहना चाहता है ?

शिक्षक वर्ग पहेली तैयार कर छात्रों से इसमें छिपे देशभक्तों के नाम ढुँढ़वाएँगे।

च	द्र	शे	ख	श्र	आ	जा	द
ह	वी	र	भ	ग	त	सि	ह
ऊ	ध	म	सिं	ह	च	र	क
खु	दी	रा	म	बो	स	ल	श
अ	श	फा	क	उ	ल्	ला	खाँ
व	रा	नी	ल्	क्ष	मी	बा	ई
रा	म	प्र	सा	द	बि	स्मि	ल

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य–

- कार्यपुस्तिका की पृष्ठ संख्या–64 एवं 65 के प्रश्न संख्या–3 व 4 को करवाएँगे।

गृहकार्य– झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई का नाम इतिहास में अमर क्यों हैं ? पुस्तकालय से प्राप्त पुस्तके एवं बड़ो के सहयोग से लिखकर लाएँ।

कौन-सा किसका काम?

आलिया कुछ दिनों के लिए बड़े पापा के घर आई थी। एक सुबह आलिया सोकर उठी। वह आँखें मलती हुई बाहर आई और बड़े पापा को ढूँढने लगी। वह रसोई में गई और बोली, "बड़े पापा कहाँ हैं?''

"बेटा, बड़े पापा कपड़े धो रहे है?" बड़ी मम्मी ने बताया।

"वह कपड़े धो रहे हैं?" आलिया मुँह पर हाथ रखकर हँसते हुए बोली, "लड़के कोई कपड़े धोते हैं?"

"और कौन धोता है?"

"औरतें और कौन?" आलिया चहकते हुए बोली। "ऐसा किसने कहा कि औरतें ही कपड़े धोती हैं?"

"मुझे पता है।

कपड़े कौन पहनता है? बड़ी मम्मी ने पूछा

हम सभी।

और खाना? वह भी हम सब खाते हैं। आलिया झट से बोली।

"तो घर के काम भी तो हमें मिल–जुलकर ही करने चाहिए।" बड़ी मम्मी ने समझाया, "लेकिन यह काम तो औरतें करती हैं। "ऐसा किसने कहा?" दादी ने बताया और मैंने टीवी में भी देखा है।" बच्ची के मुँह से ऐसी बातें सुनकर बड़ी मम्मी परेशान हो उठीं। उन्होंने आलिया से पूछा, "एक बात बताओ, यह घर किसका है?" "हमारा। और ये काम किसके हैं?"

"हम सभी के।"

"जब घर हमारा, काम हमारे...तो क्या कामों को हमें मिलजुलकर नहीं करना चाहिए?" आलिया चुप थी। बड़ी मम्मी कुछ ठहरकर बोलीं, "मैं ऑफ़िस जाती हूँ?"

"हाँ।"

"तुम्हारे बड़े पापा ऑफ़िस जाते हैं?"

"हाँ, वह भी जाते हैं।"

जब मैं ऑफ़िस के साथ–साथ घर के काम कर सकती हूँ, तो बड़े पापा क्यों नहीं कर सकते?"

बड़ी मम्मी की बातें सुनकर आलिया सोच में पड़ गई।

Writer : Saira Bano

Illustrator : Amar Soni

पाठ–17, झाँसी की रानी की समाधि पर (4/6)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H505, H510

शिक्षण उद्देश्य–

- अन्य वीरांगनाओ की जानकारी देते हुए छात्रों में देश प्रेम की भावना का विकास करना।
- सुभद्रा कुमारी चौहान की रचनाओं से अवगत कराते हुए पुस्तकालय से पुस्तक पठन कौशल का विकास करना।

आवश्यक सामग्री– शब्दों के फ्लैश कार्ड, पुस्तकालय की पुस्तकें, आई0सी0टी0 चित्र कार्ड।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- पिछले दिवस में दिए गए गृहकार्य पर चर्चा के आधार पर रानी लक्ष्मीबाई इतिहास में क्यों अमर हैं ? छात्रों से खुले एवं बंद छोर के प्रश्नों के माध्यम से जानेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- बच्चों को आई0सी0टी0 व फ्लैश कार्ड के प्रयोग के द्वारा (एनी बेसेंट, मैडम भीकाजी कामा, अहिल्याबाई, सरोजनी नायडू, विजय लक्ष्मी पंड़ित, कल्पना चावला, मैरी काम, मदर टेरेसा, रजिया सुल्तान आदि) विभिन्न क्षेत्र में अपनी प्रतिभा परिलक्षित करने वाली महिलाओं का वीरांगना झाँसी की रानी के बारे में चर्चा करते हुए आई0सी0टी0 पर उनके किए कार्यों की जानकारी प्रदान करना।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- सुभद्राकुमारी चौहान जी द्वारा लिखित कविताओं को छात्र पुस्तकालय की पुस्तक से पढ़कर सुनाएँ।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य–

- विभिन्न ख्याति प्राप्त अन्य वीरों के विषय में छात्र अपने शब्दों में 2–2 वाक्य बनाएँगे व लिखेंगे।
- शिक्षक अवलोकन कर छात्रों का आवश्यकतानुसार सहयोग प्रदान करेंगे।

गृहकार्य–

वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई एवं अन्य ख्याति प्राप्त महिलाओं के विषय में छात्र 2/3 वाक्य लिखेंगे।

नोट– छात्र विद्यालयमें ख्याति प्राप्त महिलाओं के पोस्टर से सहयोग लें।

पाठ–17, झाँसी की रानी की समाधि पर (5/6)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H505, H510

शिक्षण उद्देश्य–

- पाठ में दिए गए चित्र पर समूह में चर्चा के आधार पर स्वतंत्र लेखन करना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, रानी लक्ष्मीबाई का चित्र चार्ट।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- पिछले दिवस की चर्चा के आधार पर वीरांगना लक्ष्मीबाई के बारे में छात्रों से खुले एवं बंद छोर के प्रश्नों द्वारा चर्चा करेगें।
- अपने क्षेत्र की बहादुरी का कार्य करने वाली महिला के कार्यों का बच्चों द्वारा बताना।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के झाँसी की रानी की समाधि पर में दिए गए चित्रों को बच्चों को दिखाएँगे समूह बनाकर बच्चों से विभिन्न बिन्दुओं पर अपने विचार व्यक्त करने के लिए कहेंगे।

  (i) चित्र में क्या हो रहा है ?

  (ii) चित्र कहाँ का हैं ?

  (iii) इस वीरांगना महिला के स्थान पर यदि आप हो तो क्या करते ?

कविता की पंक्तियाँ कुछ बच्चों से हावभाव के साथ सुनेंगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- चित्र में चर्चा के आधार पर कविता को अपने शब्दों में सारांश रूप में लिखें।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य–

- कार्यपुस्तिका वाटिका के पृष्ठ संख्या–63 के पाठ संख्या–17 से प्रश्न संख्या–1 'कविता' को पूरा को कराएँगे।
- बच्चों द्वारा बनाए गये सवालों का शिक्षक आकलन करेंगे तत्पश्चात उन्हें आवश्यकतानुसार सहयोग प्रदान करेंगे।

गृहकार्य–

- आजादी की लड़ाई में अपने प्राणों का बलिदान देने वाले कुछ अन्य वीरों के नाम की सूची बना कर लाने के लिए कहेंगे।
- अपने अभिभावक की सहायता से अपने आस–पास की किसी महिला के द्वारा किए गए बहादुरी के कार्यों को अपने शब्दों में लिख कर लाने के लिए कहेंगे।

पाठ–17, झाँसी की रानी की समाधि पर (6/6)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H505, H510

शिक्षण उद्देश्य–

- कार्यपुस्तिका के अभ्यासों पर कार्य कराना।
- पिछले दिवसों में किए गए शिक्षण कार्य का दोहराव व आकलन।
- झाँसी की रानी की समाधि पर पाठ में दिए गए कार्यों का दोहराव एवं आकलन करना।

आवश्यक सामग्री– फ्लैश कार्ड (समानार्थी एवं तुकांत शब्द), कार्यपुस्तिका वाटिका, पाठ्यपुस्तक वाटिका, चार्ट

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- पिछले दिवस की चर्चा के आधार पर आजादी में अपने प्राणों को बलिदान करने वाले वीरों के नाम छात्र बताएँगे।
- पाठ में आए कठिन शब्दों को स्वतंत्र पठन में छात्रों से उनका शुद्ध उच्चारण एवं अर्थ बच्चों से पूछेंगे (शिक्षक मार्गदर्शक के रूप में)।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक स्वयं से तैयार आकलन प्रपत्र से सभी छात्रों का आकलन करेंगे। इसके लिए शिक्षक पाठ्यपुस्तक व कार्यपुस्तिका में दिए गए अभ्यास प्रश्नों का प्रयोग कर सकते हैं या संबंधित विषय वस्तु पर स्वयं से प्रश्न निर्माण कर सकते हैं।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- झाँसी की रानी पर लिखी अन्य कविता पंक्तियों को लिखेंगे पर अभ्यास कार्य।
- पठित कविता में आये तुकांत शब्द के आधार पर विभिन्न शब्दों के तुकांत लिखें।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य–

- शिक्षक आकलन अवलोकन के आधार पर करके छात्रों को सहयोग प्रदान करेंगे।

उड़ते फूल

सीमा अपने दादा जी के साथ बग़ीचे में घूम रही थी। बग़ीचे में रंग–बिरंगे फूल खिले हुए थे। उन पर तितलियाँ मँडरा रही थीं। अचानक! सीमा रंग–बिरंगे फूल को छूने के लिए आगे बढ़ी। सारी तितलियाँ उड़ गईं। सीमा चिल्लाई– दादा जी सारे फूल उड़ रहे हैं। दादा जी हँसते हुए बोले– सही कहा, ये फूलों के फूल हैं। तितलियों से फूल हैं। फूलों से तितलियाँ हैं। इनसे दोस्ती करना आसान नहीं है। इन्हें छूने से अच्छा है, हम इन्हें देखते रहें।सीमा तितलियों को उड़ता हुआ देखकर तालियाँ बजा रही थी। वह बार–बार एक ही बात कह रही थी– उड़ने वाले फूल! रंग–बिरंगे फूल!

Writer : Bhup Singh Bagpat

Illustrator : Subham Lakhera

पाठ–18, अंधेर नगरी (1/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H503

शिक्षण उद्देश्य–

- छात्रों को एकांकी विधा से परिचय कराना।
- बच्चों में वस्तु विनिमय लेन देन व्यवस्था के प्रति समझ विकसित करना।
- एकांकी को कहानी की शैली में सुनाना और लेखक का परिचय देना।
- बच्चों का लोकतांत्रिक, सामाजिक व्यवस्था से परिचय कराना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, चित्र कहानी, चार्ट, प्रिंट रिच सामग्री, कार्यपुस्तिका, पुस्तकालय की पुस्तक, चॉक, डस्टर, इत्यादि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक द्वारा कक्षा का प्रारम्भ एक चित्र कहानी के फ्लैश कार्ड बच्चों को बाँटकर बच्चों के द्वारा एक रोचक कहानी का निर्माण कराया जाएगा जिससे बच्चे सहज हो पाएँ।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- पाठ "अंधेर नगरी" के लेखक भारतेंदु हरिश्चंद्र के बारे में जानकारी देंगे।
- शिक्षक पूरे पाठ को स्पष्ट करेंगे जिससे छात्रों द्वारा पाठ को समझा जा सके।
- शिक्षक बच्चों को लोकतांत्रिक व्यवस्था एवं राजतंत्र पर चर्चा करते हुए उससे पड़ने वाले सामाजिक व्यवस्था के बदलाव (अंतर) को बताएँगे। शिक्षक छात्रों को एकांकी के अर्थ के बारे में विस्तार से समझाएँगे।
- शिक्षक पाठ के लेखक का जीवन परिचय बताएँगे।
- छात्रों को पाठ का सारांश रोचकता पूर्वक सुनाएँगे।
- छात्रों को ऍंकाकी की विधा की जानकारी देंगे।
- पाठ की बेहतर समझ के लिए शिक्षक निम्न– लिखित बिन्दुओं पर भी चर्चा करेंगे–

  (I) वस्तु– विनिमय लेन–देन व्यवस्था

  (ii) लोकतांत्रिक व्यवस्था

  (iii) राजतांत्रिक व्यवस्था

  (iv) लोकतांत्रिक व राजतांत्रिक व्यवस्था में अंतर चर्चा करते समय शिक्षक मुख्य बिन्दुओं को श्यामपट्ट पर लिखेंगे।

छात्र इन बिन्दुओं को अपनी उत्तरपुस्तिका में लिखेंगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- हरिश्चन्द्र की अंधेर नगरी के अतिरिक्त अन्य रचनाओं पर भी चर्चा करेंगे व श्यामपट्ट पर मुख्य जानकारियों को अंकित करेंगे। कहानी में आए पात्रों के बारे में भी प्रश्न पूछेंगे। अभ्यासकार्य सोच विचार पाठ्यपुस्तक पृष्ठ संख्या–106 पर चर्चा करते हुए लेखन कार्य कराएँगे

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य– कार्यपुस्तिका पृष्ठ संख्या–66 की प्रश्न संख्या–1 कार्य करने को कहेंगे।

गृहकार्य– पुस्तकालय से पाठ अनुरूप पुस्तक लेकर पढ़कर कार्यपुस्तिका पृष्ठ संख्या–67 की प्रश्न संख्या–5 को करके लाने के लिए निर्देशित करेंगे।

पाठ–18, अंधेर नगरी (2/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H503, H516

शिक्षण उद्देश्य–

- पाठ में आए विभिन्न पात्रों के कार्यों पर चर्चा।
- पाठ के संदर्भ में पात्रों की चारित्रिक विशेषताओं पर बातचीत करना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, दीक्षा ऐप, कार्यपुस्तिका, चॉक, डस्टर श्यामपट्ट, आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- छात्रों के परिवेश में कार्य करने वाले सहयोगी व्यक्तियों जैसे– सफाई कर्मी, डॉक्टर, हलवाई, दुकानदार, राजमिस्त्री, सब्जी वाला आदि के कार्यों पर चर्चा करेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षण पाठ का आदर्श वाचन करेंगे।
- आदर्श वाचन के दौरान छात्र पाठ में आए विभिन्न पात्रों के नामो (काम) को रेखांकित करेंगे।
- शिक्षक पाठ में आए हमारे सहयोगी महंत, कुंजड़िन, हलवाई इत्यादि के कार्यों को बताएँगे।
- शिक्षक पाठ में आए पात्रों की चारित्रिक विशेषताओं पर बच्चों से चर्चा करेंगे।
- पाठ के अन्य पात्र हवलदार, राजा, महंत आदि के द्वारा बनाई गई प्रशासनिक व्यवस्था पर बातचीत करेंगे।
- शहर/राज्य/देश की व्यवस्था ठीक रखने में हमारे सहयोगी क्या मदद कर सकते हैं ?
- शिक्षक इस पर प्रश्न पूछेंगे तथा बच्चों से प्राप्त उत्तर बिंदुवार श्यामपट्ट पर लिखेंगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- छात्र श्यामपट्ट पर लिखे बिंदु को अपनी उत्तरपुस्तिका पर विस्तार पूर्वक लिखेंगे।
- पाठ में आए समान अर्थ वाले शब्दों को उत्तरपुस्तिका पर लिखेंगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य–

- छात्र द्वारा कार्यपुस्तिका के पाठ अंधेर नगरी के पृष्ठ संख्या–66 प्रश्न संख्या–1, 2 को करेंगे। शिक्षक छात्र द्वारा किए उत्तर के आधार पर आकलन करेंगे एवं यथोचित उनका सहयोग करेंगे।

गृहकार्य– सभी छात्र पाठ्यपुस्तक के अभ्यास कार्य से शब्दार्थ अपनी उत्तरपुस्तिका पर घर से लिखकर एवं याद करके आएँगे।

पाठ–18, अंधेर नगरी (3/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H514, H516, H502

शिक्षण उद्देश्य–

- बच्चों को प्रशासनिक व्यवस्था से परिचित कराना।
- नाटक के मूल भावों/संदेशों पर चर्चा और बच्चों द्वारा चर्चा में उभरकर आये बिन्दुओं को लिपिबद्ध कराना।
- अल्पविराम, पूर्ण विराम, प्रश्न वाचक आदि विराम चिह्नों का प्रयोग करना सिखाना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, कार्यपुस्तिका, श्यामपट्ट, चॉक, डस्टर इत्यादि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- अब तक कराए गए कार्य का दोहराव जिससे पूरे एकांकी की पुनरावृत्ति की जा सके।
- पाठ में वर्णित प्रशासनिक व्यवस्था तथा एक आदर्श प्रशासनिक व्यवस्था में अंतर समझाएँगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक छात्रों से नाटक के मूल भाव व पात्रों की भूमिका पर चर्चा करेंगे जिससे छात्रों की समझ पक्की हो सके। छात्र नाटक के संदेश को भी जानेंगे कि पाठ क्या संदेश देता है ?
- जो मुख्य बिन्दु चर्चा में निकलकर आएँगे उन्हें श्यामपट्ट पर अंकित किया जाएगा, जिसे छात्र अपनी उत्तरपुस्तिका में उतारेंगे। छात्र स्वयं भी पूर्ण विराम, अल्प विराम, प्रश्नवाचक आदि विराम चिह्नों का प्रयोग करते हुए कहानी के रूप में एकांकी को लिखेंगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- पठित पाठ के आधार पर शिक्षक छात्रों से अनुमान लगाने को कहेंगे कि महंत ने अपने शिष्य के कान में क्या कहा होगा ? जिसके फलस्वरूप कोतवाल मंत्री और राजा सबके सब स्वयं फाँसी पर चढ़ने के लिए उतावले हो गए। इसी तरह के अन्य प्रश्नों का निर्माण शिक्षक स्वयं करेंगे, और उनके उत्तर बच्चों से प्राप्त करेंगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य–

कार्यपुस्तिका पृष्ठ संख्या–68 प्रश्न संख्या–7, 8 करेंगे।

गृहकार्य– इस एकांकी से हमें क्या सीख मिलती है ? अभिभावको के साथ चर्चा करके संक्षेप में लिखकर लाने के लिए कहेंगे।

पाठ–18, अंधेर नगरी (4/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H514, H516

शिक्षण उद्देश्य–

- वर्तनी के महत्व के प्रति समझ विकसित करना।
- वर्तनी चिह्नों का अभ्यास अनुच्छेद देकर कराना।
- हिन्दीं व्याकरण के प्रमुख बिन्दुओं का परिचय कराना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक वर्तनी संबंधी शिक्षण सामग्री चॉक, डस्टर श्यामपट्ट, आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- कक्षा का प्रारम्भ वर्तनी संबंधी शिक्षण सामग्री एवं फ्लैश कार्ड के माध्यम से करेंगे। **उदाहरणार्थ** एक शब्द श्यामपट्ट पर लिखकर उसमें से अगर मात्रा को हटा दिया जाए तो उसका अर्थ ही बदल जाएगा **जैसे**– मीत शब्द से (ई) की मात्रा हटा है तो मत बन जाएगा और अर्थ भी बदल जाएगा।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक छात्रों से श्यामपट्ट पर लिखे एक अनुच्छेद जिसमें अशुद्धियाँ हैं को देकर वर्तनी चिन्हों को सही करने को कहेंगे।

कल कतवाल को फसी का हुक्म हुआ था। जब उसे फाँसी देने को ले गए तो फाँसी का फंदा बड़ा निकला क्योंकि कोतवाल साहब दबले हैं। हम लोगों ने महराज से अज की। इस पर हुक्म हुआ कि किसी मेटे आदमी को फाँसी दे दो, क्योंकि बकरी मरने के अपरधी में किसी न किसी को सजा होना जरूरी है नहीं तो न्याय न होगा।

- शिक्षक पाठ में आए विशेषण व प्रत्यय पर चर्चा करेंगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक पृष्ठ संख्या–4 ख को उत्तरपुस्तिका में करेंगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य–

- कार्यपुस्तिका की पृष्ठ संख्या–68 की प्रश्न संख्या–3, 4 को पूर्ण कराएँगे।

गृहकार्य–

छात्रों को पाठ में से वर्तनी शुद्ध करने के लिए दी जाएगी जैसे– कुँजड़िन, गोवर्धन दास, गड़ेरिया इत्यादि व नाटक के पात्रों को संवाद याद करने के लिए देंगे। जिसे वह घर से याद करके आएँगे।

पाठ–18, अंधेर नगरी (5/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H514, H516

शिक्षण उद्देश्य–

- नैतिक मूल्यों का विकास करना।
- बच्चों को पात्र की भूमिका देकर नाटक का अभिनय कराना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, दीक्षा ऐप, कार्यपुस्तिका, चॉक, डस्टर, श्यामपट्ट, आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।

दीक्षा ऐप के माध्यम से पाठ के वीडियो को दिखाएँगे जिससे कि छात्र पाठ को समझ कर अभिनय के लिए तैयार भी हो सकें।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- कक्षा के छात्रों में से एकांकी के अनुसार पात्रों का चयन कर पूरे नाटक का प्रदर्शन कराएँगे। इसके दौरान शिक्षक उनके बोलने की शैली तथा हाव–भाव पर भी ध्यान आकर्षित करके उनमें सुधार करवाएँगे।
- शिक्षक छात्र से नैतिक मूल्यों पर बातचीत करते हुए सदाचार ईमानदारी हमारे जीवन के लिए कितने अमूल्य हैं पर चर्चा करेंगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- अभिनय प्रदर्शन के पश्चात् छात्रों से पाठ्यपुस्तक की पृष्ठ संख्या–107 के प्रश्न संख्या–5 पर बच्चों के साथ चर्चा करेंगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य–

- छात्र पाठ्यपुस्तक के अब करने की बारी पर चर्चा करेंगे। इसी के आधार पर आकलन कर आवश्यकतानुसार दोहराव कराएँगे।

गृहकार्य– छात्रों से एकांकी को अपने शब्दों में सारांश रूप में लिखकर लाने के लिए कहेंगे।

पाठ–18, अंधेर नगरी (6/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H514, H516

शिक्षण उद्देश्य–

- पूर्व व वर्तमान समय में मुद्रा के विभिन्न रूपों से परिचित कराना।
- पाठ के अभ्यास प्रश्नों पर कार्य।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, कार्यपुस्तिका, दीक्षा ऐप, चॉक, डस्टर व श्यामपट्ट इत्यादि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- कक्षा का प्रारम्भ में अभी तक कराए गए सभी कार्यों का संक्षिप्त दोहराव करते हुए करेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक विशेषण और विशेष्य शब्दों की परिभाषा बताएँगे व उनके कार्ड बनाकर वितरित करेंगे, फिर विशेषण एवं विशेष्य को छाँटने को कहेंगे।
- दीक्षा ऐप पर अभ्यास कार्य को दिखाएँगे व उसे श्यामपट्ट पर लिखकर उत्तरपुस्तिका में उतारने के लिए कहेंगे।
- मुद्रा के विभिन्न प्रकार के चित्र के फ्लैश कार्ड बच्चों को दिखाकर पहचानने को कहेंगे।

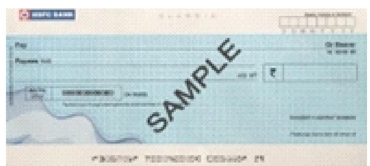

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- छात्र को शिक्षक के सहयोग से पाठ्यपुस्तक के बोध प्रश्न के उत्तर उत्तरपुस्तिका पर लिखेंगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य–

कार्यपुस्तिका की पृष्ठ संख्या–66–67 से प्रश्न संख्या–2 एवं 3, को पूर्ण कराया जाएगा तत्पश्चात उसका अवलोकन भी किया जाएगा।

गृहकार्य– एकांकी में दिये गये पात्रों में से सबसे अधिक प्रिय पात्र का चित्र बनाकर लाने को कहेंगे।

पाठ–18, अंधेर नगरी (7/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H514, H516

शिक्षण उद्देश्य–

- कार्यपुस्तिका के अभ्यासों पर कार्य कराना।
- पाठ से संबंधित अपरिचित शब्दों पर समझ बनाना।
- पिछले दिवसों में किए गए शिक्षण कार्य का दोहराव व आकलन।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, श्यामपट्ट, चॉक, डस्टर, आवश्यकतानुसार पूर्व में प्रयुक्त शिक्षण सामग्री, दीक्षा ऐप, आकलन हेतु कार्यपत्रक।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- पाठ के लेखक एकांकी विधा व नाटक के बारे में चर्चा करेंगे।
- बच्चों के पूर्व ज्ञान को समझकर शिक्षक द्वारा बनाए गए कार्यपत्रक छात्रों को कार्य के लिए देंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक स्वयं से तैयार आकलन प्रपत्र से सभी छात्रों का आकलन करेंगे। इसके लिए शिक्षक पाठ्यपुस्तक व कार्यपुस्तिका में दिए गए अभ्यास प्रश्नों का प्रयोग कर सकते हैं या संबंधित विषय वस्तु पर स्वयं से प्रश्न निर्माण कर सकते हैं।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- अवलोकन के पश्चात् छात्रों को आ रही समस्याओं का समाधान करेंगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य–

- छात्रों द्वारा किए गए आकलन कार्य पत्रकों का अवलोकन करना।

बस तीन मिनट

एक बार बंदरों की टोली शहर घूमने गई। शहर में उन्हें जगह–जगह पोस्टर चिपके मिले। उन्होंने सोचा– क्यों न हम भी अपने घर में पोस्टर बनाकर चिपकाएँ ? सभी ने पेंसिल, कागज और रंग खरीदे। सबने मिलकर चित्रकारी शुरू कर दी। उन्होंने एक मिनट में पेंसिलें तोडीं। दो मिनट में कागज फाड़े। तीन मिनट में अपने हाथ–पैर और मुँह रंग लिए। फिर सभी एक साथ चिल्लाए–आ हा! हम तो खुद ही पोस्टर बन गए।

पाठ–19, किन्नौर देश की ओर (1/6)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H504, H514

शिक्षण उद्देश्य–

- छात्रों को 'यात्रा–वृत्तांन्त' विधा से परिचित कराना।
- शिक्षक द्वारा यातायात के विभिन्न साधनों तथा रेलगाड़ी, वायुयान, जलयान, दो पहिया एवं चार पहिया वाहनों आदि के बारे में परिचित कराना।
- प्रश्नोत्तर/बातचीत के मौखिक और लिखित अभ्यास कराना।
- बच्चों को पाठ में आए स्थान विशेष की भौगोलिक एवं सामाजिक परिस्थितियों से अवगत कराना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, श्यामपट्ट, चॉक, मार्कर, यातायात के साधनों के चित्र

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक बच्चों को संक्षेप में राहुल सांकृत्यायन का जीवन परिचय देंगे, तथा उनके यात्रा प्रेम के बारे में रोचक ढंग से बताएँगे।
- शिक्षक बच्चों को 'यात्रावृत्तांत' विधा से परिचित कराएँगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक बच्चों को पाठ की घटनाओं को हाव–भाव के साथ रोचक ढंग से सुनाएँ।
- शिक्षक बच्चों को छोटे समूह में बाँटकर किसी एक घटना को अपने शब्दों में लिखने को कहें।
- शिक्षक बच्चों द्वारा लिखी गई घटना को समूहवार कक्षा में प्रस्तुतीकरण (पढ़वाएँ) करवाएँ।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- शिक्षक बच्चों से घटनाओं के बारे में निम्नांकित प्रकार के प्रश्न पूछें।
  (i) घोड़ा कुछ ही दूर जाने पर क्यों ठमकने लगा?
  (ii) लेखक के पास कितने खच्चर का सामान था?
  (iii) डाक बँगले के चौकीदार कहाँ गए थे?
  (iv) ढिल्लन साहब ने भालू के बारे में क्या बताया?

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य– कार्यपुस्तिका के पृष्ठ संख्या–69 के प्रश्न संख्या–1 के क, ख और ग पर कार्य करेंगे।

गृहकार्य– कार्यपुस्तिका के पृष्ठ संख्या–70 के प्रश्न संख्या–2 को प्रोजेक्ट कार्य के रूप में देंगे।

पाठ–19, किन्नौर देश की ओर (2/6)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H504, H514

शिक्षण उद्देश्य–

- शिक्षक द्वारा पाठ के किसी अंश का आदर्श वाचन व बच्चों द्वारा वाचन अभ्यास।
- बच्चों में यात्रा के प्रति रुचि जगाना।
- बच्चों को कठिन शब्दों व अपरिचित शब्दों से परिचित कराना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, श्यामपट्ट, चॉक/मार्कर, प्राकृतिक दृश्य के चार्ट।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- शिक्षक पाठ के अंश (रामपुर, हिमांचल प्रदेश में स्थित) बंगले पर पहुँच गया का आदर्श वाचन करेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक कम से कम दो तेज गति से पढ़ने वाले एवं दो धीमी गति से पढ़ने वाले बच्चों से वाचन अभ्यास करवाएँ।?
- शिक्षक बच्चों के अभ्यास वाचन के उपरांत आये कठिन शब्दों की सूची श्यामपट्ट पर लिखेंगे।
- कठिन व अपरिचित शब्दों का बारी–बारी से विभिन्न सन्दर्भों में वाक्य प्रयोग करवाएँगे।
- पाठ के अंश में प्रयोग किये गये साधनों की उपयोगिता पर चर्चा करेंगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- शिक्षक छात्रों से उनके द्वारा उपयोग किए गए यातायात के साधनों में के बारे में पूछेंगे।
  (i) आप लोगों में से कौन–कौन रेल से यात्रा किया है ?
  (ii) घोड़े या ऊँट पर बैठा है ?
  (iii) इसी प्रकार के और भी प्रश्न पूछेंगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य- कार्यपुस्तिका वाटिका के पाठ–19 के प्रश्न संख्या–4 के (क) को बच्चों से करवाएँगे।

गृहकार्य– यदि रास्ते में खच्चर बीमार हो जाता तो लेखक अपनी यात्रा कैसे पूरी करता। परिवार के सहयोग से लिखकर लाएँगे।

पाठ–19, किन्नौर देश की ओर (3/6)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H504, H514

शिक्षण उद्देश्य–

- पाठ के अनुच्छेद में दी गई जानकारियों को खोज कर परिचित कराना।
- प्रश्नोंत्तर/बातचीत का मौखिक– लिखित अभ्यास कराना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, श्यामपट्ट, चॉक/मार्कर, आई0सी0टी0 प्रश्न कार्ड आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- छात्रों द्वारा पाठ के बचे हुए भाग का वाचन करवाएँगे। वाचन में तेज एवं धीमी गति से पढ़ने वाले बच्चों को सम्मिलित करेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक बच्चों को छोटे समूह में बाँटकर निम्नांकित प्रश्न कार्डों द्वारा पाठ की समझ को मजबूत करेंगे।
  (i) लेखक ने यात्रा में यातायात के किस साधन का उपयोग किया और क्यों ?
  (ii) सराहन के डाक बँगले पर पहुँचते समय लेखक की दशा का वर्णन कीजिए।
  (iii) लेखक ने किन्नौर प्रदेश की स्त्रियों के पहनावे की क्या विशेषताएँ बताई हैं ?
  (iii) खानाबदोश क्या काम करते हैं ?
  (iv) ढिल्लन साहब ने भालू के बारे में क्या बताया ?

विशेष– शिक्षक बच्चों के छोटे समूह में एक–एक प्रश्न कार्ड देकर उनके उत्तर को अपनी भाषा में लिखने को कहेंगे। शिक्षक आवश्यकतानुसार बच्चों की सहायता करेंगे।

- शिक्षक बच्चों द्वारा लिखे गए उत्तरों को कक्षा में प्रस्तुतीकरण (पढ़वाएँगे) करवाएँगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- यात्रा के दौरान आने वाली बाधाओं व उनके समाधान पर बड़े समूह में चर्चा करेंगे।
- शिक्षक बच्चों से पूछें कि यदि आपको कभी पहाड़ों पर जाने का अवसर प्राप्त हो तो कहाँ जाएँगे और क्यों ?

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य– कार्यपुस्तिका के पाठ–19 के प्रश्न संख्या–6 बच्चों से करवाएँगे।

गृहकार्य–

- यदि रास्ते में खच्चर बीमार हो जाता तो लेखक अपनी यात्रा कैसे पूरी करते ?

पाठ–19, किन्नौर देश की ओर (4/6)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H504, H514

शिक्षण उद्देश्य–

- यात्रा शब्द से संबंधित अन्य शब्दों को लिखना और उन शब्दों का वाक्य प्रयोग करना।
- प्रश्नोत्तर/बातचीत का मौखिक लिखित अभ्यास कराना।
- बच्चों को व्याकरण के माध्यम से समानार्थी शब्दों का वाक्य प्रयोग, शुद्ध उच्चारण आदि से परिचय कराना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, श्यामपट्ट, चॉक/मार्कर।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- शिक्षक पूर्व दिवस हुई चर्चा का सार सुनाने को कहेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक बच्चों से यात्रा शब्द के पर्याय पर अपने विचार व्यक्त करने को कहेंगे।
- शिक्षक छात्रों को छोटे समूह में बाँटकर वाटिका के प्रश्न अभ्यास संख्या–2, 3, 4, 5 को प्रत्येक समूह में एक–एक प्रश्न देंगे।
- छात्र पाठ्यपुस्तक की सहायता एवं आपस में बातचीत करके प्रश्नों का उत्तर लिखेंगे।
- शिक्षक बच्चों द्वारा लिखे गए उत्तरों को कक्षा में पढ़वाएँ एवं आवश्यकतानुसार सहयोग कर सुधार करें।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- शिक्षक कुछ शब्दों को श्यामपट्ट पर लिखकर छात्रों से पढ़वाएँ। जैसे– सांकृत्यायन, आशीर्वाद, उज्ज्वल, अत्युक्ति आदि।
- उपर्युक्त शब्दों या अन्य शब्द लेकर छात्रों से वाक्य प्रयोग करवाएँ।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य–

शिक्षक बच्चों से कार्यपुस्तिका के प्रश्न संख्या–4 और 5 से आकलन कर उसका अभ्यास करवाएँ।

गृहकार्य– शिक्षक बच्चों से उदाहरण स्वरूप शब्दों को जोड़कर वाक्य लिखकर लाने को कहेंगे व अगले दिन कक्षा में प्रस्तुतीकरण करवाएँगे।

(i) घोड़ा ठमकने लगा...
(ii) पानी...
(iii) पक्षी...
(iv) कुत्ते...
(v) कोयल...
(vi) बल्ब...
(vii) जहाज...

पाठ–19, किन्नौर देश की ओर (5/6)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H504, H514

शिक्षण उद्देश्य–

- पाठ के अभ्यास प्रश्नों पर चर्चा करना।
- आकलन एवं कार्यपुस्तिका के प्रश्नोंत्तर पर कार्य करना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, श्यामपट्ट, चॉक/मार्कर।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- शिक्षक बच्चों से उनके द्वारा की गई किसी भी यात्रा पर बातचीत करके उनको पाठ से जोड़ेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक बच्चों से पाठ के बारे में चर्चा करते हुए बच्चों द्वारा की गई किसी भी यात्रा का वर्णन करने के लिए बोर्ड पर प्रश्न निर्माण कराएँ और उन्हें इनका उत्तर लिखने को कहें। आवश्यकतानुसार शिक्षक बच्चों की सहायता करें।

  (i) आप कहाँ गए थे?

  (ii) यात्रा के दौरान क्या–क्या तैयारी की थी?

  (iii) रास्ते में क्या–क्या देखा?

  (iv) यात्रा के सबसे यादगार पल कौन से थे? या यात्रा में आपको क्या–क्या अच्छा लगा?
- शिक्षक आवश्यकतानुसार कुछ बच्चों से उनका प्रस्तुतीकरण करवाएँगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- शिक्षक बच्चों से निम्न वाक्यों में शब्दों का क्रम सही करवाएँ।

  (i) ले नहीं जाया जा सकता पहाड़ में अकेला खच्चर।

  (ii) धीरे–धीरे बढ़े हम आगे..............................

  (iii) किताब अपनी पढ़ी मोहन ने।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य– कार्यपुस्तिका वाटिका के पाठ–19 के प्रश्न संख्या–1 चित्र देखकर उत्तर दीजिए बच्चों से करवाएँगे।

गृहकार्य– शिक्षक बच्चों को इस पाठ से मिली सीख को घर से लिखकर लाने को कहें व अगली यात्रा करते समय उस सीख का क्या प्रयोग करेंगे।

पाठ–19, किन्नौर देश की ओर (6/6)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H504

शिक्षण उद्देश्य–

- कार्यपुस्तिका के अभ्यासों पर कार्य कराना।
- प्रश्न निर्माण करना।
- पिछले दिवसों में किए गए शिक्षण कार्य का दोहराव व आकलन।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, श्यामपट्ट, चॉक/मार्कर।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- पूर्व दिवसों में हुई चर्चा के सार को सामूहिक रूप से बच्चों के साथ साझा करेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक पाठ्यपुस्तक की सहायता से बच्चों को प्रश्न निर्माण करना सिखाएँगे। पहले शिक्षक किसी अनुच्छेद से प्रश्न का निर्माण करके बच्चों को बताएँगे, फिर उसे श्यामपट्ट पर लिखेंगे।
- शिक्षक बच्चों को छोटे समूह में बाँटकर प्रत्येक समूह द्वारा कम से कम 5 प्रश्नों का निर्माण कराएँ।
- शिक्षक बच्चों द्वारा बनाए गए प्रश्नों के उत्तर को दूसरे समूह से पूछेंगे।
- इसी तरह प्रत्येक समूह अपने प्रश्नों के उत्तर को पूछकर पाठ पर अपनी समझ मजबूत बनाएँगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- शिक्षक कक्षा में उन बच्चों पर भी ध्यान देंगे जो प्रश्नों का निर्माण और उनके उत्तर नहीं दे पा रहे हैं या, जो बच्चे गतिविधि में सम्मिलित नहीं हो पा रहे हैं।
- इन बच्चों का सरल प्रश्न और उनके उत्तरों द्वारा समझ मजबूत करेंगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य– कार्यपुस्तिका वाटिका के पाठ–19 के प्रश्न संख्या–3 बच्चों से करवाएँगे।

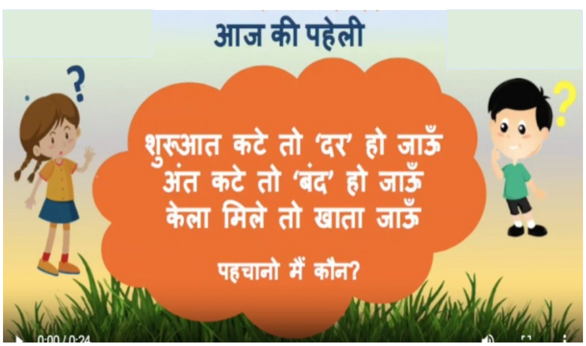

पाठ–20, राष्ट्र गौरव कलाम (1/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H502, H505

शिक्षण उद्देश्य–

- साक्षात्कार विधा से परिचित कराना।
- विभिन्न शैली/विधाओं के पाठों को हाव–भाव, शुद्धता एवं प्रवाह के साथ पढ़ने की समझ विकसित करना।

आवश्यक सामग्री– डॉ0ए0पी0जे0 अब्दुल कलाम, अटल बिहारी वाजपेई या अन्य किसी प्रसिद्ध व्यक्ति के साक्षात्कार का वीडियो, ऑडियो।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक बच्चों से पूर्व में पढ़े गए महापुरुषों के बारे में पूछेंगे। बच्चों द्वारा बताए गए नाम को श्यामपट्ट पर लिखेंगे।
- श्यामपट्ट पर लिखे गए नामों में से किसी एक नाम पर विस्तार पूर्वक चर्चा करेंगे।
- बच्चों को किसी महापुरुष के साक्षात्कार का ऑडियो/वीडियो दिखाकर साक्षात्कार विधा से परिचित कराएँगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक पूरे पाठ के सारांश को अपने शब्दों में बताएँगे, शिक्षक डॉ0 ए. पी. जे. अब्दुल कलाम के जीवन पर चर्चा करेंगे।
- चर्चा के आधार पर बनी समझ के अनुसार पाठ से डॉ0 कलाम की विशेषताओं को, वैज्ञानिक के रूप में उनके कार्यों को पाठ से संकलित कराएँगे।
- शिक्षक उनको श्यामपट्ट पर व छात्र कॉपी में नोट करेंगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- शिक्षक द्वारा की गई चर्चा के आधार पर छात्रों को वार्तालाप और साक्षात्कार में अंतर स्पष्ट करेंगे उसके मुख्य बिंदु छात्रों से नोट करवाएँगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य– कार्यपुस्तिका से प्रश्न संख्या–1 करने को कहें। (पृष्ठ संख्या–72)

गृहकार्य–

- कार्यपुस्तिका से पृष्ठ संख्या–72 के प्रश्न संख्या–5 आप बड़े होकर क्या बनना चाहते हैं और अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए क्या करेंगे घर से करके लाने के लिए कहेंगे।

पाठ–20, राष्ट्र गौरव कलाम (2/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H502, H505

शिक्षण उद्देश्य–

- पाठ का पठन और चर्चा करना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, कार्यपुस्तिका, श्यामपट्ट/प्रोजेक्टर।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- पिछले दिन दिए गए कुछ कार्य जिसके अंतर्गत बच्चों के लक्ष्य व जीवन का सपना क्या है ? पर चर्चा करेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक कक्षा में सभी "राष्ट्र गौरव कलाम" पाठ का आदर्श वाचन करेंगे। इसके बाद शिक्षक छात्रों को छोटे–छोटे समूह में बाँट देंगे और सभी समूह में छात्र का "राष्ट्र गौरव कलाम" पाठ का मौन वाचन करने को कहेंगे। मौन वाचन के समय शिक्षक सभी समूह में जाकर देखते रहेंगे।
- शिक्षक खुले एवं बंद छोर के प्रश्नों के माध्यम से पाठ पर चर्चा करेंगे।
- शिक्षक बच्चों से पाठ में आये अपरिचित शब्दों को ढूँढ़ने और अपनी उत्तरपुस्तिका में लिखने को कहेंगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- पृष्ठ संख्या–75 कार्यपुस्तिका प्रश्न संख्या–9 को पूरा करने के लिए प्रेरित करने के बाद श्यामपट्ट पर लिखकर अपने कार्य से मिलान करने को कहेंगें।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य– कार्यपुस्तिका पृष्ठ संख्या–74 के प्रश्न संख्या–6 को घर से करके लाने को कहेंगें।

गृहकार्य–

- पाठ्यपुस्तक के पृष्ठ संख्या–117 से प्रश्न संख्या–2 सोच–विचार बताइए घर से करके लाने को कहेंगे।

मैंने देखा

कुछ देर चुपचाप रहिए और चारों तरफ की चीज़ें देख लिजिए। अब कहिए, ''आज मैंने देखा...'' हर बच्चे को बारी–बारी कहना होगा कि उन्होंने क्या देखा। हर एक की बताई हुई चीज़ें अलग होनी चाहिए, जैसेः– ''मैंने देखा पंखा।", "मैंने देखी खिड़की।'' अगर बच्चे लिख सकते हैं, तो चर्चा के बाद उन सारी चीज़ों की लिस्ट भी बनाएँ। इस खेल को कुछ और ढंग से भी खेल सकते हैं, जैसे – "लाल" अब बोलने वाले को आसपास में मौजूद लाल वस्तुएँ के बारे में बोलना होगा : "मैंने देखा.... दीदी का लाल दुपट्टा", "छोटू का लाल पजामा", "लाल गेंद" आदि।

पाठ–20, राष्ट्र गौरव कलाम (3/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H502, H505

शिक्षण उद्देश्य–

- साक्षात्कार विधा की मुख्य विशेषताओं पर बच्चों द्वारा नोट तैयार करना।

आवश्यक सामग्री– अखबार में प्रकाशित साक्षात्कार के पृष्ठ, पाठ्यपुस्तक, श्यामपट्ट, चॉक, चार्ट पेपर।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- शिक्षक किसी बच्चे का साक्षात्कार लें, छात्र के अनुभव से सम्बन्धित प्रश्न पूछें।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- साक्षात्कार की कटिंग को सभी छात्रों के दो समूह बनाते हुए 2–2 की संख्या–में बाँट दें। छात्रों को स्वतंत्र रूप से पठन कराने के उपरांत प्रत्येक समूह का प्रस्तुतीकरण कराते हुए साक्षात्कार के सबसे रोचक बिंदु पर चर्चा करने को कहें। शिक्षक सहयोगी की भूमिका में रहेंगे।
- कलाम के साक्षात्कार में आपको विशिष्ट बात क्या लगी ? बच्चों से इस प्रश्न पर चर्चा कर उनके विचार जानेंगे। तत्पश्चात समूह वार इसे उत्तरपुस्तिका पर लिखने को कहेंगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- पाठ में आए विभिन्न वर्षों में कलाम ने क्या किया इसको चिह्नित कर कॉपी में लिखने को कहेंगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य– कार्यपुस्तिका के पृष्ठ संख्या–72 से प्रश्न संख्या–2 (यदि आपको साक्षात्कार लेने का अवसर मिले तो आप किसका साक्षात्कार लेंगे ?) बच्चों को करने को कहेंगे।

गृहकार्य–

- कार्यपुस्तिका पृष्ठ संख्या–72, प्रश्न संख्या–3 का उत्तर घर से लिखकर लाने को कहेंगे।

रेहान का सवाल

हमें अपने से बड़ों को हमेशा 'आप' कहकर बोलना चाहिए।

पापा हमेशा रेहान को यही बात समझाते रहते। मगर वह समझ नहीं पाता कि किसको 'आप' बोलना है और किसको 'तुम'? वह अपने मम्मी–पापा से भी 'आप' करके बात नहीं करता था। वह हमेशा सोचता रहता कि मम्मी–पापा से वह 'आप' कहकर बात करेगा, तो ऐसा लगेगा कि वे दूर के किसी रिश्तेदार से बातें कर रहा है।

एक बार की बात है। रेहान के घर के दरवाज़े पर एक बुजुर्ग खड़े थे। वह अगरबत्ती बेच रहे थे। वह पापा से पूछ रहे थे– क्या आप अगरबत्ती ख़रीदेंगे?

पापा ने कहा– हमें अगरबत्ती नहीं चाहिए। 'तुम' कहीं और जाकर अपनी अगरबत्ती बेचो। रेहान को यह बात समझ में नहीं आई कि बुजुर्ग तो पापा से बड़े हैं। फिर उन्होंने उनसे 'आप' करके बात क्यों नहीं की...?

Writer : Nilutpal Biswas Illustrator : Susanta Das

पाठ–20, राष्ट्र गौरव कलाम (4/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H502, H505

शिक्षण उद्देश्य–

- "कलाम" के जीवन एवं कार्यों पर चर्चा तथा लेखन कराना।

आवश्यक सामग्री– चार्ट पेपर, रंगीन स्केच पेन, पाठ्यपुस्तक।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- शिक्षक छात्रों को डॉ0 कलाम के जीवन की कोई प्रमुख घटना स्वयं सुनाएँगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक बोर्ड पर डॉक्टर कलाम द्वारा किए गए कार्यों को क्रमवार बोर्ड पर लिखेंगे।
- शिक्षक बोर्ड पर क्रमवार लिखे गए डॉ0 कलाम के कार्यों के महत्व, भारत में उनके कारण आए बदलाव, विकास पर प्रकाश डालते हुए डॉ0 कलाम के योगदान पर चर्चा करेंगे।
- सभी छात्रों को चार समूह में बाँटते हुए निम्नलिखित बिन्दुओं पर सूचना संकलित कर चार्ट पर सुंदर तरीके से लिखवाया जाएगा।

(i) डॉ0 कलाम का जीवन परिचय

(ii) डॉ0 कलाम की शिक्षा

(iii) विज्ञान के क्षेत्र में डॉ0 कलाम का योगदान

(iv) डॉ0 कलाम का राष्ट्रपति के रूप में कार्यकाल व योगदान

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- शिक्षक प्रत्येक समूह को चार्ट पेपर देंगे और संकलित की गई सूचना व तथ्यों को रचनात्मक ढंग से लिखते हुए चार्ट तैयार करेंगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य– कार्यपुस्तिका के पृष्ठ संख्या–74 से प्रश्न संख्या–7 करने को कहेंगे।

गृहकार्य–

- पाठ्यपुस्तक से पृष्ठ संख्या–117 से प्रश्न संख्या–1 घर से कर के लाने को कहेंगे।

पाठ–20, राष्ट्र गौरव कलाम (5/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H502, H505, H513

शिक्षण उद्देश्य–

- बच्चों द्वारा अपने गाँव/क्षेत्र के किसी व्यक्ति का साक्षात्कार लेने की क्षमता विकसित करना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, कार्यपुस्तिका, आई0सी0टी0।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- भारत के महान व्यक्तित्वों की चर्चा गृहकार्य में दिए गए प्रश्नों के आधार पर मौखिक रूप से बताते हुए गोपाल कृष्ण गोखले, डॉ0 कलाम, सरोजनी नायडू, महात्मा गांधी, पं0 नेहरू आदि के विषय में चर्चा करेंगे। उनके व्यक्तित्व के गुणों को श्यामपट्ट पर लिखेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक कक्षा कक्ष में छात्रों के साथ, साक्षात्कार कैसे लिया जाता है के बारे में चर्चा करेंगे।
- साक्षात्कार लेते समय क्या–क्या सावधानी रखनी चाहिए। साक्षात्कार लेने से पूर्व क्या तैयारी करनी चाहिए पर चर्चा।
- इसके बाद छात्र छोटे–छोटे समूह में एक दूसरे छात्र का साक्षात्कार लेंगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- डॉ0 कलाम के गुणों पर चर्चा करें। छात्रों के अपने गुणों के बारे में सोच कर लिखने के लिए कहेंगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य– कार्यपुस्तिका से के पृष्ठ संख्या–72 प्रश्न संख्या–3 करने को कहें, (आप साक्षात्कार में कौन–कौन से प्रश्न पूछेंगे।)

गृहकार्य–

- पाठ में आए नारे के विषय में संक्षिप्त चर्चा करते हुए विज्ञान की उपयोगिता के विषय में 5–6 लाइन लिखकर लाने को कहेंगे।
- छात्र अपने अभिभावक की सहायता से महापुरुषों द्वारा लगाये गये नारों का संकलन करेंगे।

पाठ–20, राष्ट्र गौरव कलाम (6/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H502, H505, H513

शिक्षण उद्देश्य–

- पाठ के अभ्यास प्रश्नों पर कार्य करना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तकें, बच्चों की कॉपी, पेन, श्यामपट्ट, चॉक, मार्कर।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- (गृहकार्य में दिए गए विज्ञान की उपयोगिता विषय पर चर्चा कर उनके कार्य की समीक्षा करेंगे।)

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक पुनः पाठ का आदर्श वाचन करेंगे।
- बच्चों को छोटे–छोटे समूह में बाँटकर पाठ का मौन वाचन करने को कहेंगे।
- बच्चों को समूह में प्रश्न निर्माण कर उत्तरपुस्तिका में लिखने एवं दूसरे समूह से पूछने को कहेंगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- पढ़ाए गए विषय बिंदुओं पर दोहराव कराएँगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य– पाठ्यपुस्तक के पृष्ठ संख्या–118 से प्रश्न संख्या–5 के प्रश्न पर चर्चा कर शिक्षक द्वारा बताए गई बात पर जो उन्हें अच्छी लगी या प्रेरक लगी उसे 5–6 लाइन छात्रों से लिखवाएँगे।

गृहकार्य–

- पृष्ठ संख्या–118 से प्रश्न संख्या–7 (पाठ्यपुस्तक से 4–5 लाइन) को घर से करके लाने के लिए प्रेरित करेंगे। (अभिभावक सहयोग अपेक्षित)

दोनों के गुब्बारे

रामपुर में मेला लगा था। लोग खरीदारी कर रहे थे। कायरा अपने सहपाठी देवान के साथ मेला घूम रही थी। दोनों सजी हुई दुकानों को देख रहे थे। तभी एक गुब्बारे वाला आया। उसके पास रंग–बिरंगे गुब्बारे थे।

कायरा ने दो पीले और देवान ने दो हरे रंग के गुब्बारे लिए। दोनों उनसे खेलते रहे। फिर दोनों ने एक–एक गुब्बारा आपस में बदल लिया। अब दोनों के पास दो रंग के गुब्बारे हो गए। अचानक कायरा के हाथ से पीले रंग का गुब्बारा छूट गया। वह आसमान में उड़ने लगा।

देवान ने भी एक गुब्बारा हवा में छोड़ दिया।

दोनों उड़ते हुए गुब्बारों को देख रहे थे।

उन्हें बहुत खुशी हो रही थी कि अभी उनके हाथों में एक–दूसरे का दिया हुआ गुब्बारा बचा हुआ था।

पाठ–20, राष्ट्र गौरव कलाम (7/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H502, H513

शिक्षण उद्देश्य–
- कार्यपुस्तिका के अभ्यास पर कार्य करना।
- पाठ से संबंधित अपरिचित शब्दों पर समझ बनाना।
- पिछले दिवसों में किए गए शिक्षण कार्य का दोहराव व आकलन।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, आई0सी0टी0 का प्रयोग।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृह कार्यों का अवलोकन करेंगे सुधारात्मक सुझाव एवं प्रोत्साहित करेंगे।
- बच्चों द्वारा गृहकार्य में पाठ से क्या सीख मिली एवं 'वे क्या करेंगे' पर चर्चा कर उनकी समझ बढ़ाने पर बातचीत करेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक बच्चों से समूह में शिक्षक, गाँव के सरपंच/प्रधान का साक्षात्कार लेने के लिए प्रश्न का निर्माण करवाएँगे।
- प्रश्न निर्माण के पश्चात् छात्रों से इन प्रश्नों के माध्यम से स्कूल के किसी शिक्षक का साक्षात्कार लेने को कहेंगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पाठ्यपुस्तक की कार्यपुस्तिका के अवशेष कार्य को पूर्ण करवाएँगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य
- शिक्षक बच्चों द्वारा किए गए कार्य का आकलन कर आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करेंगे।

फुटबॉल

रेहाना के घर के पास बाज़ार लगा है। वह अपने भाई राशिद से कहती है, "भैया, कुछ लेकर आते हैं।" राशिद तैयार हो गया। दोनों दादी जी के पास पहुँचे। दादी जी ने उनसे पूछा, "क्या लाओगे तुम दोनों?"

राशिद बोला, "दादी जी, मुझे मोटर कार पसंद है। मैं मोटर कार ही लूँगा। रेहाना को गुड़िया पसंद है तो इसके लिए गुड़िया ही लेंगे।" "तुम्हें कैसे पता कि मैं गुड़िया ही लूँगी?" रिहाना ने पूछा। "क्योंकि तू गुड़िया ही है। लड़कियाँ गुड़ियों से ही खेलती हैं।" राशिद ने कहा। "ऐसे तो तू गुड्डा है और तुझे गुड्डे से ही खेलना चाहिए।" रेहाना ने कहा। राशिद को कुछ समझ में नहीं आया कि क्या कहे। उसने इतना ही कहा, "तो फिर तू क्या लेगी?"

"मैं लूँगी फ़ुटबॉल।" कहते हुए रेहाना ने पाँव से हवा में किक लगाई और ऊपर देखा। दादी जी मुस्कराई। फिर उन्होंने दोनों को उनकी पसंद के सामान ख़रीदने के लिए पैसे दिए।

पाठ–21, रघुकुल रीति (1/5)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H501, H504

शिक्षण उद्देश्य–

- छात्रों को कथा विधा से परिचित कराना।
- परिवेशीय घटना/पाठ से संबंधित मौखिक प्रस्तुतीकरण व क्रमबद्ध लेखन की जानकारी देना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, कार्यपुस्तिका, मार्कर, चॉक, डस्टर, श्यामपट्ट आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक बच्चों से त्यौहारों के बारे में चर्चा करेंगे।
  - (i) त्यौहार क्यों मनाते हैं ?
  - (ii) उन्हें कौन–कौन से त्यौहार मनाना अच्छा लगता है ?
  - (iii) हम दशहरा और दीपावली क्यों मनाते हैं ?

नोट– बच्चों द्वारा बताए गए त्यौहारों को श्यामपट्ट पर लिख देंगे।

- शिक्षक दशहरा पर चर्चा करते हुए रामायण की कोई घटना सुनाकर रामायण से संबंधित घटनाओं पर चर्चा करेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक छात्रों को कथा विधा से परिचित कराएँगे।
- शिक्षक बच्चों को कहानी ''रघुकुल रीति'' संक्षेप में सुनाते हुए रामचन्द्र के कुल/पूर्वजों की विशेषता के बारे में विस्तृत जानकारी देंगे। शिक्षक छात्रों को बताएँगे कि ''रघुकुल रीति'' में वचन निभाने की परम्परा कैसी थी ?

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- शिक्षक द्वारा सुनाई कहानी को छात्र अपने शब्दों में लिखेंगे।

गृहकार्य–

- अभिभावक से रामायण की कोई कहानी सुनने को कहेंगे एवं लिखकर लाने को कहेंगे।

पाठ–21, रघुकुल रीति (2/5)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H501, H504

शिक्षण उद्देश्य–

- श्री राम के बचपन की घटनाओं से परिचित कराना।
- बच्चों मे लेखन कौशलों का विकास करना।

आवश्यक सामग्री– विभिन्न पौराणिक कहानी के पात्रों के चित्र, पाठ्यपुस्तक, चित्र, कहानी पुस्तक/मोबाइल/लैपटॉप आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- बच्चों से रामायण की कोई ऐसी कहानी सुनाने को कहेंगे जो उन्होंने अपने घर पर बड़ों से सुनी हो।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक द्वारा कक्षा में कथा का आदर्श वाचन किया जाएगा।
- बच्चों द्वारा पाठ का स्वतंत्र वाचन किया जाएगा।
- बच्चों को राम के बचपन की कहानी लिखने के लिए कहेंगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- पाठ से संबंधित बोध प्रश्न पूछेंगे।
- उत्तरपुस्तिका पर लिखने को कहेंगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य–

- बच्चे कार्यपुस्तिका के प्रश्न संख्या–1 को करेंगे।

गृहकार्य–

- राम के जीवन की 5 मुख्य बातें जिन्होंने आपको प्रभावित किया लिखकर लाएँ।
- पाठ्यपुस्तक के तुम्हारी कलम से प्रश्न के उत्तर लिखकर लाएँ।

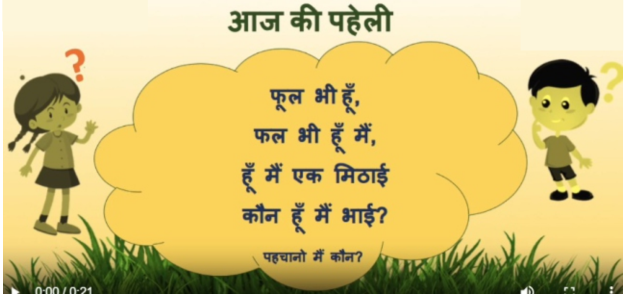

पाठ–21, रघुकुल रीति (3/5)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H501, H504

शिक्षण उद्देश्य–

- कहानी की विषय वस्तु पर तार्किक प्रश्न बनाना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, कार्यपुस्तिका, राम की कहानी से सम्बन्धित चित्र, मोबाइल/लैपटाप, महर्षि विश्वामित्र तथा राजा दशरथ का चित्र आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- बच्चों को सुनने के पश्चात् उनसे कुछ प्रश्न भी पूछे जाएँगे जो बच्चों के पिछले दिन के कार्य पर आधारित होंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- मोबाइल/लैपटाप पर अथवा चार्ट के माध्यम से श्रीराम तथा ऋषि विश्वामित्र का चित्र दिखाते हुए बच्चों से चित्र से सम्बन्धित प्रश्न अपने साथियों से पूछने को कहेंगे।
- जब वह सामान्य प्रश्न पूछने लगेंगे तब उनसे कुछ शिक्षक द्वारा तार्किक प्रश्न पूछे जाएँगे। जैसे–

  (i) विश्वामित्र जी ने राजा दशरथ से श्रीराम को ही क्यों माँगा ?

  (ii) राजा दशरथ श्रीराम को ऋषि के साथ वन भेजने से क्यों भयभीत थे ? आदि

  (शिक्षक प्रश्न स्वयं बना सकते हैं।)
- बच्चों को पाठ में आए कहानी के उन प्रसंगो को पढ़ने को कहेंगे जिन पर तर्क किया जा सकता हैं।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- जब बच्चे उन प्रसंगो को पढ़ लेंगे तब उनको उस पर तार्किक प्रश्न बनाने को कहेंगे

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य–

- कार्यपुस्तिका के पाठ से प्रश्न संख्या–सम्बन्धित रिक्त स्थान तथा प्रश्न संख्या–6 घटना क्रम को सही क्रम में लगाने को देंगे। उसके आधार पर उनका आकलन करते हुए सहयोग करेंगे।

गृहकार्य–

- अपने दादा–दादी या नाना–नानी से रामायण में राम और सुग्रीव की मित्रता वाला अंश सुनकर आए तथा कक्षा में सुनाएँ।
- कहानी ''रघुकुल रीति'' में आए अपरिचित शब्दों को रेखांकित करके अपनी उत्तरपुस्तिका पर लिखे एवं उनका अर्थ भी लिखें।

पाठ–21, रघुकुल रीति (4/5)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H501, H504

शिक्षण उद्देश्य–

- पाठ पर आधारित अभ्यास कार्य करना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, कार्यपुस्तिका, चॉक, डस्टर, श्यामपट्ट आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- बच्चों के द्वारा रेखांकित किये गये शब्द तथा उनके अर्थ सुने जाएँगे जिन शब्दों में बच्चों को कठिनाई होगी उनका अर्थ लिखवाया जाएगा।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- अभ्यासपुस्तिका के बोध प्रश्न पहले बच्चों से मौखिक पूछे जाएँगे तत्पश्चात उनका उत्तर परिष्कृत करते हुए श्यामपट्ट पर लिखा जाएगा बच्चे उसको लिख लेंगे।
- भाषा के रंग के अन्तर्गत कुछ और शब्द युग्म बना कर बच्चों को बताएँगे कि एक ही मात्रा के अन्तर से शब्दों के अर्थ में कितना अन्तर आ जाता है)
- शिक्षक छात्रों को उपसर्ग से परिचित कराएँगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- अवशेष अन्य अभ्यासकार्य भी बच्चों की सहायता से ही पूर्ण करवाया जाएगा।
- शिक्षक सुगमकर्ता की भूमिका में रहेंगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य–

- बच्चों को कार्यपुस्तिका का अभ्यास कार्य 2, 10 तथा 11 को करवाते हुए उनका आकलन किया जाएगा।

गृहकार्य–

- इस पूरी कहानी को संक्षेप में अपने शब्दों में लिखें।
- श्रीराम का विश्वामित्र के साथ वन जाते हुए चित्र बनाएँ।

पाठ–21, रघुकुल रीति (5/5)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H501, H504

शिक्षण उद्देश्य–

- कार्यपुस्तिका के अभ्यासों पर कार्य कराना।
- पाठ से संबंधित अपरिचित शब्दों पर समझ बनाना।
- पिछले दिवसों में किए गए शिक्षण कार्य का दोहराव व आकलन।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तिका, कार्यपुस्तिका, चॉक डस्टर श्यामपट्ट आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- गृहकार्य का प्रस्तुतीकरण कक्षा में किया जाएगा।
- बच्चों को कहानी पढ़ने एवं उस पर आपस में चर्चा करने का समय दिया जाएगा।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक स्वयं से तैयार आकलन प्रपत्र से सभी छात्रों का आकलन करेंगे। इसके लिए शिक्षक पाठ्यपुस्तक व कार्यपुस्तिका में दिए गए अभ्यास प्रश्नों का प्रयोग कर सकते हैं या संबंधित विषय वस्तु पर स्वयं से प्रश्न निर्माण कर सकते हैं।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- कार्यपुस्तिका का अभ्यास 8 तथा 9 करवाया जाएगा साथ ही यदि पाठ्यपुस्तक का कोई अभ्यास छूट गया है। तो उसको पूर्ण करवाया जाएगा।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य–

- कार्यपुस्तिका तथा पाठ्यपुस्तिका के आधार पर आकलन प्रपत्र बना कर बच्चों का आकलन किया जाएगा।
- बच्चों की कठिनाइयों के स्थल पर शिक्षक उनकी सहायता करेंगे।

चींटी और गिरगिट

"अरे सुनो! मेरे साथ दौड़ लगाओगी?" गिरगिट ने चींटी से कहा, "सुना है तुम बहुत बहादुर और ताक़तवर हो?"
चींटी घबराकर बोली, "पर मैं तो तुमसे बहुत छोटी हूँ!"
"पर मुझे तो लगता है कि दौड़ में तुम ही जीतोगी।"
"ठीक है! पर एक खेल तुम्हें भी मेरे साथ खेलना होगा।" चींटी ने कुछ सोचकर कहा।
"मंज़ूर है।"
"हम सामने के मैदान में दौड़ लगाएँगे।" गिरगिट ने चींटी की बात मान ली।
दौड़ शुरू हुई। गिरगिट पैर फैलाकर 'धप–धप–धप–धप' दौड़ने लगा और बहुत दूर निकल गया। चींटी रह गई बहुत पीछे।
"अब तुम अपना खेल बताओ।" गिरगिट ने जोष में कहा।
चींटी उसे एक टीले पर ले गई और कहा, "हम यहाँ से उड़ने का खेल खेलेंगे।"
"उड़ने का?"
"हाँ, ऐसे...।" कहकर चींटी टीले से कूद पड़ी और हवा में तैरने लगी।
नीचे आकर उसने कहा– "मुझे तो उड़ते हुए बहुत मज़ा आया। अब तुम भी आ जाओ।"
गिरगिट को पसीना आ गया, "बाप रे! मेरी तो हड्डी–पसली एक हो जाएगी!" कहकर वह भाग खड़ा हुआ।
चींटी खिलखिलाकर हँस पड़ी।

Writer : Dr. Mohd. Sajid Khan
Illustrator : Hariom Patidar

वस्त्र भण्डार
बर्तन स्टोर
छूट
मेडिकल स्टोर
King
किंग
King
Pratham

Pratham

सपनों की उड़ान

रूही के स्कूल में गर्मियों की छुट्टियाँ पड़ गई थीं। रूही बहुत खुश थी। उसकी मौसी मुंबई में रहती थीं। रूही अपने परिवार के साथ हवाई जहाज़ से मुंबई जाने वाली थी। सारी तैयारियाँ हो चुकी थीं। रूही बहुत खुश थी। वह पहली बार हवाई यात्रा करने जा रही थी।

माँ ने कहा, "रूही, सो जाओ। सुबह जल्दी जाना है।"

रूही को रात में सपना आया। उसने देखा कि वह हवाई जहाज़ में बैठी हुई है। जहाज़ उड़ने की तैयारी में है। उसने धीरे–धीरे चलना शुरू किया। फिर तेज़ी से दौड़ने लगा। तेज़ आवाज़ कानों में गूँजने लगी। जहाज़ उड़ान भरने ही वाला था कि अचानक ज़ोर का झटका लगा। वह हड़बड़ाकर उठ बैठी। सामने माँ खड़ी थीं वह रूही को जगा रही थी, "चलो रूही, जल्दी उठो। जाना है कि नहीं?"

रूही आँखें मलते हुए बोली, "क्या हम जहाज़ में बैठ गए?"

माँ ने हँसते हुए कहा, "सपनों की उड़ान छोड़ो। असली दुनिया की उड़ान अब भरनी है।" रूही उठी और मुँह–हाथ धोने चली गई।

Writer : Naresh Babu   Illustrator : Habib Ali

सूझबूझ

एक दिन किसी तालाब पर एक मछुआरा शिकार करने आया। तालाब में मछलियाँ उछल–कूद कर रही थीं। मछुआरे ने मन–ही–मन सोचा, "अरे वाह! यहाँ तो ढेर–सारी मछलियाँ हैं। कल मैं बड़ा जाल लेकर आऊँगा।"

उस तालाब में एक सुनहरी मछली भी थी। उसने मछुआरे की बात सुन ली। यह बात उसने दूसरी मछलियों को बताई। वे सब परेशान हो गईं।

"अब हम क्या करें? कहाँ जाएँ?" सभी सोचने लगीं।

सुनहरी मछली ने कहा, "पास में एक नदी है। उसकी बहुत सारी मछलियाँ मेरी दोस्त हैं। हम सब वहाँ जाकर रह सकते हैं। वहाँ हमें कोई परेशान नहीं करेगा।"

और भी मछलियाँ तालाब से निकलीं एक पतले रास्ते से नदी में चली गईं।

अगले दिन मछुआरा आया। उसने बार–बार जाल फेंका, लेकिन एक भी मछली नहीं फँसी। मछुआरा हैरान रह गया। वह अपना–सा मुँह लेकर घर लौट गया।

Writer : Balmiki Chauhan (Pryagraj)   Illustrator : Habib Ali

पंचकोष का विकास (Five fold Development)
भारतीय परम्परा का आधार स्तभ

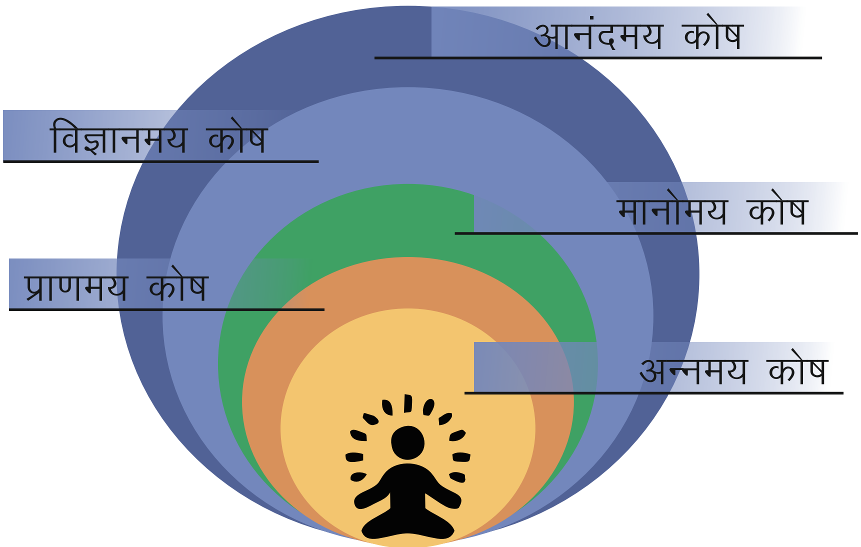

सतत विकास लक्ष्य
(SDGs)

1—गरीबी की पूर्णतः समाप्ति
2—भुखमरी की समाप्ति
3— अच्छा स्वास्थ्य और जीवन स्तर
4—गुणवत्तापूर्ण शिक्षा
5— लैंगिक समानता
6— साफ पानी और स्वच्छता
7—सस्ती और स्वच्छ ऊर्जा
8—अच्छा काम और आर्थिक विकास
9—उद्योग, नवाचार और बुनियादी ढांचा का विकास
10—असमानता में कमी
11—टिकाऊ शहरी और सामुदायिक विकास
12—जिम्मेदारी के साथ उपभोग और उत्पादन
13—जलवायु परिवर्तन
14—पानी में जीवन
15—भूमि पर जीवन
16—शांति और न्याय के लिए संस्थान
17—लक्ष्य प्राप्ति में सामूहिक साझेदारी

स्कूली शिक्षा

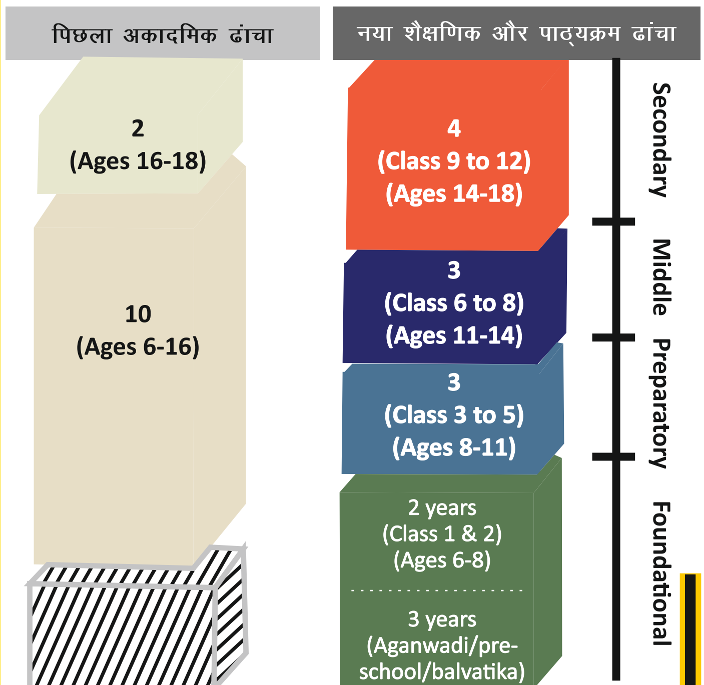

स्रोतः राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा, फाउंडेशनल स्टेज 2022

राष्ट्रगान

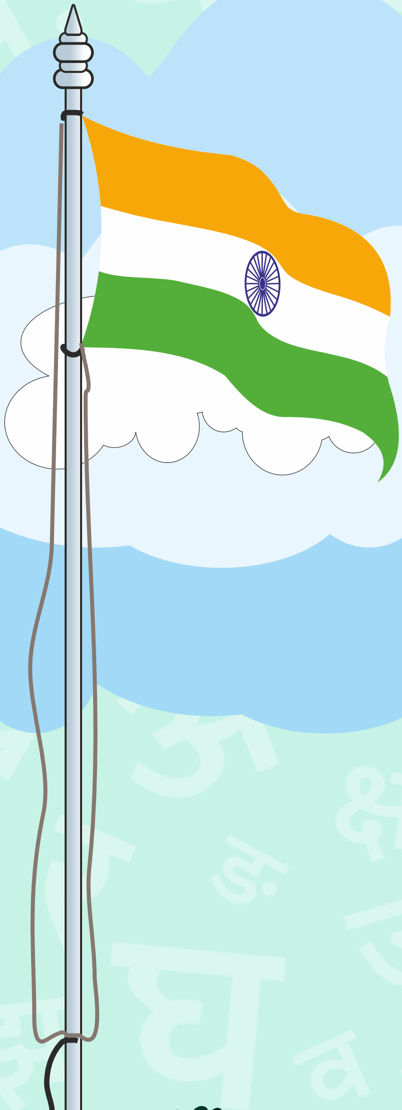

जन–गण–मन अधिनायक जय हे
भारत–भाग्य विधाता।
पंजाब–सिंध–गुजरात–मराठा
द्राविड़–उत्कल–बंग
विंध्य–हिमाचल–यमुना–गंगा
उच्छल–जलधि तरंग
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय गाथा
जन–गण–मंगल दायक जय हे
भारत–भाग्य विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे!